@Qpatrika
@qaumipatrika punjabi
instagram.com/ qaumipatrika
Largest Circulated

विश्व भर में सबसे ज्यादा पढ़ा जाने वाला

कौमी पत्रिका
Qaumi Patrika NO.1

दिल्ली, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड से प्रसारित।
Friday, 13 November 2026

Punjabi National Daily

VISIT: www.qaumipatrika.org
Email: qpatrika@gmail.com

नवीं दिॱली: शुॱकरवार 13 नवंबर 2026, 29 कॱतकु नानकशा़ही संमत 555 (सफ़े-12) मुॱल 3.00 रुपऐ

R.N.I. No. 39272/81— संपादक — गुरचरन सिंघ बॱबर — साल — 45, अंक 5, qpatrika@gmail.com फ़ोन : 9971359517 www.qaumipatrika.org

भगवंत मान सरकार वॱलों नहिरी सिंजाई नूं हुलारा देण लई दो वॱडे प्राजैकटां नूं मनज़ूरी, 90 हज़ार ऐकड़ तों वॱध रकबे तॱक पहुंचेगा नहिरी पानी

कौमी पत्रिका
सिमी कौर बॱबर

चंडीगड़ 12 नवंबर। पंजाब दे जल सरोत मंतरी स्री बरिंदर कुमार गोइल ने 100.65 करोड़ रुपऐ दी लागत वाले नहिरी सिंजाई दे दो वॱडे प्राजैकटां दा ऐलान कीता। इनां प्राजैकटां नाल 90 हज़ार ऐकड़ तों वॱध खेतीबाड़ी रकबे नूं नहिरी सिंजाई दी सहूलत मिलेगी। इस नाल किसानां दी धरती हेठले पानी 'ते निरभरता घटेगी अते पंजाब दे सिंजाई ढांचे नूं होर मज़बूती मिलेगी। इनां प्राजैकटां वॱच 1-आर ड़िसट?गीबिऊटरी सिसटम दी 64.11 करोड़ रुपऐ दी लागत नाल कंकरीट लाइनिंग अते 36.54 करोड़ रुपऐ दी कपूरी लिफट सिंजाई सकीम शामल है। इस सकीम राहीं पटिआला ज़िलेॱ दे 20 पिंडां दे 20,719 ऐकड़ रकबे नूं पहिली वार नहिरी पानी मुहॱईआ करवाइआ जावेगा। पंजाब भवन विखे पॱरैस कानफरैंस नूं संबोधन करदिआं जल सरोत मंतरी स्री बरिंदर कुमार गोइल ने किहा कि भगवंत मान सरकार ने किसानां नूं भरोसेजोगा नहिरी पानी दी सपलाई यकीनी बनाउण अते धरती हेठले पानी दे ड़िॱगदे पॱधर दी गींभीर समॱसिआ नाल नजिॱठण लई नहिरी सिंजाई नैटवरक दी बधाली, आधुनिकीकरन अते विसथार नूं पहिल दिॱती है। उनां किहा कि पंजाब दे किसान दहाकिआं तों देश दा ढिॱड भर रहे हन अते सरकार दी ज़िंमेवारी है कि उनां दे खेतां तॱक पानी दी निरविघन सपलाई यकीनी बनाई जावे। मान सरकार नहिरी नैटवरक नूं मुड़ मज़बूत कर रही है अते उनां इलाकिआं तॱक वी नहिरी पानी पहुंचाइआ जा रिहा है जिहड़े पीड़्हीआं तों धरती हेठले



पानी 'ते निरभर रहे हन। जल सरोत मंतरी ने दॱसिआ कि सरकार वॱलों लगभग 60 साल पुरानी 1-आर ड़िसट?गीबिऊटरी दी मुड़ उसारी अते इस दी पानी लिजाण दी समरॱथा वधाउण लई 64.11 करोड़ रुपऐ दी अनुमानित लागत वाले कंकरीट लाइनिंग प्राजैकट नूं मनज़ूरी दिॱती गई है। इस प्राजैकट नाल इस दे मौजूदा 69,967 ऐकड़ कासतजोगा कमांड ऐरीऐ नूं सिंजाई लई लोड़ींदा पानी मिलेगा अते फ़तहिगड़्ह साहिब तें पटिआला ज़िलेॱआं दे लगभग 80 पिंडां नूं लाभ होवेगा। उनां किहा कि कंकरीट लाइनिंग राहीं इस ड़िसट?गीबिऊटरी दी पानी लिजाण दी मौजूदा समरॱथा 154.50 किऊसिक तों वधा के 248.69 किऊसिक कीती जावेगी। प्राजैकट तहिॱत शुरूआती हिॱसे वॱच दोवें पासे लाइनिंग अते बाकी रहिंदी लंबाई वॱच दोवें पासिआं सनै बैंड दी वी लाइनिंग कीती जावेगी। चालू वित्ती वरे दौरान इस प्राजैकट नूं लागू करन लई 40 करोड़ रुपऐ दी राशी रॱखी गई है। कैबनिट मंतरी ने किहा कि 1-आर ड़िसट?गीबिऊटरी लगभग छे दहाके पहिलां प्रती 1,000 ऐकड़ 2.04 किऊसिक पानी दी वंड दे हिसाब नाल तिआर कीती गई सी। हुन सरकार वॱलों पानी दी वंड वधा के प्रती 1,000 ऐकड़ 3.05 किऊसिक कीते जाण कारन इस दी पानी लिजाण दी समरॱथा वधाउणी ज़रूरी हो गई है। उनां दॱसिआ कि समें दे नाल बिनां लाइनिंग वाली इह नहिर ख़सता हालत वॱच पहुंच गई सी जिस कारन पानी दे रिसाअ अते ज़मीन वॱच पानी दे रसण नाल वॱडी मातरा वॱच पानी दी बरबादी हो रही सी। इस नाल पानी दी सुचारू ढंग नाल सपलाई वी प्रभावित हुंदी सी।

पंजाब ते हरिआणा तों हिमाचल नूं मिलेगी 11,973 मिलीअन यूनिट बिजली: सुपरीम कोरट

नवीं दिॱली 12 नवंबर। सुपरीम कोरट ने भाखड़ा बिआस प्रबंधन बोरड (22$2) प्राजैकटां नाल सबंधत बकाइआ भुगतान नूं लै के पंजाब, हिमाचल प्रदेश अते हरिआणा विचकार दहाकिआं तों चॱल रहे बिजली विवाद दा निपटारा कर दिॱता। भारत दे चीफ़ जसटिस सूरिआ कांत, जसटिस जोइमलिआ बागची अते जसटिस वी. मोहना दी बैंच ने केंदर सरकार दे इस प्रसताव नूं सवीकार कर लिआ है, जिस 'च पंजाब अते हरिआणा वलों हिमाचल प्रदेश नूं बकाइआ राशी दा भुगतान नकद दी बजाऐ बिजली दे रूप 'च करन दी गॱल कही गई है। अदालत ने किहा कि इह विवसथा सुपरीम कोरट दे 2011 दे फैसले दे अनुसार होवेगी। उस फैसले 'च 1966 तों भाखड़ा नंगल अते बिआस पन-बिजली प्राजैकटां नाल सबंधत बिजली दे बकाऐ 'ते हिमाचल प्रदेश दा हिॱसा 7.19 फीसदी तैअ कीता गिआ सी। अदालत ने किहा कि पंजाब अते हरिआणा 20 सालां दी मिआद 'च हिमाचल प्रदेश नूं कुॱल 11,973 मिलीअन यूनिट बिजली देणगे। पंजाब सरकार ने शुरू 'च केंदर



सरकार दे प्रसताव दा विरोध कीता सी, जिस 'च बिजली दे बकाऐ दा भुगतान 15 सालां 'च करन दी गॱल कही गई सी। हालांकि, बाअद 'च उस ने इस योजना नूं 30 सालां दी मिआद 'च लागू करन दी मंग कीती। उॱथे ही हिमाचल प्रदेश चाहुंदा सी कि योजना नूं 10 सालां दे अंदर लागू कीता जावे। इस प्रसताव दे अधीन डैमां दे निरमाण 'च होऐ इतिहासक पूंजी खरच दे मॱदेनज़र 420 करोड़ रुपऐ दा समाजोजन वी समझौते 'च शामल कीता गिआ है। इस कारन हिमाचल प्रदेश नूं पंजाब अते हरिआणा नूं कोई भुगतान नहीं करना पवेगा। केंदरी बिजली अथारटी (351) ने हिमाचल प्रदेश दे बिजली दे रूप 'च कुॱल बकाऐ दा मूल हिॱसा 13,066 मिलीअन यूनिट तैअ कीता सी। सुपरीम कोरट दे 2011 फैसले दे अनुसार, बिजली 'च हिमाचल प्रदेश दी हिॱसेदारी 7.19 फीसदी तैअ कीती गई सी, जदों कि पंजाब दा हिॱसा 51.80 फीसदी अते हरिआणा दा हिॱसा 37.51 फीसदी तैअ कीता गिआ

बलैक सी 'च फूड कारीडॱर बनाउण दीआं कोशिशां 'च भारत ! अहिम पड़ाअ 'ते पहुंची गॱलबात

इंटरनैशनल ड़ैसक 12 नवंबर। रूस अते यूकेन विचाले पिछले 5 सालां तों चॱलदी आ रही जंग ख़तम होण दा नां नहीं लै रही। लॱखां लोकां दी जान लै चुॱकी इह जंग दिनॱ-दिन होर भिआनक हुंदे जा रहे हन, जिस कारन काले सागर राहीं लैंघण वाले जहाज़ वी हमलिआं दी चपेट 'च आ रहे हन। इसे दौरान दोवें देशां विचाले भारत वॱलों जंग ख़तम करवाउण दी विचेलगी दीआं कोशिशां अहिम पड़ाअ 'ते पहुंच गईआं हन। काले सागर राहीं अनाज अते खाण वाले तेल दी सुरॱखिअत आवाजाही लई इॱक 'ड़ूड कॱरीड़ॱर' सथापत करन दी योजना बनाई जा रही है। यूकेन दे राशटरपती वॱलोदीमीर ज़ेलेंसकी अते भारती प्रधान मंतरी नरिंदर मोदी विचाले होई गॱलबात तों बाअद भारत दे विदेश मंतरी ड़ा. ऐॱस. जैशंकर ने रूसी विदेश मंतरी सरगेई लावरॱव नाल वी इस मुॱदे 'ते चरचा कीती है। यूकेन दे राशटरपती ज़ेलेंसकी ने दॱसिआ कि भारत बलैक सी राहीं अनाज दी सुरॱखिअत आवाजाही लई विचेलगी करन लई तिआर है। भारत दा इह प्रसतावं अमरीका, मिसर अते तुरकी वॱलों दिॱते प्रसतावां नालों वधेरे विआपक है, किउंकि इस विॱच बलैक सी 'च जहाज़ां दी सुरॱखिआ दे नाल-नाल यूरेजा इनफ?रासट?रकचर 'ते हमले रोकन दी तजवीज़ वी शामल है। भारत, जो कि दुनीआ दा सब तों वॱडा खाद तेल इंपोरटर है अते आपणा ज़िआदातर सुरजमुखी तेल रूस अते यूकेन तों मंगवाउंदा है। बलैक सी 'च बंदरगाहां 'ते हमलिआं कारन भारत 'च सुरजमुखी तेल दी सपलाई प्रभावित होई है, जिस दा सिॱधा असर कीमतां 'ते पिआ है। दोवें देशां विचाले इस विचेलगी नाल भारत आपणी 'रणनीतक आज़ादी' दा सबूत दे रिहा है अते रूस तों तेल ख़रीदन कारन हो रही अंतरराशटरी आलोचना नूं जवाब दिंदिआं आपणी गलोबल साख़ मज़बूत कर रिहा है। ज़िकरजोग है कि रूस अते यूकेन दोवें इॱक-दूजे दीआं बंदरगाहां 'ते लगाड़ार हमले कर रहे हन। अबू धाबी 'च शुरू होईआं रूस-यूकेन शांती वारतावां 'च भूगोलिक खेतरां 'ते कोई सहिमती नहीं बन रही। इस तों इलावा, समुंदरी जहाज़ां दी बीमा सुरॱखिआ अते बोसफोरस सट?रेट 'ते तुरकी दा कंटरोल वी इॱक वॱडी चुनौती है, जिस कारन इस मसले नूं हॱल करन लई भारत नूं गलोबल एजैंसीआं दी मदद चाहीदी होवेगी।

उत्तराखण्ड शासन



ਦਰਦਨਾਕ ਘਟਨਾ: ਕੱਪੜੇ ਧੋਂਦੇ ਸਮੇਂ ਮਾਂ ਨੂੰ ਆਇਆ ਚੱਕਰ, ਬਾਥਰੂਮ 'ਚ ਪਾਣੀ ਭਰੀ ਬਾਲਟੀ 'ਚ ਡੁੱਬਿਆ ਢਾਈ ਸਾਲ ਦਾ ਬੱਚਾ

ਨੇਰਚੌਕ 12 ਨਵੰਬਰ। ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਮੰਡੀ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਬੇਹੱਦ ਦਰਦਨਾਕ ਘਟਨਾ ਵਾਪਰੀ ਹੈ। ਨਗਰ ਕੌਂਸਲ ਨੇਰਚੌਕ ਦੇ ਵਾਰਡ ਨੰਬਰ 9, ਡਡੌਰ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਪਰਿਵਾਰ ਦੀਆਂ ਦੀਵਾਲੀ ਦੀਆਂ ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਮਾਤਮ ਵਿੱਚ ਬਦਲ ਗਈਆਂ। ਢਾਈ ਸਾਲ ਦੇ ਮਾਸੂਮ ਦੀ ਬਾਲਟੀ ਵਿੱਚ ਡਿੱਗਣ ਕਾਰਨ ਮੌਤ ਹੋ ਗਈ। ਮ੍ਰਿਤਕ ਬੱਚੇ ਦੀ ਪਛਾਣ ਅਨਿਰੁੱਧ ਅਬਰੋਲ ਪੁੱਤਰ ਰੋਹਿਤ ਅਬਰੋਲ ਵਜੋਂ ਹੋਈ ਹੈ। ਮਾਸੂਮ ਦੀ ਮਾਂ ਨੂੰ ਚੱਕਰ ਆਉਣ ਕਾਰਨ ਬੇਹੋਸ਼ੀ ਆ ਗਈ ਸੀ। ਜਦੋਂ ਉਸ ਨੂੰ ਹੋਸ਼ ਆਇਆ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੁੱਤਰ ਨੂੰ ਬਾਲਟੀ ਵਿੱਚ ਡਿੱਗਿਆ ਹੋਇਆ ਦੇਖਿਆ। ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਨੇਰਚੌਕ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਲਿਜਾਇਆ ਗਿਆ, ਜਿੱਥੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਮ੍ਰਿਤਕ ਐਲਾਨ ਦਿੱਤਾ। ਅਨਿਰੁੱਧ ਦੇ ਪਿਤਾ ਰੋਹਿਤ ਦੀ ਕੱਪੜਿਆਂ ਦੀ ਦੁਕਾਨ ਹੈ। ਸੋਮਵਾਰ ਨੂੰ ਮਾਸੂਮ ਦੀ ਮਾਂ ਕੱਪੜੇ ਧੋ ਕੇ ਬਾਹਰ ਸੁਕਾਉਣ ਲਈ ਪਾ ਰਹੀ ਸੀ। ਇਸੇ ਦੌਰਾਨ ਚੱਕਰ ਆਉਣ ਕਾਰਨ ਉਹ ਬੇਹੋਸ਼ ਹੋ ਗਈ। ਇਸ ਵਿਚਕਾਰ ਅਨਿਰੁੱਧ ਬਾਥਰੂਮ ਵਿੱਚ ਚਲਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉੱਥੇ ਬਾਲਟੀ ਵਿੱਚ ਡਿੱਗ ਗਿਆ। ਮਾਂ ਨੂੰ ਜਦੋਂ ਹੋਸ਼ ਆਇਆ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਪੁੱਤਰ ਨੂੰ ਬਾਲਟੀ ਵਿੱਚ ਪਿਆ ਦੇਖਿਆ ਅਤੇ ਰੌਲਾ ਪਾਇਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪਰਿਵਾਰਕ ਮੈਂਬਰ ਮਾਸੂਮ ਨੂੰ ਹਸਪਤਾਲ ਲੈ ਕੇ ਗਏ, ਪਰ ਉਦੋਂ ਤੱਕ ਬਹੁਤ ਦੇਰ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਸੀ। ਮੰਡੀ ਦੇ ਐੱਸਪੀ ਵਿਨੋਦ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪੁਲਿਸ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

NAME CHANGE
I hitherto known as JAGANATH KAPUR alias JAYANTI KAPUR W/o RAJ KUMAR KAPUR, R/o Near Dhingra Park, House No. 26, Road No. 14, East Punjabi Bagh, West Delhi, Delhi-110026, have changed my name and shall hereafter be known as JAYANTI KAPUR.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VISHAL SONI S/o SUGHAR SINGH R/o 1338A/8, Gali No.-8, Nearby SK Depot, Govindpuri Kalkaji, Kalkaji, South Delhi, Delhi-110019, declare that name of mine has been wrongly written as VISHAL in my Driving Licence No. DL03 20090024443. The actual name of mine is VISHAL SONI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Public notice is hereby given that my clients Mr. Sushil Kumar and Mr. Rajendra Kumar Tyagi both S/o Mr. Ved Prakash Tyagi, both R/o House No. 312, Saddiq Nagar, Near Auto Stand Sihani, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201003, are owner of Residential Plot No. 43 & 44, area measuring 200 Square Yards i.e. 167.22 Square Meters out of Khasra No. 459, situated in the village Saddiq Nagar, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, Uttar Pradesh, vide Khatauni Fasli Year 1427-1432 Calendar Year 2019-2024, it is pertinent to mention here that after the death of their father Mr. Ved Prakash Tyagi, they became the owner of the said property. My client is absolute owner of the said property which is free from encumbrance. The said property neither falls under acquisition nor falls under any litigation in any court of law. On date, being the absolute owner of the said property, my clients are going to sell the said property to Mrs. Deepika Singh W/o Mr. Krishna Kumar Singh. The same is going to be financed by PNB Housing Finance Ltd., branch Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) has/have any objection regarding the above said property, then kindly may submit his/her objection within 7 days from the date of the Notice in writing to undersigned or the said Bank/FI. The said objection may be kindly sent to the undersigned/bank by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail. Failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

[RUPESH KUMAR ROUSHAN]
Advocate
D-803, Nandgram,
Ghaziabad,
Uttar Pradesh 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

PUBLIC NOTICE
My client Gokul Chand S/o Prabhu Ram and his Wife Maya, H.No- 83, 84, F-4 Block, Sultanpuri, New Delhi- 86, has severed all his relations & connections from his Son Rajesh Kumar & disowned his from her all movable and immovable properties. My client shall not be responsible for his any acts.

Shyam Sharma (Adv)

PUBLIC NOTICE
I, IMRAJ S/o SHAKIL, R/o B-29, Nanda Road Adarsh Nagar North West Delhi-110033, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM RELIGION and renounced ISLAM RELIGION with effect from 07.06.2025

NAME CHANGE
I, IMRAJ S/o SHAKIL, R/o B-29, Nanda Road Adarsh Nagar North West Delhi-110033 have changed my name to RINKU THAKUR

NAME CHANGE
I, VANDANA is legally spouse of No. 15671777K Rank-HAV Name AMIT KUMAR AWASTHI, R/O H NO.-920, KESOOR, PO- KESOOR, DIST-DHAR, MADHYA PRADESH-454001 have changed my name from VANDANA to VANDANA AWASTHI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/07/2025, Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, SALMA KHATUN is legally spouse of No. 15692253W Rank-HAV Name MURTUJA ALI, R/O VILL+POST-ARITHA, TEH-CHAS, THANA-CHANDANKAYRI, DIS-BOKARO, STATE-JHARKHAND, PIN 828134 have changed my name from SALMA KHATUN to SALMA KHATOON for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/07/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15692253W Rank-HAV Name MURTUJA ALI, S/o LATE ZABBER ANSARI R/O VILL+POST-ARITHA, TEH-CHAS, THANA-CHANDANKAYRI, DIS-BOKARO, STATE-JHARKHAND, PIN 828134 have changed my minor son name from MOHAMAD ALI to MOHAMMAD ALI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/07/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, D BABU father of NO-14842224Y Rank HAV/MT Name-ANOOP B R/O AALAYAM, VILL –KEEZHTHONNAKKAL, PO-POTHENCODE, DIST-TRIVANDRUM, KERALA-695584 have changed my name from D BABU to BABU D for all future purposes vide Affidavit Dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Jaspreet Singh S/o Jagdeep Singh R/o 52/43 Ramjas Road Near Khalsa college Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Jaspreet Singh Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I Sandeep Ved S/o Khushi Ram Ved R/o H.No-139/1,B-Block, Street No-3,Qutub Vihar Phase-2,Dwarka,Delhi-110071, Have Changed My Name To Sandeep Vaid For All Purpose

NAME CHANGE
I Rohini Bhatnagar W/o Amitabh Bhatnagar R/o M- 7075, Devinder Vihar, Gurgaon sector 56, Gurgaon Haryana-122011,Have Changed My Name To Rohini Dhanraj Bhatnagar For All Purpose

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

NAME CHANGE
I, Rekha W/O Prem Singh R/O B 278, South MOTI BAGH NEW DELHI 110021 have changed my name from Rekha to Rekha Rawat for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
My client Narender Kumar Chauhan S/o Pooran Singh R/o H.No.376, Chauhan Mohalla, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, Delhi-76, has severed all relations and disowned his son Harsh Chauhan and his wife Preeti Rani from his all movable-immovable properties due to their Vihar, Delhi-76, has severed all relations and disowned his disobedience. My client Shall not be responsible for their acts.

ARJUN BIDHURI Advocate
CH. NO.536, Saket Courts
New Delhi-110017.

NAME CHANGE
I SONIKA D/O TARSEM SINGH R/o H.No-3054 New Abadi Faizpura Amritsar-1 Amritsar Punjab-143001, have changed my name to SONAMPREET KAUR.

NAME CHANGE
I Sarve Preet Kaur Kochhar W/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Sarvepreet kaur and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, KRISHAN KANTA W/o IC-29820P (Late) Col SHIV KUMAR (Retd.) R/O H-104, VIVEK VIHAR, NEAR KENDRIYA VIHAR-2, SEC-82, NOIDA, SALARPUR, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201304 have changed my name from KRISHAN KANTA to KRISHAN KANTA RANDEV for all future purposes vide Affidavit Dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MEENA DEVI wife of JC-493248F Rank-NB/SUB Name-RAVINDER KUMAR R/O VPO-MURTHAL, TEH-SONIPAT, DISTT-SONIPAT, HARYANA-131027 have changed my name from MEENA DEVI to MEENA for all future purposes vide Affidavit Dated 11/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA W/o NO- 2806617A HAV TANGADKAR SUBHASH SITARAM R/o VPO-GHARGAON, TEH-SANGAMNER, DISTT-AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-422620, have changed my name from ANITA to ANITA SUBHASH TANGADKAR for all future purposes vide Affidavit dated 29/11/2022 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, DATTATRAY NAGOJI PATIL father of NO-JC-379904X SUB MAJ PATIL MAHENDRA DATTATRAY R/O VILL-BONJURDI, PO-ADKUR, TEH-CHANDGAD, DISTT-KOLHAPUR, MH-416509, have changed my name from DATTATRAY NAGOJI PATIL to DATTA NAGOJI PATIL for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of my correct date of birth as 17/01/1950 Vide Affidavit dated 29/11/2022 Before Notary Public, Delhi.

ਕੌਮੀ ਪਤ੍ਰਿਕਾ

ਮੁੱਖ ਸੰਪਾਦਕ-ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਬੱਬਰ, ਸਵਾਮੀ ਪ੍ਰਿੰਟਰ ਪਬਲਿਸ਼ਰ ਅਤੇ ਐਡੀਟਰ ਨੇ ਕੌਮੀ ਪਤ੍ਰਿਕਾ ਪ੍ਰਿੰਟਿੰਗ ਪ੍ਰੈਸ ਏ-144 ਇੰਡਸਟ੍ਰਿਅਲ ਏਰੀਆ ਸੈਕਟਰ ਏ-4, ਟ੍ਰੋਨਿਕਾ ਸਿਟੀ ਲੋਨੀ ਗਾਜ਼ਿਆਬਾਦ ਤੋਂ ਛਪਵਾ ਕੇ 5, ਬਹਾਦੁਰ ਸ਼ਾਹ ਜਫਰ ਮਾਰਗ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ-110002 ਤੋਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਕੀਤਾ ਹੈ।

Edited Printed Published and Owned by Gurcharan Singh Babbar 5, Bahadur Shah Zafar Marg New Delhi 110002. Printed at Qaumi Patrika Printing Press A-4 Tronica City Loni Ghaziabad

Ph. : 011-41509689
011-23315814
Mob. : 9971359517
9312262300

ਤਿਉਹਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੇਲਗੱਡੀਆਂ – 2026

ਛੱਠ ਪੂਜਾ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਦੇ ਦੋਰਾਨ ਰੇਲਯਾਤਰੀਆਂ ਦੇ ਸੁਵਿਧਾਜਨਕ ਆਉਣ-ਜਾਣ ਲਈ ਉੱਤਰ ਰੇਲਵੇ ਦੁਵਾਰਾ ਹੋਰ ਖੇਤਰੀਯ ਰੇਲਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਤੋਂ ਹੇਠਾ ਲਿਖੀ ਤਿਉਹਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੇਲਗੱਡੀਆਂ ਚਲਾਈ ਜਾਵੇਗੀ, ਜਿਸਦਾ ਵੇਰਵਾ ਹੇਠਾ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ :–

ਉੱਤਰ ਰੇਲਵੇ ਨੇਟਵਰਕ ਤੋਂ ਯਾਤਰਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਵਾਲੀ/ਸਮਾਪਤ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਤਿਓਹਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੇਲਗੱਡੀਆਂ ਦੀ ਸੂਚੀ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੇਲ ਗੱਡੀ ਨੰ:	ਸਟੇਸ਼ਨ ਤੋਂ	ਜਾਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਸਟੇਸ਼ਨ ਤਕ	ਆਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਆਵਿਰਤੀ/ਚਲਨ ਦੇ ਦਿਨ		ਚਲਨ ਦੀ ਮਿਤੀ
02252	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ (ਵੰਦੇ ਭਾਰਤ ਤਿਉਹਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼)	08:35	ਪਟਨਾ ਜੰ:	21:30	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ 3 ਦਿਨ	ਸੋਮ, ਬੁੱਧ, ਸ਼ਨੀ	25.11.2026 ਤਕ
02251	ਪਟਨਾ ਜੰ:	10:00	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	23:30		ਮੰਗਲ, ਵੀਰ, ਐਤ	26.11.2026 ਤਕ
02254	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ (ਵੰਦੇ ਭਾਰਤ ਤਿਉਹਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼)	08:35	ਪਟਨਾ ਜੰ:	21:30	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ 3 ਦਿਨ	ਐਤ, ਮੰਗਲ, ਵੀਰ	26.11.2026 ਤਕ
02253	ਪਟਨਾ ਜੰ:	10:00	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	23:30		ਸ਼ਨੀ, ਸੋਮ, ਬੁੱਧ	28.11.2026 ਤਕ
04022	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ (ਵਾਯਾ ਲਖਨਊ (ਐਨਆਰ))	14:30	ਗੋਰਖਪੁਰ	04:10	ਮਿਤੀਵਾਰ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	13.11.2026 ਨੂੰ
04021	ਗੋਰਖਪੁਰ	07:00	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	23:10		ਸ਼ਨੀਵਾਰ	14.11.2026 ਨੂੰ
04058	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	00:20	ਛਪਰਾ	19:20	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	17.11.2026 ਤਕ
04057	ਛਪਰਾ	22:10	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	17:20		ਮੰਗਲਵਾਰ	
01903	ਆਗਰਾ ਕੈਂਟ	20:00	ਸ਼ਹੀਦ ਕੈਪਟਨ ਤੁਸ਼ਾਰ ਮਹਾਜਨ	12:20	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
01904	ਸ਼ਹੀਦ ਕੈਪਟਨ ਤੁਸ਼ਾਰ ਮਹਾਜਨ	16:05	ਆਗਰਾ ਕੈਂਟ	08:40		ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
02563	ਬਰੌਨੀ ਜੰ:	07:40	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	05:10	ਹਰਰੋਜ਼	ਐਤ, ਸੋਮ, ਮੰਗਲ, ਬੁੱਧ ਵੀਰ, ਸ਼ੁੱਕਰ, ਸ਼ਨੀ	30.11.2026 ਤਕ
02564	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	17:55	ਬਰੌਨੀ ਜੰ:	15:10			01.12.2026 ਤਕ
02569	ਦਰਭੰਗਾ ਜੰ:	06:30	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	04:00	ਹਰਰੋਜ਼	ਐਤ, ਸੋਮ, ਮੰਗਲ, ਬੁੱਧ ਵੀਰ, ਸ਼ੁੱਕਰ, ਸ਼ਨੀ	30.11.2026 ਤਕ
02570	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	12:15	ਦਰਭੰਗਾ ਜੰ:	10:00			01.12.2026 ਤਕ
05579	ਪੂਰਨਿਆ ਕੋਰਟ	16:30	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	01:05	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ, ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
05580	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	05:15	ਪੂਰਨਿਆ ਕੋਰਟ	13:45		ਐਤਵਾਰ, ਮੰਗਲਵਾਰ	01.12.2026 ਤਕ
05575	ਸਹਰਸਾ ਜੰ:	20:00	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	01:05	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
05576	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	05:15	ਸਹਰਸਾ ਜੰ:	10:30		ਵੀਰਵਾਰ	26.11.2026 ਤਕ
02397	ਸ਼ੇਖਪੁਰਾ ਜੰ:	11:30	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	11:40	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
02398	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	13:30	ਸ਼ੇਖਪੁਰਾ ਜੰ:	14:45		ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
03639	ਧਨਬਾਦ ਜੰ:	18:30	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	18:40	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਸੋਮਵਾਰ, ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
03640	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	21:10	ਧਨਬਾਦ ਜੰ:	23:45		ਮੰਗਲਵਾਰ, ਸ਼ਨੀਵਾਰ	01.12.2026 ਤਕ
05219	ਮੁਜੱਫਰਪੁਰ ਜੰ:	13:30	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	10:00	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	27.11.2026 ਤਕ
05220	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	12:00	ਮੁਜੱਫਰਪੁਰ ਜੰ:	09:45		ਸ਼ਨੀਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
05193	ਛਪਰਾ ਜੰ:	14:00	ਪਠਾਨਕੋਟ	22:15	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸੋਮਵਾਰ	23.11.2026 ਤਕ
05194	ਪਠਾਨਕੋਟ	00:30	ਛਪਰਾ ਜੰ:	09:15		ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
02417	ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਜੰ:	21:00	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	10:05	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਚਾਰ ਦਿਨ	ਐਤ, ਸੋਮ, ਵੀਰ, ਸ਼ੁੱਕਰ	14.12.2026 ਤਕ
02418	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	21:30	ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਜੰ:	09:15		ਬੁੱਧ, ਵੀਰ, ਸ਼ਨੀ, ਐਤ	17.12.2026 ਤਕ
04163	ਨਾਰਾਯਣਪੁਰ ਬਾਜ਼ਾਰ	18:00	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	10:05	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਦਿਨ	ਮੰਗਲ, ਬੁੱਧ, ਸ਼ਨੀ	16.12.2026 ਤਕ
04164	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	21:30	ਨਾਰਾਯਣਪੁਰ ਬਾਜ਼ਾਰ	12:25		ਸੋਮ, ਮੰਗਲ, ਸ਼ੁੱਕਰ	15.12.2026 ਤਕ
03257	ਦਾਨਾਪੁਰ	07:30	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	00:30	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
03258	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	05:00	ਦਾਨਾਪੁਰ	20:45		ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
05301	ਮਊ ਜੰ:	04:40	ਅੰਬਾਲਾ ਕੈਂਟ ਜੰ:	03:55	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਵੀਰਵਾਰ	26.11.2026 ਤਕ
05302	ਅੰਬਾਲਾ ਕੈਂਟ ਜੰ:	05:45	ਮਊ ਜੰ:	04:30		ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	27.11.2026 ਤਕ
05085	ਛਪਰਾ ਜੰ:	13:05	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	09:40	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
05086	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	10:50	ਛਪਰਾ ਜੰ:	07:00		ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
03435	ਮਾਲਦਾ ਟਾਊਨ	09:30	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	13:40	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
03436	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	14:50	ਮਾਲਦਾ ਟਾਊਨ	22:30		ਮੰਗਲਵਾਰ	01.12.2026 ਤਕ
02877	ਰਾਂਚੀ ਜੰ:	16:25	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	18:00	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸ਼ਨੀਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
02878	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	19:30	ਰਾਂਚੀ ਜੰ:	19:10		ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
04123	ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਜੰ:	14:50	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	11:35	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਬੁੱਧਵਾਰ, ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
04124	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	15:45	ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਜੰ:	09:10		ਵੀਰਵਾਰ, ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
05101	ਗੋਰਖਪੁਰ ਜੰ:	16:00	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	11:05	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
05102	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	13:15	ਗੋਰਖਪੁਰ ਜੰ:	08:30		ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
03107	ਕੋਲਕਾਤਾ	23:50	ਆਲਮਨਗਰ	19:45	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਵੀਰਵਾਰ	26.11.2026 ਤਕ
03108	ਆਲਮਨਗਰ	01:45	ਕੋਲਕਾਤਾ	22:30		ਸ਼ਨੀਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
04183	ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਜੰ:	15:25	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	11:35	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	01.12.2026 ਤਕ
04184	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	15:45	ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਜੰ:	09:10		ਬੁੱਧਵਾਰ	02.12.2026 ਤਕ
03437	ਮਾਲਦਾ ਟਾਊਨ	10:00	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	17:00	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸ਼ਨੀਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
03438	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	18:35	ਮਾਲਦਾ ਟਾਊਨ	23:55		ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
01705	ਜਬਲਪੁਰ ਜੰ:	19:40	ਅਯੋਧਿਆ ਧਾਮ ਜੰ:	11:25	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	29.12.2026 ਤਕ
01706	ਅਯੋਧਿਆ ਧਾਮ ਜੰ:	13:30	ਜਬਲਪੁਰ ਜੰ:	06:45		ਬੁੱਧਵਾਰ	30.12.2026 ਤਕ
09309	ਇੰਦੌਰ ਜੰ:	17:00	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	05:00	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ, ਐਤਵਾਰ	27.11.2026 ਤਕ
09310	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	08:20	ਇੰਦੌਰ ਜੰ:	21:00		ਸ਼ਨੀਵਾਰ, ਸੋਮਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
09257	ਭਾਵਨਗਰ ਟਰਮੀਨਸ	14:20	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	10:55	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	27.11.2026 ਤਕ
09258	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	13:15	ਭਾਵਨਗਰ ਟਰਮੀਨਸ	08:50		ਸ਼ਨੀਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
09203	ਵੇਰਾਵਲ ਜੰ:	16:05	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	20:40	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
09204	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	21:30	ਵੇਰਾਵਲ ਜੰ:	09:45		ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
09523	ਓਖਾ	10:20	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	10:35	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
09524	ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ	13:15	ਓਖਾ	13:00		ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
09425	ਸਾਬਰਮਤੀ ਬੀਜੀ	18:45	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	20:30	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸੋਮਵਾਰ	23.11.2026 ਤਕ
09426	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	21:45	ਸਾਬਰਮਤੀ ਬੀਜੀ	22:30		ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
04811	ਬਾੜਮੇਰ	04:15	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	04:10	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਸੋਮਵਾਰ, ਵੀਰਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
04812	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	05:15	ਬਾੜਮੇਰ	06:35		ਮੰਗਲਵਾਰ, ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	01.12.2026 ਤਕ
09611	ਅਜਮੇਰ ਜੰ:	19:45	ਯੋਗ ਨਗਰੀ ਰਿਸ਼ੀਕੇਸ਼	12:50	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
09612	ਯੋਗ ਨਗਰੀ ਰਿਸ਼ੀਕੇਸ਼	17:55	ਅਜਮੇਰ ਜੰ:	09:55		ਵੀਰਵਾਰ	26.11.2026 ਤਕ
09639	ਮਦਾਰ ਜੰ:	04:30	ਰੋਹਤਕ ਜੰ:	12:50	ਹਰਰੋਜ਼	ਐਤ, ਸੋਮ, ਮੰਗਲ, ਬੁੱਧ ਵੀਰ, ਸ਼ੁੱਕਰ, ਸ਼ਨੀ	30.11.2026 ਤਕ
09640	ਰੋਹਤਕ ਜੰ:	13:20	ਮਦਾਰ ਜੰ:	22:35			30.11.2026 ਤਕ
09609	ਉਦਯਪੁਰ ਸਿਟੀ	13:45	ਯੋਗ ਨਗਰੀ ਰਿਸ਼ੀਕੇਸ਼	10:15	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
09610	ਯੋਗ ਨਗਰੀ ਰਿਸ਼ੀਕੇਸ਼	17:55	ਉਦਯਪੁਰ ਸਿਟੀ	15:30		ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
01703	ਜਬਲਪੁਰ ਜੰ:	15:30	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	14:20	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਵੀਰਵਾਰ	19.11.2026 ਤਕ
01704	ਹਰਿਦੁਆਰ ਜੰ:	15:10	ਜਬਲਪੁਰ ਜੰ:	16:20		ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	20.11.2026 ਤਕ
01707	ਜਬਲਪੁਰ ਜੰ:	20:20	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	14:25	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸ਼ਨੀਵਾਰ	14.11.2026 ਤਕ
01708	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	15:45	ਜਬਲਪੁਰ ਜੰ:	09:30		ਐਤਵਾਰ	15.11.2026 ਤਕ
09093	ਉਧਨਾ ਜੰ:	07:25	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ	10:30	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	13.11.2026 ਤਕ
09094	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ	14:45	ਉਧਨਾ ਜੰ:	17:15		ਸ਼ਨੀਵਾਰ	14.11.2026 ਤਕ
09097	ਉਧਨਾ ਜੰ:	06:45	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ	11:30	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
09098	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ	13:30	ਉਧਨਾ ਜੰ:	17:30		ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
02456	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	07:45	ਕਾਨਪੁਰ ਸੈਂਟਰਲ	13:15	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਚਾਰ ਦਿਨ	ਸੋਮ, ਬੁੱਧ, ਸ਼ੁੱਕਰ, ਸ਼ਨੀ	30.11.2026 ਤਕ
02455	ਕਾਨਪੁਰ ਸੈਂਟਰਲ	15:00	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	20:20		ਸੋਮ, ਬੁੱਧ, ਸ਼ੁੱਕਰ, ਸ਼ਨੀ	30.11.2026 ਤਕ
02458	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	07:20	ਕਾਨਪੁਰ ਸੈਂਟਰਲ	13:15	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਦਿਨ	ਮੰਗਲ, ਵੀਰ, ਐਤ	29.11.2026 ਤਕ
02457	ਕਾਨਪੁਰ ਸੈਂਟਰਲ	15:00	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟਰਮੀਨਲ	20:10		ਮੰਗਲ, ਵੀਰ, ਐਤ	29.11.2026 ਤਕ
05005	ਬਢਨੀ	15:10	ਜਲੰਧਰ ਸਿਟੀ ਜੰ:	08:30	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
05006	ਜਲੰਧਰ ਸਿਟੀ ਜੰ:	10:50	ਬਢਨੀ	04:45		ਵੀਰਵਾਰ	26.11.2026 ਤਕ
01483	ਖੜਕੀ	17:30	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	18:10	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਮੰਗਲਵਾਰ, ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	20.11.2026 ਤਕ
01484	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	22:10	ਖੜਕੀ	22:15		ਬੁੱਧਵਾਰ, ਸ਼ਨੀਵਾਰ	21.11.2026 ਤਕ
07621	ਹਜ਼ੂਰ ਸਾਹਿਰ ਨਾਂਦੇੜ	08:45	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	14:00	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸ਼ਨੀਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
07622	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	21:40	ਹਜ਼ੂਰ ਸਾਹਿਰ ਨਾਂਦੇੜ	00:35		ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
07021	ਚਰਲਪਲਲੀ	19:20	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	02:00	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
07022	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	04:00	ਚਰਲਪਲਲੀ	13:50		ਬੁੱਧਵਾਰ	02.12.2026 ਤਕ
07023	ਚਰਲਪਲਲੀ	19:45	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	05:00	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਮੰਗਲਵਾਰ	24.11.2026 ਤਕ
07024	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	07:15	ਚਰਲਪਲਲੀ	17:45		ਵੀਰਵਾਰ	26.11.2026 ਤਕ
09617	ਉਦਯਪੁਰ ਸਿਟੀ	21:15	ਦਿੱਲੀ ਸਰਾਏ ਰੋਹਿਲਾ	11:15	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਬੁੱਧਵਾਰ	25.11.2026 ਤਕ
09618	ਦਿੱਲੀ ਸਰਾਏ ਰੋਹਿਲਾ	13:45	ਉਦਯਪੁਰ ਸਿਟੀ	04:00		ਵੀਰਵਾਰ	26.11.2026 ਤਕ
01045	ਲੋਕਮਾਨਯ ਤਿਲਕ ਟਰਮੀਨਸ	07:35	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ	10:15	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਸੋਮਵਾਰ, ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	27.11.2026 ਤਕ
01046	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ	13:50	ਲੋਕਮਾਨਯ ਤਿਲਕ ਟਰਮੀਨਸ	17:15		ਮੰਗਲਵਾਰ, ਸ਼ਨੀਵਾਰ	28.11.2026 ਤਕ
01913	ਖਜੁਰਾਹੋ	22:15	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	11:00	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਦਿਨ	ਸੋਮ, ਬੁੱਧ, ਸ਼ਨੀ	18.11.2026 ਤਕ
01914	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	12:30	ਖਜੁਰਾਹੋ	03:30		ਮੰਗਲ, ਵੀਰ, ਐਤ	19.11.2026 ਤਕ
06073	ਤਿਰੁਵਨੰਤਪੁਰਮ ਨਾਰਥ	14:00	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	23:50	ਸਪਤਾਹਿਕ	ਸੋਮਵਾਰ	16.11.2026 ਤਕ
06074	ਹਜ਼ਰਤ ਨਿਜ਼ਾਮੁਦੀਨ	05:45	ਤਿਰੁਵਨੰਤਪੁਰਮ ਨਾਰਥ	16:30		ਵੀਰਵਾਰ	19.11.2026 ਤਕ
04209	ਵਾਰਾਣਸੀ ਜੰ: (ਵਾਯਾ ਲਖਨਊ (ਐਨਆਰ))	22:15	ਦਿੱਲੀ ਜੰ:	13:45	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਦਿਨ	ਸੋਮ, ਬੁੱਧ, ਸ਼ੁੱਕਰ	27.11.2026 ਤਕ
04210	ਦਿੱਲੀ ਜੰ:	18:50	ਵਾਰਾਣਸੀ ਜੰ:	09:50		ਮੰਗਲ, ਵੀਰ, ਸ਼ਨੀ	28.11.2026 ਤਕ
04213	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ (ਵਾਯਾ ਲਖਨਊ (ਐਨਆਰ))	18:20	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟ.	06:10	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਐਤਵਾਰ, ਵੀਰਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
04214	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟ.	09:00	ਅਯੋਧਿਆ ਕੈਂਟ	22:00		ਸੋਮਵਾਰ, ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
04227	ਵਾਰਾਣਸੀ ਜੰ: (ਵਾਯਾ ਲਖਨਊ (ਐਨਆਰ))	11:05	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਜੰ:	04:20	ਸਪਤਾਹ ਵਿਚ ਦੋ ਦਿਨ	ਵੀਰਵਾਰ, ਐਤਵਾਰ	29.11.2026 ਤਕ
04228	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਜੰ:	06:00	ਵਾਰਾਣਸੀ ਜੰ:	00:55		ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ, ਸੋਮਵਾਰ	30.11.2026 ਤਕ
05281	ਮੁਜੱਫਰਪੁਰ ਜੰ: (ਵਾਯਾ ਲਖਨਊ (ਐਨਆਰ))	06:30	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟ.	05:00	ਮਿਤੀਵਾਰ	ਬੁੱਧਵਾਰ	18.11.2026 ਨੂੰ
05282	ਆਨੰਦ ਵਿਹਾਰ ਟ.	07:00	ਮੁਜੱਫਰਪੁਰ ਜੰ:	04:50		ਵੀਰਵਾਰ	19.11.2026 ਨੂੰ
04067	ਪਟਨਾ ਜੰ:	18:00	ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	14:00	ਮਿਤੀਵਾਰ	ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ	13.11.2026 ਨੂੰ

ਰੇਲਯਾਤਰੀਆਂ ਨੂੰ ਅਨੁਰੋਧ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੀ ਵੀ ਹੋਰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਜਿਸਤਰ੍ਹਾਂ ਮਾਰਗ ਵਿਚ ਪੈਣ ਵਾਲੇ ਸਟੇਸ਼ਨਾਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੂਰੀ ਸਮੇਂ-ਸਾਰਣੀ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦੇ ਲਈ ਰੇਲਮਦਦ ਹੈਲਪਲਾਈਨ ਨੰ: 139 ਉਤੇ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ ਜਾਂ ਰੇਲਵੇ ਦੀ ਵੇਬਸਾਈਟ https://enquiry.indianrail.gov.in ਜਾਂ NTES App ਦੇਖੋ।

ਉੱਤਰ ਰੇਲਵੇ

ਸਾਨੂੰ www.nr.indianrailways.gov.in ਉਤੇ ਮਿਲੋ

ਗ੍ਰਾਹਕਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਮੁਸਕਾਨ ਦੇ ਨਾਲ

ਉਤੇ ਸਾਨੂੰ ਫਾਲੋ ਕਰੋਂ

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
सत्यमेव जयते

Organiser
India Trade Promotion Organisation

iitf

45th India International Trade Fair

13 – 27 November 2026

Bharat Mandapam, New Delhi

INDIA'S LARGEST FAIR

More to discover. More to experience.

Explore this year's new features and experiences

PLAYVERSE @MANDAPAM
Immersive digital experiences for entertainment and learning

HALL OF INSPIRATION
600+ Startups Showcasing Ideas and Innovations

ODOP PAVILION
Unique products and crafts from 20+ States and Union Territories

CULTURAL PROGRAMMES
80+ performances celebrating India's art and culture

FOOD & FLAVOURS
90+ outlets serving regional and international cuisines

3,500+ Exhibitors | 17 Halls | 51 Ministries/PSUs | 32 States/UTs | 11 Countries

PARTNER STATES

Bihar | Maharashtra | Rajasthan | Uttar Pradesh

FOCUS STATES

Assam | Delhi | Jharkhand | West Bengal



A GRAND OPENING TO THE CELEBRATIONS

Inauguration on 13 November 2026 by

Shri Piyush Goyal

Hon'ble Union Minister of Commerce & Industry

Followed by a special Odissi performance by

Padma Shri Guru Madhavi Mudgal & Group



PLAN YOUR VISIT

Business Days
14–18 November

General Public Days
19–27 November

Entry tickets available on the **DMRC Momentum 2.0 (Sarthi) App and at 55 designated Delhi Metro stations**

Tickets for ticketed cultural programmes available on **BookMyShow**

DOWNLOAD THE IITF 2026 APP

Ticket booking | Navigation | Venue maps | Programme information

GET IT ON Google Play

Download on the App Store



VIKAS aur VIRASAT
Development & Heritage

For more information, visit itpo.gov.in/iitf

ਸੁਆਣੀਆਂ ਸਵੇਰੇ-ਸਵੇਰੇ ਹਾਰੇ 'ਚ ਪਾਥੀਆਂ ਚਿਣ ਕੇ ਅੱਗ ਮਚਾ ਦਿੰਦੀਆਂ ਤੇ ਤਕਰੀਬਨ ਅੱਧੇ ਘੰਟੇ ਬਾਅਦ ਜਦੋਂ ਪਾਥੀਆਂ ਭਖਣ ਲੱਗ ਜਾਂਦੀਆਂ ਤਾਂ ਕਾੜ੍ਹਨੀ 'ਚ ਦੁੱਧ ਪਾ ਕੇ ਉਸ ਉੱਪਰ ਧਰ ਦਿੰਦੀਆਂ ਸਨ...



ਬੀਤੇ ਦੀ ਗੱਲ ਹੋ ਗਿਆ

ਕਾੜ੍ਹਨੀ ਦਾ ਦੁੱਧ

ਬਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖੁੱਡੀ ਕਲਾਂ

ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੂੰ ਮਿਲਵਰਤਨ ਭਰਪੂਰ ਸੁਭਾਅ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਖੁੱਲ੍ਹੀਆਂ-ਡੁੱਲ੍ਹੀਆਂ ਖੁਰਾਕਾਂ ਦੇ ਸ਼ੌਕ ਨੇ ਵੀ ਵਿਲੱਖਤਾ ਬਖ਼ਸ਼ੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦਾ ਦੁੱਧ, ਦਹੀਂ,ਘਿਉ ਅਤੇ ਲੱਸੀ ਨਾਲ ਮੁੱਢ ਤੋਂ ਹੀ ਗੂੜ੍ਹਾ ਨਾਤਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪੁਰਾਤਨ ਸਮਿਆਂ 'ਚ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹਰ ਘਰ ਪਸ਼ੂ ਧਨ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਘਰ ਦੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਸਿਆਣਪ ਦਾ ਪੈਮਾਨਾ ਵੀ ਘਰ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਦੁੱਧ ਅਤੇ ਘਿਉ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਤੋਂ ਹੀ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਖੰਡ ਅਤੇ ਸ਼ੱਕਰ ਵਿਚ ਘਿਉ ਮਿਲਾਕੇ ਖਾਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਆਮ ਸੀ। ਦੁੱਧ ਅਤੇ ਘਿਉ ਮਹਿਮਾਨ ਨਿਵਾਜੀ ਲਈ ਵੀ ਮਸ਼ਹੂਰ ਹੁੰਦੇ ਸਨ। ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਸੱਸ ਆਪਣੀ ਨੂੰਹ ਦੇ ਭਰਾ ਨੂੰ ਖੰਡ ਵਿਚ ਘਿਉ ਨਾ ਪਾਉਂਦੀ ਤਾਂ ਉਹ ਉਲਾਂਭਾ ਦਿੰਦੀ ਹੋਈ ਕਹਿੰਦੀ :

ਸੱਸੇ ਤੇਰੀ ਮੱਝ ਮਰਜੇ
ਮੇਰੇ ਵੀਰ ਨੂੰ
ਸੁੱਕੀ ਖੰਡ ਪਾਈ...

ਦੁੱਧ ਦਾ ਕੜ੍ਹ-ਕੜ੍ਹ ਕੇ ਲਾਲ ਹੋਣਾ

ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਮਿਆਂ 'ਚ ਦੁੱਧ ਵੇਚਣਾ ਬਹੁਤ ਮਾੜਾ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਸਾਰਾ ਦੁੱਧ ਘਰ ਵਿਚ ਹੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਮੱਝ ਦੀ ਧਾਰ ਕੱਢਦਿਆਂ-ਕੱਢਦਿਆਂ ਹੀ ਗਲਾਸ ਵਿਚ ਪਵਾ ਕੇ ਪੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕੱਚੇ ਦੁੱਧ ਅਤੇ ਕਾੜ੍ਹਨੀ ਵਾਲੇ ਦੁੱਧ ਦਾ ਸਵਾਦ ਵੱਖਰਾ ਹੁੰਦਾ ਸੀ। ਘਰ ਦੀਆਂ ਸੁਆਣੀਆਂ ਨੇ ਘੜੇ ਵਰਗਾ ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਇਕ ਬਰਤਨ ਜਿਸ ਨੂੰ 'ਕਾੜ੍ਹਨੀ' ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ, ਘੁਮਿਆਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਲੈ ਲੈਣੀ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਸ ਵਿਚ ਦੁੱਧ ਕਾੜ੍ਹਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ।

ਸੁਆਣੀਆਂ ਨੇ ਤਕਰੀਬਨ ਨੌਂ ਦਸ ਵਜੇ ਹਾਰੇ ਪਾਥੀਆਂ ਦੀ ਅੱਗ ਪਾ ਦੇਣੀ ਅਤੇ ਤਕਰੀਬਨ ਅੱਧੇ ਘੰਟੇ ਬਾਅਦ ਜਦੋਂ ਪਾਥੀਆਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਭਖਣ ਲੱਗ ਜਾਂਦੀਆਂ ਤਾਂ ਕਾੜ੍ਹਨੀ ਵਿਚ ਦੁੱਧ ਪਾ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਹਾਰੇ ਵਿਚ ਅੱਗ ਉੱਪਰ ਰੱਖ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ।

ਕਾੜ੍ਹਨੀ ਵਿਚ ਹਾਰੇ ਪਿਆ ਦੁੱਧ ਸ਼ਾਮ ਦੇ ਚਾਰ ਵਜੇ ਤਕ ਕੜ੍ਹ-ਕੜ੍ਹ ਕੇ ਲਾਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਅਤੇ ਉਸ ਉੱਪਰ ਮਲਾਈ ਦੀ ਮੋਟੀ ਗੁਲਾਬੀ ਰੰਗ ਦੀ ਪਰਤ ਆ ਜਾਂਦੀ। ਇਹ ਦੁੱਧ ਜਦੋਂ ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਥੋੜ੍ਹੀ ਜਿਹੀ ਭੁੱਖ ਲੱਗੀ ਹੋਵੇ, ਪੀਣ ਦਾ ਆਪਣਾ ਹੀ ਸੁਆਦ ਹੁੰਦਾ ਸੀ। ਇਹ ਦੁੱਧ ਦੀ ਤਾਸੀਰ ਅਜੀਬ ਹੁੰਦੀ ਸੀ।

ਦੁਧਾਰੂ ਪਸ਼ੂ

ਪਹਿਲਾਂ ਜਿੱਥੇ ਹਰ ਘਰ ਵਿਚ ਲੱਸੀ ਹੁੰਦੀ ਸੀ,ਉੱਥੇ ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਕਿਸੇ ਟਾਵੇਂ-ਟਾਵੇਂ ਘਰ ਵਿੱਚੋਂ ਹੀ ਲੱਸੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਹਰ ਘਰ ਵਿਚ ਦੁਧਾਰੂ ਪਸ਼ੂਆਂ 'ਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਖ਼ਰਚੇ ਅਤੇ ਮੁੱਲ ਖ਼ਰੀਦ ਕੇ ਦੁੱਧ ਵਰਤਣ ਦਾ ਹਿਸਾਬ-ਕਿਤਾਬ ਲਗਾਇਆ।

ਸ਼ਾਇਦ ਪਸ਼ੂ ਧਨ ਤੋਂ ਘਟਦਾ ਮੋਹ ਹੀ ਦੁੱਧ ਨੂੰ ਜ਼ਹਿਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਵੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹੈ। ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਦੁੱਧ ਪਸ਼ੂਆਂ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਡੇਅਰੀਆਂ ਤੋਂ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਚਿੱਟੇ ਦੁੱਧ ਦੇ ਕਾਲਾ ਧੰਦੇ ਵਿਚ ਫਸੇ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੁੱਧ ਦੇ ਨਾਂ 'ਤੇ ਜ਼ਹਿਰ ਪੀਣ ਲਈ ਮਜ਼ਬੂਰ ਹੋਣਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। •

98786-05965

ਮਹਿਮਾਨ ਨਿਵਾਜੀ

ਸਮੇਂ ਦੇ ਪਰਿਵਰਤਨ ਨਾਲ ਕਾੜ੍ਹਨੀ ਅਤੇ ਕਾੜ੍ਹਨੀ ਦਾ ਦੁੱਧ ਵੀ ਬੀਤੇ ਦੀ ਧੂੜ ਵਿਚ ਗੁਆਚ ਗਏ ਹਨ। ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਨਾ ਹਾਰੇ ਰਹੇ ਹਨ, ਨਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਪਾਥੀਆਂ ਅਤੇ ਨਾਂ ਹੀ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਹਾਰੇ ਅੱਗ ਪਾ ਕੇ ਕਾੜ੍ਹਨੀ ਦੁੱਧ ਧਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਸੁਆਣੀਆਂ। ਨਾ ਹੀ ਰਹੇ ਹਨ ਦੁੱਧ ਪੀਣ ਦੇ ਸ਼ੌਕੀਨ ਲੋਕ। ਦੁੱਧ ਹੁਣ ਮਹਿਮਾਨ ਨਿਵਾਜੀ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ। ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਘਰ ਆਏ ਪ੍ਰਾਹੁਣੇ ਦਾਰੂ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਰੁੱਸ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਖ਼ੁਰਾਕੀ ਸਵਾਦ ਤਬਦੀਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਦੁੱਧ ਵਿੱਚੋਂ ਹਮਕ ਆਉਣ ਲੱਗਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਦੁੱਧ ਵੱਲ ਮੂੰਹ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਹੁਣ ਹਰ ਘਰ ਵਿਚ ਦੁਧਾਰੂ ਪਸ਼ੂ ਰੱਖਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਹੁਣ ਦੁੱਧ ਵੇਚਣਾ ਕੋਈ ਮਿਹਣਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਦੁੱਧ ਦੀ ਤਾਂ ਗੱਲ ਛੱਡੋ ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਤਾਂ ਲੱਸੀ ਵੀ ਵਿਕਣ ਲੱਗੀ ਹੈ।



ਮੈਨੂੰ ਮਾਹੀਆ ਵੇਖਣ ਦੇ

ਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ

ਦੇਸ਼ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਛੈਲ-ਛਬੀਲੇ ਗੱਭਰੂ ਅਤੇ ਮੁਟਿਆਰਾਂ ਦੀ ਦੁਨੀਆ ਭਰ 'ਚ ਵੱਖਰੀ ਪਛਾਣ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਸੁਭਾਅ ਅਤੇ ਨਿਰਛਲ ਮਨ ਵਾਂਗ, ਇੱਥੋਂ ਦੀ ਹਰ ਚੀਜ਼ ਖ਼ਾਲਿਸ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਖ਼ੁਸ਼ੀ ਦਾ ਪ੍ਰਗਟਾਵਾ ਤਿਉਹਾਰਾਂ, ਮੇਲਿਆਂ ਆਦਿ ਰਾਹੀਂ ਬੜੇ ਚਾਵਾਂ ਅਤੇ ਮਲ੍ਹਾਰਾਂ ਨਾਲ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਅਤੇ ਮੇਲਿਆਂ ਨੂੰ ਲੋਕ ਗੀਤਾਂ, ਬੋਲੀਆਂ, ਟੱਪਿਆਂ, ਗਿੱਧਿਆਂ ਅਤੇ ਭੰਗੜਿਆਂ ਦਾ ਰੰਗ ਬੰਨ੍ਹ ਕੇ ਬਹੁਤ ਹੀ ਖ਼ੂਬਸੂਰਤੀ ਨਾਲ ਸ਼ਿੰਗਾਰਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਗਿੱਧੇ ਅਤੇ ਭੰਗੜੇ ਦੀਆਂ ਬੋਲੀਆਂ ਜਿੰਦ-ਜਾਨ ਹਨ।

ਮੈਂ ਜੱਟੀ ਦੇਸ਼ ਪੰਜਾਬ ਦੀ
ਨੀ ਮੈਂ ਪਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕੀ ਸਿਆਣਦੀ
ਨੀ ਮੈਂ ਨੱਚਾਂ, ਨੀ ਮੈਂ ਟੱਪਾਂ
ਪਰ ਸ਼ਰਮ ਹਯਾ ਪਛਾਣ ਦੀ...

ਬੋਲੀਆਂ ਦਾ ਸਾਡੇ ਸਾਹਿਤਕ ਵਿਰਸੇ 'ਚ ਆਪਣਾ ਖ਼ਾਸ ਸਥਾਨ ਅਤੇ ਪਛਾਣ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਦੁੱਖ-ਸੁੱਖ, ਵਿਛੋੜਾ, ਮੇਲ-ਮਿਲਾਪ, ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਪਿਆਰ ਆਦਿ ਦਾ ਵਰਣਨ ਬੜੇ ਹੀ ਸੁਚੱਜੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਦਰਅਸਲ ਮੁਟਿਆਰਾਂ ਦੇ ਗਿੱਧੇ ਅਤੇ ਗੱਭਰੂਆਂ ਦੇ ਭੰਗੜੇ ਦੀ ਜਾਨ ਹੀ ਬੋਲੀਆਂ ਹਨ। ਜਿੱਥੇ ਉਪਰੋਕਤ ਸਭ ਦਾ ਨਜ਼ਾਰਾ ਬੜੇ ਸੁਚੱਜੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉੱਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਬੋਲੀਆਂ 'ਚ ਮਾਹੀਏ ਦਾ ਵੈਰਾਗ ਭਾਵ ਪਿਆਰ ਵੀ ਇਕ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਸਥਾਨ ਰੱਖਦਾ ਹੈ। ਹਰ ਮੁਟਿਆਰ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ ਦਾ ਬਹੁਤ ਚਾਅ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਦਿਲ ਹੀ ਦਿਲ 'ਚ ਉਸ ਬਾਰੇ ਕਲਪਨਾ ਕਰਦੀ ਤੇ ਖ਼ੁਸ਼ ਹੁੰਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ।

ਗੱਡੇ-ਗਡੀਰੇ ਵਾਲਿਆ
ਗੱਡਾ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਤੋਰ,
ਮੇਰੀਆਂ ਹਿੱਲਣ
ਕੰਨਾਂ ਦੀਆਂ ਵਾਲੀਆਂ
ਤੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਪੈਂਦੇ ਹੌਲ
ਮੇਰਾ ਮਾਹੀ ਗੜਵਾ
ਨੀ ਮੈਂ ਗੜਵੇ ਦੀ ਡੋਰ...

ਮੁਟਿਆਰ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦਾ ਮਾਹੀ ਹਰ ਪਲ ਉਸ ਦੀਆਂ ਅੱਖਾਂ ਸਾਹਵੇਂ ਰਹੇ, ਛੱਡ ਕੇ ਕਿਤੇ ਨਾ ਜਾਵੇ। ਉਹ ਇਕ ਪਲ ਲਈ ਵੀ ਉਸ ਤੋਂ ਵੱਖ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ।

ਜੇਠ ਹਾੜ 'ਚ ਅੰਬ ਬਥੇਰੇ
ਸਾਉਣ ਜਾਮਨੂੰ ਪੀਲਾਂ
ਮਾਹੀਆ ਆਜਾ ਵੇ
ਤੈਨੂੰ ਪਾ ਕੇ ਪਟਾਰੀ 'ਚ ਕੀਲਾਂ ...

ਮਾਹੀ ਦਾ ਪਿਆਰ ਹਰ ਮੁਟਿਆਰ ਲਈ ਇਕ ਜਾਦੂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਹਰ ਮੁਟਿਆਰ ਬਸ ਇਸੇ ਜਾਦੂ ਦਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ ਨੂੰ ਆਪਣੀਆਂ ਅੱਖਾਂ 'ਚ ਸਮਾਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਹੀਰਿਆ ਹਰਨਾਂ ਬਾਗ਼ੀ ਚਰਨਾ
ਕਰ ਬਾਗਾਂ ਵਿਚ ਫੇਰਾ
ਜਿੱਥੇ ਤੇਰਾ ਹਲ਼ ਵਗਦਾ
ਉੱਥੇ ਲੈ ਚੱਲ ਚਰਖਾ ਮੇਰਾ...

ਮੁਟਿਆਰ ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ ਨੂੰ ਦੂਰ ਲਿਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਮੋਟਰ-ਗੱਡੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਬਖ਼ਸ਼ਦੀ ਅਤੇ ਗੁੱਸੇ 'ਚ ਆ ਕੇ ਸਰਾਪ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਮੇਰੇ ਮਾਹੀ ਨੂੰ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਤਾਂ ਜੀਅ ਸਦਕੇ ਲੈ ਆਵੋ ਪਰ ਦੂਰ ਨਾ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵੋ ਨਹੀਂ ਤਾਂ :

ਹੀਰਿਆ ਹਰਨਾਂ ਬਾਗ਼ੀ ਚਰਨਾ
ਤੂੰ ਬਾਗ਼ੀ ਕੀਕਣ ਆਇਆ
ਟੁੱਟ ਜਾਏਂ ਰੇਲ ਗੱਡੀਏ
ਮੇਰੇ ਮਾਹੀ ਦਾ
ਵਿਛੋੜਾ ਪਾਇਆ...

ਪਿਆਰ 'ਚ ਗੜੂੰਦ ਹੋਈ ਮੁਟਿਆਰ ਲਾਮ ਗਏ ਮਾਹੀ ਲਈ ਹੀ ਤੜਪ ਉੱਠਦੀ ਹੈ। ਕੁਝ ਘੰਟਿਆਂ ਦੀ ਉਡੀਕ ਤਾਂ ਕਿੱਥੇ, ਇੱਥੇ ਇੱਕ ਪਲ ਉਸ ਲਈ ਭਾਰੀ ਹੋ ਉੱਠਦਾ ਹੈ।

ਕੋਠੇ ਉੱਤੇ ਕੋਠੜੀ
ਮੈਂ ਕੋਠੇ ਚੜ੍ਹ ਗਈ,
ਲਾਮ ਨੂੰ ਜਾਂਦਾ ਮਾਹੀਆ ਵੇਖ ਕੇ
ਮੈਂ ਧੜੰਮ ਡਿੱਗ ਪਈ
ਮੈਨੂੰ ਨਾ ਬੁਲਾਈਓ ਨੀ
ਮੇਰਾ ਨਹੀਂ ਟਿਕਾਣੇ ਜੀਅ...

ਮਾਹੀ ਨੌਕਰੀ ਕਰਦਾ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਨਾ, ਮੁਟਿਆਰ ਨੂੰ ਇਸ ਨਾਲ ਕੋਈ ਵਾਸਤਾ ਨਹੀਂ। ਉਹ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦਾ ਮਾਹੀ ਉਸ ਦੀ ਹੀ ਨੌਕਰੀ ਕਰੇ ਅਤੇ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਪਿਆਰ ਰੂਪੀ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਾਵੇ। ਨੌਕਰੀ ਤਾਂ ਬਸ ਉਸ ਲਈ ਇਕ ਸਰਾਪ ਹੈ।

ਬਾਂਕੇ ਸਿਪਾਹੀ ਦੀ ਚਾਂਦੀ ਦੀ ਸੋਟੀ
ਵਿਚ ਸੋਨੇ ਦੀ ਠੋਕਰ
ਰੋਗੀ ਉਮਰਾਂ ਦੀਆਂ
ਮਾਹੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੌਕਰ...

ਸਾਡੇ ਸਮਾਜ 'ਚ ਫ਼ੌਜੀ ਦੀ ਮੁਟਿਆਰ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ ਦੀ ਤਾਂਘ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਹ ਅੰਦਰ ਹੀ ਅੰਦਰ ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ ਲਈ ਤੜਪਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਮੇਲ ਲਈ ਕੋਠੇ ਤੋਂ ਕਾਵਾਂ ਨੂੰ ਉਡਾਉਂਦੀ ਹੋਈ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ :

ਚੁੰਝ ਤੇਰੀ ਵੇ ਕਾਲਿਆ ਕਾਵਾਂ
ਸੋਨੇ ਨਾਲ ਮੜ੍ਹਾਵਾਂ
ਜਾ ਆਖੀਂ ਮੇਰੇ ਮਾਹੀਏ ਨੂੰ
ਨਿੱਤ ਮੈਂ ਔਸੀਆਂ ਪਾਵਾਂ
ਖ਼ਬਰਾਂ ਲਿਆ ਕਾਵਾਂ
ਤੈਨੂੰ ਘਿਓ ਦੀ ਚੂਰੀ ਪਾਵਾਂ ...

ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ ਦੇ ਮੁੜਨ ਦੀ ਤਾਂਘ ਲਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕੀ-ਕੀ ਦੁਆਵਾਂ ਕਰਦੀ, ਸੁੱਖਾਂ-ਸੁੱਖਦੀ, ਤਰਲੇ ਪਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਦੂਜੀਆਂ ਮੁਟਿਆਰਾਂ ਦੇ ਮਾਹੀਆਂ ਨੂੰ ਹਰ ਵਕਤ ਨਾਲ ਰਹਿੰਦਿਆਂ ਦੇਖਕੇ ਝੂਰਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਕਿਸਮਤ ਨਾਲ ਗਿਲਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਜੰਗ ਨੂੰ ਗਏ ਮਾਹੀ ਲਈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਤਾਪ ਦੀ ਹੱਦ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਮਜਬੂਰ ਅਤੇ ਬੇਵੱਸ ਮੁਟਿਆਰ ਦੇ ਦਿਲ 'ਤੇ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕੀ-ਕੀ ਬੀਤਦੀ ਹੈ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਵੱਲੋਂ ਮਾਹੀ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦਾ ਹਰ ਹੀਲਾ ਕਰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਮਜਬੂਰੀ ਉਸ ਨੂੰ ਝੰਜੋੜ ਕੇ ਰੱਖ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।

ਪਿੱਪਲਾਂ ਉੱਤੇ ਆਈਆਂ ਬਹਾਰਾਂ
ਬੋਹੜ ਨੂੰ ਲੱਗੀਆਂ ਗੋਹਲਾਂ
ਜੰਗ ਨੂੰ ਨਾ ਜਾ ਮਾਹੀਆ
ਮੈਂ ਦਿਲ ਦੇ ਬੋਲ-ਬੋਲਾਂ...

ਮੁਟਿਆਰ ਮਾਹੀ ਤੋਂ ਬਹੁਤੀ ਦੇਰ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦੀ। ਮਾਹੀ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਛੁੱਟੀ ਨਾ ਦੇਣ ਦਾ ਬਹਾਨਾ ਬਣਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਮੁਟਿਆਰ ਮਾਹੀ ਦੇ ਅਫ਼ਸਰ ਤਕ ਵੀ ਪਹੁੰਚ ਕਰਦੀ ਹੈ।

ਸੁਣ ਵੇ ਫਰੰਗੀਆ
ਸੱਧਰਾਂ ਮੇਰੀਆਂ
ਮੈਂ ਤੈਨੂੰ ਸਮਝਾਵਾਂ
ਦੇ ਛੁੱਟੀ ਮੇਰੇ ਢੋਲ ਮਾਹੀ ਨੂੰ
ਮੈਂ ਧਾਹ ਗਲਵਕੜੀ ਪਾਵਾਂ
ਫਰੰਗੀਆਂ ਤਰਸ ਕਰੀਂ
ਤੇਰਾ ਜੱਸ ਗਿੱਧੇ ਵਿਚ ਗਾਵਾਂ...

ਮੁਟਿਆਰ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ ਦਾ ਹਰ ਰੂਪ, ਰੰਗ, ਅਦਾ ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਹਰ ਮਰਦ ਨਾਲੋਂ ਬਿਹਤਰੀਨ ਲੱਗਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕੁਦਰਤ ਵੱਲੋਂ ਜੇ ਕਿਸੇ ਮੁਟਿਆਰ ਦੇ ਮਾਹੀਏ ਵਿਚ ਥੱਜ ਰਹਿ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਉਹ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ। ਆਪਣੇ ਮਾਹੀ 'ਤੇ ਆਈ ਕਿਸੇ ਵੀ ਮੁਸੀਬਤ 'ਚ ਮੁਟਿਆਰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਾਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੁੰਦੀ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ :

ਮਾਹੀਆ ਤੂੰ ਗ਼ਮ ਨਾ ਕਰੀਂ
ਵੇ ਮੈਂ ਲੰਡਨੋਂ ਵਕੀਲ ਮੰਗਵਾਵਾਂ
ਪਹਿਲੀ ਪੇਸ਼ੀ ਤੂੰ ਛੁੱਟ ਜੇ
ਲੱਡੂ ਵੰਡਦੀ ਕਚਿਹਰੀ 'ਚੋਂ ਆਵਾਂ...

ਮਾਹੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਮੁਟਿਆਰ ਦਾ ਰਿਸ਼ਤਾ ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਸਭ ਰਿਸ਼ਤਿਆਂ 'ਚੋਂ ਸੰਵੇਦਨਸ਼ੀਲ ਅਤੇ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਰੱਬ ਕਰੇ ਕਦੇ ਵੀ ਕਿਸੇ ਮੁਟਿਆਰ ਦਾ ਉਸ ਦੇ ਮਾਹੀ ਨਾਲੋਂ ਵਿਛੋੜਾ ਨਾ ਪਵੇ। •

ਮਾਹੀ ਦੇ ਪਿਆਰ 'ਚ ਗੜੂੰਦ

ਪਿਆਰ 'ਚ ਗੜੂੰਦ ਹੋਈ ਮੁਟਿਆਰ ਲਾਮ ਨੂੰ ਜਾਂਦੇ ਮਾਹੀਏ ਨੂੰ ਦੇਖ ਤੜਪ ਉੱਠਦੀ ਹੈ। ਕੁਝ ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀ ਉਡੀਕ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਲਈ ਇਕ ਵੀ ਪਲ ਦਾ ਵਿਛੋੜਾ ਭਾਰੀ ਹੋ ਉੱਠਦਾ ਹੈ ਤੇ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ :

ਕੋਠੇ ਉੱਤੇ ਕੋਠੜੀ
ਮੈਂ ਕੋਠੇ ਚੜ੍ਹ ਗਈ,
ਲਾਮ ਨੂੰ ਜਾਂਦਾ
ਮਾਹੀਆ ਵੇਖ ਕੇ
ਮੈਂ ਧੜੰਮ ਡਿੱਗ ਪਈ
ਮੈਨੂੰ ਨਾ ਬੁਲਾਈਓ ਨੀ
ਮੇਰਾ ਨਹੀਂ ਟਿਕਾਣੇ ਜੀਅ...



ਮੁਟਿਆਰ ਮਾਹੀ ਦੇ ਮੁੜਨ ਦੀ ਤਾਂਘ ਲਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕੀ-ਕੀ ਦੁਆਵਾਂ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਉਹ ਪੀਰਾਂ ਫ਼ਕੀਰਾਂ ਦੀਆਂ ਦਰਗਾਹਾਂ 'ਤੇ ਸੁੱਖਾਂ-ਸੁੱਖਦੀ, ਤਰਲੇ ਪਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਦੂਜੀਆਂ ਮੁਟਿਆਰਾਂ ਦੇ ਮਾਹੀਆਂ ਨੂੰ ਹਰ ਵਕਤ ਨਾਲ ਰਹਿੰਦਿਆਂ ਦੇਖਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਕਿਸਮਤ ਨਾਲ ਗਿਲਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ...

ਕੱਤਾਂ ਪ੍ਰੀਤਾਂ ਨਾਲ ਚਰਖਾ ਚੰਨਣ ਦਾ

ਜਸਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਸੰਘਾ

ਚਰਖਾ ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਚਿੰਨ੍ਹ ਹੈ। ਇਕ ਸਮਾਂ ਅਜਿਹਾ ਵੀ ਸੀ ਜਦੋਂ ਚਰਖਾ ਹਰ ਘਰ ਦਾ ਸ਼ਿੰਗਾਰ ਹੋਇਆ ਕਰਦਾ ਸੀ। ਪੇਂਡੂ ਜੀਵਨ ਦੀ ਅਹਿਮ ਕੜੀ ਸੀ ਇਹ। ਚਰਖਾ ਅਜਿਹਾ ਘਰੇਲੂ ਸੰਦ ਸੀ, ਜਿਸ ਦੀ ਮਦਦ ਨਾਲ ਰੂੰ ਨੂੰ ਕੱਤ ਕੇ ਸੂਤ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਜਿਸ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਕੱਪੜੇ ਬਣਦੇ ਸਨ। ਪੁਰਾਣੇ ਸਮਿਆਂ ਵਿਚ ਮੁਟਿਆਰਾਂ ਤ੍ਰਿੰਝਣ ਵਿਚ ਬੈਠ ਕੇ ਚਰਖਾ ਕੱਤਦੀਆਂ, ਬਾਗ਼, ਫੁਲਕਾਰੀਆਂ ਕੱਢਦੀਆਂ ਅਤੇ ਦਰੀਆਂ , ਖੇਸ ਬੁਣਦੀਆਂ ਸਨ । ਇਹ ਸਭ ਕੰਮ ਸਾਡੇ ਅਮੀਰ ਵਿਰਸੇ ਦੀ ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਸਨ ਜੋ ਸਾਨੂੰ ਹੱਥੀ ਕਿਰਤ ਕਰਨ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਦਿੰਦੇ ਸਨ। ਸਾਡੇ ਲੋਕ ਗੀਤਾਂ ਅੰਦਰ ਵੀ ਚਰਖੇ ਦਾ ਬਾਖੂਬੀ ਜ਼ਿਕਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ :

ਮੈਂ ਕੱਤਾਂ ਪ੍ਰੀਤਾਂ ਨਾਲ ਚਰਖਾ ਚੰਨਣ ਦਾ
ਸ਼ਾਵਾ ਚਰਖਾ ਚੰਨਣ ਦਾ
ਮੈਂ ਕੱਤਾਂ ਪ੍ਰੀਤਾਂ ਨਾਲ ਚਰਖਾ ਚੰਨਣ ਦਾ...

ਚਰਖਾ ਲੱਕੜ ਦੀ ਕਾਰੀਗਰੀ ਦਾ ਉੱਤਮ ਨਮੂਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਲੀ ਲੱਕੜ ਨੂੰ ਤਰਾਸ਼ ਕੇ ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਲੋਕ ਗੀਤਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਚਰਖੇ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੇ ਕਾਰੀਗਰ ਦੀ ਖ਼ੂਬ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ :



ਚਰਖਾ ਮੇਰਾ ਰੰਗ ਰੰਗੀਲਾ
ਕੌਡੀਆਂ ਨਾਲ ਸਜਾਇਆ
ਕਾਰੀਗਰ ਨੂੰ ਦਿਉ ਵਧਾਈਆ
ਜਿਨ੍ਹੇ ਰੰਗਲਾ ਚਰਖਾ ਬਣਾਇਆ...

ਇਕ ਸਮਾਂ ਅਜਿਹਾ ਸੀ ਜਦੋਂ ਹਰ ਘਰ ਅੰਦਰੋਂ ਚਰਖੇ ਦੀ ਘੂਕਰ ਸੁਣਾਈ ਦਿੰਦੀ ਸੀ । ਕੁੜੀਆਂ-ਚਿੜੀਆਂ ਇਕੱਠੀਆਂ ਹੋ ਕੇ ਚਰਖਾ ਕੱਤਦੀਆਂ ਅਤੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਗੀਤ ਗਾਉਂਦੀਆਂ ਸਨ। ਕੁੜੀਆਂ ਆਪਣੇ ਹੱਥੀ ਚਰਖਾ ਕੱਤ ਕੇ ਦਰੀਆਂ ਖੇਸ ਬਣਾ ਕੇ ਦਾਜ ਤਿਆਰ ਕਰਦੀਆ ਸਨ। ਪਹਿਲਾਂ ਚਰਖਾ ਕੁੜੀਆਂ ਨੂੰ ਦਾਜ ਵਿਚ ਵੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਦਾਜ ਵਿਚ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਚਰਖਾ ਕੋਕਿਆਂ ਅਤੇ ਮੇਖਾਂ ਨਾਲ ਜੜਿਆ ਹੁੰਦਾ ਸੀ। ਸਹੁਰੇ ਘਰ ਚਰਖਾ ਕੱਤਦੀ ਮੁਟਿਆਰ ਆਪਣੀ ਮਾਂ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੇ ਚਰਖੇ ਤੇ ਮਾਣ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਵੱਲ ਵੇਖ-ਵੇਖ ਮਾਂ ਨੂੰ ਯਾਦ ਕਰਦੀ ਕਹਿੰਦੀ :

ਮਾਂ ਮੇਰੀ ਨੇ ਚਰਖਾ ਦਿੱਤਾ
ਵਿਚ ਸ਼ੀਸ਼ੇ, ਕੋਕੇ ਤੇ ਮੇਖਾਂ
ਮਾਏ ਤੈਨੂੰ ਯਾਦ ਕਰਾਂ
ਜਦ ਚਰਖੇ ਵੱਲ ਦੇਖਾਂ ।

ਪਰ ਜੇਕਰ ਦਾਜ ਵਿਚ ਮੁਟਿਆਰ ਨੂੰ ਮਾਪੇ ਚਰਖਾ ਨਾ ਦੇਣ ਤਾ ਉਹ ਆਪਣੇ ਕੰਤ ਤੋ ਚਰਖੇ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੀ ਹੋਈ ਆਖਦੀ ਹੈ :

ਚੰਦਨ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਲੈ ਦੇ ਚਰਖਾ
ਵਿਚ ਚਾਂਦੀ ਦੇ ਮਣਕੇ
ਵੇ ਮੇਰਾ ਕੱਤਦੀ ਦਾ
ਕੱਤਦੀ ਦਾ ਚੂੜਾ ਛਣਕੇ...

ਅੱਗੋ ਕੰਤ ਵੀ ਨਵੀਂ ਵਿਆਹੀ ਪਤਨੀ ਦੀ ਮੰਗ ਮੰਨਦਾ ਹੋਇਆ ਉਸ ਨੂੰ ਚਰਖਾ ਲੈ ਕੇ ਦੇਣ ਦਾ ਵਾਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ :

ਸੁਣ ਨੀ ਮੇਰੀਏ ਨਾਰੇ
ਤੈਨੂੰ ਕੱਪੜੇ ਸਵਾ ਦੂੰ ਸਾਰੇ
ਸਾਟਨ ਦਾ ਤੈਨੂੰ ਘੱਗਰਾ ਸਵਾ ਦੂੰ
ਪੱਟ ਦੇ ਗੁੰਦਾਅ ਦੂੰ ਨਾਲੇ
ਰੰਗਲਾ ਤੈਨੂੰ ਚਰਖਾ ਮੰਗਾਦਿਆਂ
ਕੱਤਿਆ ਕਰੀ ਚੁਬਾਰੇ...

ਕੰਤ ਦੁਆਰਾ ਲਿਆ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਚਰਖੇ ਨੂੰ ਵੇਖਕੇ ਮੁਟਿਆਰ ਨੂੰ ਬੇਹੱਦ ਖ਼ੁਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤੇ ਉਹ ਚਰਖੇ ਤੇ ਲੰਮੇ-ਲੰਮੇ ਤੰਦ ਪਾ ਕੇ ਆਪਣੀਆਂ ਰੀਝਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਮੁਟਿਆਰ ਨੂੰ ਚਰਖਾ ਕੱਤਦੀ ਵੇਖਕੇ ਉਸ ਦਾ ਕੰਤ ਖ਼ੁਸ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਹੁਸਨ ਦੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਕੱਤਣੀ ਸਿਫ਼ਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ ਆਖਦਾ ਹੈ :

ਤੈਨੂੰ ਵੇਖਾ ਕਿ ਵੇਖਾ ਤੇਰੀ ਕੱਤਣੀ
ਨੀ ਚੰਨ ਜਿਹੇ ਮੁੱਖ ਵਾਲੀਏ...

ਅਜੋਕੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਚਰਖਾ ਸਾਡੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਲੋਪ ਹੀ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। •

99150-33176

ਨਾਰੀਵਾਦੀ ਔਰਤਾਂ

ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਫੌਕਸ



ਡਾ. ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ
82643-06671

1670 ਵਿਚ ਇਕ ਅਗਾਂਹਵਧੂ ਅਤੇ ਦਲੇਰ ਕੁਐਕਰ ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਫੈੱਲ ਨੇ ਔਰਤ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਦਾ ਡੱਟ ਕੇ ਸਮਰਥਨ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਪੂਜਾ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਦਾ ਪੂਰਾ ਅਧਿਕਾਰ ਹੈ। ਉਸ ਨੇ ਇਕ ਪੈਂਫਲਿਟ ਛਪਵਾਇਆ। ਜਿਸ ਦਾ ਨਾਂ ਸੀ ਵੂਮੈਨਜ਼ ਸਪੀਕਿੰਗ ਜਸਟੀਫਾਈਡ, ਜਿਹਦੇ ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਗੱਲ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਲੋਕ ਜਿਹੜੇ ਨਾਰੀ ਵਿਰੁੱਧ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ, ਉਹ ਬਿਲਕੁਲ ਗ਼ਲਤ ਹਨ ਕਿਉਂਕ ਰੱਬ ਦੀ ਆਤਮਾ ਔਰਤ ਵਿੱਚੋਂ ਬੋਲ ਰਹੀ ਹੈ।

ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਫੈੱਲ ਜਾਂ ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਫੌਕਸ ਦਾ ਜਨਮ 1614 ਵਿਚ ਹੋਇਆ। ਉਹ ਰਿਲੀਜੀਅਸ ਸੋਸਾਇਟੀ ਆਫ਼ ਫ੍ਰੈਂਡਜ਼ ਦੀ ਸੰਸਥਾਪਕ ਸੀ। ਉਹ ਕੁਐਕਰ ਪੰਥ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸੀ। ਉਹ ਕੁਐਕਰ ਪੰਥ ਦੀ ਉਪਦੇਸ਼ਕਾ ਵੀ ਸੀ। ਉਸ ਦੀ ਪੁੱਤਰੀ ਸਾਰਾਹ ਫੈੱਲਵੀ ਇਕ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਕੁਐਕਰ ਆਗੂ ਸੀ। ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਥਾਮਸ ਫੈੱਲ ਜੋ ਕਿ ਬੈਰਿਸਟਰ ਸੀ, ਨਾਲ 1632 ਨੂੰ ਹੋਈ ਤਾਂ ਇਹ ਲੇਡੀ ਆਫ਼ ਸਵਾਰਥਮੂਰ ਹਾਲ ਬਣ ਗਈ। ਸਵਾਰਥਮੂਰ ਹਾਲ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੁਐਕਰ ਫਿਰਕੇ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਮਿਲਣ ਸਥਾਨ ਹੀ ਬਣ ਗਿਆ।

ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਉੱਥੇ ਹੀ ਕਾਰਜਸ਼ੀਲ ਸੀ, ਜਿੱਥੇ ਸਰਕਾਰ ਅਕਸਰ ਹੀ ਛਾਪੇ ਮਾਰਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਸੀ। ਉਸ ਨੇ ਉੱਥੇ ਕਈ ਧਰਮ ਪੱਤਰ ਲਿਖੇ। ਇਸ ਕਾਰਜ ਲਈ ਉਸ ਨੇ ਧਨ ਵੀ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ। ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਦੀ 1658 ਵਿਚ ਹੋਈ ਮੌਤ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਉਸ ਨੇ ਇਸ ਸੰਸਥਾ ਦਾ ਸਾਰਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਆਪਣੇ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਲੈ ਲਿਆ। ਉਸ ਨੇ ਕਿੰਗ ਚਾਰਲਸ ਦੂਜੇ ਕੋਲ ਪਟੀਸ਼ਨ ਕਰਨ ਲਈ ਲੰਡਨ ਦੀ ਯਾਤਰਾ ਵੀ ਕੀਤੀ। ਉਸ ਨੇ ਇਸ ਪਟੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਧਾਰਮਿਕ ਮਸਲਿਆਂ ਵਿਚ ਅੰਤਰਆਤਮਾ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਸੀ ਪ੍ਰੰਤੂ 1664 ਵਿਚ ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਘਰ ਵਿਚ ਕੁਐਕਰਾਂ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਕਰਾਉਣ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਵਿਚ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਮੁਕੱਦਮੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਸ ਨੂੰ ਉਮਰ ਕੈਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਜ਼ਬਤ ਕਰ ਲਈ ਗਈ। ਉਹ 1668 ਤਕ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਰਹੀ। ਇਸ ਸਮੇਂ ਵੀ ਉਹ ਧਾਰਮਿਕ ਪੈਂਫਲਿਟ ਅਤੇ ਧਰਮ ਪੱਤਰ ਲਿਖਦੀ ਰਹੀ। ਇੱਥੇ ਉਸ ਦਾ ਕਾਰਜ ਵੋਮੈਨਜ਼ ਸਪੀਕਿੰਗ ਜਸਟੀਫਾਈਡ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਹੱਕਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਬਾਦਸ਼ਾਹ ਦੇ ਹੁਕਮਾਂ ਅਤੇ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਉਸ ਨੂੰ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿੱਚੋਂ ਰਿਹਾਅ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ।

ਉਸ ਨੇ 1669 ਵਿਚ ਜਾਰਜ ਫੌਕਸ ਨਾਲ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰ ਲਈ। ਉਸ ਨੂੰ ਇਕ ਵਾਰ ਫਿਰ ਧਾਰਮਿਕ ਕਾਨੂੰਨ ਤੋੜਨ ਕਰਕੇ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਉਹ ਇਕ ਸਾਲ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਰਹੀ। ਜੇਲ੍ਹ ਤੋਂ ਰਿਹਾਅ ਹੋਣ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਬਾਅਦ ਹੀ ਉਸ ਦਾ ਪਤੀ ਜਾਰਜ ਫੌਕਸ ਅਮਰੀਕਾ ਦੀ ਧਾਰਮਿਕ ਯਾਤਰਾ ਲਈ ਚੱਲ ਪਿਆ ਪ੍ਰੰਤੂ ਉਸ ਦੀ ਵਾਪਸੀ ਉੱਪਰ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ 1673 ਵਿਚ ਜੇਲ੍ਹ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਉਸ ਦੀ ਪੈਰਵਾਈ ਲਈ ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਨੂੰ ਮੁੜ ਲੰਡਨ ਜਾਣਾ ਪਿਆ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਹੀ ਫੌਕਸ ਨੂੰ 1675 ਵਿਚ ਰਿਹਾਅ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਮਾਰਗ੍ਰੇਟ ਦੀ 87 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਉਮਰ ਵਿਚ ਮੌਤ ਹੋ ਗਈ। ਹੁਣ ਜ਼ਰਾ ਕੁਐਕਰ ਫਿਰਕੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਗੱਲ ਕਰ ਲਈਏ। ਕੁਐਕਰ ਸ਼ਬਦ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ 1640 ਦੇ ਨੇੜੇ-ਤੇੜੇ, ਇਕ ਜੱਜ ਨੇ ਜਾਰਜ ਫੌਕਸ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਸੀ। ਜਾਰਜ ਫੌਕਸ ਉਸ ਸਮੇਂ ਬਰਤਾਨੀਆਂ ਵਿਚ ਇਕ ਅਜਿਹੇ ਪੰਥ ਦੀ ਨੀਂਹ ਰੱਖ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਜਿਹੜਾ ਪੂੰਜੀਵਾਦੀ ਪੱਛਮੀ ਤਾਕਤਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਗਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਪੰਥ ਸਭ ਦੀ ਬਰਾਬਰੀ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਜੰਗਾਂ-ਯੁੱਧਾਂ ਨੂੰ ਨਫ਼ਰਤ ਕਰਦਾ ਸੀ।

ਜਦੋਂ ਇਕ ਵਾਰ ਜਾਰਜ ਫੌਕਸ ਉਪਰ ਕੋਈ ਮੁਕੱਦਮਾ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਉਸ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਜੱਜ ਨੂੰ ਜਿਹੜਾ ਉਸ ਦੇ ਮੁਕੱਦਮੇ ਦੀ ਸੁਣਵਾਈ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ, ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਸੀ, 'ਰੱਬ ਦੇ ਨਾਂ ਤੋਂ ਡਰ' ਤਾਂ ਉਸ ਜੱਜ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸ਼ੱਟਅੱਪ ਕੁਐਕਰ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਸੀ। ਪਹਿਲਾਂ-ਪਹਿਲ ਇਸ ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਅਰਥ ਬੜੇ ਨਫ਼ਰਤ ਭਰੇ ਸਨ ਪ੍ਰੰਤੂ ਜਾਰਜ ਫੌਕਸ ਦੇ ਸ਼ਰਧਾਲੂ ਆਪਣੇ-ਆਪ ਨੂੰ ਕੁਐਕਰਜ਼ ਅਖਵਾਉਣ ਲੱਗ ਪਏ ਸਨ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਤਾਂ ਇਸ ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਅਰਥਾਂ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲੀ ਆਉਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਈ। ਕੁਐਕਰਜ਼ ਲੋਕ ਅੰਤਰ-ਆਤਮਾ ਉੱਪਰ ਜ਼ੋਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਦੋਂ ਵੀ ਸਮਾਂ ਜਾਂ ਮਾਨਸਿਕ ਸ਼ਾਂਤੀ ਮਿਲੇ, ਇਹ ਉੱਥੇ ਹੀ ਸਮਾਧੀ ਲਗਾ ਕੇ ਬੈਠ ਜਾਂਦੇ ਸਨ ਅਤੇ ਆਪਣੇ-ਆਪ ਵਿਚ ਅੰਤਰ-ਧਿਆਨ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਸਨ। ਇਹ ਲੋਕ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਸਾਰੇ ਦੁੱਖਾਂ-ਕਲੇਸ਼ਾਂ ਦਾ ਭਾਰ ਆਪਣੇ ਉੱਪਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਸਮਾਧੀ ਵਿੱਚੋਂ ਉੱਠਿਆ ਹੋਵੇ, ਉਹ ਸਮਾਧੀ ਵਿਚ ਹੋਏ ਆਪਣੇ ਅਨੁਭਵ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਸਾਂਝੇ ਕਰਦਾ ਸੀ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਸੁਣਨ ਵਾਲਿਆਂ ਵੱਲੋਂ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਬੜੇ ਗਹਿਰੇ ਅਰਥਾਂ ਵਿਚ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਇਹ ਲੋਕ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਨੂੰ ਪਵਿੱਤਰ ਸਮਝਦੇ ਸਨ ਅਤੇ ਇਸ ਕ੍ਰਿਆ ਨੂੰ ਬੜੀ ਵਚਨਬੱਧਤਾ ਨਾਲ ਪਵਿੱਤਰ ਮੰਨਦੇ ਸਨ। ਉਹ ਇਸ ਸੰਸਾਰਿਕ ਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਵੀ ਬੜੀ ਵਚਨਬੱਧਤਾ ਨਾਲ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਲੋਕ ਹਮੇਸ਼ਾ ਹੀ ਸ਼ਾਂਤੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਲੋਕ ਜੰਗਾਂ-ਯੁੱਧਾਂ ਨੂੰ ਨਫ਼ਰਤ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਕੁਐਕਰ ਲੋਕ ਵਿੱਦਿਆ ਦੇਣ ਨੂੰ ਬੜਾ ਮਾਣ ਸਮਝਦੇ ਸਨ ਤੇ ਸਭ ਨੂੰ ਵਿੱਦਿਆ ਹਾਸਿਲ ਕਰਨ ਤੇ ਬੜਾ ਜ਼ੋਰ ਦਿੰਦੇ ਸਨ। ਉਹ ਸਾਰੀ ਮਨੁੱਖਤਾ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਸਮਝਦੇ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਸੇ ਬਰਾਬਰਤਾ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਅਧਿਕਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਇਆ ਸੀ।

ਨਾਰੀਵਾਦ ਉਨੀਵੀਂ ਸਦੀ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤਕ ਤੇ ਸਮਾਜਿਕ-ਚਿੰਤਨ ਦੇ ਪਰਿਪੇਖ ਵਿਚ ਸਮਾਜਿਕ ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਲਹਿਰ ਵਜੋਂ ਉਭਰਿਆ। ਨਾਰੀਵਾਦ ਔਰਤ ਅਤੇ ਮਰਦ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਅਵਸਰਾਂ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਰੱਖਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੌਧਿਕ ਅਤੇ ਰਾਜਨੀਤਕ ਲਹਿਰ ਹੈ ਜੋ ਔਰਤਾਂ ਲਈ ਨਿਆਂ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਕਿ ਨਾਰੀਵਾਦ ਦੀਆਂ ਕਈ ਕਿਸਮਾਂ ਹਨ। •



ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਨੇ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਚੋਣਾਂ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਖਿੱਚੀ; ਸਨੌਰ 'ਚ ਸ਼ੁਕਰਾਨਾ ਯਾਤਰਾ ਕੱਢੀ

ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਹਲਕਾ ਸਨੌਰ ਤੋਂ ਸਾਬਕਾ ਵਿਧਾਇਕ ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਨੇ ਆਮ ਆਦਮੀ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡ ਕੇ ਭਾਰਤੀ ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅੱਜ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਹਲਕਾ ਸਨੌਰ ਵਿੱਚ ਸ਼ੁਕਰਾਨਾ ਯਾਤਰਾ ਕੱਢੀ। ਇਹ ਰੋਡ ਸ਼ੋਅ ਅੱਜ ਸਵੇਰੇ ਸਨੀ ਇਨਕਲੇਵ ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਕੇ ਕਸਬਾ ਭੁੱਨਰਹੇੜੀ, ਫਿਰ ਕਸਬਾ ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ, ਦੂਧਨਸਾਧਾਂ, ਰੌਹੜ ਜਗੀਰ ਹੁੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਤਿਹਾਸਕ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਬਾਉਲੀ ਸਾਹਿਬ ਘੜਾਮ ਵਿਖੇ ਪੁੱਜਾ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਪਿੰਡ ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਵਿੱਚ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਦੇ ਘਰ ਸਮਾਪਤ ਹੋਇਆ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਨੇ ਭੁੱਨਰਹੇੜੀ ਦੇ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਸਾਹਿਬ, ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ ਵਿਖੇ ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਸ਼ੰਕਰ ਗਿਰ ਔਲੀਆ, ਹਨੂਮਾਨ ਮੰਦਿਰ ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ, ਅਤੇ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਬਾਉਲੀ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਮੱਥਾ ਟੇਕਿਆ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਧਾਰਮਿਕ ਸਥਾਨਾ ਵਿਖੇ ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਨੂੰ ਸਿਰੋਪਾਓ ਭੇਟ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਹਰਮੀਤ ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਨੇ ਹਲਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅੱਜ ਦੇ ਰੋਡ ਸ਼ੋਅ ਵਿੱਚ ਵੱਧ ਚੜ੍ਹ ਕੇ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਟੱਕਰ ਲਈ ਸੀ ਪਰ ਮੌਜੂਦਾ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਮਨ ਮੁਟਾਵ ਚਲਦਿਆਂ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਅਹੁਦਿਆਂ ਤੋਂ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ 2027 ਦੀਆਂ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਚੋਣਾਂ ਲੜਨ ਲਈ ਤਿਆਰੀ ਵਿੱਢ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਪਟਿਆਲਾ (ਰਵੇਲ ਸਿੰਘ ਭਿੰਡਰ): ਆਮ ਆਦਮੀ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡ ਕੇ ਭਾਜਪਾ 'ਚ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹਲਕਾ ਸਨੌਰ ਦੇ ਵਿਧਾਇਕ ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਪਠਾਣਮਾਜਰਾ ਨੇ ਅੱਜ ਕਈ ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਪਟਿਆਲਾ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ੁਕਰਾਨੇ ਵਜੋਂ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਦੂਖਨਿਵਾਰਨ ਸਾਹਿਬ ਮੱਥਾ ਟੇਕਿਆ। ਇਥੇ ਸੰਖੇਪ ਮੀਡੀਆ ਮਿਲਣੀ ਦੌਰਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਾਜਪਾ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਅੱਜ ਤੋਂ ਮੁਹਿੰਮ ਆਰੰਭ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਵਜੋਂ ਹਲਕਾ ਸਨੌਰ ਦੇ ਪਿੰਡ-ਪਿੰਡ ਪਹੁੰਚ ਕਰ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਭਾਜਪਾ ਦੀਆਂ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਨੀਤੀਆਂ ਤੇ ਨੀਯਤ ਤੋਂ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਖਿਆ ਕਿ ਜੇ ਪਾਰਟੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਭਾਜਪਾ ਉਮੀਦਵਾਰ ਲਿਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਨੌਰ ਹਲਕੇ ਦੀ ਜਿੱਤ ਉਹ ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਝੋਲੀ ਪਾਉਣ ਦੇ ਸਮਰੱਥ ਹਨ। 'ਆਪ' ਦੇ ਦਿਨ ਪੁੱਗ ਗਏ ਹਨ। ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਨਮਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਸਥਾਨਕ ਟਕਸਾਲੀ ਆਗੂ ਅਤੇ ਸਾਬਕਾ ਸਟੇਟ ਮੀਡੀਆ ਬੁਲਾਰਾ ਭੁਪੇਸ਼ ਅਗਰਵਾਲ ਦੇ ਘਰ ਪਹੁੰਚਣ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਅਗਰਵਾਲ ਪਰਿਵਾਰ ਤੇ ਭਾਜਪਾ ਵਰਕਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਉਚੇਚੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸਨਮਾਨ ਵੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਦੱਸਣਯੋਗ ਹੈ ਕਿ 'ਆਪ' ਛੱਡ ਕੇ ਭਾਜਪਾ 'ਚ ਗਏ ਸਮਾਣਾ ਹਲਕੇ ਦੇ ਸਾਬਕਾ ਵਿਧਾਇਕ ਚੇਤਨ ਸਿੰਘ ਜੌੜਾਮਾਜਰਾ ਨੇ ਵੀ ਅੱਜ ਕਈ ਭਾਜਪਾ ਆਗੂਆਂ ਨਾਲ ਬੈਠਕਾਂ ਕੀਤੀਆਂ।

ਕੌਂਸਲਰ ਦੀ ਸੀਟ ਜਿੱਤ ਕੇ ਸੁਖਬੀਰ ਦੀ ਝੋਲੀ ਪਾਵਾਂਗੇ: ਵਿਰਕ

ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਮੀਤ ਪ੍ਰਧਾਨ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ ਨੇ ਉਮੀਦਵਾਰ ਬਲਦੇਸ਼ ਕੌਰ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿੱਚ ਚੋਣ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸੁਖਬੀਰ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਸਨੌਰ ਹਲਕੇ ਵਿੱਚ ਪੈਂਦੀ ਵਾਰਡ ਨੰਬਰ 15 ਦੀ ਸੀਟ ਜਿੱਤ ਕੇ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਝੋਲੀ 'ਚ ਪਾਵਾਂਗੇ। ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਰਨੈਲ ਸਿੰਘ ਅਲੀਪੁਰ ਦਾ ਪਰਿਵਾਰ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਬਹੁਤ ਹੀ ਨਾਮਵਰ ਪਰਿਵਾਰ ਹੈ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵਾਰਡ ਤੋਂ ਐੱਮ ਸੀ ਬਣਨ ਦੇ ਨਾਲ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਤੇ ਤਰੱਕੀ ਹੋਵੇਗੀ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਾਰਟੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸੁਖਬੀਰ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਲੋਕ ਸਭਾ ਹਲਕਾ ਇੰਚਾਰਜ ਐੱਨ ਕੇ ਸ਼ਰਮਾ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਜਿੱਤ ਵਾਸਤੇ ਦਿਨ ਰਾਤ ਇਕ ਕਰਨਗੇ। ਜ਼ਿਕਰਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਪਟਿਆਲਾ ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਦੀਆਂ ਕੁਝ ਵਾਰਡਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਦੌਰਾਨ ਝਗੜੇ ਹੋ ਗਏ ਸਨ ਜਿੱਥੇ ਦੁਬਾਰਾ ਚੋਣਾਂ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਲੋਕ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਪਹੁੰਚੇ ਸਨ ਅਤੇ ਜਿਸ ਤੇ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਨੇ ਦੁਬਾਰਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਚੋਣਾਂ ਕਰਵਾਉਣ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦਿੱਤੇ ਸਨ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਚੋਣਾਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਹਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜਿੰਦਾ, ਸਮੂਹ ਯੂਥ ਟੀਮ, ਮਾਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਝਿੱਲ ਪੀ ਏ ਸੀ ਮੈਂਬਰ, ਜਗਦੀਸ਼ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ, ਬਾਜ ਸਿੰਘ ਸਿੱਧੂ, ਗੋਲਡੀ, ਅਨੂਪ ਸਿੰਘ, ਗਰਜਾ ਸਿੰਘ, ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ ਹੁੰਦਲ ਅਤੇ ਸਮੂਹ ਵਾਰਡ ਵਾਸੀ ਅਤੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਸਮਾਜ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ 'ਚ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਜ਼ਰੂਰੀ : ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਜੱਜ ਰਜਿੰਦਰ ਅਗਰਵਾਲ

ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਅਥਾਰਟੀ, ਐੱਸ.ਏ.ਐੱਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਤਹਿਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਅਥਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ 'ਕੰਪ੍ਰੀਹੈਂਸਿਵ ਯੂਥ ਰਿਕਵਰੀ ਐਂਡ ਰਿਹੈਬਿਲੀਟੇਸ਼ਨ ਮੁਹਿੰਮ' ਤਹਿਤ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਿਆਂ ਦੇ ਮਾੜੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਅਤੇ ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਸਮਾਜ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਜੱਜ ਰਜਿੰਦਰ ਅੱਗਰਵਾਲ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤੀ ਅਤੇ ਮੁੜ ਵਸੇਬਾ ਕੇਂਦਰ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਖੇ ਨਸ਼ੇ ਦੀ ਲਤ ਤੋਂ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਕਾਊਂਸਲਿੰਗ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿ ਕੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਜੀਵਨ ਅਪਣਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਡਾਕਟਰਾਂ ਦੀ ਸਲਾਹ ਅਨੁਸਾਰ ਲੋੜਵੰਦਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਾ ਛੱਡਣ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਦਵਾਈਆਂ ਵੀ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਈਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ, ਸਕੂਲਾਂ, ਸਿਵਲ ਹਸਪਤਾਲ, ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤੀ ਅਤੇ ਮੁੜ ਵਸੇਬਾ ਕੇਂਦਰਾਂ, ਕੇਂਦਰੀ ਜੇਲ੍ਹ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਹੋਮ ਅਤੇ ਸਾਂਝ ਕੇਂਦਰਾਂ ਵਿੱਚ ਸਥਾਪਤ ਲੀਗਲ ਏਡ ਕਲੀਨਿਕਾਂ ਰਾਹੀਂ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਕਰਵਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦੌਰਾਨ ਪੈਨਲ ਵਕੀਲਾਂ ਵੱਲੋਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਿਆਂ ਦਾ ਤਿਆਗ ਕਰਕੇ ਉਸਾਰੂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨਾਲ ਜੁੜਨ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਨਸ਼ਿਆਂ ਦਾ ਸੇਵਨ ਨਾ ਸਿਰਫ਼ ਵਿਅਕਤੀ ਦੀ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਭਵਿੱਖ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਸਗੋਂ ਇਸ ਨਾਲ ਪਰਿਵਾਰਕ ਅਸ਼ਾਂਤੀ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਵੀ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ।

ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦੌਰਾਨ ਨਾਲਸਾ ਦੀ 'ਨਸ਼ਾ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਅਤੇ ਭਲਾਈ ਨੈਵੀਗੇਸ਼ਨ-ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਲਈ' ਯੋਜਨਾ-2025, ਨਸ਼ਿਆਂ ਦੇ ਸਿਹਤ, ਪਰਿਵਾਰਕ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਜੀਵਨ 'ਤੇ ਪੈਣ ਵਾਲੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਅਤੇ ਐੱਨ.ਡੀ.ਪੀ.ਐੱਸ. ਐਕਟ ਦੇ ਕਾਨੂੰਨੀ ਪ੍ਰਬੰਧਾਂ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਖੀਰ 'ਚ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਅਥਾਰਟੀ ਦੇ ਪੈਰਾ ਲੀਗਲ ਵਲੰਟੀਅਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਸਮੱਗਰੀ ਵੀ ਵੰਡੀ ਗਈ।

ਉਨਾਂ ਨੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਨਸ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿ ਕੇ ਸਿੱਖਿਆ, ਖੇਡਾਂ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਉਣ ਅਤੇ ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਤੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਸਮਾਜ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਸਰਗਰਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਣ।

ਪੰਜਾਬ ਵੱਲੋਂ ਏਸ਼ੀਅਨ ਚੈਂਪੀਅਨਜ਼ ਟਰਾਫੀ ਦੀ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਨਾਲ ਹਾਕੀ ਦੇ ਆਲਮੀ ਨਕਸ਼ੇ 'ਤੇ ਸੁਨਹਿਰੀ ਹਸਤਾਖ਼ਰ

➢ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵ ਹਾਕੀ ਦੇ ਨਕਸ਼ੇ 'ਤੇ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰਨ ਦਾ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਮਾਨ ਦਾ ਸੁਪਨਾ ਹੋਇਆ ਸਾਕਾਰ ➢ ਕਪਤਾਨ ਹਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸਰਵੋਤਮ ਖਿਡਾਰੀ ਦੇ ਨਾਲ 10 ਗੋਲਾਂ ਨਾਲ ਸਰਵੋਤਮ ਸਕੋਰਰ ਤੇ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਬਹਾਦੁਰ ਪਾਠਕ ਨੂੰ ਸਰਵੋਤਮ ਗੋਲਕੀਪਰ ਦਾ ਐਵਾਰਡ ਮਿਲਿਆ

ਮੁਹਾਲੀ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਮਾਨ ਵੱਲੋਂ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵ ਹਾਕੀ ਦੇ ਨਕਸ਼ੇ 'ਤੇ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਦੇਖਿਆ ਸੁਪਨਾ ਸਾਕਾਰ ਹੋਣ ਨਾਲ ਭਾਰਤੀ ਹਾਕੀ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਸੁਨਹਿਰੀ ਅਧਿਆਏ ਜੁੜ ਗਿਆ ਹੈ।

ਸਾਬਕਾ ਭਾਰਤੀ ਵਿਸ਼ਵ ਕੱਪ ਜੇਤੂਆਂ, ਓਲੰਪੀਅਨਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦੇਸ਼ੀ ਹਾਕੀ ਸਿਤਾਰਿਆਂ ਦੀ ਮੌਜੂਦਗੀ ਵਿੱਚ 'ਹੀਰੋ ਏਸ਼ੀਅਨ ਚੈਂਪੀਅਨਜ਼ ਟਰਾਫੀ ਪੰਜਾਬ- 2026' ਦੀ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਅਤੇ ਭਾਰਤ ਦੀ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਜਿੱਤ ਨਾਲ ਇਹ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖੇਡ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿੱਚ ਮੀਲ ਪੱਥਰ ਸਾਬਤ ਹੋਇਆ। ਭਾਰਤ ਨੇ ਰੋਮਾਂਚਕ ਫਾਈਨਲ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿੱਚ ਜਾਪਾਨ ਨੂੰ 4-1 ਨਾਲ ਹਰਾ ਕੇ ਟਰਾਫੀ ਆਪਣੇ ਨਾਂ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਦੋ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਟੇਡੀਅਮਾਂ – ਮੋਹਾਲੀ ਸਥਿਤ 'ਓਲੰਪੀਅਨ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਸੀਨੀਅਰ ਹਾਕੀ ਸਟੇਡੀਅਮ' ਅਤੇ ਜਲੰਧਰ ਸਥਿਤ 'ਓਲੰਪੀਅਨ ਸੁਰਜੀਤ ਹਾਕੀ ਸਟੇਡੀਅਮ' - ਇਸ ਵੱਕਾਰੀ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਦੇ ਗਵਾਹ ਬਣੇ ।

ਭਾਰਤ ਪੂਰੇ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਦੌਰਾਨ ਅਜੇਤੂ ਰਿਹਾ। ਟੀਮ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸਾਰੇ 7 ਮੈਚ ਜਿੱਤੇ – ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਜਲੰਧਰ ਵਿਖੇ 5 ਲੀਗ ਮੈਚ ਅਤੇ ਮੋਹਾਲੀ ਵਿਖੇ ਸੈਮੀਫਾਈਨਲ ਤੇ ਫਾਈਨਲ ਮੁਕਾਬਲੇ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ। ਇਸ ਜਿੱਤ ਨਾਲ ਭਾਰਤ ਨੇ ਰਿਕਾਰਡ ਕਾਇਮ ਕਰਦਿਆਂ 6ਵੀਂ ਵਾਰ ਖਿਤਾਬ ਜਿੱਤਿਆ। ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ, 2023 ਅਤੇ 2024 ਦੀਆਂ ਜਿੱਤਾਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਭਾਰਤ ਨੇ ਲਗਾਤਾਰ ਖਿਤਾਬ ਜਿੱਤ ਕੇ ਆਪਣੀ 'ਹੈਟ੍ਰਿਕ' ਵੀ ਪੂਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਇੱਕ ਯਾਦਗਾਰ ਫਾਈਨਲ:

ਜਾਪਾਨ ਨੇ ਮੈਚ ਦੇ ਤੀਜੇ ਮਿੰਟ ਵਿੱਚ ਕਾਜ਼ੂਮਾਸਾ ਮਾਤਸੁਮੋਤੋ ਦੇ ਗੋਲ ਨਾਲ ਭਾਰਤ 'ਤੇ ਹਾਫ-ਟਾਈਮ ਤੱਕ 1-0 ਦੀ ਬੜ੍ਹਤ ਬਣਾਈ ਰੱਖੀ। ਪਰ ਚੈਂਪੀਅਨਾਂ ਨੇ ਚੈਂਪੀਅਨਾਂ ਵਾਂਗ ਹੀ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ।42ਵੇਂ ਮਿੰਟ ਵਿੱਚ ਸ਼ਿਲਾਨੰਦ ਲਾਕੜਾ ਨੇ ਗੋਲ ਕਰਕੇ ਸਕੋਰ ਬਰਾਬਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ, 47ਵੇਂ ਮਿੰਟ ਵਿੱਚ ਦਿਲਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇੱਕ ਹੋਰ ਗੋਲ ਕਰਕੇ ਟੀਮ ਨੂੰ 2-1 ਨਾਲ ਅੱਗੇ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ 52ਵੇਂ ਮਿੰਟ ਵਿੱਚ ਜੁਗਰਾਜ ਸਿੰਘ ਨੇ ਸਕੋਰ 3-1 ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ 53ਵੇਂ ਮਿੰਟ ਵਿੱਚ ਵਿਵੇਕ ਸਾਗਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਨੇ 4-1 ਨਾਲ ਜਿੱਤ ਪੱਕੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਆਖਰੀ 18 ਮਿੰਟਾਂ ਵਿੱਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਚਾਰ ਗੋਲਾਂ ਨੇ ਮੈਚ ਦਾ ਪਾਸਾ ਹੀ ਪਲਟ ਦਿੱਤਾ।ਮਲੇਸ਼ੀਆ ਨੇ ਦੱਖਣੀ ਕੋਰੀਆ ਨੂੰ 5-2 ਨਾਲ ਹਰਾ ਕੇ ਤੀਜਾ ਸਥਾਨ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ।

ਹਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ - ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਦਾ ਹੀਰੋ ਤੇ ਸਰਵੋਤਮ ਸਕੋਰਰ

ਭਾਰਤੀ ਕਪਤਾਨ ਹਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਇਸ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਦਾ ਸਟਾਰ ਖਿਡਾਰੀ ਰਿਹਾ।ਉਸ ਨੂੰ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਦਾ 'ਸਰਵੋਤਮ ਖਿਡਾਰੀ' ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਹ 10 ਗੋਲਾਂ ਨਾਲ 'ਟਾਪ ਸਕੋਰਰ' ਵੀ ਬਣਿਆ। ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਵਿੱਚ ਹਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤੇ 10ਵੇਂ ਗੋਲ ਨਾਲ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਗੋਲਾਂ ਦੀ ਕੁੱਲ ਗਿਣਤੀ 250 ਦੇ ਅਹਿਮ ਅੰਕੜੇ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਗਈ ਹੈ।ਭਾਵੇਂ , ਲੀਗ ਮੈਚ ਵਿੱਚ ਮਲੇਸ਼ੀਆ ਵਿਰੁੱਧ ਲਗਾਈ ਗਈ 'ਹੈਟ੍ਰਿਕ' ਹੋਵੇ, ਦਬਾਅ ਹੇਠ ਮਾਰੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ 'ਡਰੈਗ-ਫਲਿਕ' ਹੋਣ ਜਾਂ ਫਿਰ ਫਾਈਨਲ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਾਂਤ ਅਗਵਾਈ ਹੋਵੇ ਹਰਮਨ ਨੇ ਹਰ ਮੈਚ ਵਿੱਚ ਟੀਮ ਨੂੰ ਮੂਹਰੇ ਰੱਖਿਆ।

ਗੋਲਕੀਪਰ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਬਹਾਦੁਰ ਪਾਠਕ ਨੂੰ ਗੋਲਕੀਪਰ ਆਫ਼ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਐਲਾਨਿਆ ਗਿਆ। ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਦੇ ਕੁਝ ਅਹਿਮ ਪਲਾਂ ਵਿੱਚ, ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਮਲੇਸ਼ੀਆ ਅਤੇ ਦੱਖਣੀ ਕੋਰੀਆ ਵਿਰੁੱਧ ਲੀਗ ਮੈਚ ਦੌਰਾਨ ਪੈਨਲਟੀ ਕਾਰਨਰਾਂ 'ਤੇ ਉਸਦੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਬਚਾਅ ਨੇ ਭਾਰਤ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਸਮੇਂ ਦੌਰਾਨ ਅਜੇਤੂ ਰੱਖਿਆ।

ਮੋਹਾਲੀ 'ਚ ਵਿਸ਼ਵ ਪੱਧਰੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ :

ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਦੀ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਕਰ ਰਹੇ ਓਲੰਪੀਅਨ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਸੀਨੀਅਰ ਹਾਕੀ ਸਟੇਡੀਅਮ, ਮੋਹਾਲੀ ਨੇ ਜ਼ੋਰਦਾਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਵਿਸ਼ਵ ਪੱਧਰੀ ਖੇਡ ਮੰਚ 'ਤੇ ਆਪਣੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕੀਤੀ।ਖਚਾਖਚ ਭਰਿਆ ਸਟੇਡੀਅਮ, ਜੋਸ਼ੀਲਾ ਮਾਹੌਲ, ਵਿਸ਼ਵ ਪੱਧਰੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਅਤੇ ਸੈਮੀਫਾਈਨਲ, ਕਾਂਸੀ ਦੇ ਤਗਮੇ ਦੇ ਮੈਚ ਅਤੇ ਫਾਈਨਲ ਲਈ ਪੁਖ਼ਤਾ ਪ੍ਰਬੰਧਾਂ ਲਈ ਮੋਹਾਲੀ ਨੇ ਏਸ਼ੀਆ ਭਰ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ, ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਕਾਂ ਤੋਂ ਵਾਹ-ਵਾਹ ਖੱਟੀ।

ਜਲੰਧਰ ਦੇ ਓਲੰਪੀਅਨ ਸੁਰਜੀਤ ਹਾਕੀ ਸਟੇਡੀਅਮ , ਜਿੱਥੇ ਲੀਗ ਮੁਕਾਬਲੇ ਖੇਡੇ ਗਏ, ਨੇ ਵੀ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਖਿੱਚਿਆ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਹਾਸਲ ਕੀਤੀ। ਬੰਗਲਾਦੇਸ਼ ਵਿਰੁੱਧ ਭਾਰਤ ਦੀ 13-0 ਦੀ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਜਿੱਤ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਮਲੇਸ਼ੀਆ ਵਿਰੁੱਧ 4-2 ਦੇ ਰੋਮਾਂਚਕ ਮੁਕਾਬਲੇ ਤੱਕ, ਜਲੰਧਰ ਵਿੱਚ ਹਰ ਸ਼ਾਮ ਸਟੇਡੀਅਮ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਨਾਲ ਖਚਾਖਚ ਭਰਿਆ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਭੀੜ ਵਿੱਚ ਭਾਰੀ ਉਤਸ਼ਾਹ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ।

ਜਲੰਧਰ ਅਤੇ ਮੋਹਾਲੀ ਨੇ ਇਹ ਸਾਬਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਨਾ ਸਿਰਫ਼ ਭਾਰਤੀ ਹਾਕੀ ਦੀ 'ਨਰਸਰੀ' ਹੈ ਸਗੋਂ ਇਹ ਵਿਸ਼ਵ ਹਾਕੀ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੇ ਮੁਕਾਬਲਿਆਂ ਦੀ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਕਰਨ ਲਈ ਵੀ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ 2030 ਵਿਸ਼ਵ ਕੱਪ ਦੀ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਕਰਨ ਦੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਦਾਅਵੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਮਿਲੀ ਹੈ।

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਧਰਤੀ 'ਤੇ ਭਾਰਤ ਦੀ ਇਹ ਜਿੱਤ ਸਿਰਫ਼ ਇੱਕ ਖਿਤਾਬ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਇੱਕ ਸੁਨੇਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਅਤੇ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਬਹਾਦਰ ਪਾਠਕ ਦੀ ਰਖਵਾਲੀ ਹੇਠ ਭਾਰਤੀ ਹਾਕੀ ਏਸ਼ੀਆ ਵਿੱਚ ਸ਼ਿਖਰ 'ਤੇ ਹੈ ਅਤੇ 2028 ਦੀਆਂ ਲਾਸ ਏਂਜਲਸ ਓਲੰਪਿਕ ਖੇਡਾਂ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਹੈ।

ਇਸ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਵਿੱਚ 1966 ਦੀਆਂ ਏਸ਼ਿਆਈ ਖੇਡਾਂ, 1975 ਵਿਸ਼ਵ ਕੱਪ ਤੇ 1980 ਮਾਸਕੋ ਓਲੰਪਿਕਸ ਦੇ ਸੋਨ ਤਮਗ਼ਾ ਜੇਤੂ ਪੁਰਾਣੇ ਦਿੱਗਜ਼ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 2024 ਦੀਆਂ ਪੈਰਿਸ ਓਲੰਪਿਕਸ ਵਿੱਚ ਕਾਂਸੀ ਦਾ ਤਮਗ਼ਾ ਜੇਤੂ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਤੱਕ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਨਾਮ ਰੌਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਨੇ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਗਾਈ।

ਮਾਮਲਾ : ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਵਾਪਰ ਰਹੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਦਾ -ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਕੰਟਰੋਲ ਬੋਰਡ ਅੱਗ ਲਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਵਿੱਚ ਦਿਖਿਆ ਲਚਾਰ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸੂਬੇ ਅੰਦਰ ਝੋਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਉਪਰੰਤ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਵੱਲੋਂ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਿਲਸਿਲਾ ਤੇਜ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਿਸ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਕੰਟਰੋਲ ਬੋਰਡ ਲਾਚਾਰ ਦਿਖਾਈ ਦੇ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜ਼ਿਕਰ ਜੋ ਹੈ ਕੀ ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਕੰਟਰੋਲ ਬੋਰਡ ਸਿਰਫ ਦਫਤਰ ਦੇ ਕਾਗਜ ਕਾਲੇ ਕਰਨ ਤੱਕ ਹੀ ਸੀਮਤ ਹੋ ਕੇ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਬੋਰਡ ਵੱਲੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਪੁਖਤਾ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਤਾਂ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਪੰਜਾਬ ਅੰਦਰ ਝੋਨੇ ਦੀ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਕੰਟਰੋਲ ਬੋਰਡ ਵਲੋਂ ਪੰਜ ਸਤੰਬਰ ਤੱਕ ਦਰਜ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦਾ ਸਮਾਚਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਇਆ ਹੈ।

ਕਿੰਨੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਦਰਜ

ਮਿਲੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਨੁਸਾਰ ਪੀ. ਪੀ. ਸੀ. ਬੀ. ਵਲੋਂ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਅੰਦਰ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਦੀਆਂ 5 ਨਵੰਬਰ 2026 ਤੱਕ 2787 ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਦਰਜ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਦੱਸਣਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ 2,194 ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਜਾ ਕੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਜਾਂਚ ਵਿੱਚੋਂ 994 ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀ ਪੁਸ਼ਟੀ ਹੋਈ ਹੈ ।

ਕਿੰਨਾਂ ਵਾਤਾਵਰਨ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ

ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਕੰਟਰੋਲ ਬੋਰਡ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਮੁਤਾਬਕ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਉਲੰਘਣਾਂ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ 'ਤੇ 46.10 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਵਾਤਾਵਰਣ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚੋਂ 24.85 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਧਾਰਾ 223 ਤਹਿਤ ਕੁੱਲ 710 ਐਫ. ਆਈ. ਆਰ. ਦਰਜ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

ਕਿੰਨੀਆਂ ਲਾਲ ਐਂਟਰੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਦਰਜ

ਉਪਰੋਕਤ ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਿਚ ਮਾਲ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਰਿਕਾਰਡ ਵਿਚ ਲਾਲ ਐਂਟਰੀਆਂ ਦੀ ਜੇਕਰ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ 829 ਮਾਮਲੇ ਦਰਜ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ।ਪੰਜਾਬ ਭਰ ਵਿੱਚ 786 ਚੇਤਾਵਨੀ ਨੋਟਿਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ 18 ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਲਾਪ੍ਰਵਾਹੀ ਵਰਤਣ ਵਾਲੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਵੀ ਕਾਨੂੰਨੀ ਕਾਰਵਾਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਕਿਹੜੇ ਜਿਲੇ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦੀ ਹੋਈ ਹੈ ਪੁਸ਼ਟੀ

ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜਿਲਾ ਤਰਨਤਾਰਨ ਵਿਚ 586 ਘਟਨਾਵਾਂ ਨਾਲ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਹੈ, ਜਿੱਥੇ 294 ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀ ਪੁਸ਼ਟੀ ਹੋਈ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਫਿ ?ਰੋਜ਼ਪੁਰ ਵਿੱਚ 361, ਸੰਗਰੂਰ ਵਿੱਚ 240, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿੱਚ 221, ਬਠਿੰਡਾ ਵਿੱਚ 216 ਅਤੇ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿੱਚ 156 ਘਟਨਾਵਾਂ ਰਿਪੋਰਟ ਹੋਈਆਂ ਹਨ । ਪਟਿਆਲਾ ਵਿੱਚ 27 ਐਫ਼. ਆਈ. ਆਰ. ਦਰਜ ਕਰਕੇ 2.15 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਜੁਰਮਾਨਾ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਜਿਸ ਨੂੰ ਦੇਖਦੇ ਹੋਏ ਬਿਨਾਂ ਮਾਮਲੇ ਦਰਜ ਕਰਨ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਵਾਲੇ ਖਿਲਾਫ ਹੋਰ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਅਮਲ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦੀ ਜਾਂਦੀ ਪਰ ਵੋਟ ਰਾਜ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਦਰਜ ਹੋਏ ਮਾਮਲਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸਹਿ ਤੇ ਟਾਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ

ਦੱਸਣ ਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਅੰਦਰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਮੁੱਚਾ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਉਦੋਂ ਪਬਾ ਭਾਰ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਦਿੱਲੀ ਵਿਖੇ ਧੂਏ ਦੀ ਮਿਕਦਾਰ ਵੱਧ ਜਾਣ ਕਾਰਣ ਉਥੋਂ ਦੀ ਆਬੋ ਹਵਾ ਦੋਸਤ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਇਧਰ ਆ ਤੁਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੂਸਤ ਵਾਤਾਵਰਨ ਦਾ ਸਮਾਂ ਕਰਨ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਹੋਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ।

ਪਰਾਲੀ ਦੇ ਰੁਝਾਨ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਤੇ ਐੱਸ.ਐੱਸ.ਪੀ ਵੱਲੋਂ ਪਿੰਡਾ ਦਾ ਦੌਰਾ



ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਆਦਿਤਿਆ ਉੱਪਲ ਵਲੋਂ ਲਗਾਤਾਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਜਾ ਕੇ ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਸਾੜਨ ਲਈ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਕੇ ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਸਾੜਨ ਲਈ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਅੱਜ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਆਦਿਤਿਆ ਉੱਪਲ ਅਤੇ ਐੱਸ.ਐੱਸ.ਪੀ ਬਟਾਲਾ ਡਾ. ਮਹਿਤਾਬ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਬਟਾਲਾ, ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ ਕਲਾਨੌਰ, ਬਟਾਲਾ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਮੀਆਂਕੋਟ ਸਾਹਿਬ, ਰੁੜਿਆਣਾ ਅਤੇ ਕਲਾਨੌਰ ਨੇੜਲੇ ਪਿੰਡਾਂ, ਤਾਰਾਗੜ੍ਹ, ਰਾਏਚੱਕ, ਲੁਕਮਾਨੀਆ, ਦੋਲੇਵਾਲ, ਅਰਲੀਭੰਨ ਅਤੇ ਨਿੱਜਰ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਰਸਤੇ ਵਿੱਚ ਲੱਗੀ ਅੱਗ ਨੂੰ ਫਾਇਰ ਬਿਰਗੇਡ ਦੀ ਮਦਦ ਨਾਲ ਬੁਝਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਐੱਸ ਪੀ ਨਵਜੋਤ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਅਤੇ ਡਾ. ਸ਼ਹਿਬਾਜ ਸਿੰਘ ਚੀਮਾ ਮੁੱਖ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫਸਰ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ। ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਸਪੱਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਕਿ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵੱਲੋਂ ਲਗਾਤਾਰ ਨਿਗਰਾਨੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਬਣਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਆਧੁਨਿਕ ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਅਪਣਾਈ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਸਹਿਯੋਗ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

ਡਾ. ਸ਼ਹਿਬਾਜ ਸਿੰਘ ਚੀਮਾ ਮੁੱਖ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫਸਰ ਨੇ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਸੁਪਰ ਸੀਡਰ ਅਤੇ ਹੈਪੀ ਸੀਡਰ ਵਰਗੀਆਂ ਆਧੁਨਿਕ ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦੇਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸੁਪਰ ਸੀਡਰ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਹੀ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਕਣਕ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਵਧੀਆ ਅਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਸੰਦ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦੀ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਸਿਹਤ ਦੀ ਵੀ ਸੰਭਾਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਫਿਰ ਵੀ ਕਿਸੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਪੇਸ਼ ਆਉਂਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਉਹ ਨੇੜਲੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ, ਬਲਾਕ ਅਫਸਰ, ਐੱਸ.ਡੀ.ਐੱਮ. ਦਫ਼ਤਰ ਵਿਖੇ ਸੰਪਰਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਹੈਲਪ ਲਾਈਨ ਨੰ 98781-66525 'ਤੇ ਸੰਪਰਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਵੱਲੋਂ ਪੋਲਟਰੀ ਫਾਰਮਾਂ, ਰਾਈਸ ਸ਼ੈਲਰਾਂ, ਭੱਠਿਆਂ, ਸਮਾਲ ਸਕੇਲ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਅਤੇ ਮਕਾਨ ਮਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ

ਸੰਗਰੂਰ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਸੰਗਰੂਰ ਪੂਨਮਦੀਪ ਕੌਰ ਵੱਲੋਂ ਭਾਰਤੀ ਨਾਗਰਿਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਹਿੰਤਾ ,2023 ਦੀ ਧਾਰਾ 163 ਅਧੀਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦਿਆਂ ਪੋਲਟਰੀ ਫਾਰਮਾਂ, ਰਾਈਸ ਸ਼ੈਲਰਾਂ, ਭੱਠਿਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਮਾਲ ਸਕੇਲ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼, ਸ਼ਹਿਰੀ, ਪੇਂਡੂ, ਰਿਹਾਇਸ਼ੀ ਮਕਾਨ ਮਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀਆਂ ਫਰਮਾਂ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਰਿਹਾਇਸ਼ੀ ਘਰਾਂ ਵਿੱਚ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਜਾਂ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ, ਕਿਰਾਏਦਾਰ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦਾ ਨਾਮ, ਪੂਰਾ ਪਤਾ, ਫੋਟੋ ਕਾਪੀ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਥਾਣੇ ਜਾਂ ਪੁਲਿਸ ਚੌਂਕੀ ਵਿੱਚ ਤੁਰੰਤ ਦਰਜ ਕਰਵਾਉਣ ਅਤੇ ਮਜ਼ਦੂਰ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿੱਚ ਹੀ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇਣ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਕੰਮ 'ਤੇ ਲੱਗੇ ਹਨ। ਹੁਕਮ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੋਲਟਰੀ ਫਾਰਮਾਂ, ਰਾਈਸ ਸ਼ੈਲਰਾਂ, ਭੱਠਿਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਮਾਲ ਸਕੇਲ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਦੂਸਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਅਤੇ ਇਕ ਸਥਾਨ ਤੋਂ ਦੂਜੇ ਸਥਾਨ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੂੰ ਲੇਬਰ ਵਜੋਂ ਰੱਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਅਜਿਹੀ ਲੇਬਰ ਦਾ ਕੋਈ ਪਤਾ ਰਿਕਾਰਡ ਨਹੀ ਰੱਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਜਿਸ ਨਾਲ ਜ਼ੁਰਮ ਹੋਣ 'ਤੇ ਦੋਸ਼ੀਆਂ ਨੂੰ ਲੱਭਣਾ ਔਖਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸ਼ਹਿਰੀ, ਪੇਂਡੂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ ਬਾਹਰੋਂ ਆ ਕੇ ਕਿਰਾਏਦਾਰ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮਕਾਨ ਮਾਲਕ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਸਬੰਧਤ ਥਾਣੇ ਦੇ ਮੁੱਖ ਥਾਣਾ ਅਫ਼ਸਰ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਕਿਰਾਏਦਾਰ ਸਬੰਧੀ ਸੂਚਿਤ ਕਰਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਚੌਕੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਵਿਅਕਤੀ ਬਾਹਰੋਂ ਆ ਕੇ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਵਸਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਆਪਣੇ ਸਬੰਧਤ ਥਾਣੇ ਵਿੱਚ ਸੂਚਿਤ ਕਰਨ। ਇਹ ਹੁਕਮ 21 ਦਸੰਬਰ 2026 ਤੱਕ ਲਾਗੂ ਰਹੇਗਾ।

ਅੰਤਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਕੂਲ ਖੇਡਾਂ ਅੰਡਰ-14 ਲੜਕੀਆਂ ਦੇ ਖੋ-ਖੋ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਵਿੱਚ ਪਟਿਆਲਾ ਨੇ ਜਿੱਤੀ ਓਵਰਆਲ ਟਰਾਫੀ



ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਪੋਰਟਸ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਡਾ.ਦਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫਸਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ ਦੀ ਯੋਗ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਅੰਤਰ ਜਿਲਾ ਸਕੂਲ ਖੇਡਾਂ 'ਚ ਅੰਡਰ-14 ਲੜਕੀਆਂ ਦਾ ਖੋਖੋ ਟੂਰਨਾਮੈਂਟ ਪੋਲੋ ਗਰਾਊਂਡ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਖੇ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ।ਡੀਐਸਸੀ ਡਾ ਦਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਹੋਏ ਫਾਈਨਲ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿੱਚ ਪਟਿਆਲੇ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਮੁਕਤਸਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਹਰਾ ਕੇ ਪਹਿਲਾ ਸਥਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਕੇ ਗੋਲਡ ਮੈਡਲ ਜਿੱਤਿਆ ਤੇ ਖੋਖੋ ਦੀ ਓਵਰਆਲ ਟਰਾਫੀ ਜਿੱਤੀ।ਸ੍ਰੀ ਮੁਕਤਸਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੂਜਾ ਸਥਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਸਿਲਵਰ ਮੈਡਲ ਜਿੱਤ ਕੇ ਰਨਰਅਪ ਦੀ ਟਰਾਫੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ।ਸੰਗਰੂਰ ਨੇ ਤੀਜਾ ਸਥਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਕੇ ਬਰਾਉਨਜ਼ ਮੈਡਲ ਜਿੱਤਿਆ।ਅੱਜ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਉਪ ਜਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫਸਰ ਡਾ ਰਵਿੰਦਰਪਾਲ ਸ਼ਰਮਾਂ, ਉਪਕਾਰ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ (ਜਨਰਲ ਸੈਕਟਰੀ ਖੋਖੋ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਆਫ ਇੰਡਿਆ),ਡੀਐਸਸੀ ਡਾ.ਦਲਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਜਸਪਾਲ ਸਿੰਘ ਸਟੇਟ ਅਵਾਰਡੀ ਤੇ ਚਰਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਭੁੱਲਰ ਨੇ ਉਚੇਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਜੇਤੂ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮੈਡਲ ਪਾ ਕੇ ਤੇ ਟਰਾਫੀ ਦੇ ਕੇ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ।ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਖੋਜ ਅਫਸਰ ਸੁਖਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਚਹਿਲ, ਅਬਜ਼ਰਵਰ ਇੰਦਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਵੜੈਚ,ਸੁਖਵੰਤ ਸਿੰਘ,ਸੁਖਦੀਪ ਸਿੰਘ ਕੋਚ,ਕਮਲਦੀਪ ਸਿੰਘ ਕੋਚ, ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ, ਅਮਨਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬਾਬਾ, ਸਰਬਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਟਿਵਾਣਾ, ਚਮਕੌਰ ਸਿੰਘ, ਗੁਰਪਿਆਰ ਸਿੰਘ, ਕੁਲਦੀਪ ਕੌਰ (ਸਿਲੈਕਟਰ), ਨਵਦੀਪ ਕੌਰ,ਨਿਧੀ ਸ਼ਰਮਾਂ, ਹਰਦੀਪ ਕੌਰ,ਡਾ ਪਰਮਿੰਦਰਜੀਤ ਸ਼ਰਮਾ, ਵਿਨੋਦ ਕੁਮਾਰ,ਬਲਕਾਰ ਸਿੰਘ,ਹਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ,ਅਰੁਣ ਕੁਮਾਰ, ਗੁਰਦੀਪ ਸਿੰਘ, ਸੁਨੀਲ ਕੁਮਾਰ, ਨਵਜੋਤ ਸਿੰਘ, ਰਾਮ ਕੁਮਾਰ ਤੇ ਪ੍ਰੈੱਸ ਇੰਚਾਰਜ ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਰੋਕਣ 'ਤੇ ਨਿਗਰਾਨੀ ਲਈ ਪਟਿਆਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ 'ਚ ਛੇ ਉਡਣ ਦਸਤੇ ਗਠਿਤ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪਟਿਆਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਝੋਨੇ ਦੀ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਅਤੇ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਡਾ. ਹਿਮਾਂਸ਼ੂ ਅਗਰਵਾਲ ਵੱਲੋਂ ਛੇ ਉਡਣ ਦਸਤੇ (ਫਲਾਇੰਗ ਸਕੁਐਡ) ਟੀਮਾਂ ਦਾ ਗਠਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਟੀਮਾਂ ਵਿੱਚ ਸਿਵਲ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਜੋ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਦੌਰੇ ਕਰਕੇ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ 'ਤੇ ਨਜ਼ਰ ਰੱਖਣਗੇ।

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਆਦੇਸ਼ਾਂ ਤਹਿਤ ਵਧੀਕ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ (ਦਿਹਾਤੀ ਵਿਕਾਸ) ਦਮਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਮਾਨ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਹੁਕਮਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਕਾਰਵਾਈ ਮਾਣਯੋਗ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ, ਨੈਸ਼ਨਲ ਗ੍ਰੀਨ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ (ਐਨ.ਜੀ.ਟੀ.) ਅਤੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਫਾਰ ਏਅਰ ਕੁਆਲਿਟੀ ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ (ਸੀ.ਏ.ਕਿਊ.ਐਮ.) ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਹੁਕਮਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਨਾਭਾ, ਪਟਿਆਲਾ, ਪਾਤੜਾਂ, ਸਮਾਣਾ, ਰਾਜਪੁਰਾ ਅਤੇ ਦੂਧਨਸਾਧਾਂ ਖੇਤਰਾਂ ਲਈ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਫਲਾਇੰਗ ਸਕੁਐਡ ਟੀਮਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਹਰੇਕ ਟੀਮ ਵਿੱਚ ਸਿਵਲ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੇ ਨਾਲ ਪੁਲਿਸ ਅਧਿਕਾਰੀ ਵੀ ਤਾਇਨਾਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਨਿਗਰਾਨੀ ਅਤੇ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ। ਨਾਭਾ ਸਬ ਡਵੀਜ਼ਨ ਵਿੱਚ ਵਧੀਕ ਆਬਕਾਰੀ ਤੇ ਕਰ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਇਸ਼ਾ ਸਿੰਗਲ ਤੇ ਐਸ ਪੀ ਟਰੈਫਿਕ ਅਸ਼ੋਕ ਕੁਮਾਰ ਦੀ ਟੀਮ, ਪਟਿਆਲਾ ਸਬ ਡਵੀਜਨ ਵਿੱਚ ਏਡੀਸੀ ਸ਼ਹਿਰੀ ਵਿਕਾਸ ਨਵਰੀਤ ਕੌਰ ਸੇਖੋਂ ਤੇ ਐਸ ਪੀ ਸਿਟੀ ਮੋਹਿਤ ਅਗਰਵਾਲ, ਪਾਤੜਾਂ ਲਈ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਵਿਕਾਸ ਤੇ ਪੰਚਾਇਤ ਅਫ਼ਸਰ ਮੋਹਿੰਦਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਤੇ ਐਸ ਪੀ ਜਾਂਚ ਰਜੇਸ਼ ਛਿੱਬੜ, ਸਮਾਣਾ ਸਬ ਡਵੀਜ਼ਨ ਲਈ ਵਧੀਕ ਮੁੱਖ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਪੀਡੀਏ ਪਟਿਆਲਾ ਪਰਮਦੀਪ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਐਸ ਪੀ ਜਾਂਚ ਰਜੇਸ਼ ਛਿੱਬੜ, ਰਾਜਪੁਰਾ ਲਈ ਏਐਮਡੀ ਪੀਆਰਟੀਸੀ ਨਵਦੀਪ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਡੀਐਸਪੀ ਸਾਇਬਰ ਕਰਾਇਮ ਗੁਰਵੀਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਦੂਧਨਸਾਧਾਂ ਸਬਡਵੀਜਨ ਲਈ ਰੀਜਨਲ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਫ਼ਸਰ ਪੂਨਮਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਅਤੇ ਐਸ ਪੀ ਟਰੈਫਿਕ ਅਸ਼ੋਕ ਕੁਮਾਰ ਦੀ ਟੀਮ ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ।

ਇਹ ਟੀਮਾਂ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਕਲੱਸਟਰ ਅਤੇ ਫੀਲਡ ਨੋਡਲ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੇ ਕੰਮਕਾਜ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਕਰਨਗੀਆਂ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਪੈਟਰੋਲਿੰਗ ਕਰਨਗੀਆਂ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਅਤੇ ਫਸਲੀ ਰਹਿੰਦ-ਖੂੰਹਦ ਦੀ ਸੁਚੱਜੀ ਸੰਭਾਲ ਲਈ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਉਪਰਾਲਿਆਂ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲੈਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਸਾੜਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਵੀ ਕਰਨਗੀਆਂ।

ਹੁਕਮਾਂ ਵਿੱਚ ਸਪੱਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲੱਗਣ ਦੀ ਘਟਨਾ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫਲਾਇੰਗ ਸਕੁਐਡ ਵੱਲੋਂ ਤੁਰੰਤ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਅੱਗ ਬੁਝਾਉਣ ਅਤੇ ਅਗਲੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।

ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਅੱਗ ਲੱਗਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਸਬੰਧੀ ਰਿਪੋਰਟ ਅਤੇ ਤਸਵੀਰਾਂ ਸ਼ਾਮ 3 ਵਜੇ ਤੱਕ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦਫ਼ਤਰ ਵਿਖੇ ਭੇਜਣੀਆਂ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਣਗੀਆਂ।

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵੱਲੋਂ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਸਰਕਾਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਸਖ਼ਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਵਾਤਾਵਰਨ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਇਹ ਨਿਗਰਾਨੀ ਮੁਹਿੰਮ ਹੋਰ ਤੇਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਸੰਪਾਦਕੀ

ਸਕੂਲਾਂ 'ਚ ਮਾਸੂਮ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਬੰਧੀ

ਬੀਤੇ ਦਿਨੀਂ ਪੰਚਕੂਲਾ ਦੇ ਇੱਕ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਅੱਠ ਸਾਲ ਦੇ ਬੱਚੇ ਵੱਲੋਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਲੋੜਾਂ ਵਾਲੀ ਛੇ ਸਾਲ ਦੀ ਮਾਸੂਮ ਬੱਚੀ ਉੱਤੇ ਬੇਰਹਿਮੀ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਹਮਲੇ ਨੇ ਸਿੱਖਿਆ ਜਗਤ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਹਰ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਹਿਲਾ ਕੇ ਰੱਖ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਘਟਨਾ ਤੋਂ ਬਿਲਕੁਲ ਸਪੱਸ਼ਟ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਕੂਲ ਕੈਂਪਸ ਵਿੱਚ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਹਲਕੇ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਹਰਿਆਣਾ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਦੋ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਜਦੋਂਕਿ ਬੱਚੀ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸੀ ਸੀ ਟੀ ਵੀ ਕੈਮਰਿਆਂ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਸੀ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀਆਂ ਡਿਊਟੀਆਂ ਕਿਤੇ ਹੋਰ ਲਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਵੀ ਸਕੂਲ ਦਾ ਸਮਾਂ ਖ਼ਤਮ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਚਲੇ ਗਏ ਸਨ। ਸਕੂਲ ਪ੍ਰਬੰਧਕਾਂ ਉੱਤੇ ਲੱਗੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸ਼ਾਂ ਦੀ ਨਿਰਪੱਖ ਤੇ ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਜਾਂਚ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਪੁਣੇ ਦੇ ਇੱਕ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਸੋਸ਼ਲ ਮੀਡੀਆ ਦੀਆਂ ਵੀਡੀਓਜ਼ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਹੋਏ ਝਗੜੇ ਦੌਰਾਨ ਨੌਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੇ ਇੱਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਵੱਲੋਂ ਕੁੜੀ ਨੂੰ ਚਾਕੂ ਮਾਰਨ ਦੀ ਘਟਨਾ ਤੋਂ ਕੁਝ ਹੀ ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਦਿਲ ਦਹਿਲਾਉਣ ਵਾਲਾ ਮਾਮਲਾ ਸਾਹਮਣੇ ਆਇਆ ਹੈ।

ਸਕੂਲ ਸਿਰਫ਼ ਇਸ ਆਧਾਰ ਉੱਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਯਕੀਨੀ ਹੋਣ ਦਾ ਦਾਅਵਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਕਿ ਉੱਥੇ ਕੈਮਰੇ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਾਂ ਸਟਾਫ਼ ਤਾਇਨਾਤ ਹੈ। ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ, ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਲੋੜਾਂ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਲਈ ਲਗਾਤਾਰ ਦੇਖ-ਰੇਖ, ਸਖ਼ਤ ਨਿਗਰਾਨੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਪੂਰੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਸੁਝਾਈ ਗਈ ਸੁਰੱਖਿਆ ਆਡਿਟ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਅਜਿਹੇ ਸਖ਼ਤ ਨਿਯਮਾਂ, ਨਿਯਮਿਤ ਜਾਂਚ, ਲੋੜੀਂਦੇ ਸਟਾਫ ਅਤੇ ਚਲਦੇ ਕੈਮਰਿਆਂ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਜੋ ਜ਼ਮੀਨੀ ਪੱਧਰ ਉੱਤੇ ਲਾਗੂ ਹੋਣ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਤੀਜੀ ਜਮਾਤ ਦੇ ਦੋਸ਼ੀ ਬੱਚੇ ਨਾਲ ਬਾਲ ਨਿਆਂ (ਜੁਵੇਨਾਈਲ ਜਸਟਿਸ) ਦੇ ਕਾਨੂੰਨੀ ਨਿਯਮਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਜਾਂਚ, ਕਾਊਂਸਲਿੰਗ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰਕ ਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਮਾਹੌਲ ਦੀ ਘੋਖ ਕਰਨੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਸਕੂਲੀ ਬੱਚਿਆਂ ਵਿੱਚ ਵਧ ਰਹੀ ਹਿੰਸਾ ਅਤੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨਹੀਣਤਾ ਦੀਆਂ ਜੜ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਿਰਫ਼ ਸਜ਼ਾ ਦੇਣ ਨਾਲ ਖ਼ਤਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ।

ਮਾਪੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਹੋ ਆਸ ਰੱਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਕੂਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਮਾਹੌਲ ਦੇਣਗੇ। ਪੰਚਕੂਲਾ ਅਤੇ ਪੁਣੇ ਦੀਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਇੱਕ ਵੱਡੀ ਚਿਤਾਵਨੀ ਵਜੋਂ ਦੇਖਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਵੀ ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਜਮਾਤ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਾਂ ਬਾਹਰ ਆਪਣੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਡਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਪੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਜਿਹੜਾ ਸਕੂਲ ਆਪਣੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ, ਉਹ ਆਪਣੇ ਸਭ ਤੋਂ ਮੁੱਢਲੇ ਫ਼ਰਜ਼ ਵਿੱਚ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਸਫ਼ਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ।

ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਪਟਿਆਲਾ ਵੱਲੋਂ ਖਾਣ-ਪੀਣ ਦੀਆਂ ਮਿਆਰੀ ਵਸਤਾਂ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਲਈ ਨਿਰੀਖਣ ਮੁਹਿੰਮ ਤੇਜ਼; ਇੱਕ ਲਾਇਸੰਸ ਮੁਅੱਤਲ, ਦੋ ਸੁਧਾਰ ਨੋਟਿਸ ਅਤੇ ਦੋ ਚਲਾਨ ਜਾਰੀ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਟੀਮ, ਪਟਿਆਲਾ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਅਤੇ ਸਾਫ਼-ਸੁਥਰੇ ਖੁਰਾਕ ਪਦਾਰਥਾਂ ਦੀ ਉਪਲਬਧਤਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਆਪਣੀ ਨਿਰੀਖਣ ਅਤੇ ਕਾਰਵਾਈ ਮੁਹਿੰਮ ਜਾਰੀ ਰੱਖੀ।

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਹਤ ਅਧਿਕਾਰੀ ਡਾ. ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਕਾਰਵਾਈ ਦੌਰਾਨ, ਨਾਭਾ ਸਥਿਤ 'ਪੁਰੀ ਬੇਕਰੀ' ਦਾ ਲਾਇਸੰਸ ਮੁਅੱਤਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ, ਕਿਉਂਕਿ ਉੱਥੇ ਸਾਫ਼-ਸਫ਼ਾਈ ਦੀ ਘਾਟ ਅਤੇ ਗੈਰ-ਸਿਹਤਮੰਦ ਹਾਲਾਤ ਪਾਏ ਗਏ ਸਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਖੁਰਾਕ ਕਾਰੋਬਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਨਿਰਧਾਰਤ ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਮਾਪਦੰਡਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਵਿੱਚ ਕਮੀਆਂ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਦੋ 'ਸੁਧਾਰ ਨੋਟਿਸ' ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਸਾਫ਼-ਸਫ਼ਾਈ ਦੀ ਘਾਟ ਕਾਰਨ ਦੋ ਚਲਾਨ ਵੀ ਕੱਟੇ ਗਏ—ਇੱਕ ਨਾਭਾ ਦੀ 'ਪੁਰੀ ਬੇਕਰੀ' ਵਿਰੁੱਧ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਨਾਭਾ ਦੀ ਹੀ 'ਅੰਨਪੂਰਨਾ ਬੇਕਰਜ਼' ਵਿਰੁੱਧ।ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਕਾਰਵਾਈ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ, ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਟੀਮ ਨੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਨਮੂਨੇ (ਸੈਂਪਲ) ਲੈਣ ਦੀ ਮੁਹਿੰਮ ਵੀ ਚਲਾਈ। ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ, ਸਨੌਰ, ਪਟਿਆਲਾ ਦਿਹਾਤੀ, ਸਮਾਣਾ, ਪਾਤੜਾਂ ਅਤੇ ਨਾਭਾ ਖੇਤਰਾਂ ਤੋਂ ਕੁੱਲ 11 ਖੁਰਾਕੀ ਨਮੂਨੇ ਇਕੱਠੇ ਕੀਤੇ ਗਏ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਮੂਨਿਆਂ ਵਿੱਚ ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ, ਸਨੌਰ ਅਤੇ ਪਟਿਆਲਾ ਦਿਹਾਤੀ ਖੇਤਰਾਂ ਤੋਂ ਖੋਏ ਦੇ ਦੋ ਨਮੂਨੇ, ਪਨੀਰ ਦੇ ਦੋ ਨਮੂਨੇ ਅਤੇ ਚਾਂਦੀ ਦੇ ਵਰਕ ਦਾ ਇੱਕ ਨਮੂਨਾ ਸ਼ਾਮਲ ਸੀ; ਜਦਕਿ ਸਮਾਣਾ ਅਤੇ ਪਾਤੜਾਂ ਖੇਤਰਾਂ ਤੋਂ ਖੋਏ ਦੇ ਦੋ ਨਮੂਨੇ, ਪਨੀਰ ਦੇ ਦੋ ਨਮੂਨੇ ਅਤੇ ਚਾਂਦੀ ਦੇ ਵਰਕ ਦਾ ਇੱਕ ਨਮੂਨਾ ਲਿਆ ਗਿਆ।

ਡਾ. ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਕੱਠੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਾਰੇ ਨਮੂਨੇ ਜਾਂਚ ਲਈ ਪ੍ਰਯੋਗਸ਼ਾਲਾ (ਲੈਬ) ਵਿੱਚ ਭੇਜ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਤਾਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਅਤੇ ਨਿਰਧਾਰਤ ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਮਾਪਦੰਡਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ। ਨਮੂਨੇ ਲੈਣ ਦੀ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਦੌਰਾਨ, ਮਠਿਆਈ ਦੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕਾਂ ਅਤੇ ਖੁਰਾਕ ਕਾਰੋਬਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਪ੍ਰਤੀ ਵੀ ਜਾਗਰੂਕ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਮਠਿਆਈਆਂ ਨੂੰ ਸਜਾਉਣ ਲਈ ਸਿਰਫ਼ ਅਸਲੀ, 100% ਸ਼ੁੱਧ ਅਤੇ 'ਫੂਡ-ਗ੍ਰੇਡ' (ਖਾਣਯੋਗ) ਚਾਂਦੀ ਦੇ ਵਰਕ ਦੀ ਹੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਉਹ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਕਿ ਖੁਰਾਕ ਪਦਾਰਥਾਂ ਵਿੱਚ ਵਰਤਿਆ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਚਾਂਦੀ ਦਾ ਵਰਕ ਮਨੁੱਖੀ ਖਪਤ ਲਈ ਢੁਕਵਾਂ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਨਿਰਧਾਰਤ ਐਫ ਐਸ ਐਸ ਏ ਆਈ ਮਾਪਦੰਡਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਦਾ ਹੋਵੇ ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਦੁਹਰਾਇਆ ਕਿ ਖੁਰਾਕ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਸੰਚਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਹੀ ਸਫਾਈ-ਸੁਥਰਾਈ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣ, ਕੱਚਾ ਮਾਲ ਸਿਰਫ਼ ਭਰੋਸੇਯੋਗ ਸਰੋਤਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ, ਅਤੇ 'ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਮਿਆਰ ਐਕਟ, 2006' ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਬਣਾਏ ਗਏ ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਸਖ਼ਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ।

ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਆਮ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਖੁਰਾਕ ਪਦਾਰਥ ਸਿਰਫ਼ ਭਰੋਸੇਯੋਗ ਸਰੋਤਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਖਰੀਦਣ ਅਤੇ ਖੁਰਾਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਤੇ ਜਨਤਕ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦਾ ਸਹਿਯੋਗ ਕਰਨ।

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ, ਆਤਮ-ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਹੁਨਰ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸੰਸਥਾ ਦੀ ਅਸਲ ਪਹਿਚਾਣ : ਰਾਜਪਾਲ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ

ਨਾਭਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਪੰਜਾਬ ਪਬਲਿਕ ਸਕੂਲ ਨਾਭਾ ਵਿਖੇ ਅੱਜ ਸਕੂਲ ਦਾ 66ਵਾਂ ਸਥਾਪਨਾ ਦਿਵਸ ਬੜੀ ਸ਼ਾਨੋ-ਸ਼ੌਕਤ, ਉਤਸ਼ਾਹ ਅਤੇ ਰਵਾਇਤੀ ਰੰਗਤ ਨਾਲ ਮਨਾਇਆ ਗਿਆ।ਇਸ ਮੌਕੇ ਸ੍ਰੀ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ, ਮਾਣਯੋਗ ਰਾਜਪਾਲ ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ, ਕੇਂਦਰ ਸ਼ਾਸਤ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ । ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਦਾ ਆਗਾਜ਼ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸ੍ਰੀ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ, ਮਾਣਯੋਗ ਰਾਜਪਾਲ ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ, ਕੇਂਦਰ ਸ਼ਾਸਤ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਜੋ ਸਕੂਲ ਦੇ ਬੋਰਡ ਆਫ਼ ਗਵਰਨਰਜ਼ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਵੀ ਹਨ, ਦੀ ਰਸਮੀ ਆਮਦ ਨਾਲ ਹੋਇਆ।

ਸਕੂਲ ਪਹੁੰਚਣ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਾਰਡ ਆਫ਼ ਆਨਰ ਤੋਂ ਸਲਾਮੀ ਲਈ ਅਤੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ, ਸੈਨਿਕ ਮਰਿਆਦਾ ਅਤੇ ਪੂਰੀ ਮੁਹਾਰਤ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਗਾਰਡ ਆਫ਼ ਆਨਰ ਦਾ ਨਿਰੀਖਣ ਕੀਤਾ।

ਸਕੂਲ ਦੇ ਹੈੱਡਮਾਸਟਰ ਡਾ. ਡੀ. ਸੀ. ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਸਭਾ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਕਰਦਿਆਂ ਸਾਲਾਨਾ ਸਕੂਲ ਰਿਪੋਰਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਸਾਲ ਦੌਰਾਨ ਸੰਸਥਾ ਵੱਲੋਂ ਹਾਸਲ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪ੍ਰਾਪਤੀਆਂ ਦਾ ਵਿਸਥਾਰਪੂਰਵਕ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਸਥਾਪਨਾ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਹੁਣ ਤੱਕ ਇਸ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਅਤੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਹਰ ਸੰਭਵ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਸਰਪ੍ਰਸਤਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਡੂੰਘਾ ਧੰਨਵਾਦ ਪ੍ਰਗਟ ਕੀਤਾ ਇਸ ਮੌਕੇ ਲਾਈਫਟਾਈਮ ਅਚੀਵਮੈਂਟ ਐਵਾਰਡ ਮਰਨ ਉਪਰੰਤ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ, ਸਾਬਕਾ ਗਣਿਤ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਕੂਲ ਪ੍ਰਤੀ ਵਿਲੱਖਣ ਯੋਗਦਾਨ ਅਤੇ ਸੇਵਾਵਾਂ ਲਈ ਰੋਲ ਆਫ਼ ਆਨਰ ਐਵਾਰਡ ਮਾਣਯੋਗ ਜਸਟਿਸ ਜਸਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁਰੀ, ਜੱਜ, ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਸਾਲ 2026 ਦੀ ਸੀਨੀਅਰ ਕਾਕ ਹਾਊਸ ਦੀ ਪ੍ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਚੈਂਪੀਅਨਸ਼ਿਪ ਟਰਾਫ਼ੀ ਸੁਤਲੁਜ ਹਾਊਸ ਨੇ ਆਪਣੇ ਨਾਮ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਪ੍ਰਾਪਤੀ 'ਤੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਹਾਜ਼ਰੀਨ ਵੱਲੋਂ ਭਰਪੂਰ ਤਾੜੀਆਂ ਨਾਲ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਗਈ।

ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਵੰਨਗੀਆਂ ਨੇ ਸਮਾਰੋਹ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਯਾਦਗਾਰੀ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ। ਜੂਨੀਅਰ ਸਕੂਲ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਜੋਸ਼ ਅਤੇ ਤਾਲਮੇਲ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਏਅਰੋਬਿਕਸ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ ਕੀਤੀ, ਜਦਕਿ ਸਕੂਲ ਬੈਂਡ ਨੇ ਆਪਣੀ ਬੇਮਿਸਾਲ ਅਤੇ ਦਿਲ ਨੂੰ ਛੂਹਣ ਵਾਲੀ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ ਨਾਲ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਨੂੰ ਮੰਤਰਮੁਗਧ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਪੀ.ਪੀ.ਐੱਸ. ਦੇ ਘੋੜਸਵਾਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਦਲੇਰਾਨਾ ਅਤੇ ਹੈਰਾਨੀਜਨਕ ਘੋੜਸਵਾਰੀ ਦੇ ਕਰਤੱਬਾਂ ਨਾਲ ਸਭ ਦਾ ਧਿਆਨ ਆਪਣੇ ਵੱਲ ਖਿੱਚਿਆ ਅਤੇ ਖੂਬ ਵਾਹ-ਵਾਹ ਖੱਟੀ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਸ੍ਰੀ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਅਤੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਸਮੂਹ ਸਟਾਫ਼ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਮਾਗਮ ਦੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਆਯੋਜਨ ਦੀ ਵੀ ਭਰਪੂਰ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕੀਤੀ। ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਘੋੜਸਵਾਰਾਂ ਦੇ ਹੁਨਰ, ਨਿਪੁੰਨਤਾ ਅਤੇ ਆਤਮ-ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੀ ਸਰਾਹਨਾ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਕੂਲ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੇਹੱਦ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰ ਗਿਆ ਹੈ।

ਧੰਨਵਾਦ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਹੈਡਮਾਸਟਰ ਡਾ. ਡੀ.ਸੀ. ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਕਟਾਰੀਆ ਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੌਸਲਾ-ਅਫ਼ਜ਼ਾਈ ਭਰੇ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾਦਾਇਕ ਸ਼ਬਦਾਂ ਲਈ ਦਿਲੋਂ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਸ੍ਰੀ ਜੈ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ, ਆਈ.ਏ.ਐੱਸ. (ਸੇਵਾਮੁਕਤ), ਪ੍ਰਧਾਨ, ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਕਮੇਟੀ, ਬੋਰਡ ਆਫ਼ ਗਵਰਨਰਜ਼, ਸਮੇਤ ਬੋਰਡ ਦੇ ਮਾਣਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪਤਵੰਤੇ ਸੱਜਣ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਰਹੇ।

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਨਸ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਅਹਿਮ : ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਸਰਕਾਰੀ ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਮਲਟੀਪਰਪਜ਼ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਸਿਵਲ ਲਾਈਨਜ਼ ਵਿਖੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਚੱਲ ਰਹੀ 'ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਅਭਿਆਨ' ਤਹਿਤ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ (ਸੈਕੰਡਰੀ) ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ ਅਤੇ ਡਿਪਟੀ ਡੀਈਓ ਰਵਿੰਦਰਪਾਲ ਸ਼ਰਮਾ ਵੱਲੋਂ ਦੌਰਾ ਕਰਕੇ ਨਿਰੀਖਣ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਇੱਕ ਰੋਜ਼ਾ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ 12 ਅਕਤੂਬਰ ਤੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਕੇਵਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵਿੱਦਿਅਕ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਤੱਕ ਹੀ ਸੀਮਤ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਸਿਹਤ, ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤ ਦੇ ਸਰਬਪੱਖੀ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨਾ ਵੀ ਓਨੀ ਹੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਰੱਖਦਾ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਨਸ਼ਿਆਂ ਵਰਗੀ ਸਮਾਜਿਕ ਲਾਹਨਤ ਤੋਂ ਨੌਜਵਾਨ ਪੀੜ੍ਹੀ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਭੂਮਿਕਾ ਪੂਰੀ ਸੁਹਿਰਦਤਾ ਅਤੇ ਤਨਦੇਹੀ ਨਾਲ ਨਿਭਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਅੱਗੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਖੁੱਲ੍ਹ ਕੇ ਸੰਵਾਦ ਰਚਾਉਣਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣਨਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੇਡਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਉਸਾਰੂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲੈਣ ਲਈ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਲੋੜੀਂਦੀ ਨੀਂਦ, ਸੰਤੁਲਿਤ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਤਣਾਅ-ਮੁਕਤ ਮਾਹੌਲ ਵੀ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਮਾਨਸਿਕ ਅਤੇ ਸਰੀਰਕ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਅਹਿਮ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਡਿਪਟੀ ਡੀਈਓ ਡਾ. ਰਵਿੰਦਰਪਾਲ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਵੀ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਸਮਰੱਥਾ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਬਦਲਦੀਆਂ ਮਨੋਵਿਗਿਆਨਕ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸਹਾਈ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਨੋਡਲ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨੀਰੂ ਬਾਲਾ ਨੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦੀ ਭਰਪੂਰ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਨਸ਼ਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਹੀ ਸੇਧ ਦੇਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦਗਾਰ ਸਾਬਤ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਡਾ. ਰਮਨਦੀਪ ਕੌਰ (ਵੈਨਿਊ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ), ਮੀਨਾ ਨਾਰੰਗ (ਵੈਨਿਊ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ), ਲਲਿਤ ਸਿੰਗਲਾ (ਵੈਨਿਊ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ), ਚਮਨ ਸ਼ਰਮਾ, ਇਕਬਾਲ ਸਿੰਘ, ਵਿਨੋਦ ਕੁਮਾਰ, ਰਸ਼ਮੀ ਸ਼ਰਮਾ, ਇਸ ਮੌਕੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਕੇਵਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵਿੱਦਿਅਕ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਤੱਕ ਹੀ ਸੀਮਤ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਸਿਹਤ, ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤ ਦੇ ਸਰਬਪੱਖੀ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨਾ ਵੀ ਓਨੀ ਹੀ ਅਹਿਮੀਅਤਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਯੁਵਰਾਜ ਅਰੋੜਾ ਅਤੇ ਅਜੈ ਕੁਮਾਰ (ਬੀਆਰਸੀ) ਸਮੇਤ ਹੋਰ ਅਧਿਆਪਕ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੀ ਚਿਤਾਵਨੀ



ਲੁਧਿਆਣਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਕੰਪਿਊਟਰ ਟੀਚਰਜ਼ ਯੂਨੀਅਨ ਦੀ ਹੰਗਾਮੀ ਮੀਟਿੰਗ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਸੂਬਾ ਆਗੂ ਅਮਿਤ ਪਵਾਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨਾਲ ਸ਼ਰੇਆਮ ਧੱਕਾ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ, ਬਜਾਏ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਹੱਕ ਦੇਣ ਦੇ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਪਿਛਲੀਆਂ ਲਗਭਗ 80 ਮੀਟਿੰਗਾਂ ਵਿੱਚ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਲਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਹੋ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵਿੱਚ ਆਮ ਆਦਮੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਪ੍ਰਤੀ ਬਹੁਤ ਰੋਸ ਹੈ। ਆਗੂਆਂ ਨੇ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨਾਲ ਲਗਾਤਾਰ ਮਤਰੇਈ ਮਾਂ ਵਾਲਾ ਸਲੂਕ ਅਤੇ ਵਿਤਕਰਾ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਦੇ ਸਮੂਹ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦਾ ਸਬਰ ਹੁਣ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਟੁੱਟ ਚੁੱਕਾ ਹੈ।ਆਗੂਆਂ ਨੇ ਮੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਮੌਜੂਦਾ ਹਕੂਮਤ ਨੂੰ ਲੰਮੇ ਹੱਥੀਂ ਲੈਂਦਿਆਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਸ ਲਾਰੇਬਾਜ਼ ਨੀਤੀ ਤੋਂ ਤੰਗ ਆ ਕੇ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਿਤਾਵਨੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਇਹ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਜੇ ਦੀਵਾਲੀ ਦੇ ਤਿਉਹਾਰ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦਾ ਅਨਰਿਵਾਈਜ਼ ਡੀ ਏ ਬਹਾਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ 6 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਹਲਕੇ ਦਿੜ੍ਹਬਾ ਵਿਖੇ ਸਰਕਾਰ ਖਿਲਾਫ਼ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ਾਲ ਰੈਲੀ ਅਤੇ ਝੰਡਾ ਮਾਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਰੈਲੀ ਵਿੱਚ ਸਮੁੱਚੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚੋਂ ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਧਿਆਪਕ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਪਰਿਵਾਰਾਂ ਸਮੇਤ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਕਰਨਗੇ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਆਗੂ ਅਮਿਤ ਪਵਾਰ ਵੱਲੋਂ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਸਿਰਫ਼ ਵੋਟਾਂ ਵੇਲੇ ਵਾਅਦੇ ਕਰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਅਮਲੀ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਹਮੇਸ਼ਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਤੋਂ ਭੱਜ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਵਿੱਚ ਪੂਰੀ ਤਨਦੇਹੀ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਸੇਵਾ ਨਿਭਾ ਰਹੇ ਹਨ ਪਰ ਰੈਗੂਲਰ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਨਿਯੁਕਤੀ ਪੱਤਰਾਂ ਨੂੰ ਅੱਜ ਤੱਕ ਇਨ-ਬਿਨ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਹੈ।

ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਖਾਮੋਸ਼,ਈ.ਡੀ ਹੋਈ ਸਰਗਰਮ ਈ.ਡੀ. ਵਲੋਂ ਪਟਿਆਲਾ 'ਚ ਚਲਦੇ ਫਰਜ਼ੀ ਕਾਲ ਸੈਂਟਰਾਂ ਦਾ ਪਰਦਾਫਾਸ਼, 7 ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਐਨਫੋਰਸਮੈਂਟ ਡਾਇਰੈਕਟੋਰੇਟ (ਈਡੀ) ਨੇ ਅਮਰੀਕੀ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨਾਲ ਕਥਿਤ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦੀ ਧੋਖਾਧੜੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਗਿਰੋਹ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਵੱਡੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਦਿਆਂ ਪਟਿਆਲਾ ਤੋਂ ਚਾਰ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜਾਂਚ ਏਜੰਸੀ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਗਿਰੋਹ ਹੈਦਰਾਬਾਦ, ਪਟਿਆਲਾ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ-ਮੁਹਾਲੀ ਤੋਂ ਚੱਲ ਰਹੇ ਫਰਜ਼ੀ ਕਾਲ ਸੈਂਟਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਅਮਰੀਕੀ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਬਣਾਉਂਦਾ ਸੀ। ਗਿਰੋਹ 'ਤੇ ਧੋਖਾਧੜੀ ਰਾਹੀਂ ਪੈਸਾ ਇਕੱਠਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਜਾਇਦਾਦਾਂ ਤੇ ਕਾਰੋਬਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਲਗਾ ਕੇ ਮਨੀ ਲਾਂਡਰਿੰਗ ਕਰਨ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਹਨ।

ਈਡੀ ਵੱਲੋਂ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਮੁਲਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਹਰਸ਼ਿਲ ਨਯਨਭਾਈ ਰਾਵਲ, ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਚੇਤਨ ਮੁੰਜਾਲ ਅਤੇ ਪ੍ਰਣਵ ਪਿਠਾੜੀਆ ਵਜੋਂ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੁੱਧਵਾਰ ਨੂੰ ਪਟਿਆਲਾ ਦੇ ਦੋ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਟਿਕਾਣਿਆਂ ਤੋਂ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਏਜੰਸੀ ਨੇ ਸਥਾਨਕ ਅਦਾਲਤ ਤੋਂ ਟ੍ਰਾਂਜ਼ਿਟ ਰਿਮਾਂਡ ਹਾਸਲ ਕਰਕੇ ਮੁਲਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਹੈਦਰਾਬਾਦ ਲਿਜਾਇਆ ਗਿਆ। ਈਡੀ ਦੇ ਇੱਕ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਨੁਸਾਰ ਏਜੰਸੀ ਨੇ 15 ਸਤੰਬਰ ਨੂੰ ਪੀਐਮਐਲਏ ਦੀ ਧਾਰਾ 17 ਤਹਿਤ ਪਟਿਆਲਾ, ਪੁਣੇ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿੱਚ ਚਾਰ ਟਿਕਾਣਿਆਂ 'ਤੇ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿੱਚ ਦੋ ਅਤੇ ਪੁਣੇ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਕਾਲ ਸੈਂਟਰ ਚੱਲਦਾ ਮਿਲਿਆ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਾਲ ਸੈਂਟਰਾਂ ਵਿੱਚ ਲਗਭਗ 220 ਵਿਅਕਤੀ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ।

ਜਾਂਚ ਵਿੱਚ ਸਾਹਮਣੇ ਆਇਆ ਕਿ ਗਿਰੋਹ ਨੇ ਕਥਿਤ ਧੋਖਾਧੜੀ ਤੋਂ ਕਮਾਈ ਗਈ ਰਕਮ ਨੂੰ ਰੀਅਲ ਅਸਟੇਟ, ਸੋਨੇ, ਵਾਹਨਾਂ ਅਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਕਾਰੋਬਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਨਿਵੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਈਡੀ ਅਨੁਸਾਰ ਅਪਰਾਧ ਦੀ ਕੁੱਲ ਕਮਾਈ ਲਗਭਗ 261 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੱਸੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਹਿੱਸਾ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਰੀਅਲ ਅਸਟੇਟ ਵਿੱਚ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ।

20 ਲੱਖ ਅਮਰੀਕੀ ਫੋਨ ਨੰਬਰ ਖਰੀਦ ਕੇ ਬਣਾਇਆ ਨਿਸ਼ਾਨਾ

ਈਡੀ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਗਿਰੋਹ ਨੇ ਕਥਿਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੇ ਨਾਂ, ਪਤੇ ਅਤੇ ਉਮਰ ਦੇ ਵੇਰਵਿਆਂ ਸਮੇਤ ਲਗਭਗ 20 ਲੱਖ ਅਮਰੀਕੀ ਟੈਲੀਫੋਨ ਨੰਬਰ ਖਰੀਦੇ ਸਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਵਿਅਕਤੀ ਬਜ਼ੁਰਗ ਨਾਗਰਿਕ ਸਨ। ਇਹ ਡਾਟਾ ਜਰਮਨੀ ਅਤੇ ਫਿਨਲੈਂਡ ਦੇ ਸਰਵਰਾਂ 'ਤੇ ਹੋਸਟ ਕੀਤੇ ਆਟੋ-ਡਾਇਲਰਾਂ 'ਤੇ ਅਪਲੋਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਜਾਂਚਕਰਤਾਵਾਂ ਨੇ ਹੁਣ ਤੱਕ 549 ਪੀੜਤਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਈ 1940 ਦੇ ਦਹਾਕੇ ਵਿੱਚ ਪੈਦਾ ਹੋਏ ਸਨ।

ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵੱਲੋਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਪਰਾਲੇ ਜਾਰੀ



ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਡਾ. ਹਿਮਾਂਸ਼ੂ ਅਗਰਵਾਲ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ 'ਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿੱਚ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਪਰਾਲੇ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਐੱਸ.ਡੀ.ਐੱਮ. ਦੁਧਨਸਾਧਾਂ ਹਰਜੋਤ ਕੌਰ ਮਾਵੀ ਵੱਲੋਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਮਸੀਂਗਣ, ਫਰੀਦਪੁਰ ਅਤੇ ਜਲਬੇੜਾ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਨੰਬਰਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਆਪਣੇ-ਆਪਣੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਰਗਰਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਣ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਿਨਾਂ ਅੱਗ ਲਗਾਏ ਪਰਾਲੀ ਦਾ ਸੁਚੱਜਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਰਨਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਵਾਤਾਵਰਨ ਦੀ ਸੰਭਾਲ ਲਈ ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਸਾੜਨ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਯੋਗ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਚੱਲ ਰਹੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਪ੍ਰਬੰਧਾਂ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਵੀ ਲਿਆ ਅਤੇ ਸਬੰਧਤ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਚੱਲ ਰਹੇ ਕਾਰਜਾਂ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਲ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਪਿੰਡ ਪੱਧਰੀ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਦਾ ਸਹਿਯੋਗ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਦੇ ਬਦਲਵੇਂ ਤਰੀਕਿਆਂ ਬਾਰੇ ਲਗਾਤਾਰ ਜਾਗਰੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

ਇਸੇ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਉਪ ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਸ੍ਰ ਸੰਗਰਾਮ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਪਿੰਡ ਹਰਪਾਲਪੁਰ ਅਤੇ ਕਲਿਆਣ ਵਿਖੇ ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਸਾੜਨ ਸਬੰਧੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਕੈਂਪ ਲਗਾਏ ਗਏ। ਕੈਂਪਾਂ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਨਾਲ ਵਾਤਾਵਰਨ, ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਉਪਜਾਊ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਮਨੁੱਖੀ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਨੁਕਸਾਨਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਪਰਾਲੀ ਦੇ ਸੁਚੱਜੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਉਪਲਬਧ ਬਦਲਵੇਂ ਤਰੀਕਿਆਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਉਪ ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਸੰਗਰਾਮ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੇ ਮਾੜੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਲਈ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਅਜਿਹੇ ਕੈਂਪ ਲਗਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਸਾੜਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਪਿੰਡ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਸਿੱਧਾ ਸੰਪਰਕ ਰੱਖਦੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਮੁਹਿੰਮ ਨੂੰ ਸਫਲ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਵਾਤਾਵਰਨ ਦੀ ਸੰਭਾਲ ਅਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਦੇ ਬਿਹਤਰ ਭਵਿੱਖ ਲਈ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦਾ ਸੁਚੱਜਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵੱਲੋਂ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਮੁਹਿੰਮ ਵਿੱਚ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣ।

ਭਾਰਤ ਦੀ ਨਾਮੀ ਕੰਪਨੀ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਨੇ ਇੱਕ ਹੋਰ ਪੁੱਟੀ ਵੱਡੀ ਪੁਲਾਂਘ



ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਭਾਰਤ ਦੀ ਨਾਮੀ ਕੰਪਨੀ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਵੱਲੋਂ ਟਰੈਕਟਰ ਤੇ ਕੰਬਾਈਨ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਿੱਚ ਨਵੀਂ ਪੁਲਾਂਘ ਪੁੱਟ ਕੇ ਨਵਾਂ ਕੀਰਤੀਮਾਨ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਜਿੱਥੇ ਹੁਣ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਵੱਲੋਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਵਿੱਚ ਸਪੇਅਰ ਪਾਰਟ ਬਰਤਨ ਲਈ ਵੱਡੀ ਰਾਤ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਸਪੇਅਰ ਪਾਰਟ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਫ਼ੀਲਡ ਫੋਰਸ ਦੇ ਨਾਮ ਦੀ ਇਸ ਨਵੀਂ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਿੱਚ ਟਰੈਕਟਰ ਤੇ ਕੰਬਾਈਨਾਂ ਦੇ ਸਪੇਅਰ ਪਾਰਟਸ ਬਣਾਏ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਕਾਰੋਬਾਰ ਵਿੱਚ ਸਟੈਂਡਰਡ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਵੱਲੋਂ ਹੁਣ ਆਪਣੇ ਮਾਅਰਕੇ ਦੇ ਸਪੇਅਰ ਪਾਰਟਸ ਬਣਾ ਕੇ ਆਪਣੇ ਨਵੇਂ ਤੇ ਪੁਰਾਣੇ ਗਾਹਕਾਂ ਦਾ ਭਰੋਸਾ ਜਿੱਤਣ ਦਾ ਉਪਰਾਲਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਇਸ ਕੰਪਨੀ ਦਾ ਰਸਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਉਹ ਉਦਘਾਟਨ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜ਼ਿਕਰਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਉਦਘਾਟਨੀ ਸਮੋਰੋ ਮੌਕੇ ਹੋਏ। ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਸਮੇਂ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਦੇ ਸੁਖਮਨੀ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਪਾਠ ਦੇ ਭੋਗ ਪੈਣ ਉਪਰੰਤ ਅਰਦਾਸ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਬਾਬਾ ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੰਦੂ ਆਲੋਹਰਾ ਸਾਹਿਬ ਵਾਲੇ ,ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਰੱਖੜਾ ਸਾਬਕਾ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ, ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਐਮ. ਡੀ. ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ, ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ, ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ, ਹਨਦੀਪ ਸਿੰਘ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ, ਸਰਬਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਸਾਬਕਾ ਵਿਧਾਇਕ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਧਿਮਾਨ, ਨੇ ਸਮਾਗਮ ਮੌਕੇ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਇਹ ਕਾਰਜਾਂ ਦੀ ਵੀ ਖੂਬ ਸਲਾਗਾ ਕੀਤੀ ਉਥੇ ਹੀ ਕਈ ਬੁਲਾਰੇ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਦੇ ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਪਰਿਵਾਰਿਕ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਉਹ ਧਾਰਮਿਕ ਰੀਤੀ ਰਿਵਾਜਾਂ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਕਾਰਜ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ ਪਰਮਾਤਮਾ ਦਾ ਓਟ ਆਸਰਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਜਿੱਥੇ ਉਹ ਆਪਣੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਚਲਾਉਣ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹੇ ਲਿਖੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਜਿਸ ਨਾਲ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚੋਂ ਬੇਰੋਜ਼ਗਾਰੀ ਦਾ ਖਾਤਮਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹਨਾ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਇੱਕ ਵੱਡਾ ਨਾਮੀ ਗਰੁੱਪ ਹੈ ਜਿਸਦੇ ਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਔਜ਼ਾਰ ਦੁਨੀਆ ਭਰ ਵਿੱਚ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਭਾਰਤ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਗੋਰੇ ਕਿਸਾਨ ਵੀ ਵਰਤਦੇ ਹਨ ਉਹਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਗਰੁੱਪ ਸਮਾਜ ਸੇਵਾ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਆਪਣਾ ਵੱਡਾ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗਰੀਬ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਲਈ ਮਦਦ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਫਿਰ ਵਿਦੇਸ਼ਾਂ ਤੋਂ ਕੌਮਾਂਤਰੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਜਿੱਤਣ ਵਾਲੇ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਬਣਦਾ ਮਾਨ ਸਨਮਾਨ ਦੇ ਕੇ ਨਿਵਾਜਣ ਵਿੱਚ ਵੀ ਕੋਈ ਕਸਰ ਬਾਕੀ ਨਹੀਂ ਛੱਡਦਾ ਜਿਸ ਨਾਲ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਦੇ ਹੌਸਲੇ ਬੁਲੰਦ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਹਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਦੇ ਐਮ ਡੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸਮੁੱਚੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਹੱਥੀ ਕਿਰਤ ਕਰਕੇ ਖਾਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਹੀ ਇਹ ਪਰਿਵਾਰ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਕੇ ਦਿਨ ਰਾਤ ਮਿਹਨਤ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਹੀ ਇਸ ਗਰੁੱਪ ਦਾ ਨਾਮ ਅੱਜ ਦੁਨੀਆ ਭਰ ਵਿੱਚ ਜਾਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਮੌਕੇ ਪ੍ਰੀਤ ਗਰੁੱਪ ਦੇ ਐਮਡੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਨੇ ਉਦਘਾਟਨੀ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਪਹੁੰਚੀ ਸੁਚੀ ਸੰਗਤ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ ਇਸ ਮੌਕੇ ਹੋਰਨਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਨੇਜਰ ਰਾਜੀਵ ਕੌਂਸਲਰ, ਅਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ,ਹਨੀ ,ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ , ਲਾਜਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪਿੰਟੂ , ਗੋਨਾ ਪੀ. ਏ. ਟੂ, ਹਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਮਾਨ,ਸਾਬਕਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬਰਸਟ, ਡਾਕਟਰ ਪੱਪੀ, ਰਿੰਕੂ ਮਡੌੜ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਰਾਖਵੇਂਕਰਨ ਦਾ ਮੁੱਦਾ ਐੱਸ ਸੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਕੋਲ ਚੁੱਕਿਆ

ਲੁਧਿਆਣਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-



ਪੰਜਾਬ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਲੁਧਿਆਣਾ ਦੇ ਟੀਚਿੰਗ ਕੇਡਰ ਦੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਵਿੱਚ ਐੱਸ ਸੀ/ਐੱਸ ਟੀ ਵਰਗ ਲਈ ਸੰਵਿਧਾਨਕ ਰਾਖਵਾਂਕਰਨ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਣਦਾ ਹੱਕ ਦਿਵਾਉਣ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਪ੍ਰਮੁੱਖਤਾ ਨਾਲ ਉਠਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਕੌਮੀ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਕਿਸ਼ੋਰ ਮਕਵਾਨਾ ਨਾਲ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਵਿੱਚ ਮੁਲਾਕਾਤ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਅਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਰਾਏ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪੀ ਏ ਯੂ ਦੀ ਸਥਾਪਨਾ ਸਾਲ 1962 ਵਿੱਚ ਹੋਈ ਸੀ। ਪਰ ਬੇਹੱਦ ਅਫ਼ਸੋਸ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਲੰਮਾ ਅਰਸਾ ਬੀਤਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਨ ਕੇਡਰ ਦੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਵਿੱਚ ਐੱਸ ਸੀ/ ਐੱਸ ਟੀ ਵਰਗ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬਣਦਾ ਸੰਵਿਧਾਨਕ ਹੱਕ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਿਆ। ਇਹ ਸਥਿਤੀ ਨਾ ਸਿਰਫ਼ ਸਮਾਜਿਕ ਨਿਆਂ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤਾਂ ਦੇ ਉਲਟ ਹੈ, ਸਗੋਂ ਸੰਵਿਧਾਨ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਬਰਾਬਰੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧਤਾ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਵੀ ਠੇਸ ਪਹੁੰਚਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਿੱਖਿਆ ਵਰਗੇ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਜੇਕਰ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਅਤੇ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਕਬੀਲਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਕਾਂ ਤੋਂ ਵਾਂਝਾ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਸਮਾਜਿਕ ਬਰਾਬਰੀ ਅਤੇ ਨਿਆਂ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਨਾ ਅਰਥਹੀਣ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਰਾਏ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਚੇਅਰਮੈਨ ਕਿਸ਼ੋਰ ਮਕਵਾਨਾ ਨੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖਦਿਆਂ ਭਰੋਸਾ ਦਿਵਾਇਆ ਕਿ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵੱਲੋਂ ਇਸ ਮੁੱਦੇ ਦਾ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਨੋਟਿਸ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ

ਹਰਜੋਤ ਸਿੰਘ ਬੈਂਸ ਵੱਲੋਂ ਦਰਜਨਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ 80 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਜਾਰੀ

ਸ੍ਰੀ ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਹਰਜੋਤ ਸਿੰਘ ਬੈਂਸ ਨੇ ਅੱਜ ਆਪਣੀ ਰਿਹਾਇਸ਼ ਗੰਭੀਰਪੁਰ ਵਿਖੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਸਰਬਪੱਖੀ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਗਤੀ ਦੇਣ ਦੇ ਮਕਸਦ ਨਾਲ ਕੁੱਲ 80 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਾ ਵਿਸਥਾਰ ਕਰਨ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਦੇ ਚੈੱਕ ਸਬੰਧਤ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਸੌਂਪੇ। ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਵੱਲੋਂ ਪਿੰਡ ਮਾਂਗੇਵਾਲ, ਮੀਢਵਾ ਲੋਅਰ ਅਤੇ ਸੈਸੋਵਾਲ ਨੂੰ 10-10 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪਿੰਡ ਮਾਂਗੇਵਾਲ ਦੇ ਸਰਪੰਚ ਇੰਦਰਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਮੀਢਵਾ ਲੋਅਰ ਦੇ ਸਰਪੰਚ ਜਰਨੈਲ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸੈਸੋਵਾਲ ਦੇ ਸਰਪੰਚ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਨੇ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀਆਂ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪਿੰਡ ਕਾਹੀਵਾਲ ਦੇ ਬੀਡੀਸੀ ਮੈਂਬਰ ਰਾਮਪਾਲ, ਸਜਮੌਰ ਦੇ ਰਵੀ ਕੁਮਾਰ, ਮਹਿਰੋਲੀ ਦੇ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਮਾਂਗੇਵਾਲ ਬਾਗ ਦੇ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਦਬਖੇੜਾ ਲੋਅਰ ਦੀ ਗੁਰਦੀਪ ਕੌਰ ਨੂੰ 5-5 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ।



ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡ ਲੰਗ ਮਾਜਰੀ ਦੇ ਮਹੇਸ਼ ਜੋਸ਼ੀ, ਬ੍ਰਹਮਪੁਰ ਅੱਪਰ ਦੇ ਸੁੱਚਾ ਸਿੰਘ, ਮਹਿੰਦਲੀ ਕਲਾਂ ਦੇ ਰਾਜ ਮੁਖ ਸਿੰਘ, ਦੇਹਣੀ ਲੋਅਰ ਦੇ ਕਮਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਰਾਣਾ ਅਤੇ ਦਿਆਪੁਰ ਦੇ ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਵੀ 5-5 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਈਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿੰਨ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ 30 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਅਤੇ 10 ਹੋਰ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ 50 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਸਮੇਤ ਕੁੱਲ 80 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਹਰਜੋਤ ਸਿੰਘ ਬੈਂਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਸਰਬਪੱਖੀ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਵਚਨਬੱਧ ਹੈ। ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਸੜਕਾਂ, ਗਲੀਆਂ, ਨਾਲੀਆਂ, ਪੀਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ, ਸਫ਼ਾਈ ਅਤੇ ਹੋਰ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਲਗਾਤਾਰ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਲਈ ਫੰਡਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਕਮੀ ਨਹੀਂ ਆਉਣ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਹਰ ਪਿੰਡ ਦੀ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਮ ਕਰਵਾਏ ਜਾਣਗੇ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਪੰਚਾਂ ਅਤੇ ਸਰਪੰਚਾਂ ਨੂੰ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਪੂਰੀ ਪਾਰਦਰਸ਼ਤਾ ਅਤੇ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨਾਲ ਕਰਨ ਦੀ ਅਪੀਲ ਵੀ ਕੀਤੀ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਤੋਂ ਆਏ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਕਰਵਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮਾਨ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਾ ਲਾਭ ਹਰ ਪਿੰਡ ਅਤੇ ਹਰ ਵਰਗ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਨੂੰ 18 ਫੁੱਟ ਚੌੜਾ ਕਰਨ ਦਾ ਕੰਮ ਜੰਗੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕਈ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਸੜਕਾਂ ਦਾ ਕੰਮ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ, ਜਦਕਿ ਬਾਕੀ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਜਾਰੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਹਰ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਮੁਫ਼ਤ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਨਾਲ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਨੁਹਾਰ ਬਦਲ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਮਿਲ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਨੇ ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਹਰਜੋਤ ਸਿੰਘ ਬੈਂਸ ਅਤੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਮਾਨ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਾਲੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮਿਲੀਆਂ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਨਾਲ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀਆਂ ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਲਟਕਦੀਆਂ ਵਿਕਾਸ ਸਬੰਧੀ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਰੋਸਾ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਡਾਕਟਰ ਸੰਜੀਵ ਗੌਤਮ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਧਾਨ, ਦੀਪਕ ਸੋਨੀ ਚੇਅਰਮੈਨ ਖੱਤਰੀ ਅਰੋੜਾ ਵੈਲਫੇਅਰ ਬੋਰਡ, ਪੰਮੂ ਢਿੱਲੋਂ ਚੇਅਰਮੈਨ ਮਾਰਕੀਟ ਕਮੇਟੀ, ਦਲੀਪ ਹੰਸ ਮੈਂਬਰ ਦਲਿਤ ਵਿਕਾਸ ਬੋਰਡ ਸਮੇਤ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਪੰਚ, ਸਰਪੰਚ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪਤਵੰਤੇ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਐੱਸ.ਡੀ.ਐੱਮ. ਸਮਾਣਾ ਰਿਚਾ ਗੋਇਲ ਵੱਲੋਂ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਮਗੜ੍ਹ ਤੇ ਸ਼ਾਹਪੁਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਦੌਰਾ



ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਲਾਂਬਾ-
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਡਾ. ਹਿਮਾਂਸ਼ੂ ਅਗਰਵਾਲ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਹੇਠ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿੱਚ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਰਹਿੰਦ-ਖੂੰਹਦ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਠੱਲ੍ਹ ਪਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵੱਲੋਂ ਲਗਾਤਾਰ ਜ਼ਮੀਨੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸੇ ਲੜੀ ਤਹਿਤ ਐੱਸ.ਡੀ.ਐੱਮ. ਸਮਾਣਾ ਰਿਚਾ ਗੋਇਲ ਨੇ ਡੀ.ਐੱਸ.ਪੀ. ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਬਰਾੜ ਸਮੇਤ ਪ੍ਰੇਮਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਸ਼ਾਹਪੁਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਕੇ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਉਪਰਾਲਿਆਂ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਨੰਬਰਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪਿੰਡ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਸਾਂਝੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨਿਭਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਨੰਬਰਦਾਰ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਨਿਰੰਤਰ ਸੰਪਰਕ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਆਧੁਨਿਕ ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਤੇ ਹੋਰ ਉਪਲਬਧ ਤਰੀਕਿਆਂ ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਦਾ ਸੁਚੱਜਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਰਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਿਨਾਂ ਅੱਗ ਲਗਾਏ ਪਰਾਲੀ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰ ਰਹੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਯਤਨਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸਾਨ ਹੋਰਨਾਂ ਲਈ ਵੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਸਰੋਤ ਹਨ।

ਐੱਸ.ਡੀ.ਐੱਮ. ਨੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਚੱਲ ਰਹੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਾਂ ਬਾਰੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵੀ ਲਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਬੰਧਤ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੱਕ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਦੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਪੱਖੀ ਤਰੀਕਿਆਂ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਲਈ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਵਿੱਚ ਹੋਰ ਤੇਜ਼ੀ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾਵੇ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਫ਼-ਸੁਥਰਾ ਵਾਤਾਵਰਨ ਅਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਰੱਖਣ ਲਈ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਤੋਂ ਗੁਰੇਜ਼ ਕਰਨਾ ਸਮੇਂ ਦੀ ਮੁੱਖ ਲੋੜ ਹੈ।

ਇਸ ਮੰਤਵ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਲਈ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵਿਚਕਾਰ ਆਪਸੀ ਤਾਲਮੇਲ ਅਤੇ ਸਹਿਯੋਗ ਬੇਹੱਦ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ।

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਨਸ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਅਹਿਮ : ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ



ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸਰਕਾਰੀ ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਮਲਟੀਪਰਪਜ਼ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਸਿਵਲ ਲਾਈਨਜ਼ ਵਿਖੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਚੱਲ ਰਹੀ 'ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਅਭਿਆਨ' ਤਹਿਤ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ (ਸੈਕੰਡਰੀ) ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ ਅਤੇ ਡਿਪਟੀ ਡੀਈਓ ਰਵਿੰਦਰਪਾਲ ਸ਼ਰਮਾ ਵੱਲੋਂ ਦੌਰਾ ਕਰਕੇ ਨਿਰੀਖਣ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਇੱਕ ਰੋਜ਼ਾ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ 12 ਅਕਤੂਬਰ ਤੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ ਮਮਤਾ ਖੁਰਾਣਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਕੇਵਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵਿੱਦਿਅਕ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਤੱਕ ਹੀ ਸੀਮਤ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਸਿਹਤ, ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤ ਦੇ ਸਰਬਪੱਖੀ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨਾ ਵੀ ਓਨੀ ਹੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਰੱਖਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਨਸ਼ਿਆਂ ਵਰਗੀ ਸਮਾਜਿਕ ਲਾਹਨਤ ਤੋਂ ਨੌਜਵਾਨ ਪੀੜ੍ਹੀ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਭੂਮਿਕਾ ਪੂਰੀ ਸੁਹਿਰਦਤਾ ਅਤੇ ਤਨਦੇਹੀ ਨਾਲ ਨਿਭਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਅੱਗੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਖੁੱਲ੍ਹ ਕੇ ਸੰਵਾਦ ਰਚਾਉਣਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣਨਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੇਡਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਉਸਾਰੂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲੈਣ ਲਈ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਲੋੜੀਂਦੀ ਨੀਂਦ, ਸੰਤੁਲਿਤ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਤਣਾਅ-ਮੁਕਤ ਮਾਹੌਲ ਵੀ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਮਾਨਸਿਕ ਅਤੇ ਸਰੀਰਕ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਅਹਿਮ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਡਿਪਟੀ ਡੀਈਓ ਡਾ. ਰਵਿੰਦਰਪਾਲ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਵੀ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਸਮਰੱਥਾ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਬਦਲਦੀਆਂ ਮਨੋਵਿਗਿਆਨਕ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸਹਾਈ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਨੋਡਲ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨੀਰੂ ਬਾਲਾ ਨੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦੀ ਭਰਪੂਰ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਨਸ਼ਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਹੀ ਸੇਧ ਦੇਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦਗਾਰ ਸਾਬਤ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਡਾ. ਰਮਨਦੀਪ ਕੌਰ (ਵੈਨਿਊ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ), ਮੀਨਾ ਨਾਰੰਗ (ਵੈਨਿਊ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ), ਲਲਿਤ ਸਿੰਗਲਾ (ਵੈਨਿਊ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ), ਚਮਨ ਸ਼ਰਮਾ, ਇਕਬਾਲ ਸਿੰਘ, ਵਿਨੋਦ ਕੁਮਾਰ, ਰਸ਼ਮੀ ਸ਼ਰਮਾ, ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਯੁਵਰਾਜ ਅਰੋੜਾ ਅਤੇ ਅਜੈ ਕੁਮਾਰ (ਬੀਆਰਸੀ) ਸਮੇਤ ਹੋਰ ਅਧਿਆਪਕ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

ਸ੍ਰੀ ਖੁਰਾਲਗੜ੍ਹ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ 650ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਦੇ ਸੂਬਾ ਪੱਧਰੀ ਸਮਾਗਮ ਦੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ ਸਬੰਧੀ ਮੀਟਿੰਗ



ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਰਵਿਦਾਸ ਮਹਾਰਾਜ ਜੀ ਦੇ 650ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ 4 ਤੋਂ 6 ਦਸੰਬਰ ਤੱਕ ਸ੍ਰੀ ਖੁਰਾਲਗੜ੍ਹ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਸੂਬਾ ਪੱਧਰੀ ਸਮਾਗਮ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਸਮਾਗਮ ਦੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧਾਂ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲੈਣ ਲਈ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਆਸ਼ਿਕਾ ਜੈਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ 'ਤੇ ਸਹਾਇਕ ਕਮਿਸ਼ਨਰ (ਜ) ਡਾ. ਸੁਮਿਤ ਮੁਧ ਨੇ ਬੁੱਧਵਾਰ ਨੂੰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਕੰਪਲੈਕਸ ਵਿਖੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਮੀਟਿੰਗ ਕੀਤੀ।

ਮੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼-ਵਿਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਪਹੁੰਚਣ ਵਾਲੇ ਸ਼ਰਧਾਲੂਆਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖਦਿਆਂ ਸਾਰੇ ਲੋੜੀਂਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਰਵਿਦਾਸ ਜੀ ਦੇ 650ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾ ਅਤੇ ਸਤਿਕਾਰ ਨਾਲ ਮਨਾਉਣ ਲਈ ਕਰਵਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਇਸ ਸੂਬਾ ਪੱਧਰੀ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਸ਼ਰਧਾਲੂਆਂ ਦੇ ਪਹੁੰਚਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗ ਆਪਣੀਆਂ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਨਿਭਾਉਣ ਅਤੇ ਆਪਸੀ ਤਾਲਮੇਲ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਟ੍ਰੈਫਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਨ, ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰਬੰਧ, ਪੀਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ, ਟੈਂਟ ਸਿਟੀ, ਸੀਵਰੇਜ, ਬਿਜਲੀ, ਬੈਰੀਕੇਡਿੰਗ, ਪਾਰਕਿੰਗ, ਸਾਫ਼-ਸਫ਼ਾਈ, ਮੈਡੀਕਲ ਸਹੂਲਤਾਂ ਅਤੇ ਆਰਜ਼ੀ ਪਖਾਨਿਆਂ ਸਮੇਤ ਹੋਰ ਲੋੜੀਂਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ਼ਰਧਾਲੂਆਂ ਦੇ ਠਹਿਰਨ, ਆਵਾਜਾਈ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇ, ਤਾਂ ਜੋ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਪ੍ਰੇਸ਼ਾਨੀ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇ।

ਡਾ. ਸੁਮਿਤ ਮੁਧ ਨੇ ਸਬੰਧਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਆਪੋ-ਆਪਣੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਤਿਆਰੀਆਂ ਦੀ ਸਮੀਖਿਆ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸਮਾਂ-ਸੀਮਾ ਅੰਦਰ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਵੀ ਦਿੱਤੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਸ਼ਰਧਾਲੂਆਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਦੀ ਪਹਿਲ ਰਹੇਗੀ।

ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਜਯੋਤੀ ਬਾਲਾ ਮੱਟੂ, ਐਸ.ਪੀ. ਨਵਨੀਤ ਕੌਰ, ਆਰ.ਟੀ.ਓ. ਅਮਨਦੀਪ ਕੌਰ ਘੁੰਮਣ, ਵਧੀਕ ਸਹਾਇਕ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਸਮੇਤ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਅਜੀਤ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਪੱਤਰਕਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮੌਜੀ ਦੀ ਧਰਮਪਤਨੀ ਦੇ ਦਿਹਾਂਤ 'ਤੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਸਖਸੀਅਤਾਂ ਵੱਲੋਂ ਦੁੱਖ ਦਾ ਪ੍ਰਗਟਾਵਾ

ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਦੇਵੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਅਜੀਤ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਪੱਤਰਕਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮੌਜੀ ਦੀ ਧਰਮਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਪਰਮਿੰਦਰ ਕੌਰ ਦਾ ਬੀਤੇ ਦਿਨੀਂ ਦਿਹਾਂਤ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ।

ਇਸ ਦੁੱਖ ਦੀ ਘੜੀ ਵਿੱਚ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨਾਲ ਦੁੱਖ ਸਾਂਝਾ ਕਰਨ ਲਈ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਰਾਜਨੀਤਕ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਆਗੂ, ਕਿਸਾਨ ਆਗੂਆਂ ਅਤੇ ਧਾਰਮਿਕ ਜਥੇਬੰਦੀਆਂ ਦੇ ਆਗੂਆਂ ਨੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਦਾ ਪ੍ਰਗਟਾਵਾ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਵਿਛੜੀ ਆਤਮਾ ਦੀ ਸ਼ਾਂਤੀ ਲਈ ਅਰਦਾਸ ਕੀਤੀ।



ਦੁੱਖ ਸਾਂਝਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਬੀਬੀ ਜਸਮੀਤ ਕੌਰ ਛੀਨਾ, ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਮਹਿਮੂਦਪੁਰ, ਮਾਤਾ ਗੁਜਰੀ ਸਕੂਲ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੈਡਮ ਰਵਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਨਵਤੇਜ ਸਿੰਘ, ਵਿਜੇ ਕੁਮਾਰ ਸ਼ਰਮਾ, ਕ੍ਰਾਂਤੀਕਾਰੀ ਕਿਸਾਨ ਯੂਨੀਅਨ ਤੋਂ ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਲਾਲੀ, ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕਾਕੜਾ ਕਾਂਗਰਸੀ ਆਗੂ ਪ੍ਰਿਥੀਪਾਲ ਸਿੰਘ ਧਾਂਦੀਆਂ ,ਜੱਗਾ ਸਿੰਘ ਜੁਲਕਾ, ਸਹਾਇਕ ਥਾਣੇਦਾਰ ਗੁਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਨਿਰਮੈਲ ਸਿੰਘ ਅਰਨੌਲੀ, ਜਥੇਦਾਰ ਤਰਸੇਮ ਸਿੰਘ ਕੋਟਲਾ,ਗੁਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਦੇਵੀਨਗਰ, ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਸੈਣੀ,ਗੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਉਲਟਪੁਰ, ਮੁਖਤਿਆਰ ਸਿੰਘ ਨੌਗਾਵਾਂ, ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਛੰਨਾ, ਹਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਰੰਧਾਵਾ, ਪੀਏ ਗੁਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਗੁਰੀ, ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਗੁਸਮੜਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਅਲੀ ਪੁਰ ਆਦਿ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਸਾਰੇ ਆਗੂਆਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਪਰਮਿੰਦਰ ਕੌਰ ਇੱਕ ਨੇਕ ਦਿਲ ਅਤੇ ਮਿਲਣਸਾਰ ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤ ਦੇ ਮਾਲਕ ਸਨ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਜਾਣ ਨਾਲ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਕਦੇ ਨਾ ਪੂਰਾ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਘਾਟਾ ਪਿਆ ਹੈ।

ਉਹਨਾਂ ਪਰਮਾਤਮਾ ਅੱਗੇ ਅਰਦਾਸ ਕੀਤੀ ਕਿ ਵਿਛੜੀ ਰੂਹ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਚਰਨਾਂ ਵਿੱਚ ਨਿਵਾਸ ਦੇਣ ਅਤੇ ਪਿੱਛੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਭਾਣਾ ਮੰਨਣ ਦਾ ਬਲ ਬਖਸ਼ਣ।

ਯੁੱਧ ਨਸ਼ਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਕਰੀਅਰ ਕਾਊਂਸਲਿੰਗ ਤੇ ਨਸ਼ਾ ਵਿਰੋਧੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਜਾਵੇਗੀ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ 'ਯੁੱਧ ਨਸ਼ਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ' ਮੁਹਿੰਮ ਨੂੰ ਸਕੂਲੀ ਪੱਧਰ ਤੱਕ ਹੋਰ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਅਤੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਭਵਿੱਖ ਨੂੰ ਸਹੀ ਦਿਸ਼ਾ ਦੇਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਤੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਬਿਊਰੋ (ਡੀ.ਬੀ.ਈ.ਈ.), ਪਟਿਆਲਾ ਨੇ ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਖੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਦਫ਼ਤਰ ਦੇ ਬਲਾਕ ਕਾਊਂਸਲਰਾਂ ਲਈ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪੱਧਰੀ ਕਰੀਅਰ ਕਾਊਂਸਲਿੰਗ ਅਤੇ ਨਸ਼ਾ ਵਿਰੋਧੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਸੈਸ਼ਨ ਕਰਵਾਇਆ। ਮਾਸ ਕਾਊਂਸਲਿੰਗ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ- 2026 ਤਹਿਤ ਕਰਵਾਏ ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਦੌਰਾਨ ਬਲਾਕ ਕਾਊਂਸਲਰਾਂ ਨੂੰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਰੁਚੀ ਅਤੇ ਯੋਗਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ਉੱਚ ਸਿੱਖਿਆ, ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਦੇ ਮੌਕਿਆਂ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦੇਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਿਆਂ ਦੇ ਮਾੜੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਤੋਂ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਉਣ ਅਤੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਜੀਵਨਸ਼ੈਲੀ ਅਪਣਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਵਿਸਥਾਰਪੂਰਵਕ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ।



ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਸਰਗਰਮ: ਮੁੱਖ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫਸਰ ਪਟਿਆਲਾ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਪਟਿਆਲਾ ਡਾ. ਹਿਮਾਂਸ਼ੂ ਅਗਰਵਾਲ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ—ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਪਿੰਡ ਪੱਧਰ ਤੇ ਜਾ ਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਬਣਦੇ ਉਪਰਾਲੇ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਮੁੱਖ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫ਼ਸਰ ਡਾ. ਦਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਹਰਮਨ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਗੁਰਦਾਸ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਡਕਾਲਾ ਦੇ ਖੇਤਾਂ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਦਿਆਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਜਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਵਾਹੀਯੋਗ 2,50,000 ਹੈਕਟੇਅਰ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ 20,000 ਹੈਕਟੇਅਰ ਰਕਬਾ ਬਾਸਮਤੀ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਉਹਨਾਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਰਕਬੇ ਵਿਚੋਂ ਹੁਣ ਤੱਕ ਲਗਭਗ 2,08,000 ਹੈਕਟੇਅਰ ਰਕਬੇ ਦੀ ਵਾਢੀ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਲਗਭਗ 40 ਤੋਂ 50 ਹਜਾਰ ਹੈਕਟੇਅਰ ਰਕਬੇ ਵਿਚ ਕਣਕ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਵੀ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ। ਮੁੱਖ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫਸਰ ਅਨੁਸਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਵੱਲੋਂ ਲਗਭਗ 85,000 ਹੈਕਟੇਅਰ ਕਰਬੇ ਵਿਚੋਂ ਥਘ ?ਤਜਵਚ ਤਕਨੀਕ ਨਾਲ ਪਰਾਲੀ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲਗਭਗ 1,00,000 ਹੈਕਟੇਅਰ ਰਕਬੇ ਵਿਚ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ÷ ਤਕਨੀਕ ਲਈ ਦਿੱਤੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਸੁਪਰ ਸੀਡਰ, ਪਲਟਵੇਹਲ, ਮੱਲਚਰ ਆਦਿ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਕੇ ਪਰਾਲੀ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ।

ਐਸ.ਡੀ.ਐਮ. ਪਟਿਆਲਾ ਵੱਲੋਂ ਸਰਪੰਚਾਂ ਅਤੇ ਨੰਬਰਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਮੀਟਿੰਗ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਪਟਿਆਲਾ ਡਾ. ਹਿਮਾਂਸ਼ੂ ਅਗਰਵਾਲ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ—ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਐਸ.ਡੀ.ਐਮ. ਪਟਿਆਲਾ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ ਧੰਮ ਵੱਲੋਂ ਜਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ ਦੇ ਸਰਪੰਚਾਂ ਅਤੇ ਨੰਬਰਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਮੀਟਿੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਹਾਜਰ ਸਰਪੰਚਾਂ ਅਤੇ ਨੰਬਰਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਦੀਆਂ ਅੱਗ ਲੱਗਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਨ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਹਨਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਵੱਲੋਂ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਹਨਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਰੈਡ ਐਂਟਰੀ, ਐਫ.ਆਈ.ਆਰ., ਬਨਦਾ ਜੁਰਮਾਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਸੁਪਰ ਐਸ.ਐਮ.ਐਸ ਨਾਲ ਲੱਗੀ ਕੰਬਾਇਨ ਨਾਲ ਝੋਨੇ ਦੀ ਵਾਢੀ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਮਿਲਾਕੇ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਉਪਜਾਊ ਸ਼ਕਤੀ ਵਧਾਉਣ। ਐਸ.ਡੀ.ਐਮ. ਪਟਿਆਲਾ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਹਰੇਕ ਪਿੰਡ ਲਈ ਨੋਡਲ ਅਫਸਰਾਂ ਲਈ ਕਲੱਸਟਰ ਅਫਸਰ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਜੋ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਅੱਗ ਲੱਗਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਵਾਹੁਣ ਅਤੇ ਗੰਢਾਂ ਬਣਾਕੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਇਕਾਇਆਂ ਨੂੰ ਦੇਣ ਲਈ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਸਬਸਿਡੀ ਉਪਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ.ਆਰ.ਐਮ. ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਲਈ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰਕੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਜੋ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲੱਗਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਕੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਨੂੰ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ।



ਦਸਮੇਸ਼ ਗਰਲਜ਼ ਕਾਲਜ ਵਿਖੇ ਸੈਨੇਟ ਮੈਂਬਰ ਸ. ਸੰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਸੀਕਰੀ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਨਮਾਨ

ਮੁਕੇਰੀਆਂ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੀਆਂ ਸੈਨਟ ਚੋਣਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਜਿੱਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਕੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਸੈਨੇਟ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਥਾਂ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੇ ਸ. ਸੰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਸਿਕਰੀ ਦਾ ਦਸਮੇਸ਼ ਗਰਲਜ਼ ਕਾਲਜ, ਚੱਕ ਅੱਲ੍ਹਾ ਬਖ਼ਸ਼, ਮੁਕੇਰੀਆਂ ਵਿਖੇ ਪਹੁੰਚਣ 'ਤੇ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਚੈਰੀਟੇਬਲ ਟਰੱਸਟ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸ.ਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਚੱਕ ਵੱਲੋਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।



ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਸ. ਸੰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਸੀਕਰੀ ਦੇ ਸਮਾਜ ਪ੍ਰਤੀ ਯੋਗਦਾਨ, ਸੇਵਾਭਾਵ ਅਤੇ ਸਮਰਪਣ ਦੀ ਭਰਪੂਰ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਮਾਜ ਦੀ ਭਲਾਈ, ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਉਸਾਰੂ ਸੋਚ ਨਾਲ ਕਾਰਜ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤਾਂ ਸਮਾਜ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਸਰੋਤ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਜਿਹੀਆਂ ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤਾਂ ਦਾ ਸਨਮਾਨ ਕਰਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਸਤਿਕਾਰ ਅਤੇ ਧੰਨਵਾਦ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰਨ ਦਾ ਇੱਕ ਉੱਤਮ ਉਪਰਾਲਾ ਹੈ।

ਇਸ ਮਿਲਣੀ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਸਮਾਜਿਕ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਵਡਮੁੱਲਾ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤਾਂ ਨੂੰ ਮਾਣ-ਸਨਮਾਨ ਦੇਣਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੌਸਲਾ ਅਫ਼ਜ਼ਾਈ ਕਰਨਾ ਸੀ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਮੈਨੇਜਰ ਸ. ਹਰਮਨਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਸ਼ੈਰੀ, ਪ੍ਰਧਾਨ ਸ. ਗੁਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਚੱਕ, ਸ. ਸੌਦਾਗਰ ਸਿੰਘ ਚਨੌਰ, ਸ. ਮਹਿੰਗਾ ਸਿੰਘ, ਸ. ਬਲਵੀਰ ਸਿੰਘ ਬਿਸ਼ਨਪੁਰ, ਸ. ਯੁਗਪਾਲ ਸਿੰਘ ਹੈਪੀ, ਸ. ਮਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਚੱਕ ਅਤੇ ਸ. ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਚੱਕ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜੇ.ਬੀ.ਕੇ.ਐੱਸ. ਚੱਕ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਗਰਲਜ਼ ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਦੇ ਵਾਈਸ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ, ਡਾ. ਰਾਜਵਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਡਾ. ਸਰਿਤਾ ਰਾਣਾ, ਡਾ. ਨਰਪਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਡਾ. ਸੋਨੀਆ ਚੌਹਾਨ, ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਰੇਨੂ ਗੁਪਤਾ ਅਤੇ ਡਾ. ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਕਲੋਨੀ ਵਿਖੇ ਪਵਿੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕਥਾ ਸਮਾਗਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਯੋਜਿਤ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪਟਿਆਲਾ ਦਿਹਾਤੀ ਦੀ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਕਲੋਨੀ ਵਿਖੇ ਆਯੋਜਿਤ ਪਵਿੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕਥਾ ਧਾਰਮਿਕ ਸਮਾਗਮ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਸੰਗਤ ਵੱਲੋਂ ਬੜੀ ਸ਼ਰਧਾ ਤੇ ਉਤਸਾਹ ਨਾਲ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਇਲਾਕੇ ਦੀਆਂ ਸਮੁੱਚੀਆਂ ਕਲੋਨੀਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸੰਗਤ ਭਾਰਤੀ ਭਾਰੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਵਾਉਣ ਪਹੁੰਚੀ ਹੋਈ ਸੀ ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਨੂੰ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਵਿੱਚ ਕਾਫੀ ਉਤਸਾਹ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਜਿੱਥੇ ਇਹ ਧਾਰਮਿਕ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਹਾਜਰੀ ਲਗਵਾਉਣ ਪੁੱਜੇ ਪਟਿਆਲਾ ਦਿਹਾਤੀ ਹਲਕੇ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਭਾਜਪਾ ਆਗੂ ਐਡਵੋਕੇਟ ਸਤਬੀਰ ਸਿੰਘ ਖੱਟੜਾ ਤੇ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਆਗੂ ਯੁਵਰਾਜ ਸ਼ਰਮਾ ਆਦਿ ਹੋਰ ਪਤਵੰਤੇ ਵੀ ਪਵਿੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕਥਾ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਨਤਮਸਤਕ ਹੋਣ ਪੁੱਜੇ ਜਿੱਥੇ ਖੱਟੜਾ ਨੂੰ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਸੰਗਤ ਵੱਲੋਂ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਉੱਥੇ ਹੀ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਅਜਹੇ ਸਮਾਗਮ ਕਰਵਾਉਣ ਵਾਲੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕਾਂ ਦੀ ਵੀ ਖੂਬ ਸੁਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਖੱਟੜਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਆਜੀਹੇ ਧਾਰਮਿਕ ਸਮਾਗਮ ਸਾਡੇ ਸਮੁੱਚੇ ਭਾਈਚਾਰੇ ਦੀ ਆਪਸੀ ਸਾਂਝ ਨੂੰ ਮਜਬੂਤ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਿੱਥੇ ਹਰੇਕ ਵਰਗ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ



ਸ੍ਰੀ ਵਿਨੈ ਬੁਬਲਾਨੀ ਨੇ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਰੂਪਨਗਰ ਮੰਡਲ ਦਾ ਅਹੁਦਾ ਸੰਭਾਲਿਆ



ਰੂਪਨਗਰ, 12 ਨਵੰਬਰ-ਸੰਦੀਪ ਜੋਸ਼ੀ-
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸ੍ਰੀ ਵਿਨੈ ਬੁਬਲਾਨੀ ਆਈ ਏ ਐੱਸ ਨੇ ਵੀਰਵਾਰ ਨੂੰ ਕਮਿਸ਼ਨਰ,ਰੂਪਨਗਰ ਮੰਡਲ ਦਾ ਅਹੁਦਾ ਸੰਭਾਲਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਰੂਪਨਗਰ ਪੁਲਿਸ ਵੱਲੋਂ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਰੂਪਨਗਰ ਮੰਡਲ ਨੂੰ ਗਾਰਡ ਆਫ਼ ਆਨਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਸ੍ਰੀ ਵਿਨੈ ਬੁਬਲਾਨੀ ਆਈ ਏ ਐੱਸ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਪਟਿਆਲਾ ਮੰਡਲ ਦੇ ਨਾਲ ਵਾਧੂ ਚਾਰਜ ਕਮਿਸ਼ਨਰ,ਰੂਪਨਗਰ ਮੰਡਲ ਸਮੇਤ ਸਕੱਤਰ ਮਾਲ ਤੇ ਪੁਨਰਵਾਸ ਤੇ ਆਫ਼ਤ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਜੋਂ ਵੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਨਿਭਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਅਹੁਦਾ ਸੰਭਾਲਣ ਉਪਰੰਤ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੰਡਲ ਅਧੀਨ ਆਉਂਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿੱਚ ਸਰਕਾਰੀ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਅਤੇ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੁੱਖ ਤਰਜੀਹ ਰਹੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ, ਜਵਾਬਦੇਹ ਅਤੇ ਸਮਾਂਬੱਧ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਦਾ ਪਹਿਲ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਹੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਸ੍ਰੀ ਅਦਿੱਤਿਆ ਡੇਚਲਵਾਲ, ਐਸ ਐਸ ਪੀ ਸ ਮਨਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਸਬੰਧੀ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਰਾਮਦਾਸ ਜੀ, ਖੰਨਾ ਵਿਖੇ ਪ੍ਰਭਾਤ ਫੇਰੀਆਂ ਆਰੰਭ



ਲੁਧਿਆਣਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਰਾਮਦਾਸ ਜੀ, ਨੇੜੇ ਖਾਲਸਾ ਸਕੂਲ ਰੋਡ, ਖੰਨਾ ਦੀ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀ ਵੱਲੋਂ ਪ੍ਰਭਾਤ ਫੇਰੀਆਂ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਸਵੇਰ ਸਮੇਂ ਸੰਗਤਾਂ ਨੇ ਸ਼ਰਧਾ ਅਤੇ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਤ ਫੇਰੀ ਵਿੱਚ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਕੀਤੀ। ਰਾਗੀ ਸਿੰਘਾਂ ਵੱਲੋਂ ਗੁਰਬਾਣੀ ਦਾ ਰਸਭਿੰਨਾ ਕੀਰਤਨ ਕਰਕੇ ਸੰਗਤਾਂ ਨੂੰ ਨਿਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਗੁਰੂ ਘਰ ਦੀਆਂ ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀਆਂ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਨਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਰਾਣਾ ਦੀ ਟੀਮ ਵੱਲੋਂ ਵੀਡੀਓਗ੍ਰਾਫੀ ਰਾਹੀਂ ਦੇਸ਼-ਵਿਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਵੱਸਦੀਆਂ ਸੰਗਤਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਤ ਫੇਰੀਆਂ ਦੇ ਦਰਸ਼ਨ ਕਰਵਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਜੋ ਦੂਰ-ਦੁਰਾਡੇ ਵੱਸਦੇ ਸ਼ਰਧਾਲੂ ਵੀ ਇਸ ਧਾਰਮਿਕ ਸਮਾਗਮ ਨਾਲ ਜੁੜ ਸਕਣ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸਰਦਾਰ ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ, ਭਲਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਧੰਨਾ), ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸੋਮਲ, ਨਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਰਾਣਾ, ਬਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਭੁੱਲਰ, ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਸਮੇਤ ਸਮੂਹ ਕਮੇਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਹਾਜ਼ਰੀ ਭਰੀ।

ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀ ਵੱਲੋਂ ਸੰਗਤਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਸਬੰਧੀ ਕਰਵਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਧਾਰਮਿਕ ਸਮਾਗਮਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਭਾਤ ਫੇਰੀਆਂ ਵਿੱਚ ਵੱਧ-ਚੜ੍ਹ ਕੇ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਕਰਨ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਸੀਟੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵੱਲੋਂ ਮੈਡੀਕਲ ਇਮੇਜਿੰਗ ਬਾਰੇ ਦੂਜੀ ਸੀਐਮਈ ਅਤੇ ਹੈਂਡਸ-ਆਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਆਯੋਜਨ

ਲੁਧਿਆਣਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸੀਟੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵੱਲੋਂ ਸਕੂਲ ਆਫ਼ ਐਲਾਇਡ ਐਂਡ ਹੈਲਥਕੇਅਰ ਦੇ ਮੈਡੀਕਲ ਰੇਡੀਓਲੋਜੀ ਐਂਡ ਇਮੇਜਿੰਗ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਮੈਡੀਕਲ ਇਮੇਜਿੰਗ ਬਾਰੇ ਦੂਜੀ ਸੀਐਮਈ ਅਤੇ ਹੈਂਡਸ-ਆਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ 2026 ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਦੋ ਰੋਜ਼ਾ ਸਮਾਗਮ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ 'ਐਡਵਾਂਸਿੰਗ ਮੈਡੀਕਲ ਇਮੇਜਿੰਗ: ਫ੍ਰੌਮ ਇਮੇਜ ਐਕਵਿਜ਼ੀਸ਼ਨ ਟੂ ਇੰਟੈਲੀਜੈਂਟ ਡਾਇਗਨੋਸਿਸ' ਰਿਹਾ।



ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਚਾਂਸਲਰ ਸਰਦਾਰ ਚਰਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਚੰਨੀ, ਪ੍ਰੋ-ਚਾਂਸਲਰ ਡਾ. ਮਨਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਡਾ. ਨਿਤਿਨ ਟੰਡਨ, ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਸੰਜੇ ਖੰਡੂਰੀ ਅਤੇ ਡੀਐਸਡਬਲਿਊ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮੌਜੂਦ ਰਹੇ। ਚਾਂਸਲਰ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋ-ਚਾਂਸਲਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਆਧੁਨਿਕ ਸਿਹਤ ਸੇਵਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਮੈਡੀਕਲ ਇਮੇਜਿੰਗ ਦੀ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਹੈ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਸਿਧਾਂਤਕ ਗਿਆਨ ਦੇ ਨਾਲ ਵਿਹਾਰਕ ਸਿਖਲਾਈ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਪੀਜੀਆਈਐਮਈਆਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਏਮਜ਼ ਭੋਪਾਲ, ਸੀਐਮਸੀ ਲੁਧਿਆਣਾ, ਮੈਕਸ ਹਸਪਤਾਲ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੇ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨੇ ਆਰਟੀਫਿਸ਼ੀਅਲ ਇੰਟੈਲੀਜੈਂਸ, ਫੋਟੋਨ-ਕਾਊਂਟਿੰਗ ਸੀਟੀ, ਰੇਡੀਏਸ਼ਨ ਸੇਫਟੀ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕ ਡਾਇਗਨੋਸਟਿਕ ਤਕਨੀਕਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ। ਦੂਜੇ ਦਿਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਹੈਂਡਸ-ਆਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਰਾਹੀਂ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਐਕਸ-ਰੇ ਅਤੇ ਸੀਟੀ ਇਮੇਜ ਦੀ ਵਿਆਖਿਆ ਅਤੇ ਕਲੀਨਿਕਲ ਕੇਸਾਂ ਦੇ ਮੁਲਾਂਕਣ ਦੀ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ ਸਿਖਲਾਈ ਦਿੱਤੀ ਗਈ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਅਤੇ ਮੈਡੀਕਲ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਤੇ ਸਿਹਤ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾਂ ਨੇ ਭਾਗ ਲਿਆ। ਸਮਾਗਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਵਿਭਾਗ ਮੁਖੀ ਅਤੇ ਚੀਫ਼ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ਿੰਗ ਸੈਕਟਰੀ ਸ੍ਰੀ ਆਦਿਲ ਰਾਸ਼ਿਦ ਮਲਿਕ ਨੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਵਲੰਟੀਅਰਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਕੀਤਾ।

ਅਰਜੁਨ ਰੁੱਖ ਦੇ ਫ਼ਾਇਦੇ



ਅਰਜੁਨ ਦੇ ਛਿਲਕਿਆਂ ਨਾਲ ਕਈ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਛੁਟਕਾਰਾ ਪਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਤੇਜ਼ ਧੜਕਣ ਨੂੰ ਸਹੀ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਲਿਆਉਣਾ, ਸੋਜ ਦੂਰ ਕਰਨਾ, ਹੱਡੀਆਂ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨਾ ਆਦਿ...

ਅਰਜੁਨ ਰੁੱਖ 60 ਤੋਂ 80 ਫੀਟ ਉੱਚਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਪੱਤੇ ਅਮਰੂਦ ਦੇ ਪੱਤਿਆਂ ਵਰਗੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦਾ ਫਲ ਪਕਣ 'ਤੇ ਲਾਲ-ਭੂਰੇ ਰੰਗ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਹਿਮਾਚਲ, ਬੰਗਾਲ, ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਜੰਗਲਾਂ ਤੇ ਨਦੀ ਕਿਨਾਰੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਇਸ ਦੇ ਛਿਲਕਿਆਂ ਦਾ ਸੇਵਨ

ਛਿਲਕਿਆਂ ਦੇ ਸੇਵਨ ਨਾਲ ਅਨੇਕਾਂ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਛੁਟਕਾਰਾ ਪਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਤੇਜ਼ ਧੜਕਨ ਨੂੰ ਸਹੀ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਲਿਆਉਣਾ, ਸੋਜ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨਾ, ਇਹ ਹੱਡੀਆਂ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਦੇ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਛਿਲਕਿਆਂ ਦਾ ਚੂਰਨ ਬਣਾ ਲਵੋ। ਇਸ ਚੂਰਨ ਨੂੰ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਅੱਧਾ ਚਮਚ ਦੁੱਧ ਦੇ ਨਾਲ ਖਾਓ ਇਸ ਨਾਲ ਹੱਡੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਅਨੇਕਾਂ ਰੋਗ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਹਾਈ ਬਲੱਡ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨਾ

ਇਸ ਦਾ ਚੂਰਨ ਕੋਲੈਸਟ੍ਰੋਲ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਹਾਈ ਬੀਪੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਸੇਵਨ ਨਾਲ ਦਰਦ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਘੱਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਵੱਧੇ ਹੋਏ ਕੋਲੈਸਟ੍ਰੋਲ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਨ ਲਈ ਅੱਧਾ ਨੂੰ ਚਮਚ ਅਰਜੁਨ ਦੇ ਛਿਲਕਿਆਂ ਦਾ ਪਾਊਡਰ, 2 ਗਲਾਸ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਉਦੋਂ ਤਕ ਉਬਾਲੋ ਜਦੋਂ ਤਕ ਪਾਣੀ ਅੱਧਾ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਛਾਣ ਕੇ ਤੇ ਠੰਢਾ ਹੋਣ 'ਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਇਕ ਸਮੇਂ ਪਿਓ। ਇਸ ਨਾਲ ਬਲੱਡ ਵੀ ਕੰਟਰੋਲ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

ਮੋਟਾਪਾ ਦੂਰ

ਮੋਟਾਪੇ ਤੋਂ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਲੋਕ ਅਰਜੁਨ ਦੇ ਛਿਲਕਿਆਂ ਦਾ ਕਾੜ੍ਹਾ ਬਣਾ ਕੇ ਇਕ ਸਮੇਂ ਪੀਣ ਨਾਲ ਕਾਫ਼ੀ ਫ਼ਾਇਦਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਾੜ੍ਹੇ ਦਾ ਅਸਰ ਇਕ ਮਹੀਨੇ 'ਚ ਦਿਖਾਈ ਦੇਣ ਲੱਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਸੁੰਦਰਤਾ ਲਈ ਇਸਤੇਮਾਲ

ਇਸ ਦੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾਲ ਚਿਹਰਾ ਸਾਫ਼ ਤੇ ਚਮੜੀ ਟਾਇਟ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਅਰਜੁਨ ਦੇ ਛਿਲਕੇ, ਬਾਦਾਮ, ਹਲਦੀ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਲੈ ਕੇ ਪੀਸ ਲਵੋ ਤੇ ਇਸ ਦਾ ਲੇਪ ਬਣਾ ਕੇ ਚਿਹਰੇ 'ਤੇ ਲਗਾ ਲਵੋ ਇਸ ਨਾਲ ਚਮੜੀ ਚਮਕਦਾਰ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਖ਼ਾਂਸੀ ਤੋਂ ਰਾਹਤ

ਇਸ ਦੇ ਛਿਲਕਿਆਂ ਦਾ ਚੂਰਨ ਬਣਾ ਲਵੋ ਤੇ ਇਸ ਦਾ ਕੋਸੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਸੇਵਨ ਕਰੋ ਇਸ ਨਾਲ ਖ਼ਾਂਸੀ ਤੋਂ ਛੁਟਕਾਰਾ ਪਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਮੂੰਹ ਦੇ ਛਾਲਿਆਂ ਲਈ

ਨਾਰੀਅਲ ਦੇ ਤੇਲ ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਚੂਰਨ 'ਚ ਮਿਲਾ ਕੇ ਛਾਲਿਆਂ 'ਤੇ ਲਗਾਉਣ ਨਾਲ ਛਾਲੇ ਠੀਕ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਚੂਰਨ ਨੂੰ ਗੁੜ ਨਾਲ ਸੇਵਨ ਕਰਨ 'ਤੇ ਬੁਖ਼ਾਰ 'ਚ ਕਾਫ਼ੀ ਅਰਾਮ ਮਿਲਦਾ ਹੈ।

ਵਾਲਾਂ ਦਾ ਵਿਕਾਸ

ਅਰਜੁਨ ਦੇ ਛਿਲਕੇ ਵਾਲਾਂ ਲਈ ਫ਼ਾਇਦੇਮੰਦ ਹੈ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ 'ਚ ਮਦਦ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਅਰਜੁਨ ਦੇ ਛਿਲਕਿਆਂ ਨੂੰ ਮਹਿੰਦੀ 'ਚ ਮਿਲਾ ਕੇ ਸਿਰ 'ਤੇ ਲਗਾਉਣ ਨਾਲ ਸਫ਼ੈਦ ਵਾਲ ਕਾਲੇ ਹੋਣ ਲੱਗਦੇ ਹਨ। •



ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਜ਼ਿੰਦਗੀ 'ਚ ਸਭ ਕੁੱਝ, ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਰਨ ਤੇ ਜੀਵਨ ਦੇ ਹਰ ਪਲ ਦਾ ਆਨੰਦ ਲੈਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਦਾ ਲਈ ਬਦਲ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਤਬਦੀਲੀ ਪਾਜ਼ੇਟਿਵ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ...

– ਜੈਕਲਿਨ ਸਮਿਥ, ਕੈਂਸਰ ਪੀੜਤ ਦੇ ਵਿਚਾਰ

ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਤੋਂ ਬਚਾਉਂਦੀ ਹੈ ਸਿਹਤਮੰਦ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ

ਡਾ. ਸੋਨਾਲੀ ਸ਼ਰਮਾ

ਅੱਜ ਦੀ ਔਰਤ ਦੇ ਜੀਵਨ 'ਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਡਰ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਹੈ। ਆਧੁਨਿਕ ਜੀਵਨ-ਸ਼ੈਲੀ ਤੇ ਤਣਾਓਪੂਰਣ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਕਾਰਨ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਰੋਗ ਹੋਣ ਦਾ ਖ਼ਤਰਾ ਬਹੁਤ ਵੱਧ ਗਿਆ ਹੈ। ਭਾਰਤ 'ਚ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੇ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਬਹੁਤ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਵੱਧ ਰਹੀ ਹੈ। 50 ਸਾਲ ਤੋਂ ਵੱਧ ਉਮਰ ਦੀਆਂ 68 ਫ਼ੀਸਦੀ ਔਰਤਾਂ, 40 ਤੋਂ 50 ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਦੀਆਂ 28 ਫ਼ੀਸਦੀ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀ 20 ਫ਼ੀਸਦੀ ਔਰਤਾਂ 20 ਤੋਂ 40 ਸਾਲ ਉਮਰ ਵਰਗ ਦੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ।

ਨਿਯਮਿਤ ਜਾਂਚ

ਕੈਂਸਰ ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ ਪਰ ਕੈਂਸਰ ਹੋਣ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾ ਕਾਰਨ ਹੈ ਇਕ ਔਰਤ ਹੋਣਾ। ਕੋਈ ਭਾਵੇਂ ਇਸ ਨੂੰ ਇਕ ਔਰਤ ਹੋਣ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਮੰਨੇ ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਪਰਮਾਤਮਾ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਰੀਰ ਰੂਪੀ ਅਨਮੋਲ ਤੋਹਫ਼ੇ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਆਨੰਦ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਲਾਜ ਨਾਲੋਂ ਪਰਹੇਜ਼ ਬਿਹਤਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਬ੍ਰੈਸਟ ਜਾਂ ਛਾਤੀ ਦੀ ਨਿਯਮਿਤ ਜਾਂਚ, ਪਰਿਵਾਰ ਦੇ ਪਿਛੋਕੜ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ, ਨਿਰੰਤਰ ਕਸਰਤ ਲਈ ਸਮਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਕੁੱਝ।

ਖਾਣ-ਪੀਣ ਬਾਰੇ ਜਾਗਰੂਕਤਾ

ਜਦੋਂ ਗੱਲ ਖਾਣ-ਪੀਣ ਦੀਆਂ ਆਦਤਾਂ ਦੀ ਤੁਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸੰਤੁਲਿਤ ਅਤੇ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਖ਼ੁਰਾਕ ਲੈ ਕੇ ਕੈਂਸਰ ਤੋਂ ਬਚਿਆ ਵੀ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਲੜਿਆ ਵੀ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਹਰੀਆਂ ਸਬਜ਼ੀਆਂ, ਪਿਆਜ਼, ਬੇਰੀਜ਼, ਨਟਸ ਆਦਿ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੇ ਸੈੱਲਾਂ ਨੂੰ ਵਧਣ ਤੋਂ ਰੋਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਐਸਟਰੋਜਨ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਨਾਲ ਲੜਨ 'ਚ ਮਦਦ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਟਾਮਿਨ-ਡੀ, ਅਲਸੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਭੋਜਨ ਵੀ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਨਾਲ ਲੜਨ 'ਚ ਮਦਦ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ 'ਚ ਖਾਣ-ਪੀਣ ਦੀਆਂ ਆਦਤਾਂ 'ਚ ਥੋੜ੍ਹੀ ਜਿਹੀ ਤਬਦੀਲੀ ਕਰ ਕੇ ਹੀ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਤੋਂ ਬਚਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਮਾਸ, ਮੱਛੀ, ਡੇਅਰੀ ਉਤਪਾਦਾਂ ਅਤੇ ਤਲੇ ਹੋਏ ਭੋਜਨ ਨੂੰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ ਅਲਵਿਦਾ ਕਹਿਣਾ ਪਏਗਾ ਤੇ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਭੋਜਨ ਖਾਓ ਜਿਵੇਂ ਹਰੀਆਂ ਸਬਜ਼ੀਆਂ, ਫਲ, ਤੇ ਦੁੱਧ ਤੋਂ ਬਣੇ ਪਦਾਰਥਾਂ ਦਾ ਸੇਵਨ ਕਰਨ ਨਾਲ ਰੋਗਾਂ ਨਾਲ ਲੜਨ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਵੱਧ ਸਕੇ ਅਤੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬਿਮਾਰੀ ਕਾਰਨ ਐਂਟੀ-ਬਾਇਓਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਨਾ ਖਾਣੀਆਂ ਪੈਣ। ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਇਕ ਮੁੱਖ ਕਾਰਨ ਇਹ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀ ਤਰ੍ਹਾਂ-ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਦਵਾਈਆਂ ਦਾ ਸੇਵਨ ਕਰਦੇ ਹੋ।

ਮੋਟਾਪੇ ਤੇ ਨਸ਼ੇਖੋਰੀ ਤੋਂ ਬਚਾਅ

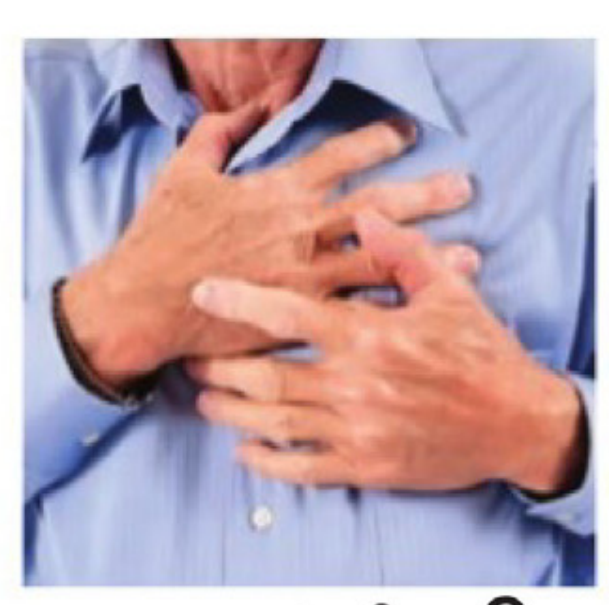
ਕੀ ਖਾਣਾ ਹੈ ਤੇ ਕੀ ਨਹੀਂ ਖਾਣਾ, ਇਸ ਦਾ ਫ਼ੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਅਗਲਾ ਅਹਿਮ ਕਦਮ ਹੈ ਹੈਲਥੀ ਲਾਈਫ ਸਟਾਈਲ। ਐਕਟਿਵ ਲਾਈਫ ਸਟਾਈਲ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਭਾਰ ਨੂੰ ਕਾਬੂ 'ਚ ਰਖਣਾ ਵੀ ਓਨਾ ਹੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਜਿੰਨਾ ਸਾਹ ਲੈਣਾ।

ਸਾਡੇ 'ਚੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਲੋਕ ਫਿੱਟ ਰਹਿਣ ਦੀ ਲੋੜ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ। ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੇ 17 ਫ਼ੀਸਦੀ ਮਾਮਲੇ ਮੋਟਾਪੇ ਕਾਰਨ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸ਼ਰਾਬ ਅਤੇ ਸਿਗਰਟ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ ਵੀ ਬਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਹਫ਼ਤੇ ਵਿਚ 4 ਤੋਂ 6 ਪੈੱਗ ਦਾਰੂ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਨੂੰ ਸੱਦਾ ਦੇਣਾ। ਇਸ ਨਾਲ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਖ਼ਤਰਾ 15 ਫ਼ੀਸਦੀ ਤਕ ਵੱਧ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੋਚੋ ਜ਼ਰੂਰ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਕੁੱਝ ਪਲ ਦਾ ਮਜ਼ਾ ਤੁਹਾਡੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਨਾਲ ਖਿਲਵਾੜ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਬਿਹਤਰ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ

ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਖ਼ੁਦ ਨੂੰ ਪਿਆਰ ਕਰ ਕੇ ਵੀ ਕੈਂਸਰ ਨੂੰ ਦੂਰ ਭਜਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਖ਼ੁਦ ਨਾਲ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਕਰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਸਿਹਤਮੰਦ ਅਤੇ ਵਧੀਆ ਆਦਤਾਂ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹੋ। ਕੈਂਸਰ ਹੋਣ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਨਾ ਕਰੋ, ਬਲਕਿ ਕੈਂਸਰ ਹੋਵੇ ਹੀ ਨਾ, ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ 'ਚ ਢਾਲ ਲਓ। ਇਸ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਮਹੀਨੇ 'ਚ ਤੁਸੀ ਵੀ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਨਾਲ ਲੜਨ ਦਾ ਪ੍ਰਣ ਕਰੋ ਤੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਭਵਿੱਖ ਬਣਾਓ। ਔਰਤਾਂ ਅਤੇ ਮਰਦਾਂ ਦੋਵਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਰੀਰ ਪ੍ਰਤੀ ਅਗਾਹ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤੇ ਸਮੇਂ ਸਮੇ 'ਤੇ ਚੈੱਕਅਪ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। •





ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ

ਡਾ. ਰਿਪੁਦਮਨ ਸਿੰਘ

ਅੱਜ ਤਕ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਸਿਰਫ਼ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਦੇ ਬ੍ਰੈਸਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਇਹ ਇਕ ਗ਼ਲਤ ਧਾਰਣਾ ਹੈ ਜਦਕਿ ਸੱਚਾਈ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਕੋਲ ਬ੍ਰੈਸਟ ਟਿਸ਼ੂ ਭਾਵ ਥਣ ਉਤਕ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸਤਰੀ ਅਤੇ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਦੀਆਂ ਛਾਤੀਆਂ ਦੀ ਅੰਦਰੂਨੀ ਬਣਤਰ ਬਹੁਤ ਹੱਦ ਤਕ ਇੱਕੋ ਜਿਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਰੋਗ ਵੀ। ਇਸ ਲਈ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਇਕ ਅਨੋਖਾ ਰੋਗ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸਾਰੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਸਿਰਫ਼ ਇਕ ਫ਼ੀਸਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਕੁੱਝ ਅਜੀਬ ਹੋਣ ਦਾ ਸ਼ੱਕ ਘੱਟ ਹੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਮਰਦ ਵੀ ਘੱਟ ਚੇਤੰਨਤਾ ਦਿਖਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੀ ਸੰਦੇਹ ਤੋਂ ਪਰੇ ਕਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਤੇ ਉਹ ਕਰਵਾਈ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਜਾਂਚ-ਪੜਤਾਲ ਨੂੰ ਦਰਕਿਨਾਰ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਜਿਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਭੁਗਤਣੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ।

ਪੁਰਸ਼ਾਂ 'ਚ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਸਬੰਧੀ ਖ਼ਤਰੇ

ਜੱਦੀ ਜਾਂ ਪਿਤਾ-ਪੁਰਖੀ ਗੁਣ ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਵਿਚ ਵੱਡੀ ਭੂਮਿਕਾ ਨਹੀਂ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਪਰ ਮਰਦਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਵੱਡੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਟੈਸਟੀਜ਼ ਜਾਂ ਅੰਡਕੋਸ਼ਾਂ ਦੀ ਸੋਜ਼ਿਸ਼ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੇ ਖ਼ਤਰੇ ਨੂੰ ਵਧਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਖਾਣ ਪੀਣ ਦੀ ਖ਼ਰਾਬ ਆਦਤ, ਮੋਟਾਪਾ, ਸ਼ਰਾਬ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੇਵਨ ਜਾਂ ਸਿਗਰਟਨੋਸ਼ੀ ਇਸ ਦੀਆਂ ਸੰਭਾਵਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਕਈ ਗੁਣਾ ਵਧਾ ਦਿੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਹਾਰਮੋਨਲ ਦਵਾਈਆਂ ਜਾਂ ਹਰਬਲ ਪੂਰਕ ਖਾਣੇ ਦੇ ਸੇਵਨ ਦੀ ਭੈੜੀ ਆਦਤ।

ਲੱਛਣ

ਛਾਤੀ ਵਿਚ ਗੱਠਾਂ ਦਾ ਬਣ ਜਾਣਾ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਸੰਕੇਤ ਹੈ। ਛਾਤੀ ਜਾਂ ਨਿਪਲਜ਼ ਦੇ ਚਾਰੇ ਪਾਸੇ ਦੀ ਚਮੜੀ ਉੱਪਰ ਖੱਡੇ ਪੈਣੇ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵੱਡੀ ਤਬਦੀਲੀ ਆਉਣਾ ਵੀ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੇ ਸੰਕੇਤ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਛਾਤੀ ਵਿਚ ਦਰਦ ਰਹਿਣਾ ਅਤੇ ਨਿਪਲ ਜ਼ਰੀਏ ਤਰਲ ਪਦਾਰਥ ਦਾ ਰਿਸਣਾ, ਨਿਪਲ ਦੇ ਚਾਰੇ ਪਾਸੇ ਜ਼ਖ਼ਮ ਹੋਣੇ। ਲਿੰਫ-ਨੋਡਜ਼ ਦਾ ਅੰਡਰ-ਆਰਮ ਤੇ ਏਰੋਲਾ ਖੇਤਰ ਤਕ ਵਧਣਾ। ਮਰਦਾਂ ਵਿਚ ਛਾਤੀਆਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਨੂੰ 'ਗਾਇਨੇਕੋਮਾਸਟੀਆ' ਆਖਦੇ ਹਨ। ਅਜਿਹੇ ਵਾਧੇ ਕਾਰਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅੰਦਰ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਖ਼ਤਰਾ ਵੱਧ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਰੋਕਥਾਮ ਦੇ ਉਪਾਅ

ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਜਾਨਣਾ, ਪਰਿਵਾਰਿਕ ਇਤਿਹਾਸ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗਾਉਣਾ। ਰੋਗ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਿਚ ਘੱਟੋ ਘੱਟ 10 ਫ਼ੀਸਦੀ ਯੋਗਦਾਨ ਹੈਰੀਡਿਟਰ ਜਾਂ ਪਿਤਾ-ਪੁਰਖੀ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਹੈ। ਮੋਟਾਪੇ ਕਾਰਨ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ, ਹਿਰਦੇ ਰੋਗ ਤੇ ਕਈ ਬੀਮਾਰੀਆਂ ਹੋਣ ਦੇ ਖ਼ਤਰੇ ਵੱਧ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਸਰੀਰ ਦਾ ਇਕ ਆਦਰਸ਼ ਭਾਰ ਕਾਇਮ ਰੱਖੋ। ਚਰਬੀ ਜਾਂ ਫੈਟ ਨੂੰ ਘਟਾਓ। ਸਰੀਰਕ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਜਾਂ ਕਸਰਤ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਕ ਤੰਦਰੁਸਤ ਵਜ਼ਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਨੂੰ ਕਾਫ਼ੀ ਹੱਦ ਤਕ ਰੋਕਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਖਾਣ-ਪੀਣ ਦੀਆਂ ਆਦਤਾਂ

ਹਾਈ ਗਲਾਈਸੈਮਿਕ ਇੰਡੈਕਸ ਵਾਲੇ ਖਾਣੇ ਜਿਵੇਂ ਸਫ਼ੈਦ ਆਟਾ, ਸਫ਼ੈਦ ਚਾਵਲ, ਆਲੂ, ਚੀਨੀ ਆਦਿ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰੋ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਂਦਿਆਂ ਹੀ ਸਰੀਰ ਵਿਚ ਹਾਰਮੋਨ ਸਬੰਧੀ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਛਾਤੀ ਦੀਆਂ ਕੋਸ਼ਿਕਾਵਾਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਦਾ ਕਾਰਨ ਬਣਦੀਆਂ ਹਨ। ਸਿਗਰਟਨੋਸ਼ੀ ਤੇ ਅਲਕੋਹਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ ਪਰਹੇਜ਼ ਕਰੋ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਵਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੀ ਲਤ ਸਮੇਂ ਨਾਲ ਵਧਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਜੋ ਮੁਸੀਬਤ ਦੀ ਜੜ੍ਹ ਹੈ। ਚੈਕਅੱਪ ਅਤੇ ਕੈਂਸਰ ਸਕਰੀਨਿੰਗ ਟੈਸਟ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਵਾਓ। ਡਰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਬਿਮਾਰੀ ਨੂੰ ਵਧਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਡਰ ਨੂੰ ਛੱਡੋ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਲਵੋ।

•98152-00134

ਜੀਵਨਸ਼ੈਲੀ 'ਚ ਲਿਆਓ ਤਬਦੀਲੀ

ਪ੍ਰਿਵੈਂਟਿਵ ਹੈਲਥ-ਕੇਅਰ ਮਾਹਰਾਂ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਿਚ ਪੁਰਸ਼ਾਂ 'ਚ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦਾ ਰੋਗ-ਨਿਦਾਨ ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਤੁਲਨਾ 'ਚ ਵਿਕਸਿਤ ਪੱਧਰ ਉੱਤੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮੋਟਾਪਾ ਅਤੇ ਹਾਈ ਬਲੱਡ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੇ ਵੱਡੇ ਖ਼ਤਰੇ ਹਨ। ਆਪਣੀ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲੀ ਲਿਆ ਕੇ ਇਸ ਖ਼ਤਰੇ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਦੌਰ ਵਿਚ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਚੱਲ ਜਾਣਾ ਅਤੇ ਫ਼ੌਰੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਇਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਕਰਵਾਉਣਾ ਹੀ ਪੁਰਖ ਬ੍ਰੈਸਟ ਕੈਂਸਰ ਦੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਰਣਨੀਤੀ ਹੈ।



ਗਰਦਨ ਦੇ ਦਰਦ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰੇ ਇਹ ਤੇਲ

ਗਰਦਨ ਸਰੀਰ ਦਾ ਬਹੁਤ ਹੀ ਕੋਮਲ ਭਾਗ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਲਗਾਤਾਰ ਝੁਕ ਕੇ ਕੰਮ ਕਰਨਾ, ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਤਕ ਇਕ ਹੀ ਸਥਿਤੀ 'ਚ ਬੈਠੇ ਰਹਿਣਾ, ਕੰਪਿਊਟਰ 'ਤੇ ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਤਕ ਕੰਮ ਕਰਨਾ, ਸਿਰ੍ਹਾਣਾ ਲੈ ਕੇ ਸੌਣਾ ਆਦਿ ਦੇ ਕਾਰਨ ਗਰਦਨ ਦਰਦ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।



ਜੈਤੂਨ ਦਾ ਤੇਲ

ਇਹ ਤੇਲ ਬਹੁਤ ਹੀ ਗੁਣਕਾਰੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਦਰਦ ਨੂੰ ਘਰ ਬੈਠੇ ਠੀਕ ਕਰਨ ਲਈ ਇਹ ਲਾਭਕਾਰੀ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਦੋ ਵਾਰ ਗਰਦਨ ਦੀ ਮਸਾਜ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

ਨਮਕ

ਨਮਕ 'ਚ ਮੈਗਿਨਸ਼ਿਅਮ ਸਲਫੇਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਨੈਚੁਰਲ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਦਰਦ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਇਕ ਕਟੋਰੀ 'ਚ ਜੈਤੂਨ ਦਾ ਤੇਲ ਤੇ ਨਮਕ ਪਾ ਕੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾ ਲਵੋ ਇਸ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰ ਕੇ ਸਾਇਡ ਤੇ ਰੱਖ ਦਿਓ। ਇਸ ਨਾਲ ਤੇਲ ਦਾ ਰੰਗ ਹਲਕਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਤੇਲ ਨੂੰ 2-3 ਮਿੰਟ ਗਰਦਨ ਦੀ ਮਸਾਜ ਕਰੋ। ਇਸ ਨਾਲ ਗਰਦਨ ਨੂੰ ਰਾਹਤ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ।

• ਫੀਚਰ ਡੈਸਕ

ਰਾਜਮਾਹ ਸਿਹਤ ਲਈ ਗੁਣਕਾਰੀ

ਰਾਜਮਾਹ ਜਿੰਨੇ ਖਾਣ 'ਚੇ ਸੁਆਦ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹੇ ਹੀ ਸਾਡੀ ਸਿਹਤ ਲਈ ਲਾਭਕਾਰੀ ਹੈ। ਇਸ 'ਚ ਆਇਰਨ, ਮੈਗਨਿਸ਼ਿਅਮ ਤੇ ਫਾਇਬਰ ਕਾਫ਼ੀ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜੋ ਸਾਡੇ ਬਲੱਡ ਪ੍ਰੈਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕੰਟ੍ਰੋਲ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਰਾਜਮਾਹ ਖਾਣ ਨਾਲ ਕਈ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਬਚਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਰਾਜਮਾਹ 'ਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਪ੍ਰੋਟੀਨ, ਫਾਇਬਰ, ਵਿਟਾਮਿਨ ਤੇ ਆਇਰਨ ਆਦਿ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤ ਮਿਲੇ ਹੋਏ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਇਮਿਊਨ ਸਿਸਟਮ ਵਧਣਾ

ਰਾਜਮਾਹ 'ਚ ਸਿਰਫ਼ ਫਾਇਬਰ ਤੇ ਪ੍ਰੋਟੀਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਬਲਕਿ ਕਾਫ਼ੀ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਐਂਟੀਔਕਸੀਡੈਂਟ੍ਰਸ ਵੀ ਪਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਐਂਟੀਔਕਸੀਡੈਂਟ੍ਰਸ ਇਮਿਊਨ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਵਧਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਫ੍ਰੀ ਰੇਡਿਕਲਸ ਨਾਲ ਇਸ ਨੂੰ ਮੁਕਤ ਰੱਖਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਐਂਟੀਔਕਸੀਡੈਂਟ੍ਰਸ 'ਚ ਐਂਟੀ-ਐਜਿੰਗ ਤੱਤ ਵੀ ਪਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।



ਕੋਲੈਸਟ੍ਰੋਲ ਲੈਵਲ ਘੱਟ ਕਰੇ

ਰਾਜਮਾਹ 'ਚ ਕਾਫ਼ੀ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਫਾਇਬਰ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਕੋਲੈਸਟ੍ਰੋਲ ਲੈਵਲ ਘੱਟ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਕਬਜ਼ ਤੋਂ ਮੁਕਤ

ਜੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਬਜ਼ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀ ਰਾਜਮਾਹ ਦਾ ਸੇਵਨ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ। ਵੈਸੇ ਤਾਂ ਲੋਕ ਇਸ ਨੂੰ ਸਬਜ਼ੀ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਖਾਂਦੇ ਹਨ ਪਰ ਤੁਸੀ ਇਸ ਨੂੰ ਉਬਾਲ ਕੇ ਸੁਆਦ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਵੀ ਖਾਂ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਇਹ ਕਬਜ਼ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਆਕਸੀਜਨ ਦੀ ਸਰਕੁਲੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵਧਾਏ

ਆਇਰਨ 'ਚ ਉਚਿੱਤ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਆਇਰਨ ਮੌਜੂਦ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਕਰ ਕੇ ਇਹ ਤਾਕਤ ਦੇਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ ਸਰੀਰ 'ਚ ਮੋਟਾਬਾਲਿਜ਼ਮ ਤੇ ਊਰਜਾ ਦੇ ਲਈ ਆਇਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਜੋ ਰਾਜਮਾਹ ਖਾਣ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸਰੀਰ 'ਚ ਆਕਸੀਜਨ ਦੇ ਸਰਕੁਲੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵਧਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਵਿਟਾਮਿਨ

ਰਾਜਮਾਹ 'ਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਵਿਟਾਮਿਨ ਪਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜੋ ਸਿਹਤ ਲਈ ਬਹੁਤ ਹੀ ਲਾਭਕਾਰੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਿਮਾਰੀਆਂ 'ਚ ਕੰਮ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ

ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਲੋਕ ਚਿਹਰੇ ਤੇ ਬਾਲ 'ਤੇ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਗੁਣਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ 'ਚ ਸ਼ਾਇਦ ਹੀ ਕੋਈ ਜਾਣਦਾ ਹੋਣਗਾ। ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ ਸਾਨੂੰ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਬਚਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਭੁੱਖ 'ਤੇ ਕੰਟਰੋਲ

ਜੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਭੁੱਖ ਲੱਗਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ ਦਾ ਸੇਵਨ ਕਰੋ। ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ 'ਚ ਕੈਲੋਰੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਕਾਫ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜੋ ਭੁੱਖ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਡਾਇਬਟੀਜ਼

ਡਾਇਬਟੀਜ਼ 'ਚ ਮਰੀਜ਼ ਦੇ ਲਈ ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ ਬਹੁਤ ਹੀ ਵਧੀਆ ਹੈ।

ਜੋੜਾਂ ਦਾ ਦਰਦ

ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ 'ਚ ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜੋ ਹੱਡੀਆਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਤੱਤ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਜੋੜਾਂ ਦੇ ਦਰਦ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।



ਤਣਾਅ ਦੂਰ

ਤਣਾਅ ਅੱਜਕਲ੍ਹ ਹਰ ਇਕ ਵਿਅਕਤੀ ਦੀ ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਬਣ ਚੁੱਕਾ ਹੈ। ਜੇ ਤੁਸੀ ਵੀ ਇਸ ਪਰੇਸ਼ਾਨੀ ਤੋਂ ਦੁੱਖੀ ਹੋ ਤਾਂ ਮੱਥੇ 'ਤੇ ਹਲਕੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ ਦੀ ਮਾਲਿਸ਼ ਕਰੋ। ਇਸ ਨਾਲ ਦਰਦ ਤੇ ਤਣਾਅ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

ਦਾਗ਼

ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ 'ਚ ਐਂਟੀ-ਵਾਇਰਸ ਗੁਣ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਦਾਗ਼ਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਵਜ਼ਨ ਘੱਟਣਾ

ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ 'ਚ ਫੈਟ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਘੱਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਨਾਰੀਅਲ ਤੇਲ ਨੂੰ ਭੋਜਨ'ਚ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ ਸਿਹਤ ਲਈ ਬਹੁਤ ਵਧੀਆ ਹੈ।

ਇਮਲੀ ਦੇ ਫ਼ਾਇਦੇ ਜਾਣ ਕੇ ਰਹਿ ਜਾਉਗੇ ਹੈਰਾਨ

ਇਮਲੀ ਸਿਰਫ਼ ਖਾਣਾ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕੰਮ ਆਉਂਦੀ ਸਗੋਂ ਸਿਹਤ ਲਈ ਵੀ ਬਹੁਤ ਹੀ ਲਾਭਕਾਰੀ ਹੈ। ਇਸ 'ਚ ਮੌਜੂਦ ਆਇਰਨ, ਫਾਇਬਰ, ਮੈਗਨੀਜ, ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਆਦਿ ਨਾਲ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਦੂਰ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਆਓ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਰੋਜ਼ ਇਮਲੀ ਦਾ ਸੇਵਨ ਕਰਨ ਨਾਲ ਕੀ-ਕੀ ਫ਼ਾਇਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ।

ਕੈਂਸਰ

ਕੁੱਝ ਦੇਰ ਲਈ ਇਮਲੀ ਨੂੰ ਪਾਣੀ 'ਚ ਡੋਬ ਕੇ ਰੱਖੋ ਤੇ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਇਸ ਦਾ ਸੇਵਨ ਕਰੋ। ਇਸ 'ਚ ਐਂਟੀਔਕਸੀਡੇਂਟ ਤੇ ਐਸਿਡ ਭਰਪੂਰ ਮਾਤਰਾ 'ਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਨਾਲ ਸਰੀਰ 'ਚ ਕੈਂਸਰ ਸੈਲਸ ਵੱਧ ਨਹੀਂ ਪਾਉਂਦੇ ਜਿਸ ਕਰ ਕੇ ਕੈਂਸਰ ਵਰਗੀਆਂ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਬਚਿਆ ਦਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਬੁਖ਼ਾਰ 'ਚ ਅਸਰਦਾਰ

ਬੁਖ਼ਾਰ 'ਚ 15 ਗ੍ਰਾਮ ਇਮਲੀ ਦੇ ਫਲ ਦਾ ਰਸ ਪੀਣ ਨਾਲ ਬੁਖ਼ਾਰ ਜਲਦੀ ਠੀਕ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਇਸ 'ਚ ਮੌਜੂਦ ਵਿਟਾਮਿਨ ਈ, ਸੀ ਇਮਿਊਨ ਸਿਸਟਮ ਠੀਕ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਪੇਟ ਨਾਲ ਜੁੜੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਵੀ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।



ਗਲੇ 'ਚ ਖ਼ਾਰਿਸ਼

ਇਮਲੀ ਦੀਆਂ ਪੱਤੀਆਂ ਦਾ ਰਸ ਕੱਢ ਕੇ ਪੀਣ ਨਾਲ ਗਲੇ ਦੀ ਖ਼ਾਰਿਸ਼ ਨੂੰ ਆਰਾਮ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇਮਲੀ ਤੇ ਸਾਬਤ ਹਲਦੀ ਨੂੰ ਪਾਣੀ 'ਚ ਡੱਬੋ ਕੇ ਇਸ ਦਾ ਪੇਸਟ ਬਣਾ ਲਓ ਤੇ ਚਿਹਰੇ 'ਤੇ ਲਗਾਉਣ ਨਾਲ ਰੰਗ ਸਾਫ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਮੋਟਾਪੇ ਤੋਂ ਛੁਟਕਾਰਾ

ਹਰ ਰੋਜ਼ ਇਮਲੀ ਖਾਣ ਨਾਲ ਮੋਟਾਪਾ ਦੂਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ 'ਚ ਮੌਜੂਦ ਹਾਈਡ੍ਰੋਸਿਟ੍ਰਿਕ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਫੈਟ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਦਾ ਹੈ। •

ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਬਾਰੇ ਕੁੱਝ ਅਹਿਮ ਤੱਥ

ਡਾ. ਅਮਰੀਕ ਸਿੰਘ ਕੰਡਾ

ਸੰਸਾਰ ਵਿਚ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਨਾਂ ਦੀ ਬਿਮਾਰੀ ਦੀ ਦਹਿਸ਼ਤ ਨੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਘਰ-ਪਰਿਵਾਰ ਤਬਾਹ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹੋ ਰਹੇ ਨੇ। ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਆਪਣੇ ਆਪ 'ਚ ਇਕ ਸੱਪ ਵਾਂਗ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ ਸੱਪ ਦੀ ਦਹਿਸ਼ਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਸੱਪਾਂ ਦੀਆਂ 530 ਪ੍ਰਜਾਤੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਨਾਲ ਚਾਰ-ਪੰਜ ਸੱਪ ਹੀ ਜ਼ਹਿਰੀਲੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਡਾਕਟਰਾਂ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਭੀੜ-ਭਾੜ ਅਤੇ ਅਜਿਹੀਆਂ ਬੰਦ ਥਾਵਾਂ, ਜਿੱਥੇ ਸਾਫ਼ ਹਵਾ ਦਾ ਆਵਾਗਮਨ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਉੱਥੇ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ (ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1) ਦੇ ਵਾਇਰਸ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਣ ਦਾ ਅਤੇ ਇਸ ਰੋਗ ਦੇ ਇਕ ਤੋਂ ਦੂਸਰੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਹੋਣ ਦਾ ਖ਼ਤਰਾ ਵਧੇਰੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਕੀ ਹੈ ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1?

ਐੱਚ-1 ਵਾਇਰਸ ਸਾਡੇ ਸਰੀਰ 'ਚ ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ, ਨੱਕ ਰਾਹੀਂ ਅਤੇ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਰੀਰ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਲੱਡ ਸੈੱਲ 'ਚ ਜਾ ਕੇ ਇਕ ਹੋਰ ਸੈੱਲ ਤਿਆਰ ਕਰ ਲੈਂਦਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਕਾਪੀ ਪੇਸਟ ਵਰਗੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਰਾਹੀ ਆਪਣੀ ਸੰਖਿਆ ਨੂੰ ਵੱਧਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਹ ਆਪਣੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਸਰੀਰ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਐੱਨ-1 ਆਖਦੇ ਹਨ।

ਕੀ ਹੈ ਫਲੂ?

ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਦੇ ਵਾਇਰਸ ਦਾ ਨਾਂ ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1 ਹੈ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਵੀ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵਾਇਰਸ ਸਾਡੇ ਸਰੀਰ 'ਚ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਫੈਲਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਐੱਚ-1 ਆਖਦੇ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਇਹ ਵਾਇਰਸ ਸਰੀਰ 'ਚ ਫੈਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ ਦਿਮਾਗ਼ ਤਕ ਪਹੁੰਚਣ ਲੱਗਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਦਿਮਾਗ਼ ਸਰੀਰ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਨੂੰ ਵਧਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਬੁਖ਼ਾਰ ਆਖਦੇ ਹਾਂ। ਬੁਖ਼ਾਰ ਜਾਂ ਸਰੀਰ 'ਚ ਪੈਦਾ ਹੋਈ ਇਸ ਗਰਮੀ ਨਾਲ ਹਰ ਵਾਇਰਸ ਮਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਕਮਜ਼ੋਰ ਅੰਗ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਬੁਖ਼ਾਰ ਕੀ ਹੈ?

ਬੁਖ਼ਾਰ ਸਾਡੇ ਸਰੀਰ ਦੀ ਮੇਨ ਡੋਰ ਬੈੱਲ ਜਾਂ ਘੰਟੀ ਆਖ ਸਕਦੇ ਹਾਂ। ਬੁਖ਼ਾਰ ਸਾਨੂੰ ਸੁਚੇਤ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਵਾਇਰਸ ਸਾਡੇ ਸਰੀਰ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਘੁਸਪੈਠ ਕਰ ਚੁੱਕਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੁਖ਼ਾਰ ਆਪਣੇ ਆਪ ਵਿਚ ਕੋਈ ਬਿਮਾਰੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਇਕ ਅਲਾਮਤ ਹੈ। ਬੁਖ਼ਾਰ ਚੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਕੇਵਲ ਬੰਦੇ ਦੇ ਦਿਮਾਗ਼ ਕੋਲ ਹੈ। ਬੁਖ਼ਾਰ ਹੋਣ ਤੇ ਘਬਰਾਉਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ।



ਟੈਸਟ

ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1 ਜਾਂ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਦੇ ਟੈਸਟ ਦਾ ਨਾਂ 'ਪੀਸੀਆਰ ਟੈਸਟ' ਹੈ। ਇਹ ਪੌਲੀਮਰਸੀ ਚੇਨ ਰਿਐਕਸ਼ਨ ਹੈ। ਇਹ ਟੈਸਟ ਨਾਲ ਕਦੇ ਵੀ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲੱਗ ਸਕਿਆ ਕਿ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਹੈ, ਸੋ ਇਹ ਵਾਇਰਸ ਨਹੀਂ ਲੱਭਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ।

ਡਾਕਟਰ ਇਸ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਹੋਣ ਬਾਰੇ ਅਲਾਮਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਅੰਦਾਜ਼ੇ ਨਾਲ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਹੋਣ ਬਾਰੇ ਦੱਸਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਬਿਮਾਰੀ ਹੋਣ 'ਤੇ ਖਾਣ-ਪੀਣ ਦੀਆਂ ਆਦਤਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਵੀ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਦਵਾਈ

ਟੈਮੀਫਲੂ ਨੂੰ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਦੇ ਇਲਾਜ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਸਾਰੇ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਦਵਾਈ ਕਰਦੀ ਕੀ ਹੈ? ਜਿਹੜਾ ਐੱਨ-1 ਵਾਇਰਸ ਸਾਡੇ ਸਰੀਰ 'ਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਇਹ ਦਵਾਈ ਉਸ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਆਉਣ ਦਿੰਦੀ।

ਇਸ ਵਾਇਰਸ ਦੇ ਸਰੀਰ 'ਚੋਂ ਬਾਹਰ ਨਾ ਆਉਣ ਕਾਰਨ ਮਰੀਜ਼ ਦੀ ਮੌਤ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦਵਾਈ ਦਾ ਫ਼ਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਨੁਕਸਾਨ ਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਦਵਾਈ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਜੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਉਲਟੀਆਂ-ਟੱਟੀਆਂ ਜਾਂ ਬੁਖ਼ਾਰ ਹੈ ਤਾਂ ਘਬਰਾਉਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ।

ਕੀ ਹੈ ਲਿਟਰੋਜੈਨਿਕ ਸਾਈਡ ਮਾਸ ਮਰਡਰ?

ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਮਸ਼ਹੂਰ ਡਾਕਟਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਡਾ. ਲਿਊਨਾਟ ਹੋਰਬਿਕਸ ਨੇ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਹੈਰਾਨੀ ਹੋਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮਾਸ ਮਰਡਰ ਵੈਕਸੀਨੇਸ਼ਨ ਬਹੁਤ ਹੀ ਹਾਰਮਫੁੱਲ ਹੈ। ਇਹ ਵਰਲਡ ਮਾਫ਼ੀਆ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਟਾਰਗੇਟ ਹੈ ਕਿ ਦੁਨੀਆ ਦੀ 15 ਫ਼ੀਸਦੀ ਆਬਾਦੀ ਘੱਟ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਜਿਹੜੇ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1 ਕਾਰਨ ਮਰੀਜ਼ ਮਰਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਪੈਸੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ। ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ, ਮਰੀਜ਼ ਕਿਸੇ ਵੀ ਬਿਮਾਰੀ ਨਾਲ ਮਰਿਆ ਹੋਵੇ, ਜੇ ਉਸ ਹਸਪਤਾਲ ਦਾ ਡਾਕਟਰ ਇਹ ਕਹਿ ਦੇਵੇ ਕਿ ਮਰੀਜ਼ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਨਾਲ ਮਰਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਦੇ ਵੀ ਪੈਸੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ।

ਡਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ

ਵਿਸ਼ਵ ਪੱਧਰੀ ਇਕ ਵਿਚ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਮਤਲਬ ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1 ਨੂੰ ਇਕ ਫਰਾਡ ਜਾਂ ਧੋਖਾ ਆਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ ਆਪਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ੁਕਾਮ ਦਾ ਵਾਇਰਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1 ਵੀ ਉਸ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੀ ਹੈ। ਜਿੰਨੀ ਕੁ ਮੌਤ ਜ਼ੁਕਾਮ ਨਾਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਉਨੀ ਕੁ ਐੱਚ-1, ਐੱਨ-1 ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਨਾਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਤੋਂ ਡਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ। ਮੌਤ ਸਵਾਈਨ ਫਲੂ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਜਦੋਂ ਸਾਨੂੰ ਬੁਖ਼ਾਰ ਜਾਂ ਉਲਟੀਆਂ ਲੱਗਦੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਘਬਰਾ ਕੇ ਡਾਕਟਰ ਕੋਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਵੀ ਟੈਸਟ ਕਰ ਕੇ ਅੰਦਾਜ਼ੇ ਨਾਲ ਵੱਡੇ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਭੇਜ ਦਿੰਦੇ ਹਨ।

ਸਰੀਰ ਨੂੰ ਅਲਕਲਾਈਨ ਜ਼ਹਿਰ ਮੁਕਤ ਕਿਵੇਂ ਕਰੀਏ?

ਆਪਣੇ ਸਰੀਰ ਨੂੰ ਅਲਕਲਾਈਨ ਜ਼ਹਿਰ ਮੁਕਤ ਕਰਨ ਲਈ ਹਰ ਰੋਜ਼ 35 ਫ਼ੀਸਦੀ ਫਲ, 50 ਫ਼ੀਸਦੀ ਕੱਚੀਆਂ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਤੇ ਮਿਕਸ ਫਰੂਟ, ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਕਦਮ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਚੱਲਣਾ ਤੇ ਸੂਰਜ ਦੀ ਰੌਸ਼ਨੀ 'ਚ ਤਿੰਨ ਤੋਂ ਚਾਰ ਘੰਟੇ ਰਹਿਣ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਸਰੀਰ ਨੂੰ ਜ਼ਹਿਰ-ਮੁਕਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

• 98557-35666

ਅੰਬਾਲਾ ਵਿੱਚ ਪਹਿਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੇ ਸ਼ਹੀਦੀ ਸਮਾਰਕ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਇਤਿਹਾਸਕ ਪਲ, ਇਹ ਸਮਾਰਕ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਵਿੱਚ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਗਤੀ ਦੀ ਅਲਖ ਜਗਾਏਗਾ : ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ



ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੰਬਾਲਾ ਦੀ ਇਤਿਹਾਸਕ ਧਰਤੀ 'ਤੇ ਪਹਿਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੇ ਸ਼ਹੀਦੀ ਸਮਾਰਕ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਗੌਰਵਮਈ ਅਤੇ ਅਭੁੱਲ ਪਲ ਹੈ। ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਵੱਲੋਂ ਇਸ ਸਮਾਰਕ ਨੂੰ ਰਾਸ਼ਟਰ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਕਰਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਨ ਬਲੀਦਾਨੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਸੱਚੀ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਲਈ ਆਪਣਾ ਸਭ ਕੁਝ ਨਿਛਾਵਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਹ ਸਮਾਰਕ ਨਾ ਸਿਰਫ਼ 1857 ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ ਅਤੇ ਵੀਰ ਬਲੀਦਾਨੀਆਂ ਦੇ ਅਦੁੱਤੀ ਸਾਹਸ ਦਾ ਗਵਾਹ ਬਣੇਗਾ, ਸਗੋਂ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਵਿੱਚ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਗਤੀ, ਤਿਆਗ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਪ੍ਰੇਮ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਵੀ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰੇਗਾ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਵੀਰਵਾਰ ਨੂੰ ਅੰਬਾਲਾ ਵਿੱਚ ਆਯੋਜਿਤ ਪਹਿਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ (1857) ਦੇ ਸ਼ਹੀਦੀ ਸਮਾਰਕ ਦੇ ਉਦਘਾਟਨ ਸਮਾਰੋਹ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਿਤ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਨੇ ਸਮਾਰਕ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕਰਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਕੇਂਦਰੀ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ, ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਅਨਿਲ ਵਿਜ, ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਕੇਂਦਰੀ ਇੰਚਾਰਜ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਸਮ੍ਰਿਤੀ ਇਰਾਨੀ ਅਤੇ ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਡਾ. ਅਰਚਨਾ ਗੁਪਤਾ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਦੀ ਏਕਤਾ, ਅਖੰਡਤਾ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਲਈ ਆਪਣਾ ਜੀਵਨ ਸਮਰਪਿਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦਾ ਮਾਂ ਅੰਬਾ ਦੀ ਪਾਵਨ ਧਰਤੀ 'ਤੇ ਤਿੰਨ ਕਰੋੜ ਹਰਿਆਣਵੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ 1857 ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੇ ਸ਼ਹੀਦੀ ਸਮਾਰਕ ਅਤੇ ਨੈਸ਼ਨਲ ਹਾਈਵੇਅ 152ਜੀ ਦੇ ਜਲਬੇੜਾ-ਸ਼ਾਹਾਬਾਦ ਸੈਕਸ਼ਨ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕਰਕੇ ਸੂਬਾ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ ਅੰਬਾਲਾ ਦੀ ਧਰਤੀ 'ਤੇ ਇਤਿਹਾਸ, ਸ਼ੌਰਿਆ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਮਾਣ ਦਾ ਇੱਕ ਨਵਾਂ ਅਧਿਆਏ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਲਈ ਇਹ ਬਹੁਤ ਮਾਣ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅਧਿਆਏ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਯਸ਼ਸਵੀ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੇ ਕਰ-ਕਮਲਾਂ ਨਾਲ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਪਹਿਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੇ ਸ਼ਹੀਦੀ ਸਮਾਰਕ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕਰਕੇ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਨ ਬਲੀਦਾਨੀਆਂ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਵੱਲੋਂ ਨਮਨ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਭਾਰਤ ਮਾਤਾ ਦੀ ਗੁਲਾਮੀ ਦੀਆਂ ਜ਼ੰਜੀਰਾਂ ਕੱਟਣ ਲਈ ਆਪਣਾ ਸਭ ਕੁਝ ਨਿਛਾਵਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਲਈ ਆਪਣਾ ਅੱਜ ਕੁਰਬਾਨ ਕਰ ਦਿੱਤਾ, ਤਾਂ ਜੋ ਅਸੀਂ ਆਜ਼ਾਦ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਆਪਣਾ ਕੱਲ੍ਹ ਸੰਵਾਰ ਸਕੀਏ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਤਿਹਾਸ ਦੇ ਪੰਨਿਆਂ ਅਤੇ ਲੋਕ ਮਨਾਂ ਵਿੱਚ ਅਕਸਰ ਇਹ ਧਾਰਨਾ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਹਾਨ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ 10 ਮਈ, 1857 ਨੂੰ ਮੇਰਠ ਤੋਂ ਹੋਈ ਸੀ। ਪਰ ਪਹਿਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਅਸਲ ਵਿੱਚ ਅੰਬਾਲਾ ਵਿੱਚ ਭੜਕੀ ਸੀ, ਮੇਰਠ ਤੋਂ ਪੂਰੇ ਨੌਂ ਘੰਟੇ ਪਹਿਲਾਂ। ਇੱਥੋਂ ਹੀ ਉਸ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੀ ਨੀਂਹ ਰੱਖੀ ਗਈ, ਜਿਸ ਨੇ ਆਖਰਕਾਰ ਪੂਰੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਇਕਜੁੱਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਲੜਾਈ ਨੇ ਭਾਰਤੀ ਮਾਨਸਿਕਤਾ ਵਿੱਚ ਰਾਸ਼ਟਰਵਾਦ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਭਗਤੀ ਦੀ ਅਜਿਹੀ ਭਾਵਨਾ ਜਗਾਈ, ਜੋ ਅੱਗੇ ਚੱਲ ਕੇ ਪੂਰੇ ਆਜ਼ਾਦੀ ਅੰਦੋਲਨ ਦੀ ਨੀਂਹ ਬਣੀ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਪੂਰਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਮਾਰਕ ਸਿਰਫ਼ ਇੱਟਾਂ-ਪੱਥਰਾਂ ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਬਣ ਕੇ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗਾ। ਇਹ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਗਤੀ ਦਾ ਤੀਰਥ ਬਣੇਗਾ। ਇੱਥੇ ਆਉਣ ਵਾਲਾ ਹਰ ਨੌਜਵਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੀਰਾਂ ਦੇ ਤਿਆਗ ਅਤੇ ਸਾਹਸ ਨੂੰ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰੇਗਾ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪ੍ਰੇਮ ਦਾ ਸੰਕਲਪ ਲੈ ਕੇ ਵਾਪਸ ਪਰਤੇਗਾ। ਇਹ ਸਮਾਰਕ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਨੂੰ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਰਹੇਗਾ ਕਿ ਆਜ਼ਾਦੀ ਸਾਨੂੰ ਵਿਰਾਸਤ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ, ਸਗੋਂ ਇਹ ਸਾਡੇ ਵੀਰਾਂ ਦੇ ਬਲੀਦਾਨਾਂ ਨਾਲ ਹਾਸਲ ਹੋਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦਾ ਜੀਵਨ ਰਾਸ਼ਟਰ ਸੇਵਾ, ਸੰਗਠਨ ਪ੍ਰਤੀ ਸਮਰਪਣ, ਅਦਭੁੱਤ ਕਾਰਜਕੁਸ਼ਲਤਾ ਅਤੇ ਦ੍ਰਿੜ੍ਹ ਸੰਕਲਪ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾਦਾਇਕ ਮਿਸਾਲ ਹੈ। ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਅਖਿਲ ਭਾਰਤੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਪਰਿਸ਼ਦ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਇਆ ਤੁਹਾਡਾ ਸਫ਼ਰ ਤੁਹਾਡੀ ਸਖ਼ਤ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਬਲ 'ਤੇ ਸੰਗਠਨ ਦੀ ਸਿਖਰਲੀ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੈ। ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਵਜੋਂ ਤੁਸੀਂ ਸੰਗਠਨ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਕੋਨੇ-ਕੋਨੇ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਾਇਆ ਅਤੇ ਅੱਜ ਭਾਜਪਾ ਦੁਨੀਆ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਸਿਆਸੀ ਪਾਰਟੀ ਬਣ ਗਈ ਹੈ। ਟੀਚੇ ਪ੍ਰਤੀ ਅਟੁੱਟ ਵਚਨਬੱਧਤਾ, ਫੈਸਲੇ ਲੈਣ ਦਾ ਸਾਹਸ ਅਤੇ ਨਤੀਜੇ ਮਿਲਣ ਤੱਕ ਨਿਰੰਤਰ ਯਤਨ, ਇਹੀ ਤੁਹਾਡੀ ਪਛਾਣ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਜੀ ਵਿੱਚ ਸਾਨੂੰ ਲੋਹ ਪੁਰਸ਼ ਸਰਦਾਰ ਵੱਲਭਭਾਈ ਪਟੇਲ ਜੀ ਦਾ ਦ੍ਰਿੜ੍ਹ ਸੰਕਲਪ ਦਿਖਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਤੁਹਾਡੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ ਆਪਣੀ ਸ਼ਾਨਾਮੱਤੀ ਵਿਰਾਸਤ, ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ ਨੂੰ ਮੁੜ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਕੰਮ ਦਹਾਕਿਆਂ ਤੱਕ ਅਸੰਭਵ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਸਨ, ਉਹ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਅਤੇ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਵਜੋਂ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦੇ ਕਾਰਜਕਾਲ ਦੌਰਾਨ ਸੰਭਵ ਹੋਏ। ਧਾਰਾ 370 ਅਤੇ 35ਏ ਹਟਣਗੀਆਂ, ਇਹ ਕਿਸ ਨੇ ਸੋਚਿਆ ਸੀ? ਅੱਜ ਉਹ ਇਤਿਹਾਸ ਬਣ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ! ਜੰਮੂ-ਕਸ਼ਮੀਰ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਵਿਧਾਨ, ਇੱਕ ਨਿਸ਼ਾਨ ਅਤੇ ਇੱਕ ਪ੍ਰਧਾਨ ਦਾ ਸੰਕਲਪ ਸਾਕਾਰ ਹੋਵੇਗਾ, ਇਹ ਕਿਸ ਨੇ ਸੋਚਿਆ ਸੀ? ਅੱਜ ਇਹ ਹਕੀਕਤ ਹੈ! ਨਾਗਰਿਕਤਾ ਸੋਧ ਕਾਨੂੰਨ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇਗਾ, ਇਹ ਕਿਸ ਨੇ ਸੋਚਿਆ ਸੀ? ਅੱਜ ਇਹ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਇਆ ਹੈ! ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਵੱਲੋਂ ਬਣਾਏ ਗਏ ਅਪਰਾਧਿਕ ਕਾਨੂੰਨਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਭਾਰਤੀ ਨਿਆਂ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ 'ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਤਿੰਨ ਨਵੇਂ ਅਪਰਾਧਿਕ ਕਾਨੂੰਨ ਆਉਣਗੇ, ਇਹ ਕਿਸ ਨੇ ਸੋਚਿਆ ਸੀ? ਅੱਜ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਨਵੀਂ ਨਿਆਂ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਲਾਗੂ ਹੈ!

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰਾਲੇ ਰਾਹੀਂ ਤੁਸੀਂ 'ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਨਾਲ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ' ਦੇ ਸੰਕਲਪ ਨੂੰ ਨਵੀਂ ਦਿਸ਼ਾ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਤੁਹਾਡੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਅੰਦਰੂਨੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੋਈ ਹੈ, ਸਰਹੱਦਾਂ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਖੱਬੇ ਪੱਖੀ ਉਗਰਵਾਦ ਵਰਗੀ ਚੁਣੌਤੀ 'ਤੇ ਨਿਰਣਾਇਕ ਸਫਲਤਾ ਮਿਲੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦਾ ਹਰਿਆਣਾ ਦੀ ਧਰਤੀ ਨਾਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਆਤਮਿਕ ਸਬੰਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੀ ਕੁਸ਼ਲ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਹਰਿਆਣਾ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੇ ਭਾਜਪਾ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਲਗਾਤਾਰ ਤੀਜੀ ਵਾਰ ਆਸ਼ੀਰਵਾਦ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਤੁਹਾਡੇ ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਕੇਂਦਰ ਅਤੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਡਬਲ ਇੰਜਣ ਸਰਕਾਰ ਵਿਕਾਸ, ਸੁਸ਼ਾਸਨ, ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਗਰੀਬ ਕਲਿਆਣ ਦੇ ਸੰਕਲਪ ਨੂੰ ਲਗਾਤਾਰ ਅੱਗੇ ਵਧਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਚਾਰ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹਰਿਆਣਾ ਨੇ ਆਪਣੀ ਹੀਰਕ ਜਯੰਤੀ ਮਨਾਈ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ 60 ਸਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਹਰਿਆਣਾ ਨੇ ਲੰਮਾ ਸਫ਼ਰ ਤੈਅ ਕੀਤਾ ਹੈ: ਸੰਘਰਸ਼ ਤੋਂ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਤੱਕ, ਸੰਭਾਵਨਾਵਾਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤੀਆਂ ਤੱਕ ਅਤੇ ਇੱਕ ਖੇਤੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸੂਬੇ ਤੋਂ ਆਧੁਨਿਕ ਉਦਯੋਗਿਕ ਅਤੇ ਆਰਥਿਕ ਸ਼ਕਤੀ ਬਣਨ ਤੱਕ। ਖ਼ਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਪਿਛਲੇ 12 ਸਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਸੁਸ਼ਾਸਨ, ਪਾਰਦਰਸ਼ਤਾ ਅਤੇ ਅੰਤੋਦਿਆ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਨੇ ਇਸ ਵਿਕਾਸ ਯਾਤਰਾ ਨੂੰ ਨਵੀਂ ਰਫ਼ਤਾਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਿਛਲੀਆਂ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਚੋਣਾਂ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਸੰਕਲਪ ਪੱਤਰ ਰਾਹੀਂ ਜਨਤਾ ਨਾਲ 217 ਵਾਅਦੇ ਕੀਤੇ ਸਨ। ਸਿਰਫ਼ 2 ਸਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 76 ਸੰਕਲਪ ਪੂਰੇ ਹੋ ਚੁੱਕੇ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ 141 'ਤੇ ਪੂਰੀ ਨਿਸ਼ਠਾ ਨਾਲ ਕੰਮ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਵਾਅਦੇ ਗਿਣਾਉਂਦੇ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਕੇ ਦਿਖਾਉਂਦੇ ਹਾਂ। ਜਿੱਥੇ ਨਵਾਂ ਰਾਹ ਬਣਦਾ ਹੈ, ਉੱਥੇ ਪਹਿਲਾ ਕਦਮ ਹਰਿਆਣਾ ਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਤਿੰਨ ਨਵੇਂ ਅਪਰਾਧਿਕ ਕਾਨੂੰਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਸੂਬਾ ਹਰਿਆਣਾ ਹੈ। ਸਾਰੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਐੱਮਐੱਸਪੀ 'ਤੇ ਖਰੀਦਣ ਵਾਲਾ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਇਕਲੌਤਾ ਸੂਬਾ ਹਰਿਆਣਾ ਹੈ। ਸ਼ਹੀਦ ਸੈਨਿਕਾਂ ਅਤੇ ਅਗਨੀਵੀਰਾਂ ਨੂੰ 1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਅਨੁਗ੍ਰਹਿ ਰਾਸ਼ੀ ਦੇਣ ਵਾਲਾ ਪਹਿਲਾ ਸੂਬਾ ਹਰਿਆਣਾ ਹੈ। ਆਜ਼ਾਦੀ ਘੁਲਾਟੀਆਂ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ, 40 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾਵਾਰ ਪੈਨਸ਼ਨ ਹਰਿਆਣਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਲਾਲ ਡੋਰਾ ਮੁਕਤ ਪਿੰਡਾਂ, ਪਰਿਵਾਰ ਪਛਾਣ ਪੱਤਰ ਅਤੇ ਪੇਪਰਲੈੱਸ ਰਜਿਸਟਰੀ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਵੀ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹਰਿਆਣਾ ਨੇ ਕੀਤੀ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਸਰਕਾਰ ਹਰ ਕਦਮ 'ਤੇ ਧੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਖੜ੍ਹੀ ਹੈ। 'ਬੇਟੀ ਬਚਾਓ-ਬੇਟੀ ਪੜ੍ਹਾਓ' ਮੁਹਿੰਮ ਨਾਲ ਲਿੰਗ ਅਨੁਪਾਤ ਵਧ ਕੇ 900 ਤੋਂ ਪਾਰ ਪਹੁੰਚ ਗਿਆ ਹੈ। ਧੀਆਂ ਨੂੰ ਪੋਸਟ ਗ੍ਰੈਜੂਏਸ਼ਨ ਤੱਕ ਮੁਫ਼ਤ ਸਿੱਖਿਆ ਮਿਲ ਰਹੀ ਹੈ। 2 ਲੱਖ 92 ਹਜ਼ਾਰ ਭੈਣਾਂ ਲਖਪਤੀ ਦੀਦੀ ਬਣ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ। ਗੈਸ ਸਿਲੰਡਰ 500 ਰੁਪਏ ਵਿੱਚ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲਾਡੋ ਲਕਸ਼ਮੀ ਯੋਜਨਾ ਤਹਿਤ 10 ਲੱਖ ਤੋਂ ਵੱਧ ਭੈਣਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਮਹੀਨੇ 2100 ਰੁਪਏ ਮਿਲ ਰਹੇ ਹਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦੇ ਕਰ-ਕਮਲਾਂ ਨਾਲ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ 'ਵਿਜ਼ਨ 2047' ਦਾ ਵਿਮੋਚਨ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਅੱਜ ਇਸ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਕੰਮ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਾਡਾ ਟੀਚਾ ਹਰਿਆਣਾ ਨੂੰ 1 ਟ੍ਰਿਲੀਅਨ ਡਾਲਰ ਦੀ ਅਰਥਵਿਵਸਥਾ ਬਣਾਉਣਾ ਅਤੇ 50 ਲੱਖ ਨਵੇਂ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਹੈ। 'ਮੇਕ ਇਨ ਹਰਿਆਣਾ' ਉਦਯੋਗਿਕ ਨੀਤੀ-2026 ਅਤੇ ਨਵੀਂ ਐੱਮਐੱਸਐੱਮਈ ਨੀਤੀ-2026 ਇਸੇ ਰੋਡਮੈਪ ਦੀਆਂ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕੜੀਆਂ ਹਨ। ਜਿਸ ਧਰਤੀ ਨੇ ਪਹਿਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਵਿੱਚ ਆਪਣਾ ਖੂਨ ਵਹਾਇਆ ਸੀ, ਉਹੀ ਧਰਤੀ ਅੱਜ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੇ 'ਵਿਕਸਿਤ ਭਾਰਤ-2047' ਦੇ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਖੜ੍ਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਸਪੀਕਰ ਸ੍ਰੀ ਹਰਵਿੰਦਰ ਕਲਿਆਣ, ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਲਾਲ ਪੰਵਾਰ, ਸ੍ਰੀ ਮਹੀਪਾਲ ਢਾਂਡਾ, ਸ੍ਰੀ ਵਿਪੁਲ ਗੋਇਲ, ਡਾ. ਅਰਵਿੰਦ ਸ਼ਰਮਾ, ਸ੍ਰੀ ਸ਼ਿਆਮ ਸਿੰਘ ਰਾਣਾ, ਸ੍ਰੀ ਰਣਬੀਰ ਗੰਗਵਾ, ਸ੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਬੇਦੀ, ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਸ਼ਰੂਤੀ ਚੌਧਰੀ, ਸੁਸ਼੍ਰੀ ਆਰਤੀ ਰਾਓ, ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਗੌਰਵ ਗੌਤਮ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਡਾ. ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਮਿੱਢਾ ਸਮੇਤ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ, ਵਿਧਾਇਕ ਅਤੇ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

ਵਣ ਅਤੇ ਵਣਜੀਵ ਵਿਭਾਗ, ਯੂਟੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੇ ਮਾਨਵ-ਬਾਂਦਰ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਤੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ



ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਵਣ ਅਤੇ ਵਣਜੀਵ ਵਿਭਾਗ, ਯੂਟੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ ਮਾਨਵ-ਬਾਂਦਰ ਸੰਘਰਸ਼ ਅਤੇ ਬਾਂਦਰਾਂ ਨਾਲ ਉਤਪੰਨ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਸਮਾਧਾਨ ਲਈ ਬੋਟੈਨੀਕਲ ਗਾਰਡਨ, ਸਾਰੰਗਪੁਰ ਵਿਖੇ ਇੱਕ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਵਣਜੀਵ ਮਾਹਰਾਂ, ਸਰਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗਾਂ, ਅਕਾਦਮਿਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਹਿਤਧਾਰਕਾਂ ਨੇ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਰੋਕਥਾਮ, ਜਨ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਸਹਿ-ਹੋਂਦ 'ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਵਿਗਿਆਨਿਕ, ਮਾਨਵੀ ਅਤੇ ਦੀਰਘਕਾਲੀ ਸਮਾਧਾਨ ਤਲਾਸ਼ਣਾ ਸੀ।

ਵਣਪਾਲ ਅਤੇ ਮੁੱਖ ਵਣਜੀਵ ਵਾਰਡਨ ਸ਼੍ਰੀ ਅਨੂਪ ਕੁਮਾਰ ਸੋਨੀ, ਆਈਐੱਫਐੱਸ, ਅਤੇ ਉਪ ਵਣਪਾਲ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਸ਼੍ਰੀ ਸਤਯੇਂਦਰ ਮੌਰਯ, ਆਈਐੱਫਐੱਸ, ਸਹਿਤ ਸੀਨੀਅਰ ਵਣ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੇ ਵਿਚਾਰ-ਵਟਾਂਦਰੇ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਕੀਤੀ। ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਸ਼ਹਿਰੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਬਾਂਦਰਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਕੇਵਲ ਸਮੱਸਿਆ ਉਤਪੰਨ ਹੋਣ 'ਤੇ ਬਚਾਅ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਬਜਾਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਾਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਆਸਪਾਸ ਦੇ ਸੰਪੂਰਨ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦਾ ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਅਧਾਰ 'ਤੇ ਅਗਾਊਂ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਰਾਖਵੇਂ ਵਣ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਰੁੱਖਾਂ ਦੀਆਂ ਛਤਰੀਆਂ ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਸੰਪਰਕ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਕੁਦਰਤੀ ਫਲਾਂ ਦੀ ਉਪਲਬਧਤਾ ਵਿੱਚ ਵਾਧੇ ਲਈ ਜਾਰੀ ਉਪਾਵਾਂ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਸਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਤਾਲਮੇਲ ਵਾਲੀ ਕਾਰਵਾਈ ਦਾ ਸੱਦਾ ਦਿੱਤਾ।

ਵਿਸ਼ਾ ਮਾਹਰ ਡਾ. ਸੰਦੀਪ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਬਾਂਦਰਾਂ ਦੇ ਵਿਵਹਾਰ, ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਅਨੁਰੂਪ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਨੁਕੂਲਨ ਅਤੇ ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਉਪਾਵਾਂ 'ਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਸੈਸ਼ਨ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕੀਤਾ। ਆਪਣੇ ਖੇਤਰੀ ਅਨੁਭਵ ਨੂੰ ਅਧਾਰ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਸਬੰਦੀ, ਭੋਜਨ ਸਬੰਧੀ ਵਿਵਹਾਰ, ਕਚਰਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ, ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪਕੜਨ ਅਤੇ ਸੰਭਾਲਣ ਦੀਆਂ ਤਕਨੀਕਾਂ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਪਕਰਣਾਂ, ਪਿੰਜਰਿਆਂ ਅਤੇ ਸੰਚਾਲਨ ਤਿਆਰੀਆਂ 'ਤੇ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਾਂਦਰਾਂ ਨੂੰ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਮਾਨਵ ਬਸਤੀਆਂ ਦੀ ਤਰਫ਼ ਆਕਰਸ਼ਿਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਾਰਨਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਮਾਧਾਨ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ 'ਤੇ ਬਲ ਦਿੱਤਾ।

ਇੰਟਰਐਕਟਿਵ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪ੍ਰਤੀਭਾਗੀਆਂ ਨੇ ਸੈਕਟਰ 22 ਅਤੇ 27, ਪੀਜੀਆਈ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਅਤੇ ਸੈਕਟਰ 26 ਦੇ ਮਾਰਕਿਟ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਬਾਂਦਰਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜੀਆਂਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਦਾ ਉਲੇਖ ਕੀਤਾ। ਚਰਚਾ ਵਿੱਚ ਅਧਿਕ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਖੇਤਰਾਂ ਦੀ ਸ਼ਨਾਖ਼ਤ ਕਰਕੇ ਲਕਸ਼ਿਤ ਉਪਾਅ ਕਰਨ, ਠੋਸ ਕਚਰਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿੱਚ ਸੁਧਾਰ ਲਿਆਉਣ, ਬਾਂਦਰਾਂ ਨੂੰ ਜਾਣਬੁੱਝ ਕੇ ਭੋਜਨ ਦੇਣ ਦੀ ਪ੍ਰਵਿਰਤੀ ਨੂੰ ਹੁਲਾਰਾ ਨਾ ਦੇਣ ਅਤੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਨਿਪਟਾਰਾ ਸੁਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਰੇਖਾਂਕਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਇੱਕ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਨਿਸ਼ਕਰਸ਼ ਇਹ ਰਿਹਾ ਕਿ ਕੇਵਲ ਬਾਂਦਰਾਂ ਨੂੰ ਪਕੜਨ, ਹੋਰ ਸਥਾਨਾਂ 'ਤੇ ਲੈ ਜਾਣ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਸਬੰਦੀ ਕਰਨ ਨਾਲ ਸਥਾਈ ਰਾਹਤ ਸੁਨਿਸ਼ਚਿਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ, ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਕਿ ਮਾਨਵ-ਬਾਂਦਰ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੇ ਮੂਲ ਕਾਰਨਾਂ ਦਾ ਵੀ ਸਮਾਧਾਨ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਜਿੱਥੇ ਉਚਿਤ ਹੋਵੇ, ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਬਾਂਦਰਾਂ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਨੂੰ ਨਿਵਾਰਕ ਉਪਾਵਾਂ, ਸੰਸਥਾਗਤ ਤਿਆਰੀਆਂ ਅਤੇ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰ ਲੋਕ ਵਿਵਹਾਰ ਨਾਲ ਜੋੜਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਦੁਹਰਾਇਆ ਗਿਆ ਕਿ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਵਣਜੀਵਾਂ ਦੀ ਸੰਭਾਲ਼ ਪਰਸਪਰ ਪੂਰਕ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀਆਂ ਹਨ। ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਉਪਾਵਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ੀਲਤਾ ਦਾ ਮੁੱਲਾਂਕਣ ਕੇਵਲ ਪਕੜੇ ਗਏ ਬਾਂਦਰਾਂ ਦੀ ਸੰਖਿਆ ਨਾਲ ਨਹੀਂ, ਬਲਕਿ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਸੰਘਰਸ਼ਾਂ ਵਿੱਚ ਕਮੀ, ਬਿਹਤਰ ਲੋਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਮਾਨਵੀ ਵਿਵਹਾਰ ਦੇ ਅਧਾਰ 'ਤੇ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਨਗਰ ਨਿਗਮ, ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਵੈਲਫੇਅਰ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨਾਂ, ਗ਼ੈਰ-ਸਰਕਾਰੀ ਸੰਗਠਨਾਂ, ਵਿਭਿੰਨ ਸਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਅਤੇ ਅਕਾਦਮਿਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਈਕੋ-ਕਲੱਬ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਹਿਤਧਾਰਕਾਂ ਨੇ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੇ ਅਨੁਭਵ ਸਾਂਝੇ ਕਰਨ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿੱਚ ਮਾਨਵ-ਬਾਂਦਰ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੇ ਟਿਕਾਊ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਸਮੂਹਿਕ ਪ੍ਰਯਾਸਾਂ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਮੰਚ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ।

ਲੋਕਤੰਤਰ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਤਾਕਤ ਸੰਵਿਧਾਨ ਅਤੇ ਆਮ ਨਾਗਰਿਕ ਦੀ ਵੋਟ, ਐੱਸਆਈਆਰ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਭਰਮ ਫੈਲਾ ਰਹੀ ਹੈ ਕਾਂਗਰਸ : ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ



ਕਰਨਾਲ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਕਰਨਾਲ ਵਿੱਚ ਆਯੋਜਿਤ 'ਲੋਕਤੰਤਰ ਬਚਾਓ, ਅਰਾਜਕਤਾ ਹਟਾਓ' ਪਦਯਾਤਰਾ ਦੌਰਾਨ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ, ਕੇਂਦਰੀ ਮੰਤਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ਅਤੇ ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਡਾ. ਅਰਚਨਾ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਜਨ ਸਭਾ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕੀਤਾ। ਤਿੰਨਾਂ ਆਗੂਆਂ ਨੇ ਲੋਕਤੰਤਰ, ਸੰਵਿਧਾਨ, ਵੋਟਰ ਸੂਚੀਆਂ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਡੂੰਘਾਈ ਨਾਲ ਸੋਧ (ਐੱਸਆਈਆਰ), ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਏਕਤਾ ਅਤੇ ਵਿਰੋਧੀ ਧਿਰ ਦੀ ਰਾਜਨੀਤੀ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੁੱਦਿਆਂ 'ਤੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਰੱਖੇ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸੰਬੋਧਨ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲੋਕਤੰਤਰ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਤਾਕਤ ਸਾਡਾ ਸੰਵਿਧਾਨ ਅਤੇ ਇੱਕ ਆਮ ਨਾਗਰਿਕ ਦੀ ਵੋਟ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਕੋਲ ਧਨ, ਪ੍ਰਭਾਵ ਜਾਂ ਵੱਡੇ ਪਰਿਵਾਰ ਦਾ ਨਾਂ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਪੋਲਿੰਗ ਬੂਥ 'ਤੇ ਉਸ ਦੀ ਇੱਕ ਵੋਟ ਦੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਹਰ ਨਾਗਰਿਕ ਦੀ ਵੋਟ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਇੱਕ ਵੋਟ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਮਿਹਨਤ, ਮਜ਼ਦੂਰ ਦੀ ਉਮੀਦ, ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਦਾ ਭਵਿੱਖ ਅਤੇ ਮਾਵਾਂ-ਭੈਣਾਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਂ ਜੁੜੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵੋਟਰ ਸੂਚੀਆਂ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਡੂੰਘਾਈ ਨਾਲ ਸੋਧ (ਐੱਸਆਈਆਰ) ਚੋਣ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਇੱਕ ਨਿਯਮਤ ਸੰਵਿਧਾਨਕ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਹੈ, ਜੋ ਸਮੇਂ-ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਹੁੰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਇਸ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਝੂਠ ਅਤੇ ਭਰਮ ਫੈਲਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਵੱਲੋਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਬਿਆਨ ਦਾ ਹਵਾਲਾ ਦਿੰਦਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਐੱਸਆਈਆਰ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਸਾਲ 1952 ਵਿੱਚ ਹੋਈ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਾਲਾਂ ਦੌਰਾਨ ਇਹ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਅਪਣਾਈ ਜਾਂਦੀ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵੋਟਰ ਸੂਚੀਆਂ ਦੀ ਸੋਧ ਲੋਕਤੰਤਰੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਇੱਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਹੈ।ਕੇਂਦਰੀ ਮੰਤਰੀ ਅਤੇ ਕਰਨਾਲ ਤੋਂ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸੰਬੋਧਨ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਸਹਿਯੋਗੀ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਰਾਜਕਤਾ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਪਿਛਲੇ ਕੁਝ ਸਾਲਾਂ ਦੌਰਾਨ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ ਭਗਤੀ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਚੇਤਨਾ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੋਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਕਿ ਵਿਰੋਧੀ ਧਿਰ ਦੇ ਕੁਝ ਆਗੂ ਦੇਸ਼ ਵਿਰੋਧੀ ਤੱਤਾਂ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੋਢਿਆਂ 'ਤੇ ਬੰਦੂਕ ਰੱਖ ਕੇ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਭਰਮ, ਅਵਿਵਸਥਾ ਅਤੇ ਅਸਥਿਰਤਾ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਲੋਕਤੰਤਰ ਅਤੇ ਸੰਵਿਧਾਨ ਵਿੱਚ ਦਰਜ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਡੂੰਘੀ ਆਸਥਾ ਹੈ। ਹਰਿਆਣਾ ਦੀ ਧਰਤੀ ਹਮੇਸ਼ਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਸੇਵਾ ਲਈ ਜਾਣੀ ਜਾਂਦੀ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਜਿਹੇ ਵਿੱਚ ਲੋਕਤੰਤਰੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਅਤੇ ਸੰਵਿਧਾਨਕ ਵਿਵਸਥਾਵਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣਾ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਸਾਂਝੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਸਹਿਯੋਗੀ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਰਾਜਕਤਾ ਫੈਲਾਉਣ ਵਾਲੀ ਰਾਜਨੀਤੀ ਬੰਦ ਕਰਨ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ।ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਡਾ. ਅਰਚਨਾ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸੰਬੋਧਨ ਵਿੱਚ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਨੂੰ ਅਜੋਕੇ ਭਾਰਤ ਦਾ ਚਾਣਕਿਆ ਦੱਸਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿੱਚ ਆਚਾਰੀਆ ਚਾਣਕਿਆ ਨੇ ਭਾਰਤ ਦੀ ਏਕਤਾ ਅਤੇ ਅਖੰਡਤਾ ਲਈ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਵਿਦੇਸ਼ੀ ਹਮਲਾਵਰਾਂ ਤੇ ਘੁਸਪੈਠੀਆਂ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਕੱਢਣ ਲਈ ਰਣਨੀਤੀ ਬਣਾਈ, ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅੱਜ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਏਕਤਾ ਅਤੇ ਅੰਦਰੂਨੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਦ੍ਰਿੜ੍ਹ ਸੰਕਲਪ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਡਾ. ਅਰਚਨਾ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਨੇ ਜੰਮੂ-ਕਸ਼ਮੀਰ ਵਿੱਚੋਂ ਧਾਰਾ 370 ਅਤੇ 35ਏ ਹਟਾ ਕੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਏਕਤਾ ਅਤੇ ਅਖੰਡਤਾ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਦਾ ਇਤਿਹਾਸਕ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਕਸਲਵਾਦ ਵਿਰੁੱਧ ਫੈਸਲਾਕੁੰਨ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਨਕਸਲਵਾਦ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕਰਨ ਦੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਕਦਮ ਚੁੱਕੇ ਹਨ। ਅੱਜ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਨਸ਼ਿਆਂ ਵਰਗੀ ਗੰਭੀਰ ਚੁਣੌਤੀ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਵੀ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਚਨਬੱਧ ਹਨ।

ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਡਾ. ਅਰਚਨਾ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੀ ਦੂਰਅੰਦੇਸ਼ੀ ਅਗਵਾਈ ਅਤੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਇੱਛਾ ਸ਼ਕਤੀ ਵਾਲੇ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਦਾ ਹਰਿਆਣਾ ਦੀ ਇਤਿਹਾਸਕ ਧਰਤੀ 'ਤੇ ਆਗਮਨ ਸੂਬੇ ਦੇ ਭਾਜਪਾ ਵਰਕਰਾਂ ਲਈ ਬਹੁਤ ਮਾਣ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਰਨਾਲ ਦੀ ਧਰਤੀ 'ਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਸਮੂਹ ਵਰਕਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਮੰਤਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦਾ ਨਿੱਘਾ ਸਵਾਗਤ ਅਤੇ ਸਨਮਾਨ ਕੀਤਾ।ਇਸ ਮੌਕੇ ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਇੰਚਾਰਜ ਸਮ੍ਰਿਤੀ ਇਰਾਨੀ, ਸੂਬਾ ਸਹਿ-ਇੰਚਾਰਜ ਡਾ. ਭੋਲਾ ਸਿੰਘ, ਹਰਿਆਣਾ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਹਰਵਿੰਦਰ ਕਲਿਆਣ, ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਲਾਲ ਪੰਵਾਰ, ਮਹੀਪਾਲ ਢਾਂਡਾ, ਰਣਬੀਰ ਗੰਗਵਾ, ਰਾਓ ਨਰਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਬੇਦੀ, ਡਾ. ਅਰਵਿੰਦ ਸ਼ਰਮਾ, ਡਾ. ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਮਿੱਢਾ, ਗੌਰਵ ਗੌਤਮ, ਵਿਧਾਇਕ ਜਗਮੋਹਨ ਆਨੰਦ, ਯੋਗੇਂਦਰ ਰਾਣਾ, ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਸੂਬਾ ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ ਗੋਪਾਲ ਸ਼ਰਮਾ ਅਤੇ ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਪ੍ਰਵੀਨ ਲਾਠਰ ਸਮੇਤ ਕਈ ਹੋਰ ਸੀਨੀਅਰ ਆਗੂ ਅਤੇ ਪਾਰਟੀ ਵਰਕਰ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਪਦਯਾਤਰਾ ਜ਼ਰੀਏ ਪੰਜਾਬੀ ਵੋਟਰਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼: ਕਾਂਗਰਸ



ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ ਵੱਲੋਂ ਚੋਣ ਬਿਗੁਲ ਵਜਾਉਣ ਤੋਂ ਇੱਕ ਦਿਨ ਬਾਅਦ, ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਵੀਰਵਾਰ ਨੂੰ ਭਾਜਪਾ ਦੀ 'ਲੋਕਤੰਤਰ ਬਚਾਓ, ਅਰਾਜਕਤਾ ਹਟਾਓ' ਪਦਯਾਤਰਾ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਕਰਨ ਹਰਿਆਣਾ ਪਹੁੰਚ ਰਹੇ ਹਨ।

ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ 1 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ ਭਾਜਪਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਨਿਤਿਨ ਨਬੀਨ ਨੇ ਰੋਹਤਕ ਅਤੇ ਧਰਮਿੰਦਰ ਪ੍ਰਧਾਨ ਨੇ ਫਰੀਦਾਬਾਦ ਵਿੱਚ ਮਾਰਚ ਕੱਢ ਕੇ ਵੋਟਰ ਸੂਚੀਆਂ ਵਿੱਚ 'ਵੋਟ ਚੋਰੀ' ਦੇ ਕਾਂਗਰਸੀ ਦੋਸ਼ਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਸੀ। ਨਬੀਨ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਾਸ਼ਣ ਦੌਰਾਨ 1984 ਦੇ ਸਿੱਖ ਵਿਰੋਧੀ ਦੰਗਿਆਂ ਦਾ ਮੁੱਦਾ ਚੁੱਕ ਕੇ ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ 'ਤੇ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਵੀ ਸੇਧਿਆ।

ਸਿਆਸੀ ਮਾਹਿਰਾਂ ਅਨੁਸਾਰ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿੱਚ ਹੁਣੇ ਚੋਣਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਪਰ ਭਾਜਪਾ ਦੀਆਂ ਇਹ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀਆਂ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਚੋਣਾਂ ਲਈ ਰਣਨੀਤੀ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹਨ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਦੇ ਪੰਜਾਬ ਦੌਰੇ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਸਿੱਖ ਭਾਈਚਾਰੇ ਲਈ ਕੀਤੇ ਐਲਾਨ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵੋਟਰਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਮੰਨੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।

ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ, ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦੇ ਦੌਰੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੇਂਦਰ ਅਤੇ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ 8 ਤਿੱਖੇ ਸਵਾਲ ਪੁੱਛੇ ਹਨ। ਏਆਈਸੀਸੀ ਇੰਚਾਰਜ ਸੰਜੇ ਦੱਤ ਅਤੇ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਰਾਓ ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ਼ਾਹ 2024 ਦੀਆਂ ਹਰਿਆਣਾ ਚੋਣਾਂ 'ਚ 'ਵੋਟ ਚੋਰੀ' ਦੇ ਦੋਸ਼ਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਅਤੇ ਵੋਟਰ ਰਿਕਾਰਡ ਦੀ ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਜਾਂਚ ਕਰਵਾਉਣ।

ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਚੋਣ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਕਮੇਟੀ ਵਿੱਚੋਂ ਭਾਰਤ ਦੇ ਮੁੱਖ ਜੱਜ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਕਰਨ 'ਤੇ ਵੀ ਸਵਾਲ ਚੁੱਕੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਅਪਰਾਧ, ਔਰਤਾਂ ਤੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ, ਵਿਰੋਧ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਮਹਿਲਾ ਪਹਿਲਵਾਨਾਂ ਨਾਲ ਹੋਏ ਵਿਵਹਾਰ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਐੱਮਐੱਸਪੀ ਦੀ ਕਾਨੂੰਨੀ ਗਾਰੰਟੀ ਵਰਗੇ ਮੁੱਦਿਆਂ 'ਤੇ ਜਵਾਬਦੇਹੀ ਮੰਗੀ ਗਈ।

ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸੈਣੀ ਦੇ ਅਕਸਰ ਸੂਬੇ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਰਹਿਣ 'ਤੇ ਚੁਟਕੀ ਲੈਂਦਿਆਂ ਪੁੱਛਿਆ ਕਿ ਉਹ 'ਗੈਰ-ਨਿਵਾਸੀ ਹਰਿਆਣਵੀ' ਕਿਉਂ ਬਣ ਰਹੇ ਹਨ। ਸੰਜੇ ਦੱਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲੋਕਤੰਤਰ ਦੀ ਅਸਲ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਸਿਆਸੀ ਮਾਹਿਰਾਂ ਅਨੁਸਾਰ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿੱਚ ਹੁਣੇ ਚੋਣਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਪਰ ਭਾਜਪਾ ਦੀਆਂ ਇਹ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀਆਂ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਚੋਣਾਂ ਲਈ ਰਣਨੀਤੀ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹਨ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਦੇ ਪੰਜਾਬ ਦੌਰੇ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਸਿੱਖ ਭਾਈਚਾਰੇ ਲਈ ਕੀਤੇ ਐਲਾਨ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵੋਟਰਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਮੰਨੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।ਨਾਅਰੇਬਾਜ਼ੀ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਜਨਤਾ ਦੇ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਵਿੱਚ ਹੈ।

ਮਾਰਕੰਡਾ ਨੈਸ਼ਨਲ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਕੌਮੀ ਯੁਵਾ ਸੰਸਦ



ਸ਼ਾਹਬਾਦ ਮਾਰਕੰਡਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਮਾਰਕੰਡਾ ਨੈਸ਼ਨਲ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਰਾਜਨੀਤੀ ਵਿਗਿਆਨ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮੁਖੀ ਡਾ. ਸ਼ਾਲਿਨੀ ਸ਼ਰਮਾ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ 18ਵੀਂ ਕੌਮੀ ਯੁਵਾ ਸੰਸਦ ਲਾਈ ਗਈ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸਾਬਕਾ ਰਾਜ ਸਭਾ ਮੈਂਬਰ ਈਸ਼ਵਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਕਾਲਜ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕੀਤੀ। ਕਾਲਜ ਦੇ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕਾਜਲ ਨੇ ਮਹਿਮਾਨਾਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਪਣੇ ਸੰਬੋਧਨ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਲਜ ਲਈ ਇਹ ਮਾਣ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਇਸ ਵੱਕਾਰੀ ਸਮਾਗਮ ਦੀ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਜੱਜਮੈਂਟ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਡਾ. ਸ਼ਾਹਿਦ ਅਲੀ ਖ਼ਾਨ ਅਤੇ ਡਾ. ਰਮਨ ਕਾਂਤਾ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਨਿਭਾਈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨੌਜਵਾਨ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਦਾ ਮੁਲਾਂਕਣ ਕੀਤਾ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਕਾਲਜ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੁਖੀ ਯਸ਼ਪਾਲ ਵਧਵਾ ਨੇ ਕੀਤੀ। ਮੰਚ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਰਾਜਨੀਤੀ ਸ਼ਾਸਤਰ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮੁਖੀ ਡਾ. ਸ਼ਾਲਿਨੀ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਬਾਖ਼ੂਬੀ ਕੀਤਾ। ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸਾਬਕਾ ਰਾਜ ਸਭਾ ਮੈਂਬਰ ਈਸ਼ਵਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸੰਬੋਧਨ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਯੁਵਾ ਸੰਸਦ ਲੋਕਤੰਤਰ ਦਾ ਅਸਲ ਸਕੂਲ ਹੈ। ਇੱਥੇ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਨੌਜਵਾਨ ਕੱਲ੍ਹ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਕਰਨਗੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮਾਰਕੰਡਾ ਕਾਲਜ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਅੱਜ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰੀ, ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਵਰਗੇ ਮੁੱਦਿਆਂ ਉੱਤੇ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ, ਉਹ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਹੈ। ਡਾ. ਸ਼ਾਹਿਦ ਅਲੀ ਖ਼ਾਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਯੁਵਾ ਸੰਸਦ ਕੌਮੀ ਏਕਤਾ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਮੰਚ ਹੈ। ਸਾਬਕਾ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਰਮਨ ਕਾਂਤਾ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਧੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸੰਸਦ ਵਿੱਚ ਆਉਣਾ ਪਵੇਗਾ, ਤਾਂ ਹੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਅੱਧੀ ਆਬਾਦੀ ਸਸ਼ਕਤ ਹੋਵੇਗੀ। ਕਾਲਜ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਯਸ਼ਪਾਲ ਵਧਵਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਡਾ ਉਦੇਸ਼ ਸਿਰਫ਼ ਡਿਗਰੀਆਂ ਦੇਣਾ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਸਗੋਂ ਚੰਗੇ ਨਾਗਰਿਕ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕਾਜਲ ਨੇ ਆਏ ਸਾਰੇ ਮਹਿਮਾਨਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ। ਅੰਤ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੌਜਵਾਨ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਡਾ. ਪ੍ਰਾਚੀ ਅਰੋੜਾ, ਡਾ. ਸੁਰੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ, ਡਾ. ਦੇਵ ਰਾਜ ਸ਼ਰਮਾ, ਪ੍ਰੋ. ਪਰਵਿੰਦਰ, ਗਗਨਦੀਪ, ਪ੍ਰੋ. ਸੰਜੇ, ਤਨਵੀ, ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਆਦਿ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਲੋਕ ਭਾਜਪਾ ਨੂੰ ਸਹੀ ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣਗੇ: ਕੁਮਾਰੀ ਸ਼ੈਲਜਾ

ਯਮੁਨਾਨਗਰ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸੀਨੀਅਰ ਕਾਂਗਰਸ ਆਗੂ ਅਤੇ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ ਕੁਮਾਰੀ ਸ਼ੈਲਜਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਜਪਾ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕਾਰਗੁਜ਼ਾਰੀ ਨੂੰ ਲੋਕ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸਹੀ ਸਮਾਂ ਆਉਣ 'ਤੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣਗੇ। ਇੱਥੇ ਕਾਂਗਰਸ ਦਫ਼ਤਰ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰੈੱਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਸ਼ੈਲਜਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਸਦਨ ਚਲਾਉਣਾ ਹਾਕਮ ਧਿਰ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਸਦਨ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਚਲਾਉਣ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਦਿਹਾਤੀ ਕਾਂਗਰਸ ਪ੍ਰਧਾਨ ਨਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਗੁੱਜਰ, ਸ਼ਹਿਰੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਦੇਵੇਂਦਰ ਸਿੰਘ, ਸਾਬਕਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸ਼ਾਮ ਸੁੰਦਰ ਬੱਤਰਾ, ਅਨਿਲ ਗੋਇਲ, ਰਾਕੇਸ਼ ਸ਼ਰਮਾ,



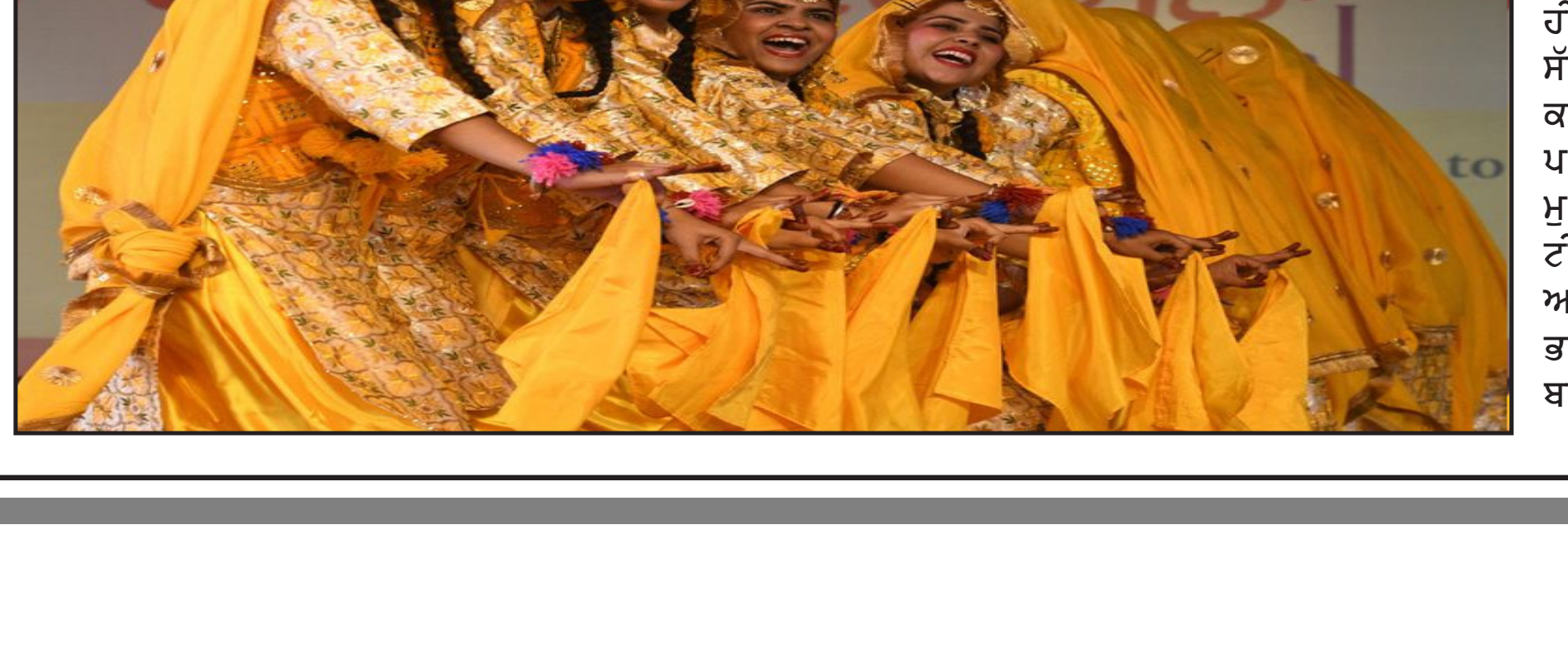
ਸੂਬਾਈ ਬੁਲਾਰੇ ਰਾਏ ਸਿੰਘ, ਸੁਰੇਸ਼ ਢਾਂਡਾ, ਰਾਜੇਸ਼ ਸ਼ਰਮਾ, ਆਕਾਸ਼ ਬੱਤਰਾ ਅਤੇ ਮਨੋਜ ਜੈਰਾਮਪੁਰ ਸਮੇਤ ਕਈ ਸੀਨੀਅਰ ਆਗੂ ਮੌਜੂਦ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਵਿਰੋਧੀ ਧਿਰ ਆਪਣੇ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦਿਆਂ ਸਦਨ ਦੇ ਬਾਹਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਮਹੂਰੀ ਹੱਕ ਹੈ ਪਰ ਮੌਜੂਦਾ ਸਥਿਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸੱਤਾਧਾਰੀ ਪਾਰਟੀ ਖ਼ੁਦ ਸੜਕਾਂ 'ਤੇ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਗਾਮੀ ਚੋਣਾਂ ਬਾਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਆਪਸੀ ਤਾਲਮੇਲ ਵਧਾਉਣਾ,

ਪੀ ਏ ਯੂ ਯੁਵਕ ਮੇਲਾ: ਲੋਕ ਨਾਚਾਂ ਨਾਲ ਸਮਾਂ ਬੱਝਿਆ

ਲੁਧਿਆਣਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ (ਪੀ ਏ ਯੂ) ਦੇ ਡਾ. ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਖਹਿਰਾ ਓਪਨ ਏਅਰ ਥੀਏਟਰ ਵਿਚ ਚੱਲ ਰਹੇ ਯੁਵਕ ਮੇਲੇ ਦੇ ਦੂਜੇ ਗੇੜ ਦੇ ਦੂਜੇ ਦਿਨ ਅੱਜ ਗਹਿਗੱਚ ਮੁਕਾਬਲੇ ਹੋਏ। ਲੋਕ ਨਾਚਾਂ ਅਤੇ ਨਾਟ ਵੰਨਗੀਆਂ ਨੇ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਸਮਾਂ ਬੰਨ੍ਹੀ ਰੱਖਿਆ।

ਇਸ ਯੁਵਕ ਮੇਲੇ 'ਚ ਅੱਜ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਪਸਾਰ ਸਿੱਖਿਆ ਡਾ. ਮੱਖਣ ਸਿੰਘ ਭੁੱਲਰ ਨੇ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ



ਯੁਵਕ ਮੇਲੇ ਕੌਮੀ ਦੀ ਜਵਾਨੀ ਦਾ ਸ਼ੀਸ਼ਾ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੀ ਏ ਯੂ ਨੇ ਖੇਤੀ ਸਬੰਧੀ ਖੋਜਾਂ ਜਾਂ ਵਿਗਿਆਨੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਸਗੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਅਮੀਰ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਨੂੰ ਹੋਰ ਅਮੀਰ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਲਾਕਾਰ ਵੀ ਪੈਦਾ ਕੀਤੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਅੱਜ ਸਵੇਰੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਤਰੀ ਮੁਕਾਬਲਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਵਿਚ ਸੱਤ ਟੀਮਾਂ ਨੇ ਚਲੰਤ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਸਬੰਧੀ ਆਪਣੀ ਮੁਹਾਰਤ ਅਤੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਮੂਹ ਲੋਕ ਨਾਚਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਦੁਪਹਿਰ ਮਾਈਮ, ਭੰਡ, ਮੋਨੋ ਐਕਟਿੰਗ ਅਤੇ ਇਕਾਂਗੀਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ, ਸਮਾਂ ਬੰਨ੍ਹਣ ਵਿਚ ਸਫਲ ਰਹੇ। ਭੰਡਾਂ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ ਨੇ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਸਿਰਫ ਹਸਾਇਆ ਸਗੋਂ ਕਈ ਸੁਨੇਹੇ ਵੀ ਦਿੱਤੇ।

ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਪਸਾਰ ਸਿੱਖਿਆ ਡਾ. ਭੁੱਲਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਯੁਵਕ ਮੇਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਕਿਤਾਬੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਅੰਦਰ ਲੁਕੇ ਹੁਨਰ ਨੂੰ ਹੋਰਨਾਂ ਸਾਹਮਣੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਵਧੀਆ ਮੰਚ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਸੰਗਰੂਰ ’ਚ ਸੀਐੱਮ ਰਿਹਾਇਸ਼ ਨੇੜੇ ਬੱਸ ਫਲਾਈਓਵਰ ਨਾਲ ਟਕਰਾਉਣ ਕਾਰਨ 3 ਦੀ ਮੌਤ, 26 ਜ਼ਖ਼ਮੀ



ਸੰਗਰੂਰ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਧੂਰੀ ਤੋਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਜਾ ਰਹੀ ਪੀ ਆਰ ਟੀ ਸੀ ਦੀ ਬੱਸ ਅੱਜ ਤੜਕੇ ਸੰਗਰੂਰ ਵਿਖੇ ਕੌਮੀ ਹਾਈਵੇ ਦੇ ਬਾਈਪਾਸ ਨੇੜੇ ਬੇਕਾਬੂ ਹੁੰਦਿਆਂ ਪੁਲ ਨਾਲ ਟਕਰਾ ਕੇ ਪਲਟ ਗਈ। ਇਸ ਭਿਆਨਕ ਸੜਕ ਹਾਦਸੇ ਚ ਦੋ ਔਰਤਾਂ ਸਣੇ 3 ਸਵਾਰੀਟਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਜਦ ਕਿ 26 ਜ਼ਖਮੀ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਥਾਨਕ ਸਿਵਲ ਹਸਪਤਾਲ ਦਾਖ਼ਲ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਵੇਰਵਿਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਜ਼ਖਮੀਆਂ ਚੋਂ 10 ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਵੇਖਦਿਆਂ ਡਾਕਟਰਾਂ ਨੇ ਪਟਿਆਲਾ ਰੈਫਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

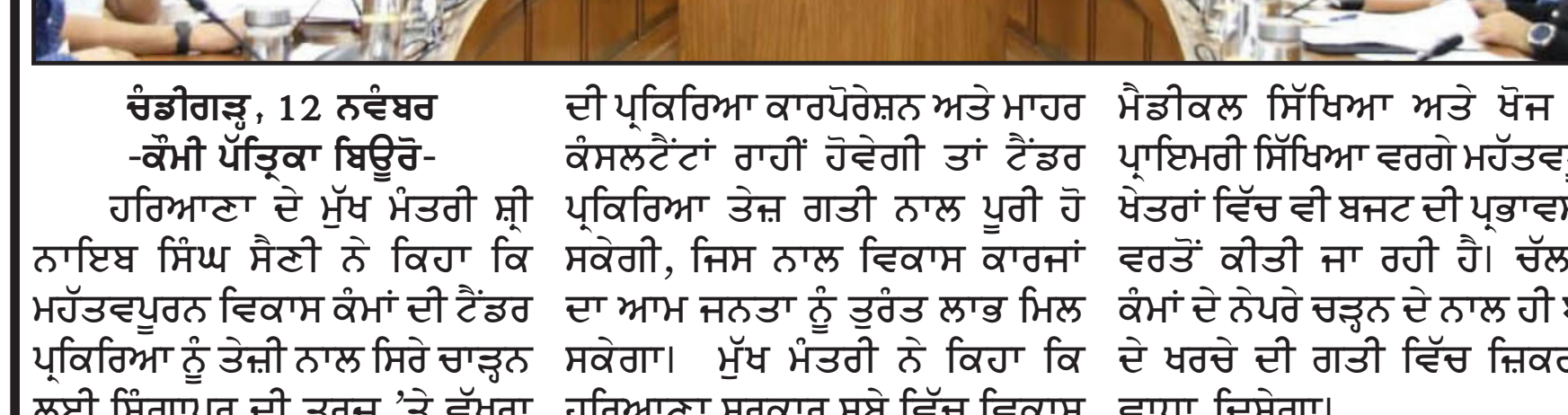
ਸਿਵਲ ਹਸਪਤਾਲ ’ਚ ਹਾਦਸੇ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਡੀ ਐੱਸ ਪੀ ਦਲਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਅੱਜ ਤੜਕੇ ਕਰੀਬ ਪੌਣੇ ਪੰਜ ਵਜੇ ਪੀ ਆਰ ਟੀ ਸੀ ਦੀ ਬੱਸ ਧੂਰੀ ਤੋਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਲਈ ਰਵਾਨਾ ਹੋਈ ਜੋ ਕਿ ਸੰਗਰੂਰ ਬੱਸ ਸਟੈਂਡ ਹੁੰਦਿਆਂ ਜਿਉਂ ਹੀ ਬਠਿੰਡਾ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਕੌਮੀ ਹਾਈਵੇ ਦੇ ਸਥਾਨਕ ਪਟਿਆਲਾ ਬਾਈਪਾਸ ਦੇ ਓਵਰਬ੍ਰਿਜ ਨੇੜੇ ਪੁੱਜੀ ਤਾਂ ਬੇਕਾਬੂ ਹੋ ਕੇ ਪੁਲ ਦੀ ਕੰਧ ਨਾਲ ਟਕਰਾ ਕੇ ਪਲਟ ਗਈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਡਰਾਈਵਰ ਲਾਪਰਵਾਹੀ ਨਾਲ ਬੱਸ ਚਲਾ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਧੂਰੀ ਤੋਂ ਹੀ ਬੱਸ ਲੇਟ ਚੱਲੀ ਸੀ, ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਡਰਾਈਵਰ ਕਾਹਲ ਵਿਚ ਸੀ। ਹਾਦਸੇ ’ਚ ਰਾਜਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਵਾਸੀ ਪਿੰਡ ਫਤਹਿਗੜ੍ਹ ਛੰਨਾਂ, ਨਰਿੰਦਰ ਕੌਰ ਵਾਸੀ ਧੂਰੀ ਅਤੇ ਮਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਥਲੇਸਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਕਿ 26 ਸਵਾਰੀਆਂ ਜਖਮੀ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਚੋਂ 10 ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। 16 ਜ਼ਖਮੀਆਂ ਦਾ ਸਿਵਲ ਹਸਪਤਾਲ ਚ ਇਲਾਜ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਪੁਲੀਸ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਸਬੰਧੀ ਕੇਸ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਦੇ ਟੈਂਡਰਾਂ ਵਿੱਚ ਤੇਜ਼ੀ ਲਈ ਵੱਖਰਾ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ : ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਅਗਲੇ ਬਜਟ ਦੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ ਲਈ ਮੌਜੂਦਾ ਬਜਟ ਦੇ ਵਿਭਾਗਵਾਰ ਖਰਚੇ ਦੀ ਸਮੀਖਿਆ ਕੀਤੀ



ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਵਿਕਾਸ ਕੰਮਾਂ ਦੀ ਟੈਂਡਰ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਸਿਰੇ ਚਾੜ੍ਹਨ ਲਈ ਸਿੰਗਾਪੁਰ ਦੀ ਤਰਜ਼ ’ਤੇ ਵੱਖਰਾ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ ਜੋ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਵੱਡੇ ਅਤੇ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਟੈਂਡਰਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਬਿਨਾਂ ਦੇਰੀ ਪੂਰਾ ਕਰਵਾਏ। ਇਸ ਨਾਲ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਵਿੱਚ ਤੇਜ਼ੀ ਆਵੇਗੀ ਅਤੇ ਬਜਟ ਦੀ ਯੋਗ ਵਰਤੋਂ ਯਕੀਨੀ ਹੋ ਸਕੇਗੀ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਇਹ ਗੱਲ ਬੁੱਧਵਾਰ ਨੂੰ ਹਰਿਆਣਾ ਸਿਵਲ ਸਕੱਤਰੇਤ ਵਿੱਚ ਅਗਲੇ ਵਿੱਤੀ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟ ਦੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ ਦੇ ਮੱਦੇਨਜ਼ਰ ਚਾਲੂ ਵਿੱਤੀ ਸਾਲ ਦੇ ਵਿਭਾਗਵਾਰ ਖਰਚੇ ਦੀ ਸਮੀਖਿਆ ਮੀਟਿੰਗ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਕਰਦਿਆਂ ਕਹੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਅਲਾਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਬਜਟ ਦੇ ਖਰਚੇ ਦੀ ਸਮੀਖਿਆ ਕਰਦਿਆਂ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਕਿ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਗਤੀ ਨਾਲ ਪੂਰਾ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਅਲਾਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਬਜਟ ਦੀ ਚਾਲੂ ਵਿੱਤੀ ਸਾਲ ਦੀ ਸਮਾਪਤੀ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗ ਵਰਤੋਂ ਹੋ ਸਕੇ।

ਸਮੀਖਿਆ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਕੁੱਝ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਟੈਂਡਰਾਂ ਵਿੱਚ ਦੇਰੀ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਣ ’ਤੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਕਿ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਵਿਰਤੀ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਨਵਾਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਕੰਸਲਟੈਂਟ ਕੰਪਨੀਆਂ ਨੂੰ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕਰਨ ਅਤੇ ਟਾਊਨਸ਼ਿਪ ਕੰਸਲਟੈਂਟ ਹਾਇਰ ਕਰਨ ਦੇ ਵਿਕਲਪ ਅਪਣਾਏ ਜਾਣ। ਇਸ ਲਈ ਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਵੱਡੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀ ਉਚਿਤ ਯੋਜਨਾ ਬਣਾ ਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਅਮਲ ਵਿੱਚ ਲਿਆਉਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਿਭਾਗਾਂ ਲਈ ਟੈਂਡਰ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਟੈਂਡਰ ਅਲਾਟ ਕਰਨ ਤੱਕ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਮਾਹਰ ਕੰਸਲਟੈਂਟਾਂ ਰਾਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਤਾਂ ਟੈਂਡਰ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਤੇਜ਼ ਗਤੀ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਹੋ ਸਕੇਗੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਦਾ ਆਮ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਲਾਭ ਮਿਲ ਸਕੇਗਾ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਸਰਕਾਰ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਨੂੰ ਗਤੀ ਦੇਣ, ਜਨ-ਕਲਿਆਣਕਾਰੀ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਅਮਲ ਅਤੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਢਾਂਚੇ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਵਚਨਬੱਧਤਾ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਿੱਤੀ ਸਾਲ 2026-27 ਲਈ ਸੂਬੇ ਦਾ ਕੁੱਲ ਬਜਟ ਅਨੁਮਾਨ 2,23,658 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਜੋ ਵਿੱਤੀ ਸਾਲ 2025-26 ਦੇ ਬਜਟ ਅਨੁਮਾਨ ਤੋਂ 9.1 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਵੱਧ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਲਗਭਗ 95 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਬਜਟ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਅਧਿਕਾਰੀ ਚਾਲੂ ਵਿੱਤੀ ਸਾਲ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਾਪਤ ਬਜਟ ਦਾ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦਾ ਟੀਚਾ ਰੱਖਣ। ਸਮੀਖਿਆ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਵਿਭਾਗਵਾਰ ਖਰਚੇ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਅਨੁਸਾਰ, 13 ਵਿਭਾਗ ਆਪਣੇ ਸਾਲਾਨਾ ਬਜਟ ਉਪਬੰਧ ਦਾ 50 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਤੋਂ ਵੱਧ ਖਰਚ ਕਰ ਚੁੱਕੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਆਰਥਿਕ ਅਤੇ ਅੰਕੜਾ ਕਾਰਜ ਵਿਭਾਗ 91.8 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਖਰਚੇ ਨਾਲ ਮੋਹਰੀ ਹੈ। ਮਾਈਕ੍ਰੋ, ਲਘੂ ਅਤੇ ਮੱਧਮ ਉਦਯੋਗ (MSME) ਵਿਭਾਗ ਨੇ 73.7 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ, ਊਰਜਾ ਵਿਭਾਗ ਨੇ 72.9 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ, ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ (ਭਵਨ ਅਤੇ ਸੜਕਾਂ) ਵਿਭਾਗ ਨੇ 68.6 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ, ਸਮਾਜਿਕ ਨਿਆਂ ਅਤੇ ਅਧਿਕਾਰਤਾ ਵਿਭਾਗ ਨੇ 63.2 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਅਤੇ ਜਨ ਸਿਹਤ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਨੇ 62.9 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਬਜਟ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ, ਪੁਲਿਸ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ 61 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ, ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ 58.7 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ, ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ 55.7 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਅਤੇ ਉੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ 51.9 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਬਜਟ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਿਹਤ, ਮੈਡੀਕਲ ਸਿੱਖਿਆ ਅਤੇ ਖੋਜ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਵਰਗੇ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਵੀ ਬਜਟ ਦੀ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਚੱਲ ਰਹੇ ਕੰਮਾਂ ਦੇ ਨੇਪਰੇ ਚੜ੍ਹਨ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਬਜਟ ਦੇ ਖਰਚੇ ਦੀ ਗਤੀ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਕਰਯੋਗ ਵਾਧਾ ਦਿਸੇਗਾ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਬਜਟ ਦੀ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਜਾਂ ਵਿੱਚ ਯੋਗ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗ ਪ੍ਰੋ-ਐਕਟਿਵ (ਪਹਿਲ ਦੇ ਅਧਾਰ ’ਤੇ) ਹੋ ਕੇ ਕੰਮ ਕਰਨ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਰਮਾਣ ਕਾਰਜਾਂ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਨਾਲ ਵੀ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦਾ ਸਮਝੌਤਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਤਕਨੀਕੀ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿੱਚ ਇਤਿਹਾਸਕ ਬਦਲਾਅ; ਭਗਵੰਤ ਮਾਨ ਸਰਕਾਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਹੁਨਰਮੰਦ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਦਿਵਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਦਯੋਗਿਕ ਖੇਤਰ ਦਾ ਤਜਰਬਾ

ਪੌਲੀਟੈਕਨਿਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਪਰਿਵਾਰਕ ਆਮਦਨ ਦੀ ਕੋਈ ਸੀਮਾ ਨਹੀਂ; ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਉਦਯੋਗਿਕ ਤਜਰਬਾ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਵੱਡਾ ਮੌਕਾ: ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਮਾਨ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਭਗਵੰਤ ਮਾਨ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਚਨਬੱਧ ਹੈ ਕਿ ਵਿੱਤੀ ਤੰਗੀਆਂ ਕਾਰਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਆਪਣੇ ਕਰੀਅਰ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦਾ ਉਦਯੋਗਿਕ ਤਜਰਬਾ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਾਂਝੇ ਨਾ ਰਹਿ ਜਾਣ। ‘ਪੰਜਾਬ ਸਿੱਖਿਆ ਕ੍ਰਾਂਤੀ’ ਤਹਿਤ, ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਪੌਲੀਟੈਕਨਿਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ 4 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀ ਉਦਯੋਗਿਕ ਇੰਟਰਨਸ਼ਿਪ ਦੌਰਾਨ ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਿਹਾਰਕ ਹੁਨਰ ਸਿੱਖਣ ਅਤੇ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੇ ਯੋਗ ਬਣਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ।

ਇਸ ਪਹਿਲਕਦਮੀ ਤਹਿਤ, 1,700 ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ 4 ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੱਕ 5,000 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਮਹੀਨਾ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਪਰਿਵਾਰਕ ਆਮਦਨ ਦੀ ਕੋਈ ਸੀਮਾ ਨਹੀਂ ਰੱਖੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਯੋਜਨਾ ਛੇ ਡਿਪਲੋਮਾ ਸਟ੍ਰੀਮਾਂ ਦੇ 2024-27 ਬੈਚ ਦੇ ਛੇਵੇਂ ਸਮੈਸਟਰ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇਗੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਹ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਵਿੱਤੀ ਰੁਕਾਵਟ ਦੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਖੇਤਰ ਦਾ ਵਿਹਾਰਕ ਤਜਰਬਾ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕਣਗੇ।

ਇਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕਰਦਿਆਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਮਾਨ ਨੇ ਕਿਹਾ, ਹਰ ਨੌਜਵਾਨ ਕੋਲ ਆਪਣੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੂੰ ਇੱਕ ਸਾਰਥਕ ਕਰੀਅਰ ਵਿੱਚ ਬਦਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ‘ਪੰਜਾਬ ਸਿੱਖਿਆ ਕ੍ਰਾਂਤੀ’ ਰਾਹੀਂ, ਅਸੀਂ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਿਰਫ਼ ਡਿਗਰੀਆਂ ਹੀ ਨਾ ਦੇਣ, ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜਿਹੇ ਹੁਨਰ ਅਤੇ ਤਜਰਬੇ ਨਾਲ ਲੈਸ ਕਰਨ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਸਫਲ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਪੌਲੀਟੈਕਨਿਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਇਹ ਆਪਣੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਪਹਿਲਕਦਮੀ ਹੈ, ਜੋ ਸਾਡੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਸਮੇਂ ਸਹਾਇਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਉਹ ਕਲਾਸਰੂਮ ਤੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਕੰਮਕਾਜੀ ਦੁਨੀਆ ਵਿੱਚ ਕਦਮ ਰੱਖਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਆਪਣਾ ਭਵਿੱਖ ਸਿਰਜਦੇ ਹਨ।

ਤਕਨੀਕੀ ਸਿੱਖਿਆ ਮੰਤਰੀ ਹਰਜੋਤ ਸਿੰਘ ਬੈਂਸ ਨੇ ਕਿਹਾ, ਉਦਯੋਗਿਕ ਸਿਖਲਾਈ ਉਹ ਪੜਾਅ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਕਲਾਸਰੂਮ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਅਸਲ ਦੁਨੀਆ ਦੀਆਂ ਚੁਣੌਤੀਆਂ ’ਤੇ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ 20,000 ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਦੀ ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਕੇ, ਅਸੀਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਵਿਹਾਰਕ ਤਜਰਬਾ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕਣ, ਉਦਯੋਗਿਕ ਮਾਹਿਰਾਂ ਤੋਂ ਹੁਨਰ ਸਿੱਖ ਸਕਣ ਅਤੇ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋ ਸਕਣ। ਸਾਡਾ ਉਦੇਸ਼ ਤਕਨੀਕੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੂੰ ਵਧੇਰੇ ਵਿਹਾਰਕ, ਉਦਯੋਗ-ਮੁਖੀ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਉਮੀਦਾਂ ਦੇ ਅਨੁਕੂਲ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ।

ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਮੈਨੂੰ ਵਿਹਾਰਕ ਸਿਖਲਾਈ ਅਤੇ ਕਰੀਅਰ ਲਈ ਤਿਆਰੀ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਕੇਂਦਰਿਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰੇਗੀ: ਪੌਲੀਟੈਕਨਿਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸਰਕਾਰੀ ਪੌਲੀਟੈਕਨਿਕ ਕਾਲਜ ਮੋਹਾਲੀ (ਖੂਨੀਮਾਜਰਾ) ਦੇ ਇੱਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਕਿਹਾ: ÷ਇਹ ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਮੇਰੀ ਉਦਯੋਗਿਕ ਸਿਖਲਾਈ ਦੌਰਾਨ ਮੇਰੇ ਲਈ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਸਹਾਰਾ ਬਣੇਗੀ। ਇਸ ਨਾਲ ਮੈਨੂੰ ਆਪਣੇ ਕੁਝ ਖਰਚਿਆਂ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ ਅਤੇ ਮੈਂ ਨਵੇਂ ਹੁਨਰ ਸਿੱਖਣ, ਵਿਹਾਰਕ ਤਜਰਬਾ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਹ ਸਮਝਣ ’ਤੇ ਧਿਆਨ ਕੇਂਦਰਿਤ ਕਰ ਸਕਾਂਗਾ ਕਿ ਉਦਯੋਗਾਂ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਿਵੇਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਯਕੀਨ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਤਜਰਬਾ ਮੈਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਕਰੀਅਰ ਸਿਰਜਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰੇਗਾ।÷

ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹੋਰ ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਲੈ ਰਹੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਵੀ 5,000 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਮਹੀਨਾ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।ਜਿਹੜੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਆਪਣੇ ਉਦਯੋਗ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸਰੋਤ ਤੋਂ ਵਜ਼ੀਫ਼ਾ ਜਾਂ ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ, ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਸਹਾਇਤਾ ਲਈ ਯੋਗ ਹੋਣਗੇ। ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਵਾਲੀ ਰਕਮ 5,000 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਮਹੀਨਾ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੈ, ਤਾਂ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੇ ਅਧੀਨ, ਉਸ ਅੰਤਰ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਹ ਸਹਾਇਤਾ ਸਿਖਲਾਈ ਦੌਰਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਗਤੀ ਮੁਤਾਬਕ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 90 ਫ਼ੀਸਦੀ ਮਹੀਨਾਵਾਰ ਹਾਜ਼ਰੀ ਬਰਕਰਾਰ ਰੱਖਣੀ ਅਤੇ ਤਸਦੀਕਸ਼ੁਦਾ ਹਾਜ਼ਰੀ ਤੇ ਪ੍ਰਗਤੀ ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਉਣੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਵੇਗੀ।

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਤੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਬਿਊਰੋ, ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਖੇ ਆਈ ਸੀ ਆਈ ਸੀ ਆਈ ਬੈਂਕ ਦਾ ਪਲੇਸਮੈਂਟ ਕੈਂਪ

ਪਟਿਆਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਤੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਬਿਊਰੋ, ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਖੇ ਮਿਤੀ 13 ਨਵੰਬਰ ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ ਨੂੰ ਸਵੇਰੇ 10 ਵਜੇ ਤੋਂ ਦੁਪਹਿਰ 1 ਵਜੇ ਤੱਕ ਸੀ ਆਈ ਸੀ ਆਈ ਬੈਂਕ ਦੇ ਨਿਯੋਜਕ ਵਲੋਂ ਰਿਲੇਸ਼ਨਸ਼ਿਪ ਮੈਨੇਜਰ ਦੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਲਈ ਪਲੇਸਮੈਂਟ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਰਵਿੰਦਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਡਿਪਟੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਿਊਰੋਆਫ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਉਤਪਤੀ ਹੁਨਰ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸੀ ਆਈ ਸੀ ਆਈ ਬੈਂਕ ਦੇ ਨਿਯੋਜਕ ਵਲੋਂ ਰਿਲੇਸ਼ਨਸ਼ਿਪ ਮੈਨੇਜਰ ਦੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਲਈ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਲਈ ਮਰਦ ਅਤੇ ਔਰਤਾਂ ਦੋਵੇਂ ਉਮੀਦਵਾਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿੱਦਿਅਕ ਯੋਗਤਾ ਗੈਜੂਏਸ਼ਨ, ਉਮਰ 18 ਸਾਲ ਤੋਂ ਵੱਧ ਅਤੇ 25 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੋਵੇ ਉਹ ਇੰਟਰਵਿਊ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਨੌਕਰੀ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਉਮੀਦਵਾਰ ਇਸ ਪਲੇਸਮੈਂਟ ਕੈਂਪ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲੈਣ ਲਈ ਆਪਣੀ ਯੋਗਤਾ ਦੇ ਸਾਰੇ ਅਸਲ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫੋਟੋਕਾਪੀਆਂ ਅਤੇ ਰਜ਼ਿਊਮੇ ਨਾਲ ਲੈ ਕੇ ਮਿਤੀ 13-11-2026 ਦਿਨ ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ ਨੂੰ ਸਵੇਰੇ 10 ਵਜੇ ਜਿਲਾ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਤੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਬਿਊਰੋ, ਬਲਾਕ ਡੀ, ਮਿਨੀ ਸਕੱਤਰੇਤ, ਨੇੜੇ ਸੇਵਾ ਕੇਂਦਰ, ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਖੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਇਸ ਕੈਂਪ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ।

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੀ ਪ੍ਰਫੁੱਲਤ ਕਰਨ ਲਈ ਸਿਸਟਮ ਬਦਲਣ ਦੀ ਲੋੜ: ਸੁਖਬੀਰ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ



ਜੈਤੋਂ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਅਕਾਲੀ ਦਲ (ਬ) ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਅਤੇ ਸਾਬਕਾ ਉਪ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸੁਖਬੀਰ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਨੇ ਅੱਜ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਹਲਕਾ ਜੈਤੋ ਵਿਖੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਅਤੇ ਵਪਾਰੀ ਵਰਗ ਨਾਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮਿਲਣੀ ਕੀਤੀ। ਹਲਕਾ ਇੰਚਾਰਜ ਸੂਬਾ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਜੈਤੋ ਦੀ ਕਾਲੂ ਰਾਮ ਦੀ ਬਗੀਚੀ ਵਿਖੇ ਹੋਈ। ਇਸ ਮਿਲਣੀ ਦੌਰਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਸੁਣਿਆ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਵਿਕਾਸ, ਵਪਾਰਕ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਨੂੰ ਹੁਲਾਰਾ ਦੇਣ ਅਤੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਤੇ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਸੰਬੰਧੀ ਵਿਚਾਰ-ਵਟਾਂਦਰਾ ਕੀਤਾ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਸੁਖਬੀਰ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਉਦਯੋਗਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਫੁੱਲਤ ਕਰਨ ਲਈ ਮੌਜੂਦਾ ਸਿਸਟਮ ਵਿਚ ਵੱਡੇ ਬਦਲਾਅ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਨੂੰ ਅਜਿਹਾ ਮਾਹੌਲ ਅਤੇ ਸਹੂਲਤਾਂ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਹ ਆਪਣੇ ਉਦਯੋਗ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੀ ਸਥਾਪਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇੱਥੇ ਹੀ ਆਪਣੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਦਾ ਵਿਸਥਾਰ ਕਰ ਸਕਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਇੰਡਸਟਰੀ ਲਿਆਉਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਚੱਲ ਰਹੇ ਉਦਯੋਗਾਂ ਦੀਆਂ ਮੁਸ਼ਕਿਲਾਂ ਦਾ ਹੱਲ ਕਰਨਾ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰੀ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਵਿਚ ਬੇਲੋੜੀਆਂ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆਵਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮੁਸ਼ਕਿਲਾਂ ਤੋਂ ਰਾਹਤ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰਬਾਜ਼ੀ ਨੀਤੀ ’ਤੇ ਸਵਾਲ ਉਠਾਉਂਦਿਆਂ ਦਾਅਵਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਸਾਲਾਂ ਦੌਰਾਨ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰਬਾਜ਼ੀ ’ਤੇ ਲਗਭਗ 550 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਹੋਰਨਾਂ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰਬਾਜ਼ੀ ਕੀਤੀ ਗਈ, ਜਦਕਿ ਇਸ ਪੈਸੇ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਵਿਕਾਸ, ਵਪਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਅਤੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਲਈ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਦੇ ਮੌਕੇ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਸੀ।

ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਦੇ ਹੁਨਰ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕਰਦਿਆਂ ਸੁਖਬੀਰ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਰ ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਹਰ ਸਾਲ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਹੁਨਰ ਵਿਚ ਮਾਹਿਰ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਟੀਚਾ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਦਸਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤੋਂ ਹੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਕਿੱਲ ਸਟ੍ਰੀਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਦੀ ਯੋਜਨਾ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇਗੀ, ਜਿਸ ਰਾਹੀਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੁਚੀ ਅਤੇ ਯੋਗਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਕਿੱਤਾਮੁਖੀ ਹੁਨਰਾਂ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਦਾ ਮਕਸਦ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਦੇ ਕਾਬਲ ਬਣਾਉਣਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਸੁਖਬੀਰ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਆਰਥਿਕਤਾ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਵਪਾਰੀ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀ ਵਰਗ ਦੀ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਹੈ।

ਆਗਾਮੀ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣਨ ’ਤੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰੱਖਦਿਆਂ ਨਵੀਆਂ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਅਤੇ ਸਕੀਮਾਂ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਨੀਤੀਆਂ ਬਣਾਉਣ ਸਮੇਂ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਵਰਗ ਦੇ ਤਜਰਬੇ ਅਤੇ ਜ਼ਮੀਨੀ ਹਕੀਕਤਾਂ ਨੂੰ ਅਹਿਮੀਅਤ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਅਤੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੇ ਕਾਰੋਬਾਰਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮੁਸ਼ਕਿਲਾਂ, ਉਦਯੋਗਿਕ ਵਿਕਾਸ ਵਿਚ ਆ ਰਹੀਆਂ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਸੰਬੰਧੀ ਆਪਣੇ ਸੁਝਾਅ ਸਾਂਝੇ ਕੀਤੇ।

ਸਿੰਘ ਸਾਹਿਬ ਵੱਲੋਂ ਭਾਈ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਬੀਹਾ ਅਤੇ ਭਾਈ ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਰੜ ’ਤੇ ਕੀਰਤਨ ਕਰਨ ਤੋਂ ਰੋਕ



ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ ਤਖ਼ਤ ਸਾਹਿਬ ਵੱਲੋਂ ਭਾਈ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਬੀਹਾ ਅਤੇ ਭਾਈ ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਰੜ ਦੇ ਕੀਰਤਨੀ ਜਥਿਆਂ ਉੱਤੇ ਸੰਗਤ ਵਿੱਚ ਕੀਰਤਨ ਕਰਨ ਤੋਂ 13 ਨਵੰਬਰ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 12 ਦਸੰਬਰ 2026 ਤੱਕ ਇੱਕ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਰੋਕ ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਕਾਰਵਾਈ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ ਤਖ਼ਤ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਜਥੇਦਾਰ ਗਿਆਨੀ ਕੁਲਦੀਪ ਸਿੰਘ ਗੜਗੱਜ ਵੱਲੋ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਜਾਰੀ ਆਦੇਸ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਬੀਤੇ ਦਿਨਾਂ ਤੋਂ ਦੋਵਾਂ ਜਥਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਚੱਲ ਰਹੇ ਆਪਸੀ ਵਿਵਾਦ ਅਤੇ ਸੰਗਤ ਵੱਲੋਂ ਸਕੱਤਰੇਤ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ ਤਖ਼ਤ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਲਗਾਤਾਰ ਪੁੱਜ ਰਹੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਸਬੰਧੀ ਸਕੱਤਰੇਤ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ ਤਖ਼ਤ ਸਾਹਿਬ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਹੋਏ ਆਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਿੱਖ ਰਹਿਤ ਮਰਿਯਾਦਾ, ਸੰਗਤ ਵਿਚ ਵਿਚਰਨ ਅਤੇ ਗੁਰਮਤਿ ਸੰਗੀਤ ਦੀ ਸੋਝੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਭਾਈ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਬੀਹਾ ਸ਼ਹੀਦ ਸਿੱਖ ਮਿਸ਼ਨਰੀ ਕਾਲਜ, ਸ੍ਰੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਭਾਈ ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਰੜ ਗੁਰਮਤਿ ਸੰਗੀਤ ਅਕੈਡਮੀ ਸ੍ਰੀ ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਇੱਕ ਮਹੀਨੇ ਲਈ ਗੁਰਮਤਿ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨਗੇ।

ਮਨ ਵਿਚ ਨਿਮਰਤਾ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਲੰਗਰ ਹਾਲ ਵਿਚ ਸਵੇਰੇ-ਸ਼ਾਮ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਉਪਰੰਤ ਇੱਕ ਮਹੀਨੇ ਬਾਅਦ ਸਕੱਤਰੇਤ ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ ਤਖ਼ਤ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਸਬੰਧਤ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰਮਾਣ ਪੱਤਰ ਲੈ ਕੇ ਨਿੱਜੀ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੋਣਗੇ। ਆਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਗੁਰਬਾਣੀ ਕੀਰਤਨ ਗੁਰ ਪਾਤਸ਼ਾਹ ਵੱਲੋਂ ਬਖ਼ਸ਼ੀ ਦਾਤ ਅਤੇ ਰੂਹ ਦੀ ਖੁਰਾਕ ਹੈ। ਗੁਰਬਾਣੀ ਕੀਰਤਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਇਨਸਾਨ ਵਿਚ ਗੁਰੂ ਦੀ ਭੈਅ ਭਾਵਨੀ, ਨਿਮਰਤਾ, ਸਿੱਖ ਰਹਿਤ ਮਰਯਾਦਾ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਗੁਰਬਾਣੀ ਸੰਗੀਤ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦਾ ਗਿਆਨ ਹੋਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਪਿਛਲੇ ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਭਾਈ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਬੀਹਾ ਅਤੇ ਭਾਈ ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਰੜ ਵੱਲੋਂ ਜਿਥੇ ਗੁਰਬਾਣੀ ਕੀਰਤਨ ਦੀ ਮਰਿਯਾਦਾ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਉੱਥੇ ਹੀ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਵਿਰੁੱਧ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਦੀਵਾਨ ਹਾਲ ਵਿਖੇ ਸੋਸ਼ਲ ਮੀਡੀਆ ਰਾਹੀਂ ਹਲਕੇ ਪੱਧਰ ਦੀ ਦੂਸ਼ਣਬਾਜ਼ੀ ਵੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਪੁਰਾਤਨ ਕੀਰਤਨੀਏ ਅਤੇ ਸੰਗਤ ਦੀਆਂ ਭਾਵਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਭਾਰੀ ਠੇਸ ਪਹੁੰਚੀ ਹੈ।

ਪੰਜਾਬ ਨਗਰ ਨਿਗਮਾਂ ਦੇ ਸੇਵਾਮੁਕਤ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਬਕਾਏ ਨਾ ਦੇਣ ’ਤੇ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਸਖ਼ਤ



ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨਗਰ ਨਿਗਮਾਂ, ਨਗਰ ਕੌਂਸਲਾਂ, ਨਗਰ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਅਤੇ ਸੁਧਾਰ ਟਰੱਸਟਾਂ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਬਕਾਇਆ ਸੇਵਾਮੁਕਤੀ ਲਾਭਾਂ ਅਤੇ ਜਨਰਲ ਪ੍ਰਾਵੀਡੈਂਟ ਫੰਡ (ਜੀਪੀਐੱਫ) ਦੀਆਂ ਜਮ੍ਹਾਂ ਨਾ ਹੋਈਆਂ ਰਕਮਾਂ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਵਿਸਥਾਰਤ ਰਿਪੋਰਟ ਮੰਗੀ ਹੈ। ਜਸਟਿਸ ਨਮਿਤ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕੁੱਲ ਬਕਾਇਆ ਰਕਮ, ਇਸ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੇ ਫੰਡਾਂ ਅਤੇ ਬਜਟ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਦੇਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਅਦਾਇਗੀ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸੀਮਾ ਵੀ ਦੱਸਣ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਹਨ।

ਦੋ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਸੁਣਵਾਈ ਦੌਰਾਨ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਦਾਇਰ ਕੀਤੀ ਪਾਲਣਾ ਰਿਪੋਰਟ ਵਿੱਚ ਕਈ ਅਹਿਮ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰਾਂ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਕੱਤਰ ਘਨਸ਼ਿਆਮ ਥੋਰੀ ਨੇ ਹਲਫ਼ਨਾਮੇ ਨਾਲ ਰਿਪੋਰਟ ਅਤੇ ਮਿਆਰੀ ਕਾਰਜ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (ਐੱਸਓਪੀ) ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਪਰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਬਕਾਇਆ ਅਦਾਇਗੀਆਂ ਬਾਰੇ ਲੋੜੀਂਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਨਹੀਂ ਸੀ।

ਜੀਪੀਐੱਫ ਦੀਆਂ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਜਮ੍ਹਾਂ ਨਾ ਕਰਵਾਉਣ ਦਾ ਮਾਮਲਾ

ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਪੁੱਛਿਆ ਕਿ ਕਿੰਨੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖ਼ਾਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕੱਟੀ ਗਈ ਜੀਪੀਐੱਫ ਦੀ ਰਕਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਾਤਿਆਂ ਵਿੱਚ ਜਮ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾਈ ਗਈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪੀਐੱਫ ਅਤੇ ਯੋਗਦਾਨੀ ਭਵਿੱਖ ਨਿਧੀ (ਸੀਪੀਐੱਫ) ਦੀਆਂ ਬਕਾਇਆ ਰਕਮਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੇ ਫੰਡਾਂ ਬਾਰੇ ਵੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਮੰਗੀ ਗਈ ਹੈ। ਤੀਜੀ ਤੇ ਚੌਥੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨਾਲ ਵਿਤਕਰੇ ’ਤੇ ਚਿੰਤਾ

ਜਸਟਿਸ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਕਈ ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸੇਵਾਮੁਕਤ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਣਦੇ ਲਾਭ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ। ਪਹਿਲੀ ਤੇ ਦੂਜੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਅਕਸਰ ਜਲਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਜਦੋਂਕਿ ਤੀਜੀ ਤੇ ਚੌਥੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਮਹੀਨਿਆਂ ਉਡੀਕ ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ।

ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹੇਠਲੇ ਦਰਜੇ ਦੇ ਸੇਵਾਮੁਕਤ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਆਪਣੇ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਖਰਚਿਆਂ, ਇਲਾਜ ਅਤੇ ਪਰਿਵਾਰਕ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀਆਂ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਾਭਾਂ ’ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਹੱਕ ਲੈਣ ਲਈ ਅਦਾਲਤਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਕਰਨ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਕਰਨਾ ਮੰਦਭਾਗਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭਵਿੱਖ ਵਿੱਚ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਅਦਾਇਗੀਆਂ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਦੇ ਵੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਕੁਲਗਾਮ ’ਚ ਦਹਿਸ਼ਤੀ ਹਮਲਾ; ਸੀ ਆਰ ਪੀ ਐੱਫ ਜਵਾਨਾਂ ’ਤੇ ਗੋਲੀਆਂ ਚਲਾਈਆਂ; ਦੋ ਜ਼ਖ਼ਮੀ



ਕੁਲਗਾਮ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਜੰਮੂ-ਕਸ਼ਮੀਰ ਦੇ ਕੁਲਗਾਮ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਬੁੱਧਵਾਰ ਦੁਪਹਿਰ ਵੇਲੇ ਮੋਟਰਸਾਈਕਲ ਸਵਾਰ ਦੋ ਜਣਿਆਂ ਨੇ ਨਾਕੇ ’ਤੇ ਡਿਊਟੀ ਕਰ ਰਹੇ ਕੇਂਦਰੀ ਰਿਜ਼ਰਵ ਪੁਲੀਸ ਬਲ (ਸੀਆਰਪੀਐੱਫ) ਦੇ ਜਵਾਨਾਂ ’ਤੇ ਗੋਲੀਆਂ ਚਲਾ ਦਿੱਤੀਆਂ। ਇਸ ਹਮਲੇ ਵਿੱਚ ਦੋ ਜਵਾਨ ਜ਼ਖ਼ਮੀ ਹੋ ਗਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਲਾਜ ਲਈ ਅਨੰਤਨਾਗ ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਦਾਖ਼ਲ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ।

ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਨੁਸਾਰ ਹਮਲਾ ਦੁਪਹਿਰ ਕਰੀਬ 2.15 ਵਜੇ ਹੋਇਆ। ਬਾਈਕ ’ਤੇ ਆਏ ਦੋ ਅਣਪਛਾਤੇ ਹਮਲਾਵਰਾਂ ਨੇ ਨਾਕੇ ’ਤੇ ਤਾਇਨਾਤ ਸੀਆਰਪੀਐੱਫ ਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਬਣਾਉਂਦਿਆਂ ਗੋਲੀਆਂ ਚਲਾਈਆਂ ਅਤੇ ਫਿਰ ਮੌਕੇ ਤੋਂ ਫ਼ਰਾਰ ਹੋ ਗਏ। ਘਟਨਾ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਮਿਲਣ ਮਗਰੋਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਬਲਾਂ ਨੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸਖ਼ਤ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਹਮਲਾਵਰਾਂ ਦਾ ਪਤਾ ਲਾਉਣ ਲਈ ਤਲਾਸ਼ੀ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਕੁਲਗਾਮ ਦੱਖਣੀ ਕਸ਼ਮੀਰ ਦਾ ਸੰਵੇਦਨਸ਼ੀਲ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇੱਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਅਤਿਵਾਦੀ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਸ੍ਰੀਨਗਰ ਤੋਂ ਲਗਪਗ 70 ਤੋਂ 75 ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਦੂਰ ਸਥਿਤ ਹੈ। ਕੁਲਗਾਮ, ਅਨੰਤਨਾਗ ਅਤੇ ਸ਼ੋਪੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਉਸ ਖੇਤਰ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹੈ, ਜਿੱਥੇ ਪਿਛਲੇ ਸਮੇਂ ਦੌਰਾਨ ਅਤਿਵਾਦੀ ਘਟਨਾਵਾਂ ਵਾਪਰਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਸੁਰੱਖਿਆ ਬਲਾਂ ਵੱਲੋਂ ਹਮਲਾਵਰਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰੀ ਲਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਚੋਣਾਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ‘ਪੰਜਾਬ ਮੰਗਦਾ ਇਨਸਾਫ਼’ ਅਭਿਆਨ



ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਆਗਾਮੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਚੋਣਾਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪੰਜਾਬ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਬੁੱਧਵਾਰ ਨੂੰ ‘ਪੰਜਾਬ ਮੰਗਦਾ ਇਨਸਾਫ਼’ ਅਭਿਆਨ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕੀਤੀ ਜਿਸ ਦੇ ਤਹਿਤ ਸਮਾਜ ਦੇ ਹਰ ਵਰਗ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਅਤੇ ਚਿੰਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਉਠਾਉਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਪੰਜਾਬ ਇਕਾਈ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਪਰਗਟ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਰਾਜ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਵਿੱਚ ਨੇਤਾ ਵਿਰੋਧੀ ਧਿਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ ਨੇ ਇੱਥੇ ਪਾਰਟੀ ਹੈੱਡਕੁਆਰਟਰ ਵਿੱਚ ਇਸ ਅਭਿਆਨ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕੀਤੀ।

ਪਾਰਟੀ ਅਨੁਸਾਰ, ’ਪੰਜਾਬ ਮੰਗਦਾ ਇਨਸਾਫ਼’ ਅਭਿਆਨ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਰਾਜ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜਨਾ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਨੌਜਵਾਨਾਂ, ਨਸ਼ੇ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ, ਕਾਨੂੰਨ-ਵਿਵਸਥਾ ਅਤੇ ਜਨਹਿਤ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਹੋਰ ਮੁੱਦਿਆਂ ਨੂੰ ਉਠਾਉਣਾ ਹੈ। ਬਾਜਵਾ ਨੇ ਪੱਤਰਕਾਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਅਭਿਆਨ ਦੇ ਤਹਿਤ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਇਕਾਈ ਦੇ ਨੇਤਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹਿੱਸਿਆਂ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਰਗਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਮੁੱਦੇ ਉਠਾਉਣਗੇ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ, ’’ਅਸੀਂ ਆਮ ਆਦਮੀ ਪਾਰਟੀ (ਆਪ) ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਪੈਨਸ਼ਨਰਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਧੋਖੇ, ਪੁਰਾਣੀ ਪੈਨਸ਼ਨ ਯੋਜਨਾ ਲਾਗੂ ਨਾ ਕੀਤੇ ਜਾਣ, ਕਾਨੂੰਨ-ਵਿਵਸਥਾ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੀ ਖਰਾਬ ਵਿੱਤੀ ਹਾਲਤ ਵਰਗੇ ਮੁੱਦਿਆਂ ’ਤੇ ਗੱਲ ਕਰਾਂਗੇ।’’

ਬਾਜਵਾ ਨੇ ਦਾਅਵਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ‘ਆਪ’ ਸਰਕਾਰ ਹਰ ਮੋਰਚੇ ’ਤੇ ਅਸਫ਼ਲ ਰਹੀ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ, ’’ਆਪ ਨੇਤਾ ਅਰਵਿੰਦ ਕੇਜਰੀਵਾਲ ਨੇ ਕਾਲਜ, ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਅਤੇ ਸੜਕਾਂ ਤੇ ਪੁਲਾਂ ਸਮੇਤ ਨਵੇਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਢਾਂਚੇ ਦੇ ਨਿਰਮਾਣ ਲਈ ਹਰ ਸਾਲ 54,000 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇਣ ਦਾ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਪਰ ਇੱਕ ਵੀ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਅਸੀਂ ਕੇਜਰੀਵਾਲ ਤੋਂ ਪੁੱਛਾਂਗੇ ਕਿ ਉਹ ਪੈਸਾ ਕਿੱਥੇ ਗਿਆ।’’

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਔਰਤਾਂ ਅਤੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਲਈ ਵੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ।

ਕਾਂਗਰਸ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ ਚਰਨਜੀਤ ਸਿੰਘ ਚੰਨੀ ਦੀ 12 ਨਵੰਬਰ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਸਾਈਕਲ ਯਾਤਰਾ ਬਾਰੇ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ ’ਤੇ ਬਾਜਵਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਵੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ, ’’ਚੰਨੀ ਸਾਹਿਬ ਸਾਡੇ ਭਰਾ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨਾਲ ਕਾਂਗਰਸ ਦਾ ਸੁਨੇਹਾ ਪੂਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਪਹੁੰਚੇਗਾ। ਅਸੀਂ ਸਭ ਮਿਲ ਕੇ ਇਹ ਅਭਿਆਨ ਚਲਾਵਾਂਗੇ। ਕੱਲ੍ਹ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ (ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਾਈਕਲ ਯਾਤਰਾ ਵਿੱਚ) ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵਾਂਗੇ।’’

ਨੇਤਾ ਵਿਰੋਧੀ ਧਿਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮਾਝਾ, ਮਾਲਵਾ ਅਤੇ ਦੋਆਬਾ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਉਲੀਕੇ ਜਾਣਗੇ। ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਲੋਕਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਣਾ ਇਸ ਅਭਿਆਨ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ। ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਚੰਨੀ ਨੇ ’ਜਵਾਨੀ ਸੰਭਾਲ, ਜੱਟਾ’ ਨਾਂ ਤੋਂ ਸਾਈਕਲ ਯਾਤਰਾ ਦੀ ਯੋਜਨਾ ਬਣਾਈ ਹੈ। ਇਸ ਯਾਤਰਾ ਦੌਰਾਨ ਉਹ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਹਲਕਿਆਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰਨਗੇ। ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਵਿੱਚ ਹੋਣੀਆਂ ਹਨ।

ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਵਿੱਚ 1 ਦਸੰਬਰ, 2026 ਤੋਂ 4 ਜਨਵਰੀ, 2027 ਤੱਕ ‘ਜਨਗਣਨਾ - ਪੜਾਅ 2’ ਚੱਲੇਗਾ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਜਨਗਣਨਾ 2027 ਦੇ ਦੂਜੇ ਪੜਾਅ ਦੇ ਪ੍ਰਚਾਰ ਅਤੇ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿੰਮ ਲਈ ਡਿਜੀਟਲ ਐਲਈਡੀ ਵੈਨਾਂ ਨੂੰ ਅੱਜ ਯਾਨੀ 11 ਨਵੰਬਰ, 2026 ਨੂੰ ਸਵੇਰੇ 11:00 ਵਜੇ, ਡਾਇਰੈਕਟਰੇਟ ਆਫ਼ ਸੈਂਸਸ ਓਪਰੇਸ਼ਨਜ਼, ਪੰਜਾਬ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਤੋਂ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਡਾ. ਨਵਜੋਤ ਖੋਸਾ ਦੁਆਰਾ ਰਸਮੀ ਤੌਰ ’ਤੇ ਹਰੀ ਝੰਡੀ ਦਿਖਾ ਕੇ ਰਵਾਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਹਨਾਂ ’ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸੰਦੇਸ਼ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਿਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਕਿਊ.ਆਰ. ਕੋਡ ਵੀ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਜੋ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਸਿੱਧੇ ਅਧਿਕਾਰਤ ‘ਨੈਸ਼ਨਲ ਸੈਂਸਸ ਪੋਰਟਲ’ ਨਾਲ ਜੋੜਦੇ ਹਨ, ਜਿੱਥੇ ਉਹ ਖੁਦ ਆਪਣੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਰਜ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਡਾਇਰੈਕਟਰੇਟ ਦੇ ਸਮੂਹ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਸਮੁੱਚੇ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨਾਲ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ।

ਡਿਜੀਟਲ ਵੈਨਾਂ ਸਬੰਧਿਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮੁੱਖ ਕਸਬਿਆਂ, ਸ਼ਹਿਰੀ ਅਤੇ ਪੇਂਡੂ ਖੇਤਰਾਂ, ਬਾਜ਼ਾਰਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਜਨਤਕ ਸਥਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਵਰ ਕਰਨਗੀਆਂ ਜਿੱਥੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਆਵਾਜਾਈ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਜਨਗਣਨਾ 2027, ਸਵੈ-ਗਣਨਾ ਅਤੇ ਆਬਾਦੀ ਦੀ ਗਣਨਾ ਦੇ ਮਹੱਤਵ ਬਾਰੇ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਵਿੱਚ ਵਿਆਪਕ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਜਨਤਕ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ। ਆਡੀਓ-ਵੀਡੀਓ ਮਾਧਿਅਮ ਰਾਹੀਂ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਾ ਪ੍ਰਸਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਇਸ ਵੈਨ ਦੀ ਸੁਚਾਰੂ ਆਵਾਜਾਈ, ਸਥਾਨਕ ਤਾਲਮੇਲ ਅਤੇ ਪ੍ਰਚਾਰ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਲਾਗੂਕਰਨ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਲਈ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਤੋਂ ਇੱਕ ਨਾਮਜ਼ਦ ਇਸਕਾਰਟ ਅਧਿਕਾਰੀ ਵੈਨ ਦੇ ਨਾਲ ਰਹੇਗਾ।

ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ-ਕਮ-ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਸੈਂਸਸ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੇ ਡਿਜੀਟਲ ਵੈਨ ਦੇ ਵਿਸਥਾਰਤ ਰੂਟ ਪਲਾਨ ਨੂੰ ਅੰਤਿਮ ਰੂਪ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਪ੍ਰਚਾਰ ਹੋਰਡਿੰਗਜ਼ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਢੁਕਵੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨੋਡਲ ਅਫ਼ਸਰ (ਪ੍ਰਚਾਰ) ਦੇ ਅਪਡੇਟ ਕੀਤੇ ਵੇਰਵੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰੇਟ ਨੂੰ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਏ ਹਨ।

ਪੰਜਾਬ ਲਈ ਸਮਾਂ ਸੀਮਾ

ਜਨਗਣਨਾ 2027 ਦੋ ਪੜਾਆਂ ਵਿੱਚ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਪਹਿਲਾ ਪੜਾਅ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀਬੱਧਤਾ ਅਤੇ ਰਿਹਾਇਸ਼ੀ ਜਨਗਣਨਾ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ।

ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਵਿੱਚ ਜਨਗਣਨਾ ਦਾ ਦੂਜਾ ਪੜਾਅ 1 ਦਸੰਬਰ 2026 ਤੋਂ 4 ਜਨਵਰੀ 2027 ਤੱਕ ਚਲੇਗਾ, ਜਿਸਦੀ ਰੈਫਰੇਂਸ ਡੇਟ 5 ਜਨਵਰੀ 2027 ਰਾਤ 12 ਵਜੇ ਤੱਕ ਹੋਵੇਗੀ। ਸਵੈ-ਗਣਨਾ 16 ਨਵੰਬਰ ਤੋਂ 30 ਨਵੰਬਰ 2026 ਤੱਕ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇਗੀ। ਨਾਗਰਿਕ ਜਨਗਣਨਾ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ 40 ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਖੁਦ ਦੇਣ ਲਈ se.census.gov.in ਪੋਰਟਲ ’ਤੇ ਲਾਗ ਇਨ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਸਵੈ-ਗਣਨਾ ਪੋਰਟਲ 30 ਨਵੰਬਰ 2026 ਨੂੰ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

ਹਰਿਆਣਾ ਵਿੱਚ ਕੁਦਰਤੀ ਅਤੇ ਜੈਵਿਕ ਖੇਤੀ ਲਈ ਤਾਲਮੇਲ ਵਾਲੀ ਕਾਰਜ-ਯੋਜਨਾ ਜਲਦ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਸਰਕਾਰ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਕੁਦਰਤੀ ਖੇਤੀ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਾਫ਼ੀ ਗੰਭੀਰ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਨੁਰਾਗ ਰਸਤੋਗੀ ਨੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕੁਦਰਤੀ ਖੇਤੀ ਲਈ ਢੁਕਵੀਆਂ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ਪੰਜ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰਕੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ, ਉਤਸ਼ਾਹ ਅਤੇ ਮੰਡੀਕਰਨ ਲਈ ਇੱਕ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਕਾਰਜ-ਯੋਜਨਾ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਇਸ ਪਹਿਲਕਦਮੀ ਦੇ ਤਹਿਤ ਹਲਦੀ, ਲਾਲ ਮਿਰਚ ਅਤੇ ਅਦਰਕ ਵਰਗੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀਆਂ ਸੰਭਾਵਨਾਵਾਂ ’ਤੇ ਵੀ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਸ਼੍ਰੀ ਰਸਤੋਗੀ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਕੁਦਰਤੀ ਅਤੇ ਜੈਵਿਕ ਖੇਤੀ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਤਹਿਤ ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜ ਦੇ ਪ੍ਰਮਾਣੀਕਰਨ, ਖ਼ਰੀਦ ਅਤੇ ਮੰਡੀਕਰਨ ਲਈ ਇੱਕ ਸੁਚੱਜੀ ਵਿਵਸਥਾ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਅੱਜ ਇੱਥੇ ਇੱਕ ਉੱਚ-ਪੱਧਰੀ ਮੀਟਿੰਗ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਗੱਲ ’ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਕਾਰਜ-ਯੋਜਨਾ ਵਿੱਚ ਢੁਕਵੇਂ ਖੇਤੀ ਖੇਤਰਾਂ, ਉਤਪਾਦਨ ਦੇ ਟੀਚਿਆਂ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ, ਪ੍ਰਮਾਣੀਕਰਨ ਸੰਬੰਧੀ ਲੋੜਾਂ ਅਤੇ ਮੰਡੀਕਰਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਸਪੱਸ਼ਟ ਤੌਰ ’ਤੇ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਕੁਦਰਤੀ ਅਤੇ ਜੈਵਿਕ ਖੇਤੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਭਰੋਸੇਯੋਗ ਖ਼ਰੀਦ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਅਤੇ ਸੰਗਠਿਤ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨਾਲ ਜੋੜਨ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਖੇਤੀ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ, ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਅਤੇ ਪਤਾ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਉਪਜ ਦਾ ਲਾਭਕਾਰੀ ਮੁੱਲ ਦਿਵਾਉਣ ’ਤੇ ਵਿਸਥਾਰ ਨਾਲ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਰਸਤੋਗੀ ਨੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਕੁਦਰਤੀ ਅਤੇ ਜੈਵਿਕ ਖੇਤੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਸਮੂਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅਤੇ ਫ਼ਸਲ-ਵਾਰ ਪ੍ਰਮਾਣਿਤ ਡਾਟਾ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਵੀ ਦਿੱਤੇ। ਇਸ ਡਾਟੇ ਵਿੱਚ ਖੇਤੀ ਦਾ ਖੇਤਰਫਲ, ਪ੍ਰਮਾਣੀਕਰਨ ਦੀ ਸਥਿਤੀ, ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਉਤਪਾਦਨ ਅਤੇ ਬਾਜ਼ਾਰ ਵਿੱਚ ਵਿਕਰੀ ਲਈ ਉਪਲਬਧ ਸੰਭਾਵੀ ਉਪਜ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਨਾਲ ਢੁਕਵੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਅਤੇ ਉਤਪਾਦਨ ਕਲੱਸਟਰਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ।

ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਹਰਿਆਣਾ ਰਾਜ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਪਲਾਈ ਅਤੇ ਵਿਪਣਨ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ (ਹੈਫੇਡ) ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸ਼੍ਰੀ ਚੰਦਰਸ਼ੇਖਰ ਖਰੇ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਭਕਾਰੀ ਮੁੱਲ ਦਿਵਾਉਣ ਅਤੇ ਪ੍ਰਮਾਣਿਤ ਕੁਦਰਤੀ ਤੇ ਜੈਵਿਕ ਉਤਪਾਦਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਉਪਭੋਗਤਾਵਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਚੈਨਲ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਹੈਫੇਡ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ’ਤੇ ਚਾਨਣਾ ਪਾਇਆ।

ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਕੁਦਰਤੀ ਅਤੇ ਜੈਵਿਕ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਮਾਣੀਕਰਨ ਦੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ’ਤੇ ਵੀ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਹਰਿਆਣਾ ਸਟੇਟ ਸੀਡ ਸਰਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਏਜੰਸੀ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮਾਨਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ’ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਨਾਲ ਹੀ, ਖੇਤ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਅੰਤਿਮ ਉਤਪਾਦ ਤੱਕ ਉਪਜ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ, ਜਾਂਚ, ਵੈਰੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਟਰੇਸੇਬਿਲਟੀ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਇੱਕ ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨ ’ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ।

ਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਪਹਿਲਕਦਮੀ ਨਾਲ ਜੋੜਨ, ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਸਿਖਲਾਈ, ਰਜਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰਮਾਣੀਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਉਪਜ ਦਾ ਭਰੋਸੇਯੋਗ ਰਿਕਾਰਡ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਵੀ ਦਿੱਤੇ।

ਇਸ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਕੁਦਰਤੀ ਖੇਤੀ ਕੇਂਦਰ, ਪੀਜੀਐਸ-ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮਾਨਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਤਕਨੀਕੀ ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਲੈਣ ਦੀ ਲੋੜ ’ਤੇ ਵੀ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ।

ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸਕੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਪੰਕਜ ਯਾਦਵ, ਖੁਰਾਕ, ਨਾਗਰਿਕ ਸਪਲਾਈ ਅਤੇ ਉਪਭੋਗਤਾ ਮਾਮਲੇ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸਕੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਅਮਨੀਤ ਪੀ. ਕੁਮਾਰ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਭਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਖਤਰੀ ਸਮੇਤ ਹੋਰ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਮਿਆਰੀ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਦਵਾਈਆਂ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਸੂਬਾ ਸਰਕਾਰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਚਨਬੱਧ : ਆਰਤੀ ਸਿੰਘ ਰਾਓ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਦੀ ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ ਆਰਤੀ ਸਿੰਘ ਰਾਓ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਮਿਆਰੀ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਦਵਾਈਆਂ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਸੂਬਾ ਸਰਕਾਰ ਪੂਰੀ ਵਚਨਬੱਧਤਾ ਨਾਲ ਲਗਾਤਾਰ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਦਵਾਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ (ਐਫ.ਡੀ.ਏ.) ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਨਕਲੀ ਦਵਾਈਆਂ ਵੇਚਣ ਅਤੇ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਸਖ਼ਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਦਵਾਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ (ਐਫ.ਡੀ.ਏ.) ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਬੁਲਾਰੇ ਨੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ’ਤੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਾਰਵਾਈ ਦੌਰਾਨ 1 ਅਪ੍ਰੈਲ 2026 ਤੋਂ 30 ਸਤੰਬਰ 2026 ਤੱਕ ਦੀ ਮਿਆਦ ਦੌਰਾਨ ਡਰੱਗ ਵਿੰਗ ਵੱਲੋਂ ਵਿਆਪਕ ਨਿਰੀਖਣ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਗਈ, ਜਿਸ ਤਹਿਤ ਕੁੱਲ 13,590 ਵਿਕਰੀ ਇਕਾਈਆਂ ਅਤੇ 423 ਨਿਰਮਾਣ ਇਕਾਈਆਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਅਤੇ ਬੇਨਿਯਮੀਆਂ ਪਾਏ ਜਾਣ ’ਤੇ ਸਖ਼ਤ ਕਦਮ ਚੁੱਕਦਿਆਂ 966 ਡਰੱਗ ਸੇਲ ਲਾਇਸੈਂਸ ਅਤੇ 12 ਮੈਨੂਫੈਕਚਰਿੰਗ/ਬਲੱਡ ਸੈਂਟਰ ਲਾਇਸੈਂਸ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤੇ ਗਏ, ਜਦਕਿ 15 ਲਾਇਸੈਂਸ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੱਦ ਅਤੇ 5 ਅੰਸ਼ਕ ਤੌਰ ’ਤੇ ਰੱਦ ਕੀਤੇ ਗਏ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਗੁਣਵੱਤਾ ਨਿਯੰਤਰਣ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਇਸ ਮਿਆਦ ਦੌਰਾਨ 2,389 ਸੈਂਪਲ ਇਕੱਠੇ ਕੀਤੇ ਗਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 2,189 ਸੈਂਪਲਾਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 11 ਸੈਂਪਲ ਗੈਰ-ਮਿਆਰੀ ਪਾਏ ਗਏ ਹਨ।ਉਨ੍ਹਾਂ ਅੱਗੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸ਼ਿਕੰਜਾ ਕੱਸਦਿਆਂ 64 ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮੁਕੱਦਮੇ ਦਰਜ ਕਰਵਾਏ ਗਏ, ਜਦਕਿ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ 15



ਮਾਮਲਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਹੋਇਆ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ 8 ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਸਜ਼ਾ ਅਤੇ 7 ਵਿੱਚ ਬਰੀ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਆਇਆ। ਫਿਲਹਾਲ 462 ਮਾਮਲੇ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਲੰਬਿਤ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਪੁਲਿਸ ਅਤੇ ਐਫ.ਡੀ.ਏ. ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੀ ਸਾਂਝੀ ਕਾਰਵਾਈ ਤਹਿਤ 376 ਸਾਂਝੀਆਂ ਛਾਪੇਮਾਰੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਐਨ.ਡੀ.ਪੀ.ਐਸ. ਐਕਟ ਤਹਿਤ 2 ਅਤੇ ਐਮ.ਟੀ.ਪੀ. ਐਕਟ ਤਹਿਤ 4 ਐਫ.ਆਈ.ਆਰ. ਦਰਜ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ।

ਬੁਲਾਰੇ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਐਫ.ਡੀ.ਏ. ਦੀ ਟੀਮ ਨੇ ਅਪ੍ਰੈਲ 2026 ਵਿੱਚ ਲਗਭਗ 70 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਮੁੱਲ ਦੇ ਭਾਰ ਘਟਾਉਣ ਅਤੇ ਸ਼ੂਗਰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਟੀਕਿਆਂ (ਨਕਲੀ ‘ਮੌਨਜਾਰੋ’ ਇੰਜੈਕਸ਼ਨਾਂ) ਦੀ ਖੇਪ ਜ਼ਬਤ ਕੀਤੀ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੁਲਾਈ 2026 ਵਿੱਚ ਐਫ.ਡੀ.ਏ. ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਟੀਮ ਨੇ ਬੀਪੀ ਦੀ ਨਕਲੀ ਦਵਾਈ ‘ਟੈਲਮਾ-ਏਐਮ’ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਵੇਚਣ ਵਾਲੇ ਅੰਤਰਰਾਜੀ ਗਿਰੋਹ ਦਾ ਪਰਦਾਫਾਸ਼ ਕੀਤਾ।ਇਸੇ ਲੜੀ ਵਿੱਚ 28 ਜੁਲਾਈ 2026 ਨੂੰ ਐਫ.ਡੀ.ਏ. ਫਰੀਦਾਬਾਦ ਦੀ ਟੀਮ ਨੇ ਇੱਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ’ਤੇ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਦਿਆਂ ਨਕਲੀ ਪ੍ਰੋਪਲੀਨ ਗਲਾਈਕੋਲ ਦੀ ਵੱਡੀ ਖੇਪ ਜ਼ਬਤ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸਿਹਤ ਮਿਆਰਾਂ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ ਲਈ 2,675 ਰਿਟੇਲ/ਹੋਲਸੇਲ ਸੇਲ ਲਾਇਸੈਂਸ ਅਤੇ 20 ਮੈਨੂਫੈਕਚਰਿੰਗ ਲਾਇਸੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ, 14 ਮੈਡੀਕਲ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਨੂੰ ਮਾਨਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਅਤੇ 2 ਨਿਰਮਾਣ ਇਕਾਈਆਂ ਨੂੰ ਡਬਲਯੂ.ਐਚ.ਓ.-ਜੀ.ਐਮ.ਪੀ. (➡8®-7$♦) ਪੱਧਰ ਤੱਕ ਅਪਗ੍ਰੇਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ ਆਰਤੀ ਸਿੰਘ ਰਾਓ ਨੇ ਸੂਬਾ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਭਰੋਸਾ ਦਿਵਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸੂਬਾ ਸਰਕਾਰ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਨਾਲ ਖਿਲਵਾੜ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਸਮਾਜ ਵਿਰੋਧੀ ਅਨਸਰਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜ਼ੀਰੋ ਟਾਲਰੈਂਸ ਦੀ ਨੀਤੀ ’ਤੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਬਾਜ਼ਾਰ ਵਿੱਚ ਵਿਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਨਾਲ ਕੋਈ ਸਮਝੌਤਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਹਰੇਕ ਨਾਗਰਿਕ ਨੂੰ ਸ਼ੁੱਧ, ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਅਤੇ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੀਆਂ ਦਵਾਈਆਂ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣਾ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸਰਵਉੱਚ ਤਰਜੀਹ ਹੈ ਅਤੇ ਭਵਿੱਖ ਵਿੱਚ ਵੀ ਇਹ ਮੁਹਿੰਮ ਪੂਰੀ ਸਖ਼ਤੀ ਨਾਲ ਜਾਰੀ ਰਹੇਗੀ।

ਹਰਿਆਣਾ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਹਦਾਇਤ, ਆਰਟੀਆਈ ਦੀਆਂ ਪਹਿਲੀਆਂ ਅਪੀਲਾਂ ਦਾ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸਮੇਂ ਅੰਦਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਨਿਪਟਾਰਾ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸੂਚਨਾ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰ ਐਕਟ, 2005 ਤਹਿਤ ਦਾਇਰ ਪਹਿਲੀਆਂ ਅਪੀਲਾਂ ਦਾ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸਮੇਂ ਅੰਦਰ ਨਿਪਟਾਰਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ, ਪਹਿਲੇ ਅਪੀਲੀ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲਾਂ ’ਤੇ ਸਪੱਸ਼ਟ ਅਤੇ ਤਰਕਸੰਗਤ ਕਾਰਨਾਂ ਸਮੇਤ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਵੀ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਨੁਰਾਗ ਰਸਤੋਗੀ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਇੱਕ ਪੱਤਰ ਅਨੁਸਾਰ, ਹਰੇਕ ਪਹਿਲੀ ਅਪੀਲ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਸੂਚਨਾ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰ ਐਕਟ ਦੀ ਧਾਰਾ 19(6) ਤਹਿਤ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸਮਾਂ-ਸੀਮਾ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਰਨਾ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਪਹਿਲੀ ਅਪੀਲ ’ਤੇ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਰੇਕ ਹੁਕਮ ਵਿੱਚ ਅਪੀਲਕਰਤਾ ਵੱਲੋਂ ਉਠਾਏ ਗਏ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਨੁਕਤਿਆਂ ਅਤੇ ਆਧਾਰਾਂ ’ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਦਿਆਂ ਸਪੱਸ਼ਟ ਅਤੇ ਤਰਕਸੰਗਤ ਕਾਰਨ ਦਰਜ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ।ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿੱਚ ਇਹ ਵੀ ਸਪੱਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਮੰਗੀ ਗਈ ਸੂਚਨਾ ਕਾਨੂੰਨ ਤਹਿਤ ਜਨਤਕ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਸਬੰਧਤ ਰਾਜ ਜਨ ਸੂਚਨਾ ਅਧਿਕਾਰੀ (ਐਸਪੀਆਈਓ) ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਬੇਲੋੜੀ ਦੇਰੀ ਦੇ ਸੂਚਨਾ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ।

ਜ਼ਿਕਰਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਰਾਜ ਸੂਚਨਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵੱਲੋਂ ਪਹਿਲੀਆਂ ਅਪੀਲਾਂ ਦੇ ਨਿਪਟਾਰੇ ਵਿੱਚ ਹੋ ਰਹੀ ਦੇਰੀ ਅਤੇ ਬਿਨਾਂ ਲੋੜੀਂਦੇ ਕਾਰਨ ਦੱਸੇ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ’ਤੇ ਚਿੰਤਾ ਪ੍ਰਗਟਾਈ ਗਈ ਸੀ। ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਸਾਰੇ ਸਬੰਧਤ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਵਿਭਾਗਾਂ, ਵਿਭਾਗ ਮੁਖੀਆਂ ਅਤੇ ਅਥਾਰਟੀਆਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਸੀ।

ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਅਪੀਲੀ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਸਖ਼ਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਸੂਚਨਾ ਮੰਗਣ ਵਾਲੇ ਬਿਨੈਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਬੇਲੋੜੇ ਤੌਰ ’ਤੇ ਦੂਜੀ ਅਪੀਲ ਲਈ ਰਾਜ ਸੂਚਨਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦਾ ਰੁਖ਼ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇ।

ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਤੀ ਕਲੋਨੀ ਅਤੇ ਬਾਕਸ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ ਸਿਰਫ਼ 50 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰੀਮੀਅਮ, 6.25 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਮਿਲੇਗਾ ਬੀਮਾ ਕਲੇਮ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੂਬਾ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ ਵਧਾਉਣ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਨੂੰ ਲਾਹੇਵੰਦ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਦਰਤੀ ਆਫ਼ਤਾਂ ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਜੋਖਮਾਂ ਤੋਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਲਈ ਲਗਾਤਾਰ ਠੋਸ ਕਦਮ ਚੁੱਕ ਰਹੀ ਹੈ।

ਡਬਲ ਇੰਜਣ ਸਰਕਾਰ ਬੀਜ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਬਾਜ਼ਾਰ ਤੱਕ ਹਰ ਕਦਮ ’ਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਖੜ੍ਹੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਵੱਡੀ ਰਾਹਤ ਦਿੰਦਿਆਂ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਣ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਬਾਗਬਾਨੀ ਬੀਮਾ ਯੋਜਨਾ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ ਨੂੰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਖੇ ਆਯੋਜਿਤ ਪ੍ਰੈਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਿਤ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹੁਣ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਤੀ ਕਲੋਨੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੀ ਬਾਕਸ ਸਿਰਫ਼ 50 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰੀਮੀਅਮ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ, ਜਿਸ ਦੇ ਬਦਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਤੀ ਕਲੋਨੀ ਅਤੇ ਬਾਕਸ 1,250 ਰੁਪਏ ਦਾ ਬੀਮਾ ਕਵਰ ਮਿਲੇਗਾ। ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਤਹਿਤ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਕ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ 6 ਲੱਖ 25 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਦਾ ਬੀਮਾ ਕਲੇਮ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਸਕਣਗੇ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਣ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਦ ਉਤਪਾਦਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਪਜ ਦਾ ਉਚਿਤ ਮੁੱਲ ਦਿਵਾਉਣ ਲਈ ਵੀ ਵਚਨਬੱਧ ਹੈ। ਇਸੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ 16 ਅਗਸਤ, 2025 ਨੂੰ ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਵਿਖੇ ਸ਼ਹਿਦ ਨੂੰ ਭਾਵਾਂਤਰ ਭਰਪਾਈ ਯੋਜਨਾ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਜਿਸ ਨੂੰ 27 ਸਤੰਬਰ, 2025 ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਤਹਿਤ ਸ਼ਹਿਦ ਦਾ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਮੁੱਲ 120 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਆਪਣੇ ਬਜਟ ਭਾਸ਼ਣ 2026-27 ਵਿੱਚ 7 ਮਾਰਚ, 2026 ਨੂੰ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਣ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਬਾਗਬਾਨੀ ਬੀਮਾ ਯੋਜਨਾ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਹੁਣ ਇਸ ਐਲਾਨ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਜਾਮਾ ਪਹਿਨਾਉਂਦਿਆਂ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਣ ਨੂੰ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਦਾਇਰੇ ਵਿੱਚ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਇਸ ਨਾਲ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਕੁਦਰਤੀ ਆਫ਼ਤਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਜੋਖਮਾਂ ਕਾਰਨ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਸੰਭਾਵਿਤ ਨੁਕਸਾਨ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਆਰਥਿਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਮਿਲੇਗੀ ਅਤੇ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਣ ਨੂੰ ਇੱਕ ਲਾਹੇਵੰਦ ਕਾਰੋਬਾਰ ਵਜੋਂ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਝੋਨੇ ਦੀ ਖਰੀਦ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿੱਚ ਖਰੀਫ਼ ਖਰੀਦ ਸੀਜ਼ਨ ਦੌਰਾਨ ਬੀਤੀ 29 ਸਤੰਬਰ ਤੋਂ 278 ਮੰਡੀਆਂ ਵਿੱਚ ਝੋਨੇ ਦੀ ਖਰੀਦ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਜੋ 15 ਨਵੰਬਰ ਤੱਕ ਜਾਰੀ ਰਹੇਗੀ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੋਂ ਕਾਮਨ ਝੋਨੇ ਦੀ ਖਰੀਦ 2,441 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਕੁਇੰਟਲ ਅਤੇ ਗ੍ਰੇਡ-ਏ ਝੋਨੇ ਦੀ ਖਰੀਦ 2,461 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਕੁਇੰਟਲ ਦੇ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ਸਮਰਥਨ ਮੁੱਲ ’ਤੇ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ 5 ਨਵੰਬਰ ਤੱਕ ਸੂਬੇ ਦੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿੱਚ 48 ਲੱਖ ਮੀਟ੍ਰਿਕ ਟਨ ਝੋਨੇ ਦੀ ਆਮਦ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚੋਂ 43 ਲੱਖ ਮੀਟ੍ਰਿਕ ਟਨ ਝੋਨੇ ਦੀ ਖਰੀਦ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, 37 ਲੱਖ 20 ਹਜ਼ਾਰ ਮੀਟ੍ਰਿਕ ਟਨ ਝੋਨੇ ਦੀ ਚੁਕਾਈ ਵੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੂਬਾ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਇੱਕ-ਇੱਕ ਦਾਣਾ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ਸਮਰਥਨ ਮੁੱਲ ’ਤੇ ਖਰੀਦਣ ਅਤੇ ਸਮਾਂਬੱਧ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਭੁਗਤਾਨ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਡਬਲ ਇੰਜਣ ਸਰਕਾਰ ਬੀਜ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਬਾਜ਼ਾਰ ਤੱਕ ਹਰ ਕਦਮ ’ਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਖੜ੍ਹੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਵੱਡੀ ਰਾਹਤ ਦਿੰਦਿਆਂ ਮਧੂ-ਮੱਖੀ ਪਾਲਣ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਬਾਗਬਾਨੀਵਚਨਬੱਧ ਹੈ। ਇਸੇ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਤੱਕ 2 ਲੱਖ 88 ਹਜ਼ਾਰ 102 ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਬੈਂਕ ਖਾਤਿਆਂ ਵਿੱਚ 9,880 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਟਰਾਂਸਫਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ।

ਇਤਿਹਾਸ ਅਤੇ ਵਿਰਾਸਤ ਬਾਰੇ ਵਿਚਾਰ-ਚਰਚਾ



ਸ਼ਾਹਬਾਦ ਮਾਰਕੰਡਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਇਤਿਹਾਸ ਕਾਂਗਰਸ ਦਾ ਦੋ ਰੋਜ਼ਾ 11ਵਾਂ ਸੈਸ਼ਨ ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿੱਚ ਸਮਾਪਤ ਹੋ ਗਿਆ। ਹਰਿਆਣਾ ਇਤਿਹਾਸ ਕਾਂਗਰਸ ਅਤੇ ਭਾਰਤੀ ਇਤਿਹਾਸ, ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਤੇ ਪੁਰਾਤੱਤਵ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ ’ਤੇ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ ਦੇ 18 ਸੂਬਿਆਂ ਤੋਂ 200 ਤੋਂ ਵੱਧ ਇਤਿਹਾਸਕਾਰਾਂ, ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦਵਾਨਾਂ ਨੇ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ, ਸਮਾਜਿਕ ਬਣਤਰ ਅਤੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਵਿਰਾਸਤ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪੱਖਾਂ ਬਾਰੇ ਵਿਚਾਰ-ਵਟਾਂਦਰਾ ਕੀਤਾ। ਸੈਸ਼ਨ ਦੌਰਾਨ 11 ਤਕਨੀਕੀ ਬੈਠਕਾਂ ਹੋਈਆਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ 200 ਤੋਂ ਵੱਧ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ।

ਸਮਾਪਤੀ ਸਮਾਗਮ ਦੇ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਭਾਰਤੀ ਪੁਰਾਤੱਤਵ ਸਰਵੇਖਣ, ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਸੰਯੁਕਤ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਜਨਰਲ ਡਾ. ਅਰਵਿਨ ਮੰਜੁਲ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਦੀ ਪੁਰਾਤਨਤਾ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਇਤਿਹਾਸਕ ਅਤੇ ਪੁਰਾਤੱਤਵ ਸਬੂਤਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਰਤੀ ਇਤਿਹਾਸ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਇਤਿਹਾਸਕ ਤੱਥਾਂ ਅਤੇ ਸਬੂਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ’ਤੇ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਵਰਿੰਦਰ ਪਾਲ ਨੇ ਭਾਰਤੀ ਪਰੰਪਰਾਵਾਂ ਅਤੇ ਗਿਆਨ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਖੋਜ ਦੇ ਨਜ਼ਰੀਏ ਨੂੰ ਉਪਨਿਵੇਸ਼ੀ ਸੋਚ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ’ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਰਤੀ ਇਤਿਹਾਸ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਆਪਣੀਆਂ ਪਰੰਪਰਾਵਾਂ, ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣਾਂ ਅਤੇ ਮੂਲ ਸਰੋਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ’ਤੇ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਅੰਬਾਲਾ ਮੰਡਲ ਵੱਲੋਂ ਯਾਤਰੀਆਂ ਲਈ ਤਿੰਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੇਲਗੱਡੀਆਂ ਚਲਾਉਣ ਦਾ ਫ਼ੈਸਲਾ

ਅੰਬਾਲਾ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਦੌਰਾਨ ਰੇਲ ਯਾਤਰੀਆਂ ਦੀ ਵਧਦੀ ਭੀੜ ਨੂੰ ਦੇਖਦਿਆਂ ਉੱਤਰੀ ਰੇਲਵੇ ਦੇ ਅੰਬਾਲਾ ਮੰਡਲ ਵੱਲੋਂ ਤਿੰਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੇਲਗੱਡੀਆਂ ਚਲਾਈਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ-ਪਟਨਾ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ-ਪੂਰਨੀਆ ਵਿਚਕਾਰ ਰਾਖਵੀਆਂ ਏਸੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੇਲਗੱਡੀਆਂ ਅਤੇ ਸਰਹਿੰਦ-ਸਹਰਸਾ ਵਿਚਕਾਰ ਅਣ-ਰਾਖਵੀਂ ਤਿਉਹਾਰੀ ਰੇਲਗੱਡੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਤਿੰਨਾਂ ਰੇਲਗੱਡੀਆਂ ਦਾ ਅੰਬਾਲਾ ਛਾਉਣੀ (ਕੈਂਟ) ਸਟੇਸ਼ਨ ’ਤੇ ਦੋਵੇਂ ਦਿਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਠਹਿਰਾਅ ਹੋਵੇਗਾ।ਰੇਲਗੱਡੀ ਨੰਬਰ 04516 ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ 7 ਅਤੇ 10 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ ਰਾਤ 11:35 ਵਜੇ ਪਟਨਾ ਲਈ ਰਵਾਨਾ ਹੋਵੇਗੀ। ਜਦਕਿ ਵਾਪਸੀ ਰੇਲਗੱਡੀ (04515) ਪਟਨਾ ਤੋਂ 8 ਅਤੇ 11 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ ਚੱਲੇਗੀ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ-ਪੂਰਨੀਆ (04514) 7 ਅਤੇ 11 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ ਅਤੇ ਵਾਪਸੀ ਵਾਲੀ ਪੂਰਨੀਆ-ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ (04513) ਰੇਲਗੱਡੀ 9 ਅਤੇ 13 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ ਚੱਲੇਗੀਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਰਹਿੰਦ-ਸਹਰਸਾ ਰੇਲਗੱਡੀ 10 ਅਤੇ 14 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ ਚੱਲੇਗੀ, ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਰੇਲਵੇ ਦੀ ਐਨ ਟੀ ਈ ਐਸ ਐਪ ਜਾਂ ਹੈਲਪਲਾਈਨ ਨੰਬਰ 139 ਤੋਂ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਸੀ ਬੀ ਐੱਸ ਈ ਦੀਆਂ 10ਵੀਂ ਅਤੇ 12ਵੀਂ ਦੀਆਂ ਬੋਰਡ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ ਦਾ ਐਲਾਨ



ਨਵੀ ਦਿਲੀ , 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਕੇਂਦਰੀ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਬੋਰਡ (ਸੀ ਬੀ ਐੱਸ ਈ) ਦੀਆਂ 10ਵੀਂ ਅਤੇ 12ਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੀਆਂ ਸਾਲਾਨਾ ਬੋਰਡ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ 16 ਫਰਵਰੀ 2027 ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਬੋਰਡ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਰਸਮੀ ਐਲਾਨ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਬੋਰਡ ਮੁਤਾਬਕ, 10ਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ 9 ਮਾਰਚ ਨੂੰ ਖਤਮ ਹੋਣਗੀਆਂ, ਜਦਕਿ 12ਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ 9 ਅਪਰੈਲ ਤੱਕ ਚੱਲਣਗੀਆਂ।

ਸੀ ਬੀ ਐੱਸ ਈ ਦੇ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਕੰਟਰੋਲਰ ਸੰਯਮ ਭਾਰਦਵਾਜ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ, ÷ਇਸ ਸਾਲ 10ਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ 83 ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ ਦੇਣਗੇ, ਜਦਕਿ 12ਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ 121 ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਣਗੇ। ਬੋਰਡ ਵੱਲੋਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਲਈ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਤੋਂ 101 ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਡੇਟਸ਼ੀਟ (ਸਮਾਂ ਸਾਰਣੀ) ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੈਂਟਰਲ ਬੋਰਡ ਆਫ ਸੈਕੰਡਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ (ਸੀ ਬੀ ਐੱਸ ਈ) ਨੇ ਨਵੇਂ ਨਿਯਮਾਂ ਤਹਿਤ ਸਕਿੱਲ ਵਿਸ਼ੇ ਲੈਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਵੱਡੀ ਰਾਹਤ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਬੋਰਡ ਨੇ ਸਾਲ 2028 ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਦਸਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੀ ਬੋਰਡ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦੇ ਨਿਯਮਾਂ ਨੂੰ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਨਵੇਂ ਨਿਯਮਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਪੰਜ ਵਿਸ਼ੇ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਣਗੇ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇੱਕ ਵਾਧੂ ਸਕਿੱਲ (ਹੁਨਰ) ਵਿਸ਼ਾ ਚੁਣਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਵੀ ਮਿਲੇਗਾ। ਇਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਗਣਿਤ, ਵਿਗਿਆਨ ਜਾਂ ਸਮਾਜਿਕ ਵਿਗਿਆਨ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸੇ ਇੱਕ ਵਿੱਚ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਵਾਧੂ ਹੁਨਰ ਵਿਸ਼ਾ ਉਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਵਾਉਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਬੋਰਡ ਨੇ ਸਪਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਨਵੇਂ ਸਿਲੇਬਸ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਨਵੇਂ ਵਿਸ਼ੇ ਇੰਟਰ-ਡਿਸਿਪਲਿਨਰੀ ਏਰੀਆ ਅਤੇ ਸੀ ਟੀ ਤੇ ਏ ਆਈ ਮਾਡਿਊਲ ਫਿਲਹਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਇਹ ਨਵੇਂ ਨਿਯਮ ਸਿਰਫ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ’ਤੇ ਲਾਗੂ ਹੋਣਗੇ ਜੋ ਸਾਲ 2026-27 ਵਿੱਚ ਨੌਵੀਂ ਜਮਾਤ ਵਿੱਚ ਹੋਣਗੇ ਅਤੇ 2028 ਵਿੱਚ 10ਵੀਂ ਦੀ ਬੋਰਡ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦੇਣਗੇ।

ਮੌਜੂਦਾ 10ਵੀਂ ਜਮਾਤ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੈਂਟਰਲ ਬੋਰਡ ਆਫ ਸੈਕੰਡਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ (ਸੀ ਬੀ ਐੱਸ ਈ) ਨੇ ਨਵੇਂ ਨਿਯਮਾਂ ਤਹਿਤ ਸਕਿੱਲ ਵਿਸ਼ੇ ਲੈਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਵੱਡੀ ਰਾਹਤ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਬੋਰਡ ਨੇ ਸਾਲ 2028 ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਦਸਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੀ ਬੋਰਡ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦੇ ਨਿਯਮਾਂ ਨੂੰ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

ਨਵੇਂ ਨਿਯਮਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਪੰਜ ਵਿਸ਼ੇ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਣਗੇ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇੱਕ ਵਾਧੂ ਸਕਿੱਲ (ਹੁਨਰ) ਵਿਸ਼ਾ ਚੁਣਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਵੀ ਮਿਲੇਗਾ। ਇਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਗਣਿਤ, ਵਿਗਿਆਨ ਜਾਂ ਸਮਾਜਿਕ ਵਿਗਿਆਨ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸੇ ਇੱਕ ਵਿੱਚ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ

ਤਾਂ ਇਹ ਵਾਧੂ ਹੁਨਰ ਵਿਸ਼ਾ ਉਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਵਾਉਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ’ਤੇ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ।

ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿੱਚ ਡਿਬੇਟ ਕਰ ਲੈਣ, ਸਾਡੇ ਯੂਥ ਮੋਰਚਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਤੋਂ ਸਵਾਲ ਪੁੱਛ ਲੈਣ, ਮੈਂ ਜਗ੍ਹਾ ਉਪਲਬਧ ਕਰਵਾਵਾਂਗਾ : ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਾਇਬ ਸੈਣੀ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 12 ਨਵੰਬਰ
-ਕੌਮੀ ਪੱਤ੍ਰਿਕਾ ਬਿਊਰੋ-

ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇਤਾ ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ ਵੱਲੋਂ ਡਿਬੇਟ ਦੀ ਚੁਣੌਤੀ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ’ਤੇ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ ਹਰਿਆਣਾ ਆ ਕੇ ਡਿਬੇਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਜਗ੍ਹਾ ਉਪਲਬਧ ਕਰਵਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਡੇ ਯੂਥ ਮੋਰਚਾ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਉੱਥੇ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਰਾਹੁਲ ਤੋਂ ਸਵਾਲ ਕਰਨਗੇ। ਅਜਿਹਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਕ ਪਾਸਿਓਂ ਸਿਰਫ਼ ਝੂਠ ਬੋਲਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਭੱਜ ਕੇ ਚਲੇ ਜਾਣ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਾਂਗਰਸ ਨੂੰ ਚੋਣ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਕੋਈ ਪਰੇਸ਼ਾਨੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਚੋਣ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਪਣੀ ਗੱਲ ਰੱਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਚੋਣ ਕਮਿਸ਼ਨ ਇੱਕ ਆਜ਼ਾਦ ਸੰਸਥਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਦਾਲਤਾਂ ਦੇ ਦਰਵਾਜ਼ੇ ਵੀ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਹਨ। ਕਾਂਗਰਸ ਉੱਥੇ ਜਾ ਕੇ ਆਪਣੀ ਗੱਲ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਰੱਖਦੀ ? ਸਿਰਫ਼ ਘਰ ਬੈਠ ਕੇ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਖਾਉਣ ਲਈ ਦੋਸ਼ ਲਗਾਉਣ ਨਾਲ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ ਨੂੰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਰਕਾਰੀ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਦੇ ਤਹਿਤ ਜਾਰੀ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਰਾਸ਼ੀ ਭੇਜੇ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹਰਿਆਣਾ ਨਿਵਾਸ ਵਿੱਚ ਪੱਤਰਕਾਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਯੋਜਨਾਵਾਂ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਖ਼ਰੀਦ ਅਤੇ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਦੋਸ਼ਾਂ ਸਮੇਤ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੁੱਦਿਆਂ ’ਤੇ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤੇ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਕੈਬਨਿਟ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਬੇਦੀ, ਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਨੁਰਾਗ ਰਸਤੋਗੀ ਸਮੇਤ ਹੋਰ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੈਣੀ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ’ਤੇ ਤਿੱਖਾ ਹਮਲਾ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਕੋਲ ਅੱਜ ਜਨਤਾ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਜਾਣ ਲਈ ਕੋਈ ਮੁੱਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਵੋਟ ਚੋਰੀ ਦੇ ਨਾਂ ’ਤੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਨ ਅਤੇ ਲੋਕਤੰਤਰ ਤੇ ਚੋਣ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਭਰੋਸੇਯੋਗਤਾ ’ਤੇ ਸਵਾਲ ਚੁੱਕਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਕਾਂਗਰਸ ਨੂੰ ਜੇਕਰ ਕਿਤੇ ਕਿਸੇ ਵੋਟਰ ਦਾ ਨਾਂ ਕੱਟਣ ਜਾਂ ਗਲਤ ਦਰਜ ਹੋਣ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਹੈ, ਤਾਂ ਚੋਣ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੇ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਤੈਅ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਵੋਟਰ ਸੂਚੀ ਪਬਲਿਕ ਡੋਮੇਨ ਵਿੱਚ ਉਪਲਬਧ ਕਰਵਾਈ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇੱਕ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਸਮਾਂ ਵੀ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਕੋਈ ਗਲਤੀ ਹੋਣ ’ਤੇ ਤੈਅ ਫਾਰਮ ਭਰ ਕੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਦਰਜ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਕਾਂਗਰਸ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਦੇਸ਼ ਦੀ ਜਨਤਾ ਸਭ ਦੇਖ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਉਹ ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਬਹਿਕਾਵੇ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਵੋਟ ਚੋਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ, ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਜੋ ਕਾਰਨਾਮੇ ਸਨ, ਇਹ ਉਸੇ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹੈ। ਲੋਕ ਤਾਂ ਹੁਣ ਇਹ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੂੰ ਪਾਰਟੀ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਸ਼ਾਸਨਕਾਲ ਵਿੱਚ ਬਜ਼ੁਰਗਾਂ ਨੂੰ ਛੇ-ਛੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੱਕ ਪੈਨਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ ਸੀ। ਬਜ਼ੁਰਗਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਪੈਨਸ਼ਨ ਲਈ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਹੋ ਕੇ ਸਰਕਾਰੀ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਅਤੇ ਨੇਤਾਵਾਂ ਦੇ ਦਰਵਾਜ਼ਿਆਂ ਦੇ ਚੱਕਰ ਕੱਟਣੇ ਪੈਂਦੇ ਸਨ। ਕਈ ਵਾਰ ਲੋਕ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਦਰਵਾਜ਼ਿਆਂ ਦੇ ਬਾਹਰ ਧੁੱਪ ਵਿੱਚ ਖੜ੍ਹੇ ਰਹਿੰਦੇ ਸਨ, ਪਰ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਪਰੇਸ਼ਾਨੀ ਪੁੱਛਣ ਵਾਲਾ ਵੀ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਸੀ। ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਨੇਤਾ ਅੱਜ ਵੋਟ ਚੋਰੀ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਪਰ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸ਼ਾਸਨਕਾਲ ਵਿੱਚ ਗਰੀਬਾਂ, ਬਜ਼ੁਰਗਾਂ ਅਤੇ ਲੋੜਵੰਦਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿਵਹਾਰ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਸਮੇਂ ਗਰੀਬ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ 200 ਰੁਪਏ ਦਾ ਲਾਭ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦੀ ਗੱਲ ਹੁੰਦੀ ਸੀ, ਪਰ ਉਸ ਵਿੱਚੋਂ 150 ਰੁਪਏ ਕਿੱਥੇ ਚਲੇ ਜਾਂਦੇ ਸਨ, ਇਸ ਦਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਚਲਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਗਰੀਬ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿੱਚ ਸਿਰਫ਼ 50 ਰੁਪਏ ਆਉਂਦੇ ਸਨ। ਅੱਜ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਗਰੀਬ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਉਸ ਦਾ ਪੂਰਾ ਹੱਕ ਸਿੱਧਾ ਉਸ ਦੇ ਬੈਂਕ ਖਾਤੇ ਵਿੱਚ ਪਹੁੰਚ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਤੱਕ ਦੇਸ਼ ’ਤੇ ਰਾਜ ਕੀਤਾ। ਦੇਸ਼ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੇ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਇੱਕ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਕਈ ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ ਤੱਕ ਮੌਕਾ



ਦਿੱਤਾ। ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਸੋਚਿਆ ਕਿ ਸ਼ਾਇਦ ਅਗਲੀ ਪੀੜ੍ਹੀ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਕੁਝ ਕਰੇਗੀ, ਪਰ ਹਾਲਾਤ ਨਹੀਂ ਬਦਲੇ। ਦਾਦੇ ਅਤੇ ਪੋਤੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਵਿੱਚ ਵੀ ਉਹੀ ÷ਢਾਕ ਦੇ ਤਿੰਨ ਪਾਤ÷ ਵਾਲੀ ਸਥਿਤੀ ਰਹੀ। ਕਾਂਗਰਸ ਕੋਲ ਸੱਤਾ ਵਿੱਚ ਰਹਿੰਦਿਆਂ ਵੀ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਕੋਈ ਠੋਸ ਵਿਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਅਤੇ ਅੱਜ ਵੀ ਉਸ ਦੀ ਰਾਜਨੀਤੀ ਸਿਰਫ਼ ਦੋਸ਼-ਪ੍ਰਤੀਦੋਸ਼ ਤੱਕ ਸੀਮਤ ਹੈ। ਕਦੇ ਕਾਲੇ ਕੱਪੜੇ ਪਾ ਕੇ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਕਦੇ ਧਰਨੇ ’ਤੇ ਬੈਠਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹੁਣ ਚੌਪਾਲਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਆ ਰਹੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ 55 ਸਾਲਾਂ ਤੱਕ ‘ਗਰੀਬੀ ਹਟਾਓ’ ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਦਿੱਤਾ, ਪਰ ਗਰੀਬਾਂ ਦੀ ਗਰੀਬੀ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ। ਉੱਥੇ ਹੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਪਿਛਲੇ 12 ਸਾਲਾਂ ਵਿੱਚ 50 ਕਰੋੜ ਤੋਂ ਵੱਧ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਗਰੀਬੀ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਕੱਢ ਕੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਸਕਾਰਾਤਮਕ ਬਦਲਾਅ ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਪੱਕੇ ਮਕਾਨ ਮਿਲੇ, ਘਰਾਂ ਵਿੱਚ ਗੈਸ ਸਿਲੰਡਰ ਪਹੁੰਚੇ, ਰਸੋਈ ਤੱਕ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਪਹੁੰਚਿਆ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਉਪਲਬਧ ਹੋਈ। ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਨੇ ਗਰੀਬ ਪਰਿਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਮੁਢਲੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨਾਲ ਜੋੜ ਕੇ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਜਨਕ ਜੀਵਨ ਦੇਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਨੇਤਾ ਦੱਸਣ ਕਿ ਆਪਣੇ 55 ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਸ਼ਾਸਨਕਾਲ ਵਿੱਚ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਗਰੀਬਾਂ ਲਈ ਕੀ ਕੀਤਾ ?

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੀ ਹਰ ਯੋਜਨਾ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੀ ਗਾਰੰਟੀ ਹੈ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੀ ਗਾਰੰਟੀ ਹੈ, ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਸ਼ਕਤੀਕਰਨ ਦੀ ਗਾਰੰਟੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਗਾਰੰਟੀ ਹੈ। ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਕਿਸਾਨ ਸਨਮਾਨ ਨਿਧੀ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਹੁਣ ਤੱਕ 24 ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਵਿੱਚ ਲਗਭਗ 7.5 ਲੱਖ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਖਾਤਿਆਂ ਵਿੱਚ ਪਹੁੰਚਾਏ ਜਾ ਚੁੱਕੇ ਹਨ। ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਇਹ ਝੂਠ ਫੈਲਾਇਆ ਕਿ ਮੋਦੀ ਸਰਕਾਰ $♥♦ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਦੇਵੇਗੀ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਹਰ ਸਾਲ $♥♦ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕਿਸਾਨ ਖ਼ੁਦ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਦਾ ਲਾਭ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਆਮ ਆਦਮੀ ਪਾਰਟੀ ਅਤੇ ਕਾਂਗਰਸ ’ਤੇ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਸਾਧਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਚੋਣਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਇੱਕ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੇਣ ਦਾ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਪੰਜ ਸਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਇਹ ਰਾਸ਼ੀ 50 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਬਣਦੀ ਹੈ। ਹੁਣ ਚੋਣਾਂ ਨੇੜੇ ਆਉਂਦਿਆਂ ਹੀ ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਖਾਤਿਆਂ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਪਾਉਣ ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ ਸਾਲ ਤੱਕ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਰਾਸ਼ੀ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ? ਔਰਤਾਂ ਨਾਲ ਝੂਠੇ ਵਾਅਦੇ ਕਰਕੇ ਉਹਨਾਂ ਦੀਆਂ ਵੋਟਾਂ ਹਾਸਲ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਨਾ ਕਰਨਾ ਉਹਨਾਂ ਨਾਲ ਧੋਖਾ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਔਰਤਾਂ ਨਾਲ ਜੋ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ, ਉਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਦੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਲਿਆ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਰਿਵਾਰਾਂ ਦੀ ਸਲਾਨਾ ਆਮਦਨ 1 ਲੱਖ 80 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਹੈ, ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਰਸੋਈ ਵਿੱਚ 500 ਰੁਪਏ ਵਿੱਚ ਗੈਸ ਸਿਲੰਡਰ ਉਪਲਬਧ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਸਿਰਫ਼ ਐਲਾਨ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ, ਸਗੋਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨੀ ਪੱਧਰ ’ਤੇ ਉਤਾਰਨ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ਵੱਲੋਂ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿੱਚ 100-100 ਗਜ਼ ਦੇ ਪਲਾਟ ਦੇਣ ਦੇ ਵਾਅਦੇ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਆਖ਼ਰੀ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਪਲਾਟ ਦੇਣ ਦੇ ਨਾਂ ’ਤੇ ਸਿਰਫ਼ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ, ਪਰ ਨਾ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਾਗਜ਼ ਮਿਲੇ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਅਸਲ ਕਬਜ਼ਾ ਮਿਲਿਆ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਯੋਗ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਲਾਟ ਦੇ ਕਾਗਜ਼ ਦੇਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਕਬਜ਼ਾ ਦਿਵਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਰਾਜਨੀਤੀ ਸਿਰਫ਼ ਵੋਟਾਂ ਲੈਣ ਤੱਕ ਸੀਮਤ ਰਹੀ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਹੱਕ ਦਿਵਾਉਣ ਲਈ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ’ਤੇ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਸਾਧਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਕੁਦਰਤੀ ਆਫ਼ਤ ਦੇ ਸਮੇਂ ਵੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਰਾਜਨੀਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ 1600 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਅਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਨੂੰ 1500 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ। ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਸਹਾਇਤਾ ਰਾਸ਼ੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਸਵਾਲ ਉੱਠ ਰਹੇ ਹਨ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਆਫ਼ਤ ਦੇ ਸਮੇਂ ਜਦੋਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਪਸ਼ੂਆਂ ਵਿੱਚ ਬੀਮਾਰੀ ਫੈਲੀ, ਤਾਂ ਉੱਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਪਸ਼ੂਆਂ ਦੇ ਇਲਾਜ ਲਈ ਮਦਦ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ’ਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਨੇ ਪਸ਼ੂਆਂ ਦੇ ਇਲਾਜ ਲਈ ਡਾਕਟਰ ਅਤੇ ਦਵਾਈਆਂ ਭੇਜਣ ਦੀ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ, ਪਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ। ਇਹ ਕੋਈ ਸਿਆਸੀ ਮੁੱਦਾ ਨਹੀਂ ਸੀ, ਸਗੋਂ ਇਨਸਾਨੀਅਤ ਦਾ ਮੁੱਦਾ ਸੀ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਪਸ਼ੂ ਬੀਮਾਰੀ ਨਾਲ ਮਰ ਰਹੇ ਸਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਹਰਿਆਣਾ ਸਰਕਾਰ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਸੀ, ਪਰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਵੀ ਰਾਜਨੀਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਹ ਬਹੁਤ ਹੀ ਮੰਦਭਾਗਾ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਡਬਲ ਇੰਜਣ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਇਹੋ ਲਾਭ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਭੁਗਤਾਨ 48 ਤੋਂ 72 ਘੰਟਿਆਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਿੱਧਾ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਬੈਂਕ ਖਾਤਿਆਂ ਵਿੱਚ ਪਹੁੰਚ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ 72 ਘੰਟਿਆਂ ਤੋਂ ਵੱਧ ਦੇਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵਿਆਜ ਸਮੇਤ ਭੁਗਤਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਿਰਫ਼ ਐਲਾਨ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਵਚਨਬੱਧਤਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਫ਼ਸਲ ਦੇ ਭੁਗਤਾਨ ਲਈ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਭੁਗਤਾਨ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਖ਼ਰੀਦ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ’ਤੇ ਸਵਾਲ ਚੁੱਕਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਲਗਾਤਾਰ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਰੇਸ਼ਾਨੀ ਦੱਸਦੇ ਹਨ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹਨਾਂ ਨਾਲ ਆਪ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਨੇਤਾਵਾਂ ਨੇ ਮੰਚ ’ਤੇ ਪੂਰੀ ਫ਼ਸਲ ਖ਼ਰੀਦਣ ਦਾ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ, ਪਰ ਹੁਣ ਵੀ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਫ਼ਸਲ ਵੇਚਣ ਵਿੱਚ ਦਿੱਕਤ ਆ ਰਹੀ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਸ਼ਾਸਨਕਾਲ ਵਿੱਚ ਖੇਤਰਵਾਦ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਉਸ ਸਮੇਂ ਸਿਰਫ਼ ਰੋਹਤਕ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਸਨ, ਪਰ ਉੱਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕ ਵੀ ਅੱਜ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਵਿਕਾਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਨਾਂ ’ਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲਾ ਪੈਸਾ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੀ ਭੇਟ ਚੜ੍ਹ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਪੂਰੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦਾ ਸਮਾਨ ਵਿਕਾਸ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਸਹਿਯੋਗੀ ਪਾਰਟੀਆਂ ਕੋਲ ਨਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਠੋਸ ਮੁੱਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਦੱਸਣ ਲਈ ਕੋਈ ਉਪਲਬਧੀ। ਉਹ ਸਿਰਫ਼ ਝੂਠ ਫੈਲਾ ਕੇ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਕੇ ਰਾਜਨੀਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਸੀਨੀਅਰ ਨੇਤਾ ਅਤੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੀ ਸਾਬਕਾ ਸਪੀਕਰ ਮੀਰਾ ਕੁਮਾਰ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਬਹੁਤ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਇੱਕ ਉੱਘੀ ਅਤੇ ਸੀਨੀਅਰ ਨੇਤਾ ਹਨ। ਅਜਿਹੇ ਵਿੱਚ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ (ਸੰਸਦ ਵਿੱਚ) ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਿਠਾਉਣਾ ਉਚਿਤ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੀਨੀਅਰ ਨੇਤਾਵਾਂ ਦਾ ਆਪਣਾ ਸਿਆਸੀ ਕੱਦ ਅਤੇ ਗਰਿਮਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਭਾਰਤੀ ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ‘ਆਪ’ ਦੀ 40 ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਸੂਚੀ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਬਰਬਾਦ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਦੱਸਿਆ

ਕੌਮੀ ਪਤ੍ਰਿਕਾ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 12 ਨਵੰਬਰ। ਆਮ ਆਦਮੀ ਪਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ 40 ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਸੂਚੀ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ’ਤੇ ਭਾਰਤੀ ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਕੇਵਲ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਲਿਸਟ 40 ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੀ ਨਹੀਂ, ਬਲਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਬਰਬਾਦੀ ਦੇ 40 ਹਿੱਸੇਦਾਰਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਹੈ। ਇਹ ਸੂਚੀ ਇਮਾਨਦਾਰ ਅਤੇ ਜਨਤਕ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਸਗੋਂ ਗੰਭੀਰ ਦੋਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਵਿਵਾਦਾਂ ਵਿੱਚ ਘਿਰੇ ਆਗੂਆਂ ਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ’ਤੇ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ, ਧੋਖਾਧੜੀ, ਮਨੀ ਲਾਂਡਰਿੰਗ ਅਤੇ ਹੋਰ ਗੰਭੀਰ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਹਨ। ਕੇਵਲ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ‘ਆਪ’ ਉਮੀਦਵਾਰ ਪਹਿਲਾਂ ਐਲਾਨੇ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ ਦੁਬਾਰਾ ਮੂੰਹ ਨਹੀਂ ਲਾਉਣਾ। ਝੂਠੇ ਵਾਅਦਿਆਂ ਦੇ ਜਾਲ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ

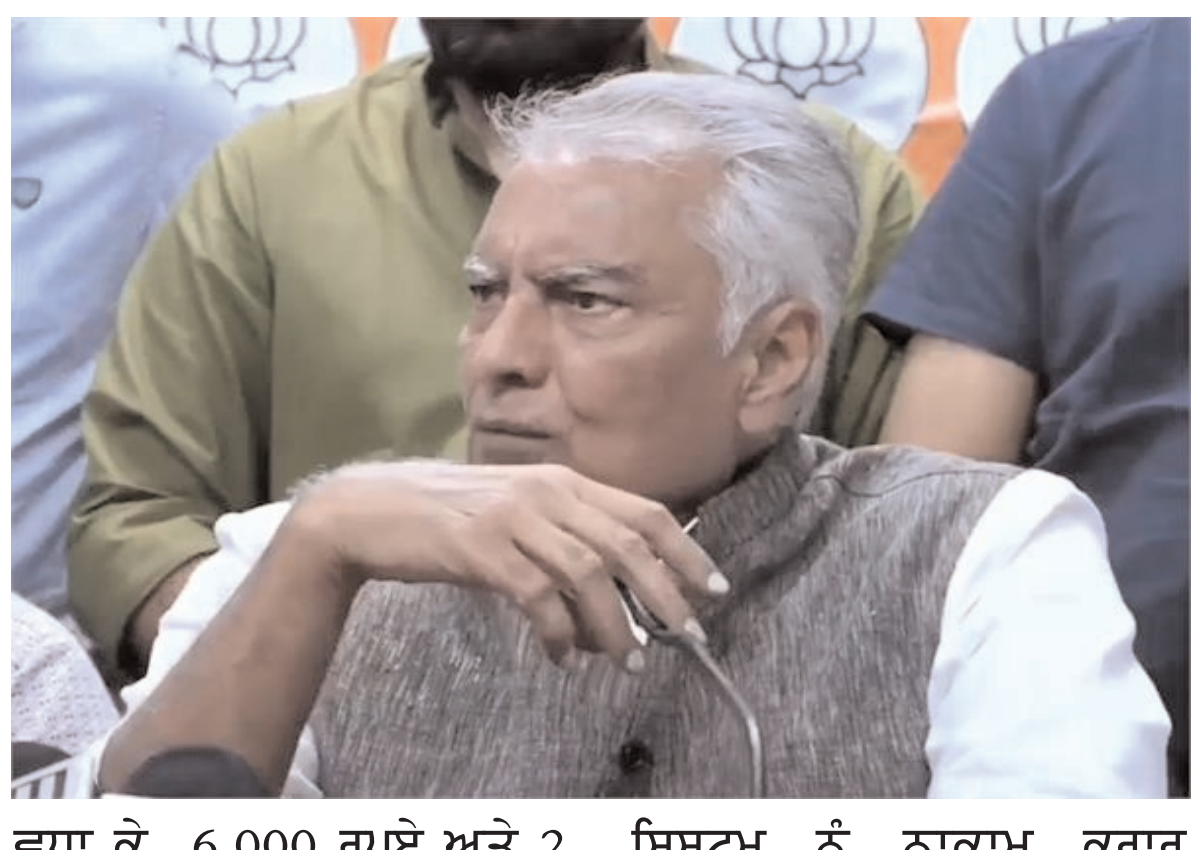


ਇਕ ਵਾਰ ਫਸ ਚੁੱਕਾ ਹੈ, ਦੂਜੀ ਵਾਰ ਨਹੀਂ ਫਸੇਗਾ। ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ‘ਆਪ’ ਦਾ ਬਦਲਾਅ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਮਹਿੰਗਾ ਪਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਹਰ ਮੋਰਚੇ ’ਤੇ ਨਿਕੰਮੀ ਸਾਬਤ ਹੋਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਕਿ ਦਿੱਲੀ ਤੋਂ ਹਾਰ ਕੇ ਆਏ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਆਕਾਵਾਂ ਅਤੇ ਵਿਧਾਇਕਾਂ ਨੇ ਪੰਜ ਸਾਲ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਰੱਜ ਕੇ ਲੁੱਟਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਦੁਬਾਰਾ ਲੁੱਟ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਵਿਚ ਹਨ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਕਦੇ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰਨਗੇ। ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਸਤਿਆਨਾਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਚਿਹਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਮੁੜ ਮੈਦਾਨ ਵਿਚ ਉਤਾਰਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਪੌਣੇ ਪੰਜ ਸਾਲ ਤੋਂ ਸੱਤਾ ਵਿਚ ਹਨ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਬਰਬਾਦੀ ਵਿਚ ਬਰਾਬਰ ਦੇ ਭਾਈਵਾਲ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਘੇਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਲਾਅ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਨਾਮ ਦੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਬਚੀ। ਹਰ ਰੋਜ਼ ਕਤਲ, ਫਿਰੌਤੀਆਂ ਅਤੇ ਗੋਲੀਆਂ ਦੀ ਗੂੰਜ ਸੁਣਾਈ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨਸ਼ਾ ਰੋਕਣ ਵਿਚ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫੇਲ੍ਹ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਨੌਜਵਾਨ ਨਸ਼ੇ ਦੀ ਭੇਂਟ ਚੜ੍ਹ ਰਹੇ ਹਨ। ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕਾਰਗੁਜ਼ਾਰੀ ਤੋਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੁਖੀ ਹਨ ਅਤੇ ‘ਆਪ’ ਵਿਧਾਇਕਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਵੜਨ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਚੇਤਾਵਨੀ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਚੋਣ ਜ਼ਾਬਤਾ ਲੱਗਦਿਆਂ ਹੀ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ‘ਆਪ’ ਆਗੂਆਂ ਦਾ ਦਾਖ਼ਲਾ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹੁਣ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਹਿਸਾਬ ਲੈਣ ਦੇ ਮੂਡ ਵਿਚ ਹਨ ਅਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਵਿਚ ‘ਆਪ’ ਨੂੰ ਇਸ ਲੁੱਟ ਅਤੇ ਬਰਬਾਦੀ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ। ਕੇਵਲ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਇੱਕੋ ਇਕ ਉਮੀਦ ਭਾਰਤੀ ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਨਸ਼ਾ, ਗੈਂਗਸਟਰਵਾਦ ਤੇ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੇ ਖ਼ਾਤਮੇ ਦਾ ਕੰਮ ਭਾਜਪਾ ਹੀ ਕਰੇਗੀ? ਅਤੇ ਇੱਥੋਂ ਦੀ ਵਿਗੜੀ ਕਾਨੂੰਨ ਵਿਵਸਥਾ ਵੀ ਭਾਜਪਾ ਹੀ ਠੀਕ ਕਰੇਗੀ। ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ 2027 ਵਿਚ ਡਬਲ ਇੰਜਣ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣਾਉਣਗੇ। ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਜਪਾ 117 ਸੀਟਾਂ ਉਪਰ ਤਿਆਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਸਰਕਾਰ ਭਾਜਪਾ ਦੀ ਹੋਵੇਗੀ।

ਕਿਸਾਨੀ ਸੰਕਟ, ਨਸ਼ਿਆਂ ਅਤੇ ਬੈਂਕਾਂ ਦੀ ਬਦਹਾਲੀ ’ਤੇ ਸੁਨੀਲ ਜਾਖੜ ਨੇ ਚੁੱਕੇ ਸਵਾਲ

ਕੌਮੀ ਪਤ੍ਰਿਕਾ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 12 ਨਵੰਬਰ। ਭਾਰਤੀ ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਆਗੂ ਸੁਨੀਲ ਜਾਖੜ ਨੇ ਇੱਕ ਪ੍ਰੈੱਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦੌਰਾਨ ਸੂਬੇ ਦੀ ਕਿਸਾਨੀ ਸੰਕਟ, ਨਸ਼ਿਆਂ ਅਤੇ ਬੈਂਕਾਂ ਦੀ ਬਦਹਾਲੀ ਦੇ ਮੁੱਦਿਆਂ ਚੁੱਕੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਓ.ਟੀ.ਐੱਸ. ਨੀਤੀ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ ਅਤੇ ਚੀਫ਼ ਸੈਕਟਰੀ ਨੇ ਕਿਸਾਨ ਜਥੇਬੰਦੀਆਂ ਨੂੰ ਵਨ-ਟਾਈਮ ਸੈਟਲਮੈਂਟ ਨੀਤੀ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਵਿੱਚ ਕਮੇਟੀ ਗਠਿਤ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦਿੱਤਾ ਸੀ, ਪਰ ਸੈਸ਼ਨ ਖਤਮ ਹੋਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਨਾ ਕੋਈ ਨੀਤੀ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਕਰਜ਼ਾ ਮੁਆਫ਼ ਹੋਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ 11 ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੈੱਡਕੁਆਰਟਰਜ਼ ਦੇ ਲੈਂਡ ਮਾਰਟਗੇਜ ਬੈਂਕ ਪਿਛਲੇ 5 ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੋਂ ਬੰਦ ਪਏ ਹਨ, ਜਿੱਥੇ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਧਰਨੇ ’ਤੇ ਬੈਠੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਬੈਂਕਾਂ ਵਿੱਚ ਕਰਜ਼ਾ ਲੈਣ ਲਈ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਹਿੱਸਾ 1 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕਰਜ਼ੇ ’ਤੇ 3,300 ਰੁਪਏ ਸੀ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ



ਵਧਾ ਕੇ 6,000 ਰੁਪਏ ਅਤੇ 2 ਲੱਖ ਤੋਂ ਵੱਧ ਕਰਜ਼ੇ ’ਤੇ 9,000 ਰੁਪਏ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਜ਼ਮੀਨ ਗਹਿਣੇ ਰੱਖਣਾ ਵੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਸਾਨ ਸਨਮਾਨ ਨਿਧੀ ਤਹਿਤ 9 ਕਰੋੜ 34 ਲੱਖ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਖਾਤਿਆਂ ਵਿੱਚ 18,500 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਨਵੀਂ ਕਿਸ਼ਤ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਡੀ.ਜੀ.ਪੀ. ਦੇ ਬਿਆਨ ਦਾ ਹਵਾਲਾ ਦਿੰਦਿਆਂ ਜਾਖੜ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ 80ਫੀਸਦੀ ਨਸ਼ਾ ਫਾਰਮਾਸਿਊਟੀਕਲ ਅਤੇ ਸਿੰਥੈਟਿਕ ਗੋਲੀਆਂ ਜਿਵੇਂ ਪ੍ਰੈਗਾਬਲਿਨ ਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਖਰੀਦੇ 52 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਐਂਟੀ-ਡਰੋਨ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਨਾਕਾਮ ਕਰਾਰ ਦਿੰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਐਂਟੀ-ਡਰੋਨ ਸਕੁਆਡ ਦੇ ਇੱਕ ਸਿਪਾਹੀ ਕੋਲੋਂ 25 ਕਿਲੋ ਹੈਰੋਇਨ ਬਰਾਮਦ ਹੋਈ, ਜੋ ਸਰਹੱਦ ਪਾਰ ਡਾਰਕ ਪੁਆਇੰਟਸ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਸੁਨੀਲ ਜਾਖੜ ਨੇ ਸਪੱਸ਼ਟ ਕੀਤਾ ਕਿ ਭਾਜਪਾ ਪਾਰਟੀ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ 117 ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਸੀਟਾਂ ’ਤੇ ਚੋਣ ਲੜਨ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸੂਬੇ ’ਚ ਅਫਸਰਸ਼ਾਹੀ ਦੀ ਮਨਮਾਨੀ ਰੋਕਣ ਲਈ ਚੋਣ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵੱਲੋਂ ਜਲਦ ਚੋਣ ਜ਼ਾਬਤਾ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਕੁਰਸੀ ਦਾ ਚੱਕਰ ; ਵੋਟਰਾਂ ਨੂੰ ‘ਪੱਟਣ’ ਦਾ ਅਨੋਖਾ ਤਰੀਕਾ ਅਪਣਾ ਰਹੇ ਉਮੀਦਵਾਰ

ਇੰਟਰਨੈਸ਼ਨਲ ਡੈਸਕ 12 ਨਵੰਬਰ। ਅਮਰੀਕਾ ’ਚ ਮਿਡਟਰਮ ਚੋਣਾਂ ਦੇ ਮੱਦੇਨਜ਼ਰ ਉਮੀਦਵਾਰ ਭਾਰਤੀ-ਅਮਰੀਕੀ ਵੋਟਰਾਂ ਨੂੰ ਲੁਭਾਉਣ ਲਈ ਹਰ ਸੰਭਵ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਕੋਈ ਭਾਰਤੀ ਰੈਸਟੋਰੈਂਟ ਵਿਚ ਡੋਸੇ ਬਣਾ ਕੇ ਭਾਈਚਾਰੇ ਨਾਲ ਜੁੜਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੋਈ ਮੰਦਰਾਂ ’ਚ ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋ ਕੇ ਸਮਰਥਨ ਜੁਟਾਉਣ ਵਿਚ ਲੱਗਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਡੈਮੋਕ੍ਰੇਟਿਕ ਉਮੀਦਵਾਰ ਜੇਮਸ ਟਾਲਾਰਿਕੋ ਨੇ ਡਲਾਸ ਦੇ ਇਰਵਿੰਗ ’ਚ ਸਥਿਤ ਇਕ ਭਾਰਤੀ ਰੈਸਟੋਰੈਂਟ ਵਿਚ ਖੁਦ ਡੋਸਾ ਬਣਾਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਤਵੇ ਉੱਪਰ ਡੋਸੇ ਦਾ ਘੋਲ ਫੈਲਾਇਆ, ਉਸ ਵਿਚ ਆਲੂ ਤੇ ਹੋਰ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਨਾਲ ਬਣਿਆ ਮਸਾਲਾ ਪਾਇਆ ਅਤੇ ਤਿਆਰ ਡੋਸਾ ਕੇਲੇ ਦੇ ਪੱਤੇ ’ਤੇ ਪਰੋਸਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਸ ਅੰਦਾਜ਼ ਦਾ ਉੱਥੇ ਮੌਜੂਦ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਤਾੜੀਆਂ ਵਜਾ ਕੇ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ। ਟੈਕਸਾਸ ’ਚ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਭਾਰਤੀ-ਅਮਰੀਕੀ ਭਾਈਚਾਰੇ ਨੇ ਟਾਲਾਰਿਕੋ ਦੀ ਇਸ ਪਹਿਲ ਦਾ ਨਿੱਘਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ। ਟਾਲਾਰਿਕੋ ਸੂਬੇ ਦੀ ਸੈਨੇਟ ਸੀਟ ਲਈ ਰਿਪਬਲਿਕਨ ਉਮੀਦਵਾਰ ਕੇਨ ਪੈਕਸਟਨ ਨੂੰ ਚੁਣੌਤੀ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਜੇਮਸ ਬਲੰਟ ਨੇ ਸੋਸ਼ਲ ਮੀਡੀਆ ਮੰਚ ‘ਐਕਸ’ ’ਤੇ ਟਾਲਾਰਿਕੋ ਦੇ ਇਸ ਕਦਮ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ। ਕਨੈਕਟੀਕਟ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਨੇਡ ਲੈਮੋਂਟ ਨੇ ਇਕ ਹੋਰ ਕਾਰਜਕਾਲ ਲਈ ਚੋਣ ਮੈਦਾਨ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹੋਏ ਉਪ-ਵਿਦੇਸ਼ ਮੰਤਰੀ ਜੈਨੀਫਰ ਬਾਰਾਹੋਨਾ ਨਾਲ ਸਟੇਟ ਕੈਪੀਟਲ ਵਿਚ ਆਯੋਜਿਤ ਦੀਵਾਲੀ ਸਮਾਗਮ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਓਹਾਇਓ ਦੇ ਸੰਸਦ ਮੈਂਬਰ ਗ੍ਰੇਗ ਲੈਂਡਸਮੈਨ ਸ਼ੈਰੋਨਵਿਲ ’ਚ ਸਥਿਤ ਬੀ.ਏ.ਪੀ.ਐੱਸ. ਸਵਾਮੀਨਾਰਾਇਣ ਮੰਦਰ ਦੇ 11ਵੇਂ ਪਾਟੋਤਸਵ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਊ ਜਰਸੀ ਦੇ ਸੈਨੇਟਰ ਕੋਰੀ ਬੁਕਰ ਨੇ ਅਕਸ਼ਰਧਾਮ ਮੰਦਰ ’ਚ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਦੀਵਾਲੀ ਸਮਾਗਮ ਵਿਚ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ। ਕਾਂਗਰਸ ਮੈਂਬਰ ਰੈਂਡੀ ਫਾਈਨ ਤੇ ਸਕਾਟ ਪੈਰੀ ਵੀ ਭਾਈਚਾਰੇ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਹੈਰਿਸਬਰਗ ਦੇ ਇਕ ਮੰਦਰ ਵਿਚ ਪਹੁੰਚੇ।

ਇੱਕੋ ਘਰ ’ਚੋਂ 4 ਮੌਤਾਂ ਨਾਲ ਦਹਿਲਿਆ ਪਿੰਡ, ਮਾਂ ਤੇ ਤਿੰਨ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀਆਂ ਮਿਲੀਆਂ ਲਾਸ਼ਾਂ

ਸੋਨੀਪਤ 12 ਨਵੰਬਰ। ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਸੋਨੀਪਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਪਿੰਡ ਮੁਡਲਾਨਾ ਵਿੱਚ ਇੱਕੋ ਘਰ ’ਚੋਂ ਮਾਂ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਤਿੰਨ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀਆਂ ਲਾਸ਼ਾਂ ਮਿਲਣ ਨਾਲ ਪੂਰੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਸਨਸਨੀ ਫੈਲ ਗਈ ਹੈ। ਮ੍ਰਿਤਕਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ 38 ਸਾਲਾ ਰੀਨਾ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਤਿੰਨ ਬੱਚਿਆਂ ਵਜੋਂ ਹੋਈ ਹੈ। ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਉਮਰ 11 ਸਾਲ, 7 ਸਾਲ ਅਤੇ 4 ਸਾਲ ਦੱਸੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਖ਼ੌਫ਼ਨਾਕ ਘਟਨਾ ਨੇ ਪੂਰੇ ਪਿੰਡ ਨੂੰ ਸ਼ੋਕ ਵਿੱਚ ਡੁਬੋ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਨੁਸਾਰ, ਘਟਨਾ ਦੇ ਸਮੇਂ ਰੀਨਾ ਆਪਣੇ ਤਿੰਨਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨਾਲ ਘਰ ਵਿੱਚ ਮੌਜੂਦ ਸੀ। ਉਸ ਦਾ ਪਤੀ ਜੈਦੀਪ, ਜੋ ਕਿ ਇੱਕ ਸਰਕਾਰੀ ਅਧਿਆਪਕ ਹੈ, ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਵਾਂਗ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀ ’ਤੇ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਕੰਮ ਤੋਂ ਘਰ ਵਾਪਸ ਪਰਤਿਆ ਤਾਂ ਪਤਨੀ ਅਤੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਮ੍ਰਿਤਕ ਹਾਲਤ ’ਚ ਦੇਖ ਕੇ ਉਸ ਦੇ ਹੋਸ਼ ਉੱਡ ਗਏ। ਘਟਨਾ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਮਿਲਦਿਆਂ ਹੀ ਸਦਰ ਗੋਹਾਨਾ ਥਾਣਾ ਪੁਲਸ ਨੇ ਮੌਕੇ ’ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਸਥਿਤੀ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲਿਆ ਅਤੇ ਜਾਂਚ ਆਰੰਭ ਦਿੱਤੀ। ਘਟਨਾ ਸਥਾਨ ਤੋਂ ਪੁਲਸ ਨੂੰ ਦੋ ਪੰਨਿਆਂ ਦਾ ਸੁਸਾਈਡ ਨੋਟ ਬਰਾਮਦ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਰੀਨਾ ਨੇ ਆਪਣੀ ਮਾਨਸਿਕ ਪ੍ਰੇਸ਼ਾਨੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਨੋਟ ਵਿੱਚ ਜ਼ਮੀਨ-ਜਾਇਦਾਦ, ਅਲੱਗ ਰਹਿਣ, ਗਹਿਣਿਆਂ ਅਤੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਨਰਾਜ਼ਗੀ ਲਿਖੀ ਗਈ ਹੈ। ਰੀਨਾ ਨੇ ਵਿਆਹ ’ਚ ਮਿਲੇ ਗਹਿਣੇ ਵਾਪਸ ਮੋੜਨ ਦੀ ਗੱਲ ਵੀ ਲਿਖੀ ਹੈ। ਸੁਸਾਈਡ ਨੋਟ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਅਹਿਮ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰੀਨਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਜੈਦੀਪ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਰਦੋਸ਼ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਤਾਕੀਦ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਉਸ ਦੇ ਪਤੀ ਨੂੰ ਪ੍ਰੇਸ਼ਾਨ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਪੁਲਸ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਮੌਤ ਦੇ ਅਸਲ ਕਾਰਨਾਂ ਦੀ ਪੁਸ਼ਟੀ ਜਾਂਚ ਅਤੇ ਸਬੂਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ’ਤੇ ਹੀ ਹੋ ਸਕੇਗੀ। ਫਿਲਹਾਲ ਪੁਲਸ ਸੁਸਾਈਡ ਨੋਟ ਅਤੇ ਹੋਰ ਤੱਥਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ’ਚ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਜਾਂਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

ਦੋ ਮੋਟਰਸਾਈਕਲਾਂ ਦੀ ਟੱਕਰ ’ਚ ਪਤੀ-ਪਤਨੀ ਸਮੇਤ 4 ਜ਼ਖਮੀ

ਬਟਾਲਾ 12 ਨਵੰਬਰ। ਸਥਾਨਕ ਜਲੰਧਰ ਰੋਡ ’ਤੇ ਦੋ ਮੋਟਰਸਾਈਕਲਾਂ ਦੀ ਟੱਕਰ ‘ਚ ਪਤੀ ਪਤਨੀ ਸਮੇਤ 4 ਜਣਿਆਂ ਦੇ ਜ਼ਖ਼ਮੀ ਹੋਣ ਦਾ ਸਮਾਚਾਰ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਬਟਾਲਾ ਦੇ ਸਿਵਲ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਜ਼ੇਰੇ ਇਲਾਜ ਲੱਖਾ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਚੰਨਣ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਪਿੰਡ ਨਠਵਾਲ ਨੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪਤਨੀ ਪਲਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਨਾਲ ਮੋਟਰਸਾਈਕਲ ’ਤੇ ਸਵਾਰ ਹੋ ਕੇ ਆ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਪਿੰਡ ਮਿਸ਼ਰਪੁਰਾ ਨੇੜੇ ਪਹੁੰਚਿਆ ਤਾਂ ਸਾਹਮਣਿਓਂ ਆ ਰਹੇ ਇਕ ਮੋਟਰਸਾਈਕਲ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ੋਰਦਾਰ ਟੱਕਰ ਮਾਰ ਦਿੱਤੀ, ਜਿਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਉਕਤ ਦੋਵੇਂ ਮੋਟਰਸਾਈਕਲ ਸੜਕ ’ਤੇ ਡਿੱਗ ਪਏ ਅਤੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਉਕਤ ਪਤੀ ਪਤਨੀ ਸਮੇਤ ਦੂਜੇ ਮੋਟਰਸਾਈਕਲ ’ਤੇ ਸਵਾਰ ਦੋ ਵਿਅਕਤੀ ਵੀ ਸੱਟਾਂ ਲੱਗਣ ਨਾਲ ਜ਼ਖਮੀ ਹੋ ਗਏ। ਓਧਰ, ਇਸ ਹਾਦਸੇ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਮਿਲਦਿਆਂ ਹੀ ਐਂਬੂਲੈਂਸ ਨੇ ਉਕਤ ਜ਼ਖਮੀ ਪਤੀ ਪਤਨੀ ਨੂੰ ਸਿਵਲ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਇਲਾਜ ਲਈ ਦਾਖਲ ਕਰਵਾਇਆ।

ਮੋਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਨੀਤੀਆਂ ਸਦਕਾ ਕਰੀਬ 50 ਕਰੋੜ ਲੋਕ ਗਰੀਬੀ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਨਿਕਲੇ: ਅਸ਼ਵਨੀ ਸ਼ਰਮਾ

ਕੌਮੀ ਪਤ੍ਰਿਕਾ

ਪਠਾਨਕੋਟ 12 ਨਵੰਬਰ। ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਸਾਬਕਾ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਅਸ਼ਵਨੀ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਵਿਚ ਗਰੀਬੀ ਘਟਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਵਿਸ਼ਵ ਬੈਂਕ ਦੀ ਤਾਜ਼ਾ ਰਿਪੋਰਟ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੀ ਪਰਿਵਰਤਨਸ਼ੀਲ ਅਗਵਾਈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਗਰੀਬਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਪ੍ਰਤੀ ਵਚਨਬੱਧਤਾ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਸਬੂਤ ਹੈ। ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਜਪਾ ‘ਅੰਤੋਦਿਆ’ (ਸਮਾਜ ਦੇ ਆਖਰੀ ਵਿਅਕਤੀ ਦਾ ਉਥਾਨ) ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਰੱਖਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਵਿਕਾਸ ਦਾ ਲਾਭ ਸਮਾਜਿਕ ਪੌੜੀ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਹੇਠਲੇ ਪੱਧਰ ’ਤੇ ਖੜ੍ਹੇ ਵਿਅਕਤੀ ਤੱਕ ਵੀ ਪਹੁੰਚੇ। ਮੁਫ਼ਤ ਅਨਾਜ ਅਤੇ ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਮਕਾਨ, ਸਫ਼ਾਈ, ਬਿਜਲੀ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਸਹੂਲਤਾਂ ਤੱਕ, ਮੋਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਭਲਾਈ ਸਕੀਮਾਂ ਦਾ ਲਾਭ ਸਿੱਧਾ ਜ਼ਮੀਨੀ ਪੱਧਰ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ’ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਰਿਪੋਰਟ ’ਤੇ ਪ੍ਰਤੀਕਿਰਿਆ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ, ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ 2011 ਅਤੇ 2023



ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਲਗਭਗ 49.6 ਕਰੋੜ ਲੋਕ ਹੇਠਲੇ-ਮੱਧਮ ਆਮਦਨ ਵਾਲੀ ਗਰੀਬੀ ਰੇਖਾ ਤੋਂ ਉੱਪਰ ਆ ਗਏ ਹਨ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਗਰੀਬੀ ਦੀ ਦਰ 57.7 ਫੀਸਦੀ ਤੋਂ ਘਟ ਕੇ 16.1 ਫੀਸਦੀ ’ਤੇ ਆ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਵੱਧ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਦੌਰਾਨ ਅਤਿ ਗਰੀਬੀ 27.1 ਫੀਸਦੀ ਤੋਂ ਘਟ ਕੇ ਸਿਰਫ਼ 2.6 ਫੀਸਦੀ ਰਹਿ ਗਈ ਹੈ। ਕਾਂਗਰਸ ’ਤੇ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਸਾਧਦਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ, ਇਹ ਅੰਕੜੇ ਸਿਰਫ਼ ਅੰਕੜੇ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਸਗੋਂ ਕਰੋੜਾਂ ਭਾਰਤੀ ਪਰਿਵਾਰਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਪੱਧਰ ਵਿੱਚ ਆਏ ਸੁਧਾਰ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਨਮਾਨ ਅਤੇ ਵਧੇ ਹੋਏ ਮੌਕਿਆਂ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਪੇਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਦਹਾਕਿਆਂ ਤੱਕ ‘ਗਰੀਬੀ ਹਟਾਓ’ ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਦਿੱਤਾ, ਪਰ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੀ ਦੂਰਅੰਦੇਸ਼ੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਭਾਜਪਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਨੀਤੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਅਮਲ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਸਾਬਤ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਗਰੀਬੀ ਨੂੰ ਅਸਲ ਵਿੱਚ ਕਿਵੇਂ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਵਿਰੋਧੀ ਧਿਰ ’ਤੇ ਹੋਰ ਹਮਲਾ ਕਰਦਿਆਂ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸੀ ਆਗੂ ਮੋਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਦੋਸ਼ ਲਗਾਉਣ ਵਿੱਚ ਹੀ ਰੁੱਝੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਜਦਕਿ ਉਹ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਵੱਲੋਂ ਮਾਨਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਤੱਥਾਂ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਾਪਤੀਆਂ ਨੂੰ ਜਾਣਬੁੱਝ ਕੇ ਨਜ਼ਰਅੰਦਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ, ਇਹ ਰਿਪੋਰਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਕਰਾਰਾ ਜਵਾਬ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਹਾਕਿਆਂ ਤੱਕ ਸਿਆਸੀ ਲਾਹਾ ਲੈਣ ਲਈ ਗਰੀਬੀ ਦੇ ਮੁੱਦੇ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ, ਪਰ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਅਰਥਪੂਰਨ ਤਬਦੀਲੀ ਲਿਆਉਣ ਵਿੱਚ ਅਸਫਲ ਰਹੇ।

ਪਤਨੀ ਨੇ 2 ਪ੍ਰੇਮੀਆਂ ਨਾਲ ਮਿਲ ਮਰਵਾ’ਤਾ ਘਰਵਾਲਾ !

ਹੈਦਰਾਬਾਦ 12 ਨਵੰਬਰ। ਤੇਲੰਗਾਨਾ ਦੇ ਕਾਮਾਰੈੱਡੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ’ਚ ਇਕ ਹੈਰਾਨ ਕਰਨ ਦੇਣ ਵਾਲਾ ਮਾਮਲਾ ਸਾਹਮਣੇ ਆਇਆ ਹੈ। ਇੱਥੇ ਇਕ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਕਤਲ ਦੇ ਦੋਸ਼ ’ਚ ਉਸ ਦੀ ਪਤਨੀ ਅਤੇ 2 ਹੋਰ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਔਰਤ ਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਵਾਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧ ਸਨ। 23 ਅਕਤੂਬਰ ਦੀ ਰਾਤ ਹਨਮਾਜੀਪੇਟ ਪਿੰਡ ਦੇ ਬਾਹਰੀ ਇਲਾਕੇ ’ਚ ਇਕ ਝੀਲ ਤੋਂ ਚਕਾਲੀ ਉਰਫ਼ ਗੁਮਾਡੀ ਕਾਸੀਰਾਮ (26) ਦੀ ਲਾਸ਼ ਮਿਲੀ ਸੀ। ਉਸ ਦੇ ਪਿਤਾ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ’ਤੇ ਪੁਲਸ ਨੇ ਸ਼ੱਕੀ ਮੌਤ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ’ਚ ਭਾਰਤੀ ਨਾਗਰਿਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸੰਹਿਤਾ (ਬੀਐੱਨਐੱਸਐੱਸ) ਦੀ ਧਾਰਾ 194 ਦੇ ਅਧੀਨ ਮਾਮਲਾ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਪੋਸਟਮਾਰਟਮ ਰਿਪੋਰਟ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਬੂਤਾਂ ਤੋਂ ਇਹ ਪਤਾ ਲੱਗਣ ’ਤੇ ਕਿ ਕਾਸੀਰਾਮ ਦਾ ਕਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਨੂੰ ਕਤਲ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ’ਚ ਬਦਲ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਕਾਮਾਰੈੱਡੀ ਦੇ ਪੁਲਸ ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਐੱਮ. ਰਾਜੇਸ਼ ਚੰਦਰ ਨੇ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਲਈ ਇਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਟੀਮ ਦਾ ਗਠਨ ਕੀਤਾ। ਸੀਸੀਟੀਵੀ ਫੁਟੇਜ, ਤਕਨੀਕੀ ਡਾਟਾ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ’ਤੇ ਪੁਲਸ ਨੇ 30 ਅਕਤੂਬਰ ਨੂੰ ਤਿੰਨਾਂ ਦੋਸ਼ੀਆਂ ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ। ਪੁਲਸ ਅਨੁਸਾਰ ਪੁੱਛ-ਗਿੱਛ ਦੌਰਾਨ ਕਾਸੀਰਾਮ ਦੀ ਪਤਨੀ ਸਵਿਤਾ (23) ਨੇ ਕਬੂਲ ਕੀਤਾ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਚਿੰਤਾਕਿੰਨੀ ਰਾਮੂ ਅਤੇ ਪਸੁਪੂਲਾ ਸੰਤੋਸ਼ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕਤਲ ਦੀ ਸਾਜ਼ਿਸ਼ ਰਚੀ ਸੀ, ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਸ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਸਨ। ਪੁਲਸ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ 23 ਅਕਤੂਬਰ ਦੀ ਰਾਤ ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਵਿਅਕਤੀ ਕਾਸੀਰਾਮ ਨੂੰ ਸ਼ਰਾਬ ਪਿਲਾਉਣ ਦੇ ਬਹਾਨੇ ਬਾਹਰ ਲੈ ਗਏ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਨਸ਼ੇ ’ਚ ਹੋ ਗਿਆ ਤਾਂ ਰਾਮੂ ਨੇ ਰੱਸੀ ਨਾਲ ਉਸ ਦਾ ਗਲਾ ਘੁੱਟ ਦਿੱਤਾ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਸੰਤੋਸ਼ ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਹੱਥ ਫੜ ਰੱਖੇ ਸਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲਾਸ਼ ਨੂੰ ਪਚੇਰੂ ਚੇਰੂਵੂ ਝੀਲ ’ਚ ਸੁੱਟ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਬੂਤ ਮਿਟਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ।

ਰਾਜਾ ਵੜਿੰਗ ਦੇ ਬਿਆਨ ’ਤੇ ਭਾਜਪਾ ਆਗੂ ਵਿਜੇ ਸਾਂਪਲਾ ਦਾ ਤਿੱਖਾ ਪਲਟਵਾਰ

ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ 12 ਨਵੰਬਰ। ਭਾਜਪਾ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਆਗੂ ਅਤੇ ਸਾਬਕਾ ਕੇਂਦਰੀ ਮੰਤਰੀ ਵਿਜੇ ਸਾਂਪਲਾ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਸਾਬਕਾ ਸੂਬਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਅਮਰਿੰਦਰ ਫੈਕਟਰੀਆਂ ’ਚ ਨਸ਼ਾ ਬਣਦਾ ਹੈ, ਉੱਥੇ ਨਸ਼ਾ ਵਿਕਦਾ ਵੀ ਹੈ, ਵੜਿੰਗ ਦੱਸਣ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਸ਼ਾ ਰੋਣ ਲਈ ਕੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ?



ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ ਵੜਿੰਗ ਦੇ ਬਿਆਨ ’ਤੇ ਤਿੱਖਾ ਪਲਟਵਾਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੇਂਦਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰੀ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਤੋਂ ਸਵਾਲ ਪੁੱਛਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੜਿੰਗ ਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਉਹ ਖ਼ੁਦ ਮੰਤਰੀ ਸਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਸ਼ਿਆਂ ਖ਼?ਲਾਫ਼ ਕੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਸਾਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਸੂਬੇ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਸਾਂਪਲਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਲੋਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਨਕਾਰੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਪਾਰਟੀ ਹੈ। ਅੱਜ ਉਹ ਲੋਕ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦੇ ਵਾਅਦੇ ’ਤੇ ਸਵਾਲ ਉਠਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਰਾਜਾ ਵੜਿੰਗ ਨੂੰ ਦੂਜਿਆਂ ’ਤੇ ਉਂਗਲ ਚੁੱਕਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਪਣੇ ਗਿਰੇਬਾਨ ਵਿੱਚ ਝਾਤ ਮਾਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਸਾਂਪਲਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਦੇ ਕਾਰਜਕਾਲ ਦੌਰਾਨ ਹੀ ਜੰਮੂ-ਕਸ਼ਮੀਰ ਵਿੱਚੋਂ ਧਾਰਾ 370 ਹਟਾਈ ਗਈ, ਨਕਸਲਵਾਦ ਦਾ ਖਾਤਮਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਨਾਰਕੋ-ਟੈਰਰ ਨੈੱਟਵਰਕ ਖ਼?ਲਾਫ਼ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਮਿਤ ਸ਼ਾਹ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਦਰਦ ਸਮਝਿਆ ਹੈ। ਇਸੇ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 31 ਦਸੰਬਰ, 2029 ਤੱਕ ਸਿਰਫ਼ ਪੰਜਾਬ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਪੂਰੇ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚੋਂ ਨਸ਼ਾ ਖ਼ਤਮ ਕਰਨ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਭਾਜਪਾ ਲਈ ਇਹ ਕੋਈ ਸਿਆਸੀ ਮੁੱਦਾ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਨੌਜਵਾਨ ਪੀੜ੍ਹੀ ਅਤੇ ਭਵਿੱਖ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੀ ਲੜਾਈ ਹੈ।

ਨਾਲੀਆਂ ’ਚੋਂ ਨਿਕਲ ਰਿਹਾ ‘ਸੋਨਾ’ ! ਦੂਰੋਂ-ਦੂਰੋਂ ਕੂੜੇ ਦੇ ਢੇਰ ਫਰੋਲਣ ਆਉਂਦੇ ਨੇ ਲੋਕ

ਨੈਸ਼ਨਲ ਡੈਸਕ 12 ਨਵੰਬਰ। ਆਮ ਤੌਰ ’ਤੇ ਲੋਕ ਕੂੜੇ ਅਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਬਿਹਾਰ ਦੇ ਆਰਾ ’ਚ ਕੁਝ ਲੋਕ ਨਾਲੀਆਂ ’ਚ ਸੋਨੇ ਦੀ ਭਾਲ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਆਰਾ ਦੇ ਗੁਦਰੀ ਬਾਜ਼ਾਰ ਅਤੇ ਜਗਜੀਵਨ ਮਾਰਕੀਟ ’ਚ ਸੋਨੇ-ਚਾਂਦੀ ਦੇ ਗਹਿਣਿਆਂ ਦਾ ਵੱਡੇ ਪੈਮਾਨੇ ’ਤੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇੱਥੇ ਕਈ ਦੁਕਾਨਾਂ ’ਚ ਗਹਿਣੇ ਬਣਾਉਣ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਟਿੰਗ, ਘਿਸਾਈ ਅਤੇ ਪਾਲਿਸ਼ ਦਾ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਸੋਨੇ ਦੇ ਛੋਟੇ ਕਣ ਧੂੜ ਅਤੇ ਬੁਰਾਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਸਫ਼ਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੁਝ ਕਣ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਰੁੜ ਕੇ ਨਾਲੀਆਂ ’ਚ ਪਹੁੰਚ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਲੋਕ ਨਾਲੀਆਂ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਛਾਣ ਕੇ ਅਤੇ ਧੋ ਕੇ ਸੋਨੇ ਦੇ ਕਣ ਕੱਢਦੇ ਹਨ। ਹੈਰਾਨੀ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਰਾਜਸਥਾਨ ਅਤੇ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਵੀ ਲੋਕ ਇੱਥੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਨਾਲੀਆਂ ਦਾ ਕੂੜਾ ਕਮਾਈ ਦਾ ਜ਼ਰੀਆ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇੱਥੇ ਦੀਆਂ ਨਾਲੀਆਂ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਮਾਮੂਲੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਹ ਬਹੁਤ ਬਾਰੀਕੀ ਨਾਲ ਨਾਲੇ ਦੀ ਗਾਦ ਅਤੇ ਕੂੜੇ ਨੂੰ ਇਕੱਠਾ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਫਿਰ ਕਈ ਰਸਾਇਣਾਂ ਅਤੇ ਰਵਾਇਤੀ ਤਰੀਕਿਆਂ ਨੂੰ ਉਸ ਨੂੰ ਧੋ ਕੇ ਉਸ ’ਚੋਂ ਸੋਨੇ ਦੇ ਚਮਕੀਲੇ ਕਣ ਵੱਖ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕਿਸਮਤ ਦਾ ਖੇਡ ਹੈ। ਕਦੇ ਹੱਥ ’ਚ ਸੋਨਾ ਲੱਗਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਦੇ ਸਿਰਫ਼ ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਨਿਰਾਸ਼ਾ। ਇਸ ਦਾ ਇਕ ਦਿਲਚਸਪ ਪਹਿਲੂ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਇੱਥੇ ਘਰਾਂ ’ਚ ਸਾਲ ਭਰ ਦੀ ਝਾੜੂ ਤੋਂ ਨਿਕਲੀ ਧੂੜ ਅਤੇ ਬੁਰਾਦੇ ਨੂੰ ਕੂੜਾ ਸਮਝ ਕੇ ਸੁੱਟਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਸਗੋਂ ਔਰਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਇਕ ਕੋਨੇ ’ਚ ਰੱਖਦੀਆਂ ਹਨ। ਦੀਵਾਲੀ ਦੇ ਨੇੜੇ-ਤੇੜੇ ਜਦੋਂ ਸਫ਼ਾਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਕੂੜੇ ਦੀ ਬਕਾਇਦਾ ਬੋਲੀ ਲੱਗਦੀ ਹੈ। ਖਰੀਦਾਰ ਇਸ ਕੂੜੇ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਕੀਮਤ ’ਚ ਖਰੀਦ ਕੇ ਲਿਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ’ਚ ਸੋਨੇ ਦੀ ਚਮਕ ਲੁੱਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਦੁਕਾਨਦਾਰ ਜਾਂ ਘਰ ਦੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਹਰ ਕੋਈ ਸੋਨੇ ਦੇ ਇਕ-ਇਕ ਕਣ ਦੀ ਕੀਮਤ ਸਮਝਦਾ ਹੈ। ਕਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਉੱਡਣ ਵਾਲੀ ਧੂੜ ਵੀ ਇੱਥੇ ਸੋਨੇ ਦੇ ਭਾਅ ਵਿਕਦੀ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਸ ਕੰਮ ’ਚ ਮਿਹਨਤ ਬਹੁਤ ਹੈ ਅਤੇ ਕਮਾਈ ਦੀ ਕੋਈ ਪੱਕੀ ਗਾਰੰਟੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਕਈ ਵਾਰ ਦਿਨ ਭਰ ਚਿੱਕੜ ਛਾਨਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵੀ ਹੱਥ ਖਾਲੀ ਰਹਿ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਫਿਰ ਵੀ ਚਿੱਕੜ ਤੋਂ ਸੋਨਾ ਕੱਢਣ ਦੀ ਇਹ ਉਮੀਦ ਦਾ ਅਨੋਖਾ ਕਾਰੋਬਾਰ ਬਿਹਾਰ ਦੇ ਆਰਾ ਦੀਆਂ ਗਲੀਆਂ ’ਚ ਅੱਜ ਵੀ ਪੂਰੀ ਰਫ਼ਤਾਰ ਨਾਲ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰ ਨੇ ਕੁੜੀ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਬਰ ਜ਼ਿਨਾਹ, ਦੋਸ਼ੀ ਫਰਾਰ

ਰਾਂਚੀ 12 ਨਵੰਬਰ। ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਰਾਂਚੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ’ਚ ਇਕ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰ ਵਲੋਂ 9 ਸਾਲਾ ਕੁੜੀ ਨਾਲ ਜਬਰ ਜ਼ਿਨਾਹ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਸਾਹਮਣੇ ਆਇਆ ਹੈ। ਪੁਲਸ ਨੇ ਮੰਗਲਵਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ। ਤਮਾੜ ਦੇ ਥਾਣਾ ਇੰਚਾਰਜ ਦੁਲਾਲ ਮਹਿਤੋ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਦੋਸ਼ੀ ਦਾ ਕੁੜੀ ਦੇ ਘਰ ਆਉਣਾ-ਜਾਣਾ ਸੀ। ਉਸ ਨੇ ਸੋਮਵਾਰ ਨੂੰ ਚੌਲ ਲਿਆਉਣ ਦੇ ਬਹਾਨੇ ਕੁੜੀ ਦੇ ਪਿਤਾ ਤੋਂ ਦੋਪਹੀਆ ਵਾਹਨ ਲਿਆ ਅਥੇ ਕੁੜੀ ਨੂੰ ਵੀ ਆਪਣੇ ਨਾਲ ਲੈ ਗਿਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਸ ਨੇ ਇਕ ਸੁੰਨਸਾਨ ਥਾਂ ’ਤੇ ਕੁੜੀ ਨਾਲ ਜਬਰ ਜ਼ਿਨਾਹ ਕੀਤਾ ਫਿਰ ਉਸ ਨੂੰ ਘਰ ਵਾਪਸ ਛੱਡ ਦਿੱਤਾ। ਇਹ ਘਟਨਾ ਉਦੋਂ ਸਾਹਮਣੇ ਆਈ ਜਦੋਂ ਲੜਕੀ ਦੀ ਮਾਂ ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਕੱਪੜਿਆਂ ’ਤੇ ਧੂੜ ਲੱਗੀ ਦੇਖੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪੁੱਛਗਿੱਛ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੁੜੀ ਨੇ ਪੂਰੀ ਆਪਬੀਤੀ ਸੁਣਾਈ। ਥਾਣਾ ਇੰਚਾਰਜ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪੀੜਤਾ ਦੀ ਮਾਂ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦੇ ਆਧਾਰ ’ਤੇ ਭਾਰਤੀ ਨਿਆਂ ਸੰਹਿਤਾ (ਬੀਐੱਨਐੱਸ) ਅਤੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਜਿਨਸੀ ਅਪਰਾਧਾਂ ਤੋਂ ਸੁਰੱਖਿਆ (ਪੋਕਸੋ) ਐਕਟ ਦੇ ਤਹਿਤ ਮਾਮਲਾ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਅਧਿਕਾਰੀ ਨੇ ਅੱਗੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਦੋਸ਼ੀ ਇਸ ਸਮੇਂ ਫਰਾਰ ਹੈ ਅਤੇ ਪੁਲਸ ਉਸ ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ’ਤੇ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

ਪਰਾਲੀ ਸਾੜਨ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਖ਼ੁਦ ਮੈਦਾਨ ’ਚ ਨਿੱਤਰੇ 43 ਆਦਿਤਿਆ ਉੱਪਲ

ਕੌਮੀ ਪਤ੍ਰਿਕਾ

ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ 12 ਨਵੰਬਰ। ਪਰਾਲੀ ਅਤੇ ਫ਼ਸਲੀ ਰਹਿੰਦ-ਖੂੰਹਦ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਆਦਿਤਿਆ ਉੱਪਲ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ’ ਤੇ ਸਮੁੱਚਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਫੀਲਡ ਵਿੱਚ ਨਿੱਤਰਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਅੱਜ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਆਦਿਤਿਆ ਉੱਪਲ ਅਤੇ ਐੱਸ ਐੱਸ ਪੀ ਬਟਾਲਾ ਡਾ. ਮਹਿਤਾਬ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਬਟਾਲਾ ਅਤੇ ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ ਖੇਤਰ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਫਾਇਰ ਬ੍ਰਿਗੇਡ ਰਾਹੀਂ ਰਸਤੇ ਵਿੱਚ ਮੌਕੇ ’ਤੇ ਲੱਗੀ ਅੱਗ ਨੂੰ ਬੁਝਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੁਚੱਜੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵਧੀਕ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਸਮੂਹ ਉੱਪ ਮੰਡਲ ਮੈਜਿਸਟ?ਰੇਟ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਪੁਲਸ ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਟੀਮਾਂ ਵੱਲੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਪੈਟਰੋਲਿੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਮੌਕੇ ’ਤੇ ਲੱਗੀ ਅੱਗ ਨੂੰ ਬੁਝਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਟੀਮਾਂ ਵੱਲੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਕੇ ਸਥਿਤੀ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਆਦਿਤਿਆ ਉੱਪਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵੱਲੋਂ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਸਖ਼ਤੀ ਵੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਲਗਾਤਾਰ ਨਿਗਰਾਨੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੀ ਸੰਭਾਲ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ



ਰੱਖਦਿਆਂ ਫਸਲੀ ਰਹਿੰਦ-ਖੂੰਹਦ ਨੂੰ ਅੱਗ ਨਾ ਲਗਾਉਣ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਸੁਚੱਜੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦਾ ਖੇਤਾਂ ਵਿੱਚ ਹੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰਨ ਜਾਂ ਬੇਲਰ ਵਰਗੀ ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਰਾਹੀਂ ਗੱਠਾਂ ਬਣਵਾ ਕੇ ਇਸ ਦੀ ਸੁਚੱਜੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗੱਠਾਂ ਬਣਾਉਣ ਉਪਰੰਤ ਫਸਲ ਦੀ ਰਹਿੰਦ ਖੂੰਹਦ ਨੂੰ ਵੀ ਅੱਗ ਨਾ ਲਾਈ ਜਾਵੇ। ਫਸਲ ਦੀ ਰਹਿੰਦ ਖੂੰਹਦ ਨੂੰ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਵਾਹ ਕੇ ਫਸਲ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਸਰਪੰਚਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਹ ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਸਬੰਧੀ ਮਾਣਯੋਗ ਨੈਸ਼ਨਲ ਗ੍ਰੀਨ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ (ਐਨ.ਜੀ.ਟੀ) ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਇੰਨ-ਬਿੰਨ ਪਾਲਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਰਾਲੀ ਦਾ ਸੁਚੱਜਾ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰਨਾ ਸਾਡੀ ਸਾਂਝੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਤੇ ਸਬੰਧਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦਾ ਆਪਸੀ ਸਹਿਯੋਗ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਅਗਾਂਹਵਧੂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਵਲੋਂ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਨਹੀਂ ਲਗਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਕਿਸਾਨ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਸਾੜਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਹੈ ਕਿ ਮਾਨਵਤਾ ਦੀ ਭਲਾਈ ਤੇ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦਿਆਂ ਪਰਾਲੀ ਦੀ ਸਾਂਭ ਸੰਭਾਲ ਕਰਨਜਾਂ ਫਸਲ ਦੀ ਰਹਿੰਦ ਖੂੰਹਦ ਪੈਲੀ ਵਿੱਚ ਵਾਹ ਕੇ ਅਗਲੀ ਫਸਲ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਹੋਟਲ ਦੇ ਚੈਂਬਰ ’ਚ ਸਫ਼ਾਈ ਕਰਨ ਗਏ 4 ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਗਈ ਜਾਨ !

ਉਜੈਨ 12 ਨਵੰਬਰ। ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਉਜੈਨ-ਦੇਵਾਸ ਰੋਡ ’ਤੇ ਸਥਿਤ ਸ਼੍ਰੀ ਗੰਗਾ ਹੋਟਲ ’ਚ ਚੈਂਬਰ ਦੀ ਸਫਾਈ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ ਦਮ ਘੁੱਟਣ ਨਾਲ ਚਾਰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਹੋ ਗਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਹੇਠਾਂ ਗਏ 2 ਹੋਰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਵੀ ਸਿਹਤ ਵਿਗੜ ਗਈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਲਾਜ ਲਈ ਹਸਪਤਾਲ ’ਚ ਦਾਖ਼ਲ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਹਾਦਸੇ ’ਚ ਇਕ ਸਬ-ਇੰਸਪੈਕਟਰ ਵੀ ਜ਼ਖਮੀ ਹੋ ਗਿਆ। ਮਿਲੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਨੁਸਾਰ, ਇਕ ਵਿਅਕਤੀ ਰਾਤ ਨੂੰ ਹੋਟਲ ਦੇ ਅੰਡਰਗ੍ਰਾਊਂਡ ਚੈਂਬਰ ਦੀ ਸਫਾਈ ਕਰਨ ਲਈ ਹੇਠਾਂ ਗਿਆ ਸੀ। ਉਸ ਦੇ ਬਾਹਰ ਨਾ ਆਉਣ ’ਤੇ ਇਕ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਕ ਤਿੰਨ ਹੋਰ ਲੋਕ ਵੀ ਚੈਂਬਰ ’ਚ ਉਤਰ ਗਏ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਅੰਦਰ ਫਸ ਗਏ। ਮ੍ਰਿਤਕਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਮਲੇਸ਼ ਤੰਬੋਲੀ, ਨਿਤਿਨ ਵਾਹਿਦ ਅਤੇ ਮਨੋਜ ਮੀਨਾ ਵਜੋਂ ਹੋਈ ਹੈ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਚੌਥੇ ਮ੍ਰਿਤਕ ਦੀ ਪਛਾਣ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ ਆਈ ਹੈ। ਜਾਣਕਾਰੀ ਮਿਲਣ ’ਤੇ, ਮਾਧਵ ਨਗਰ ਥਾਣਾ ਪੁਲਸ ਮੌਕੇ ’ਤੇ ਪਹੁੰਚੀ ਅਤੇ ਬਚਾਅ ਕਾਰਜ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ। ਚੈਂਬਰ ਦਾ ਗੇਟ ਖੋਲ੍ਹਣ ’ਚ ਪਰੇਸ਼ਾਨੀ ਆਉਣ ’ਤੇ ਥਾਣਾ ਇੰਚਾਰਜ ਗਜੇਂਦਰ ਪਚੌਰੀਆ ਨੇ ਨੇੜਲੇ ਨਿਰਮਾਣ ਸਥਾਨ ਤੋਂ ਕਟਰ ਮਸ਼ੀਨ ਮੰਗਵਾਈ। ਇਸ ਦੀ ਮਦਦ ਨਾਲ ਗੇਟ ਕੱਟ ਕੇ ਰਸਤਾ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ। ਚੈਂਬਰ ਦੇ ਫਰਸ਼ ’ਤੇ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਿਸਲਣ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਕਾਰਨ ਬਚਾਅ ਕਾਰਜ ’ਚ ਵੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਆਈ। ਲਗਭਗ ਡੇਢ ਘੰਟੇ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਚਾਰਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਕੱਢਿਆ ਗਿਆ। ਪੁਲਸ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 2 ਮਿੰਟ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਮੇਂ ਲਈ ਸੀਪੀਆਰ ਦਿੱਤਾ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਾਨ ਨਹੀਂ ਬਚਾਈ ਜਾ ਸਕੀ। ਲਾਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਪੋਸਟਮਾਰਟਮ ਲਈ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਚਾਰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਫਸਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ 5ਵਾਂ ਸਫਾਈ ਕਰਮਚਾਰੀ ਹੇਮਰਾਜ ਵੀ ਚੈਂਬਰ ’ਚ ਦਾਖ਼ਲ ਹੋਇਆ, ਪਰ ਉਹ ਘਬਰਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਬਾਹਰ ਆਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੇਹੋਸ਼ ਹੋ ਗਿਆ। ਫਸੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਅੰਦਰ ਗਏ 2 ਹੋਰ ਵੀ ਬੀਮਾਰ ਹੋ ਗਏ। ਦੋਵਾਂ ਨੂੰ ਹਸਪਤਾਲ ’ਚ ਦਾਖ਼ਲ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਘਟਨਾ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਮਿਲਦੇ ਹੀ ਪੁਲਸ ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਸ਼ਰਮਾ ਵੀ ਮੌਕੇ ’ਤੇ ਪਹੁੰਚੇ ਅਤੇ ਬਚਾਅ ਟੀਮ ਨੂੰ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੱਤੇ।